

Kumari Vijeta

Model: C4,P6

SrNo: 101-101-102-2059 / 42

Date: 12/08/2026

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 16/09/1989
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 08:02:00 घंटे
इष्ट _____: 06:08:21 घटी
स्थान _____: Bihar Sharif
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:07:00 उत्तर
रेखांश _____: 85:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:11:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 08:13:40 घंटे
वेलान्तर _____: 00:05:03 घंटे
साम्पातिक काल _____: 07:53:46 घंटे
सूर्योदय _____: 05:34:39 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:51:24 घंटे
दिनमान _____: 12:16:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 29:29:46 सिंह
लग्न के अंश _____: 01:54:11 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मीन - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: उ०भाद्रपद - 2
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: गण्ड
करण _____: कौलव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गौ
नाडी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: थ-थाकोरी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कन्या

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

चैत्रादि संवत् / शक _____: 2046 / 1911

मास _____: आश्विन

पक्ष _____: कृष्ण

सूर्योदय कालीन तिथि _____: 1

तिथि समाप्ति काल _____: 13:48:04

जन्म तिथि _____: 1

सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: उ०भाद्रपद

नक्षत्र समाप्ति काल _____: 21:38:35 घंटे

जन्म नक्षत्र _____: उ०भाद्रपद

सूर्योदय कालीन योग _____: गण्ड

योग समाप्ति काल _____: 16:35:47 घंटे

जन्म योग _____: गण्ड

सूर्योदय कालीन करण _____: कौलव

करण समाप्ति काल _____: 13:48:04 घंटे

जन्म करण _____: कौलव

भयात _____: 19:00:28

भभोग _____: 53:01:57

भोग्य दशा काल _____: शनि 12 वर्ष 2 मा 12 दि

घात चक्र

मास _____: फाल्गुन
तिथि _____: 5-10-15
दिन _____: शुक्रवार
नक्षत्र _____: आश्लेषा
योग _____: वज्र
करण _____: चतुष्पाद
प्रहर _____: 4
वर्ग _____: गरुड
लग्न _____: सिंह
सूर्य _____: मिथुन
चन्द्र _____: कुम्भ
मंगल _____: कर्क
बुध _____: कुम्भ
गुरु _____: सिंह
शुक्र _____: कन्या
शनि _____: वृष
राहु _____: तुला

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

1

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	01:54:11	321:41:36	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	---
सूर्य			सिंह	29:29:46	00:58:29	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	स्वराशि
चंद्र			मीन	08:06:14	15:04:43	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	04:01:17	00:38:42	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध		व	अ	कन्या	15:52:02	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			मिथु	14:18:05	00:07:33	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	10:27:46	01:09:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	13:36:14	00:00:28	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु		व	कुंभ	01:55:37	00:02:58	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु		व	सिंह	01:55:37	00:02:58	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:38:13	00:00:18	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप		व	धनु	15:54:00	00:00:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	19:28:58	00:01:44	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	02:42:32	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

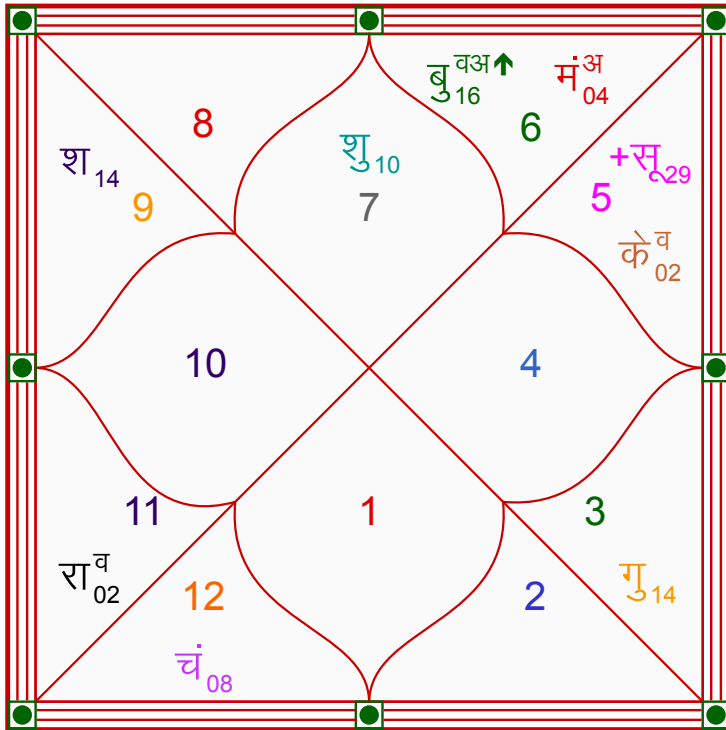
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

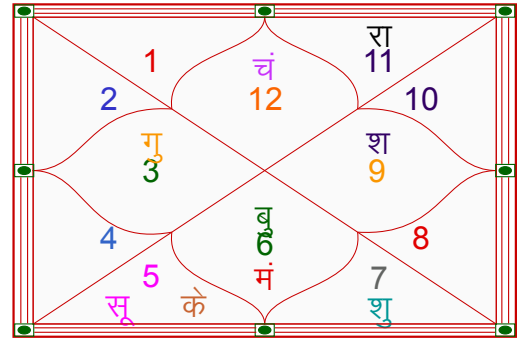
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:58

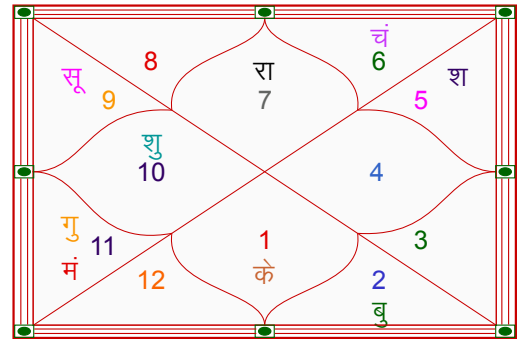
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

2

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि	भाव मध्य
1	कन्या 17:02:15	तुला 01:54:11
2	तुला 17:02:15	वृश्चिक 02:10:18
3	वृश्चिक 17:18:22	धनु 02:26:25
4	धनु 17:34:29	मकर 02:42:32
5	मकर 17:34:29	कुम्भ 02:26:25
6	कुम्भ 17:18:22	मीन 02:10:18
7	मीन 17:02:15	मेष 01:54:11
8	मेष 17:02:15	वृष 02:10:18
9	वृष 17:18:22	मिथुन 02:26:25
10	मिथुन 17:34:29	कर्क 02:42:32
11	कर्क 17:34:29	सिंह 02:26:25
12	सिंह 17:18:22	कन्या 02:10:18

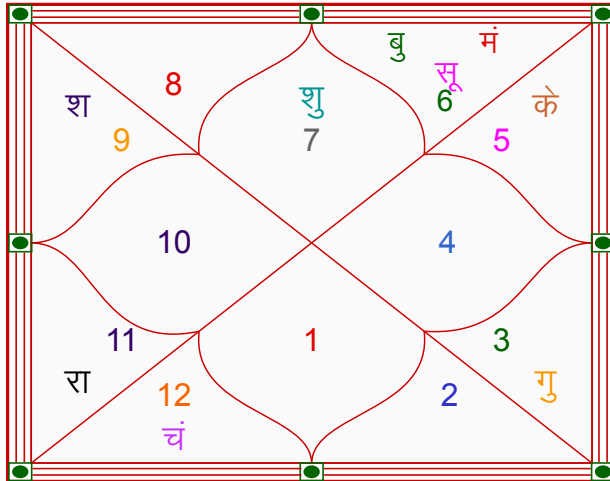
निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	तुला	01:54:11
2	वृश्चिक	00:55:07
3	धनु	01:16:56
4	मकर	02:42:32
5	कुम्भ	04:28:58
6	मीन	04:47:21
7	मेष	01:54:11
8	वृष	00:55:07
9	मिथुन	01:16:56
10	कर्क	02:42:32
11	सिंह	04:28:58
12	कन्या	04:47:21

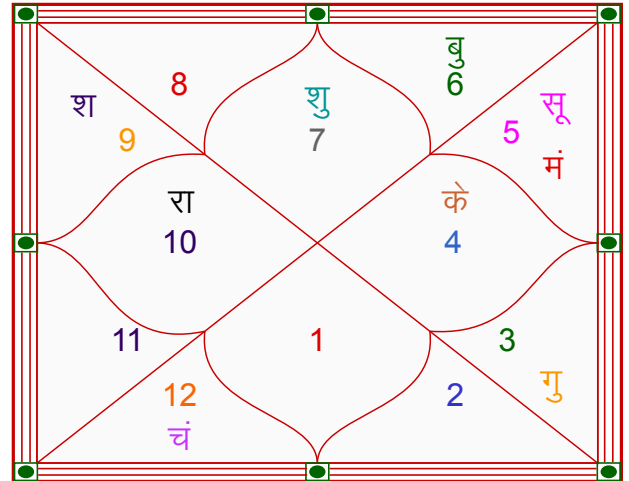
तारा चक्र

जन्म	सम्पत्	विपत्	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद

चलित कुंडली



भाव कुंडली



Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

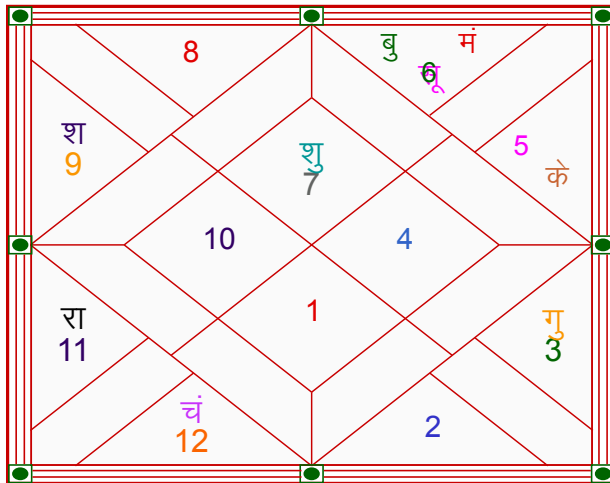
कारक, अवस्था, रश्मि

ग्रह	कारक		अवस्था				
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	आत्मा	पितृ	मृत	स्वस्थ	नेत्रपाणि	3.38	36 %
चंद्र	ज्ञाति	मातृ	वृद्ध	शक्त	नेत्रपाणि	7.51	48 %
मंगल	कलत्र	भ्रातृ	मृत	विकल	नेत्रपाणि	0.00	11 %
बुध	अमात्य	ज्ञाति	युवा	विकल	कौतुक	0.00	44 %
गुरु	भ्रातृ	धन	युवा	खल	भोजन	6.20	45 %
शुक्र	पुत्र	कलत्र	कुमार	स्वस्थ	नेत्रपाणि	1.20	49 %
शनि	मातृ	आयु	युवा	शक्त	सभा	1.76	25 %
राहु	---	ज्ञान	बाल	मुदित	सभा	0.00	3 %
केतु	---	मोक्ष	बाल	खल	भोजन	0.00	3 %
कुल						20.03	

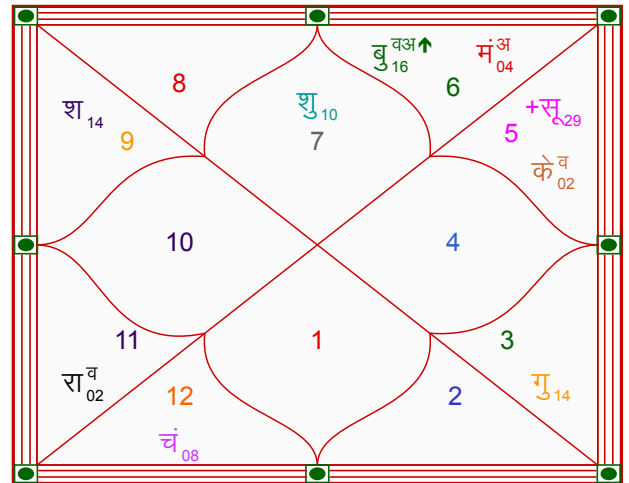
तारा चक्र

जन्म	सम्पत्	विपत्	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद

चलित कुंडली



लग्न-चलित

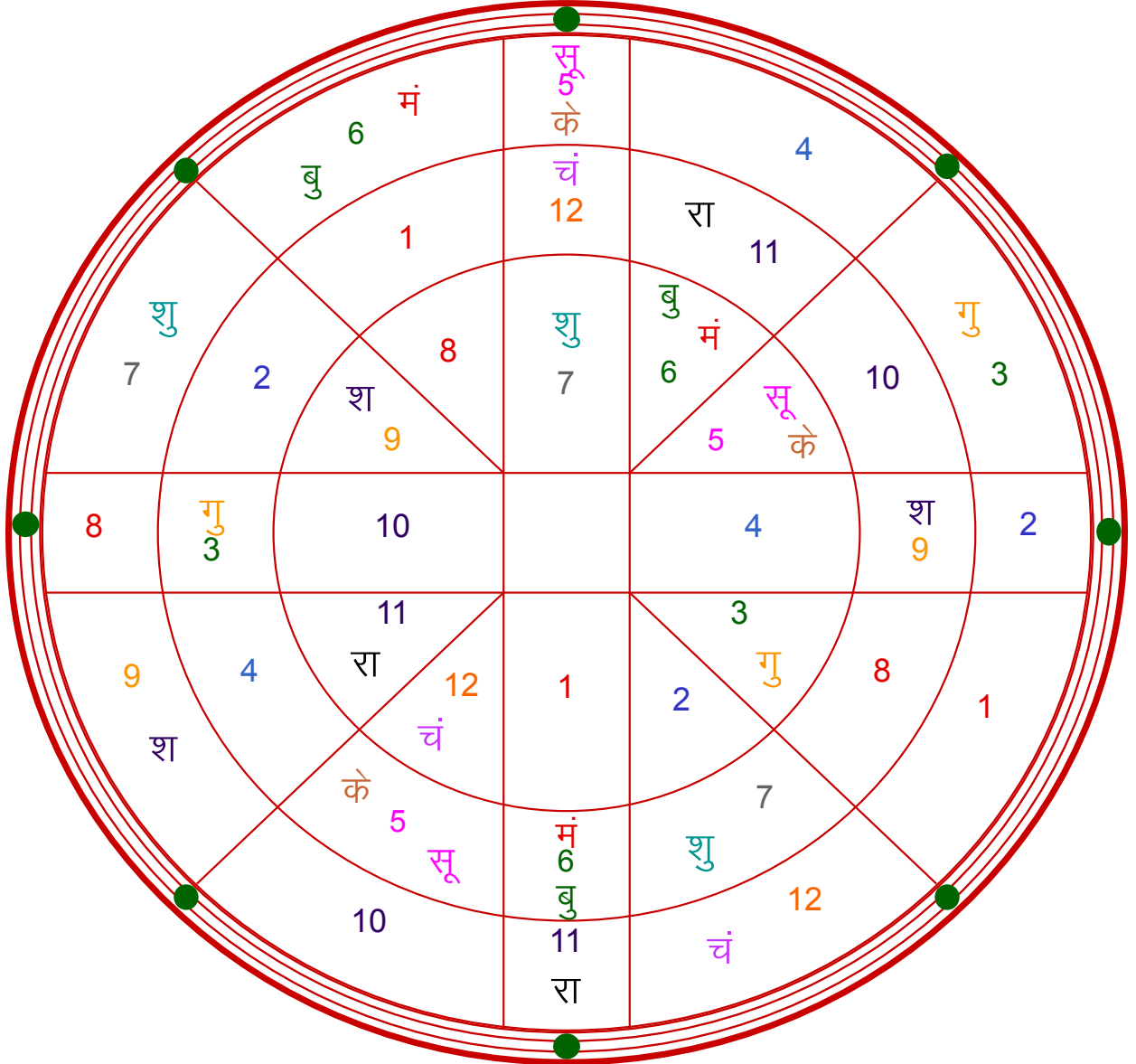


Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

सुदर्शन चक्र



नोट: सुदर्शन चक्र कमानुसार बाहरी वृत्त से अन्तः वृत्त तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

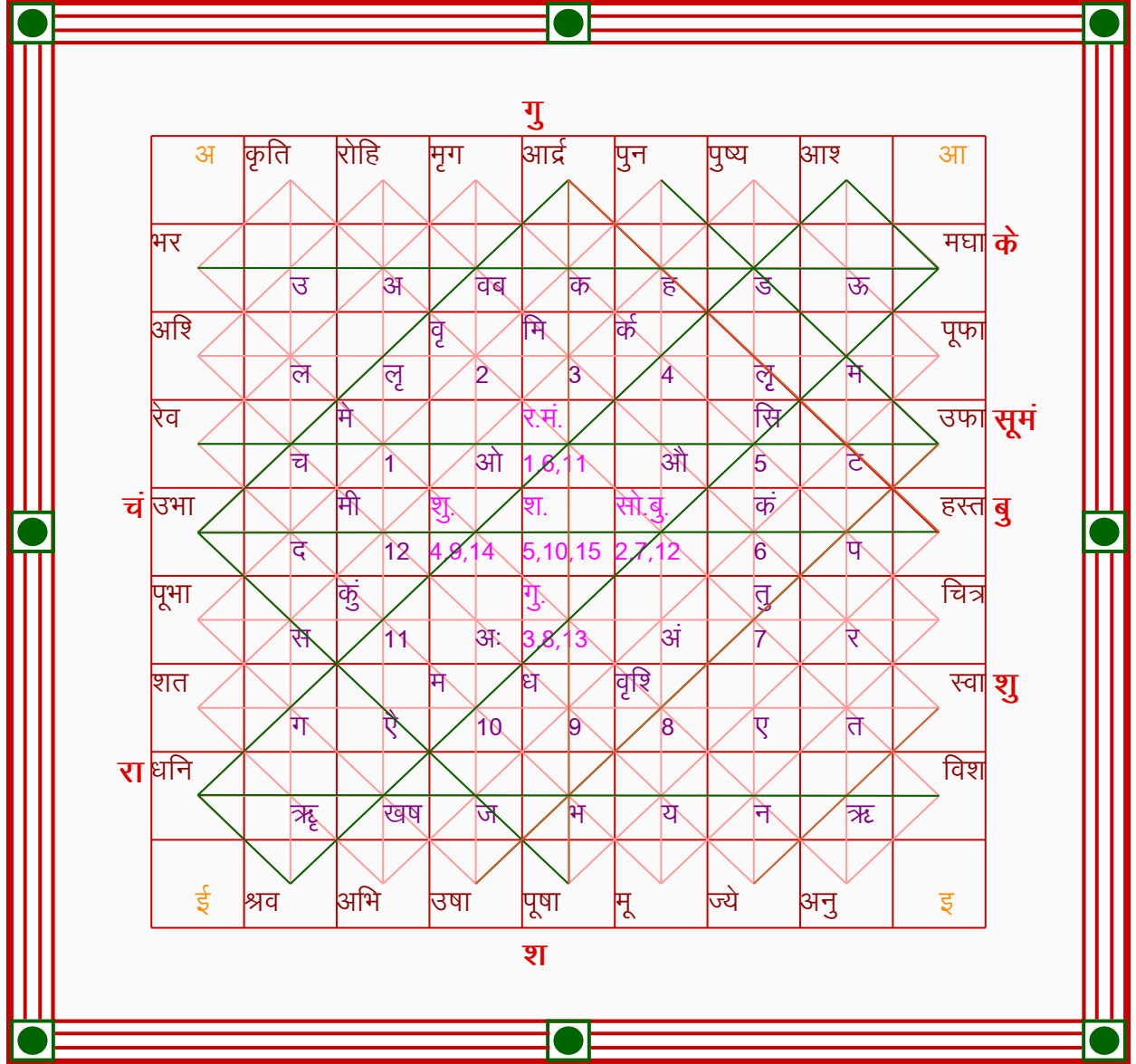
Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

5

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

सर्वतोभद्र चक्र



नोट: सर्वतोभद्र चक्र जन्म या गोचर ग्रह का दूसरे ग्रहों पर वेध जानने के लिए सर्वोत्तम चक्र है। ग्रह अपने नक्षत्र से तीन नक्षत्रों में स्थित ग्रहों को वेध करता है:- अपने से बायीं ओर, दायीं ओर एवं सामने। शुभाशुभ ग्रह बाधा का ज्ञान सटीक फलादेश में विशेष उपयोगी है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	शुक्र, शनि+
2	मंगल- राहु-
3	चंद्र, गुरु- शनि,
4	चंद्र- गुरु, शुक्र, शनि- राहु,
5	चंद्र- शनि-
6	चंद्र, बुध, गुरु-
7	मंगल- राहु-
8	शुक्र- शनि-
9	बुध- गुरु,
10	चंद्र- बुध- केतु+
11	सूर्य+ मंगल+ राहु,
12	बुध,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	11+
चंद्र	3, 4- 5- 6, 10-
मंगल	2- 7- 11+
बुध	6, 9- 10- 12,
गुरु	3- 4, 6- 9,
शुक्र	1, 4, 8-
शनि	1+ 3, 4- 5- 8-
राहु	2- 4, 7- 11,
केतु	10+

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	मंगल
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
राशि नक्षत्र स्वामी	शनि
राशि स्वामी	गुरु
वार स्वामी	शनि
लग्न अन्तर स्वामी	केतु
राशि अन्तर स्वामी	शुक्र

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

8

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

कारकत्व—सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	श	शु	श	शु
2	--	--	रा	मं
3	चं	श	--	गु
4	गु शु	रा	चं	श
5	--	--	चं	श
6	बु	चं	--	गु
7	--	--	रा	मं
8	--	--	श	शु
9	--	गु	--	बु
10	के	के	बु	चं
11	सू मं रा	सू मं	सू मं	सू
12	--	बु	--	बु

ग्रह कारक सारिणी—1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	11	4,8,12	सिंह	11
चंद्र	10	---	मीन	6
मंगल	2,7	1,5,9	कन्या	11
बुध	9,12	---	कन्या	12
गुरु	3,6	2,10	मिथुन	9
शुक्र	1,8	---	तुला	1
शनि	4,5	6	धनु	3
राहु	---	---	कुम्भ	4
केतु	---	3,7,11	सिंह	10

ग्रह कारक सारिणी—2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	11	4,8,12	11	---	---	4
चंद्र	4,5	6	3	1,8	---	1
मंगल	11	4,8,12	11	4,5	6	3
बुध	10	---	6	4,5	6	3
गुरु	---	---	4	9,12	---	12
शुक्र	---	---	4	4,5	6	3
शनि	1,8	---	1	1,8	---	1
राहु	2,7	1,5,9	11	---	3,7,11	10
केतु	---	3,7,11	10	1,8	---	1

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

9

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

ग्रह दृष्टि विचार

दृश्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लूटो
	149.50	338.10	154.02	165.87	74.30	190.46	253.60	301.93	121.93	247.64	255.90	199.48
सूर्य	—	सप्त	युति	—	—	नवां	—	—	—	—	—	—
149.50	0.00	6.21	8.90	0.00	0.00	0.05	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
चंद्र	सप्त	—	सप्त	सप्त	—	—	—	—	—	—	—	—
338.10	6.21	0.00	9.10	6.87	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मंगल	युति	सप्त	—	युति	—	—	4था	—	—	4था	4था	अष्ट
154.02	8.90	9.10	0.00	3.24	0.00	0.00	5.37	0.00	0.00	9.29	3.21	0.75
बुध	—	सप्त	युति	—	—	—	चतु	—	—	—	चतु	—
165.87	0.00	6.87	3.24	0.00	0.00	0.00	2.49	0.00	0.00	0.00	3.00	0.00
गुरु	—	—	—	चतु	—	5वां	सप्त	9वां	—	सप्त	सप्त	5वां
74.30	0.00	0.00	0.00	2.75	0.00	9.20	9.97	2.72	0.00	7.66	9.86	8.56
शुक्र	—	—	—	—	—	—	तृती	—	—	तृती	तृती	युति
190.46	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.04	0.00	0.00	2.22	0.44	5.86
शनि	10वा	चतु	10वा	10वा	सप्त	—	—	3रा	—	युति	युति	—
253.60	0.93	0.39	5.37	9.72	9.97	0.00	0.00	3.41	0.00	8.11	9.71	0.00
राहु	—	—	—	—	—	—	—	—	सप्त	—	—	—
301.93	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00
केतु	—	—	—	—	—	—	—	सप्त	—	पंच	—	—
121.93	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.23	0.00	0.00
हर्ष	—	चतु	—	—	सप्त	—	युति	तृती	—	—	युति	—
247.64	0.00	2.98	0.00	0.00	7.66	0.00	8.11	0.23	0.00	0.00	6.48	0.00
नेप	—	—	—	—	सप्त	—	युति	—	—	युति	—	—
255.90	0.00	0.00	0.00	0.00	9.86	0.00	9.71	0.00	0.00	6.48	0.00	0.00
प्लूटो	—	—	—	—	—	युति	तृती	—	—	—	तृती	—
199.48	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.86	0.10	0.00	0.00	0.00	1.77	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त — दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त — दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति — युति	0	15	10	सप्त — सप्तम	180	15	10
पंच — पंचम	120	6	3	चतु — चतुर्थ	90	6	3
तृती — तृतीय	60	6	3	अष्ट — अष्टमांश	45	1	1
नवां — नवमांश	40	1	1	पंचा — पंचमांश	72	1	1
अष्टां — अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ — षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां — मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

10

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्ट्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	181.90	212.17	242.44	272.71	302.44	332.17	1.90	32.17	62.44	92.71	122.44	152.17
सूर्य	—	तृती	चतु	पंच	—	सप्त	—	—	—	—	—	युति
149.50	0.00	2.29	2.15	2.00	0.00	9.61	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.61
चंद्र	—	—	—	—	—	युति	—	तृती	चतु	पंच	—	सप्त
338.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.13	0.00	0.05	0.26	0.47	0.00	8.13
मंगल	—	तृती	—	पंच	—	सप्त	8वां	—	—	—	—	युति
154.02	0.00	2.66	0.00	2.82	0.00	9.81	9.75	0.00	0.00	0.00	0.00	9.81
बुध	—	—	—	—	—	सप्त	—	—	—	—	—	युति
165.87	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.36	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.36
गुरु	5वां	—	सप्त	—	—	—	—	—	युति	—	—	—
74.30	2.69	0.00	3.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.23	0.00	0.00	0.00
शुक्र	युति	—	—	—	—	—	सप्त	—	—	—	—	—
190.46	6.24	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.24	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	—	—	युति	—	3रा	—	—	—	सप्त	—	—	10वा
253.60	0.00	0.00	3.91	0.00	3.91	0.00	0.00	0.00	3.91	0.00	0.00	3.65
राहु	—	—	—	—	युति	—	तृती	—	पंच	षष्ठ	सप्त	—
301.93	0.00	0.00	0.00	0.00	9.99	0.00	3.00	0.00	2.97	0.34	9.99	0.00
केतु	तृती	चतु	पंच	षष्ठ	सप्त	—	—	—	—	—	युति	—
121.93	3.00	2.99	2.97	0.34	9.99	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.99	0.00
हर्ष	—	—	युति	—	तृती	चतु	पंच	—	सप्त	—	—	—
247.64	0.00	0.00	8.56	0.00	0.63	0.42	0.21	0.00	8.56	0.00	0.00	0.00
नेप	—	—	युति	—	—	—	—	—	सप्त	—	—	—
255.90	0.00	0.00	1.61	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.61	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	—	युति	—	—	—	—	—	सप्त	—	—	—	—
199.48	0.00	2.40	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.40	0.00	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त — दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त — दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति — युति	0	15	10	सप्त — सप्तम	180	15	10
पंच — पंचम	120	6	3	चतु — चतुर्थ	90	6	3
तृती — तृतीय	60	6	3	अष्ट — अष्टमांश	45	1	1
नवां — नवमांश	40	1	1	पंचा — पंचमांश	72	1	1
अष्टां — अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ — षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां — मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

11

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

भाव दृष्टि विचार

दृश्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	181.90	210.92	241.28	272.71	304.48	334.79	1.90	30.92	61.28	92.71	124.48	154.79
सूर्य	—	तृती	चतु	पंच	—	सप्त	—	—	—	—	—	युति
149.50	0.00	2.79	2.68	2.00	0.00	8.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.50
चंद्र	—	—	—	—	—	युति	—	—	—	पंच	—	सप्त
338.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.40	0.00	0.00	0.00	0.47	0.00	9.40
मंगल	—	तृती	—	पंच	षष्ठ	सप्त	8वां	—	—	—	—	युति
154.02	0.00	2.06	0.00	2.82	0.75	9.97	9.75	0.00	0.00	0.00	0.00	9.97
बुध	—	अष्ट	—	—	—	सप्त	—	—	—	—	—	युति
165.87	0.00	1.00	0.00	0.00	0.00	3.99	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.99
गुरु	5वां	—	सप्त	—	—	—	—	—	युति	—	—	—
74.30	2.69	0.00	2.06	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.06	0.00	0.00	0.00
शुक्र	युति	—	—	—	पंच	—	सप्त	—	—	—	—	—
190.46	6.24	0.00	0.00	0.00	0.02	0.00	6.24	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	—	—	युति	—	3रा	—	—	—	सप्त	—	—	10वा
253.60	0.00	0.00	2.77	0.00	5.77	0.00	0.00	0.00	2.77	0.00	0.00	6.03
राहु	—	—	—	—	युति	—	तृती	—	पंच	षष्ठ	सप्त	—
301.93	0.00	0.00	0.00	0.00	9.64	0.00	3.00	0.00	2.96	0.34	9.64	0.00
केतु	तृती	चतु	पंच	षष्ठ	सप्त	—	—	—	—	—	युति	—
121.93	3.00	2.90	2.96	0.34	9.64	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.64	0.00
हर्ष	—	—	युति	—	तृती	चतु	पंच	—	सप्त	—	—	—
247.64	0.00	0.00	7.87	0.00	2.03	2.20	0.21	0.00	7.87	0.00	0.00	0.00
नेप	—	—	युति	—	—	—	—	अष्टां	सप्त	—	—	—
255.90	0.00	0.00	0.40	0.00	0.00	0.00	0.00	1.00	0.40	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	—	युति	—	—	—	अष्टां	—	सप्त	—	—	—	—
199.48	0.00	3.65	0.00	0.00	0.00	0.89	0.00	3.65	0.00	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त — दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त — दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति — युति	0	15	10	सप्त — सप्तम	180	15	10
पंच — पंचम	120	6	3	चतु — चतुर्थ	90	6	3
तृती — तृतीय	60	6	3	अष्ट — अष्टमांश	45	1	1
नवां — नवमांश	40	1	1	पंचा — पंचमांश	72	1	1
अष्टां — अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ — षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां — मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

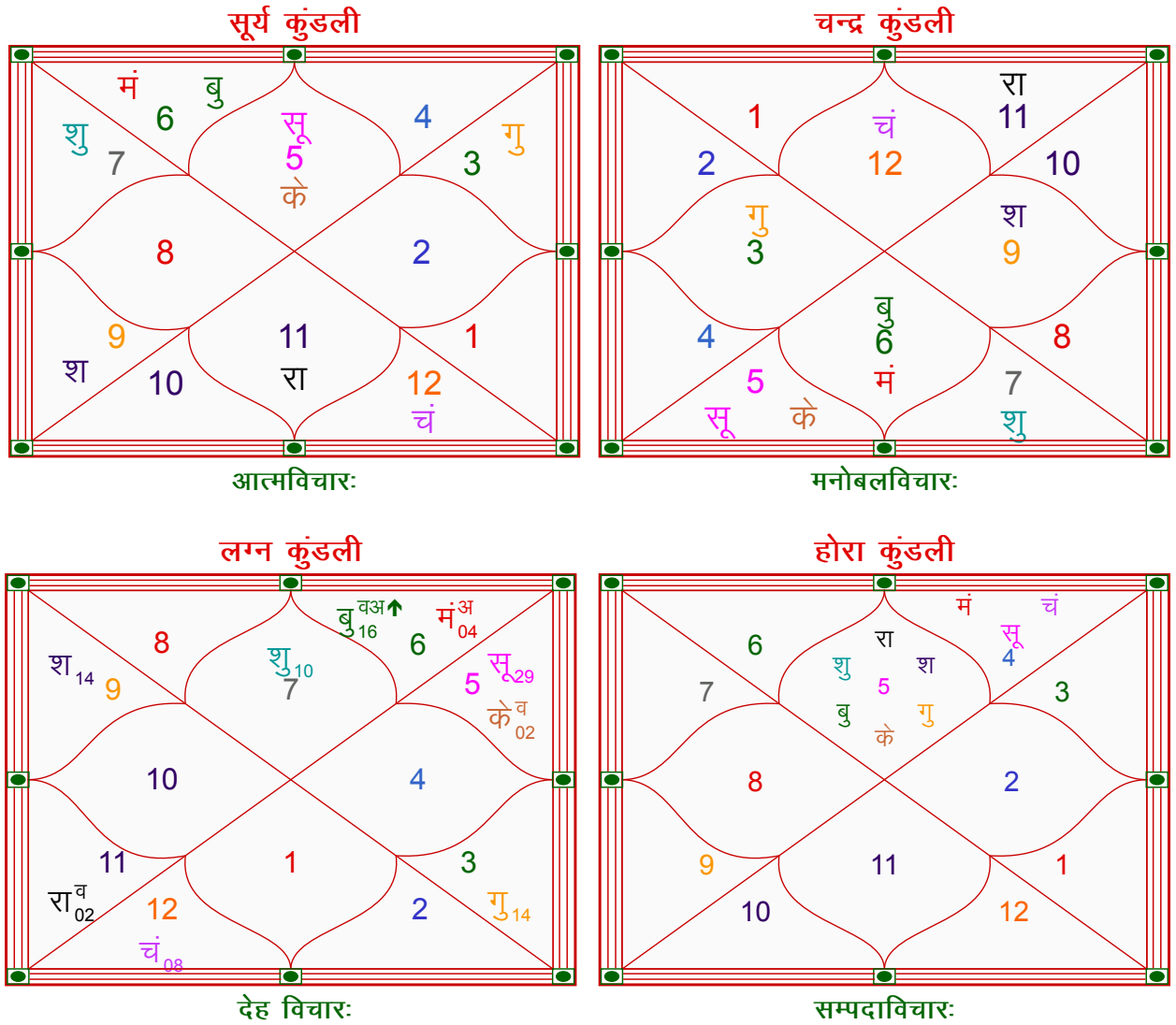
3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

12

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिए, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।



Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

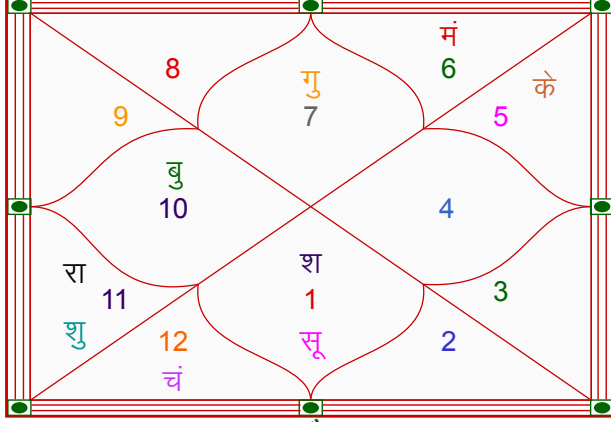
3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

13

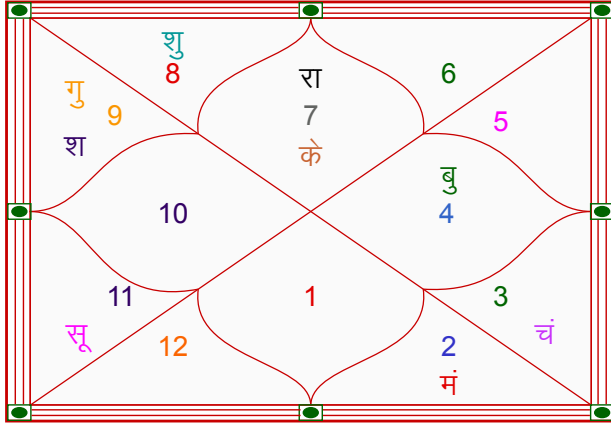
Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षोडशवर्ग चक्र

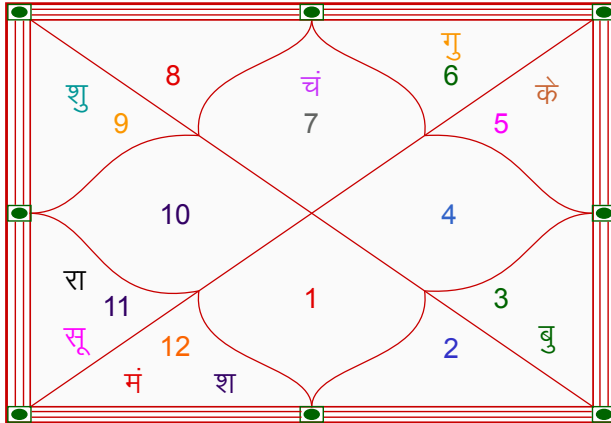
द्रेष्काण कुंडली



भ्रातृसौख्यम्
पंचमांश कुंडली

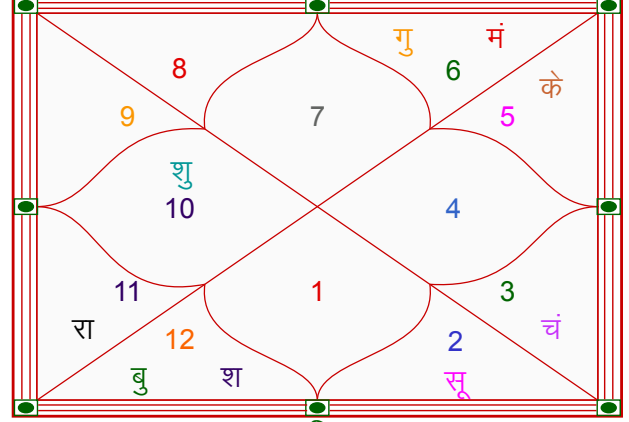


ज्ञानविचारः
सप्तमांश कुंडली

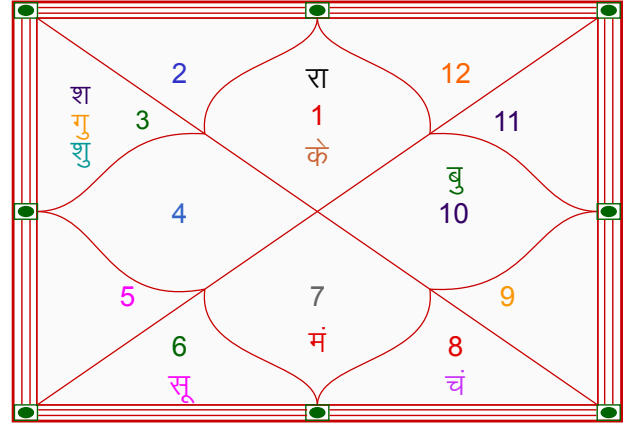


पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

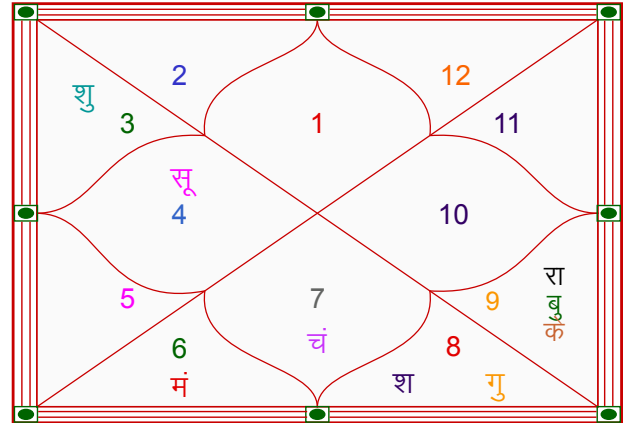
चतुर्थांश कुंडली



भाग्यविचारः
षष्ठांश कुंडली



रिपुज्ञानम्
अष्टमांश कुंडली



आयुविचारः

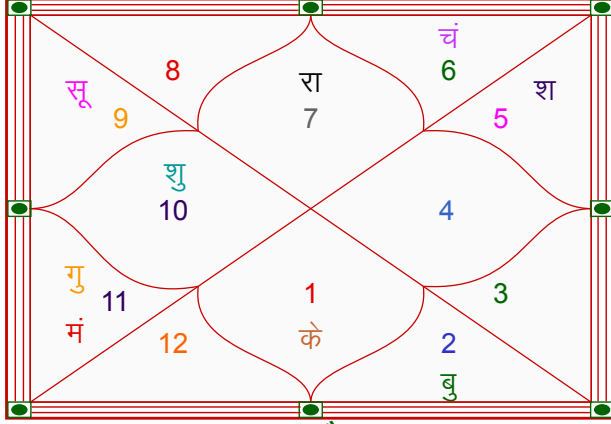
Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

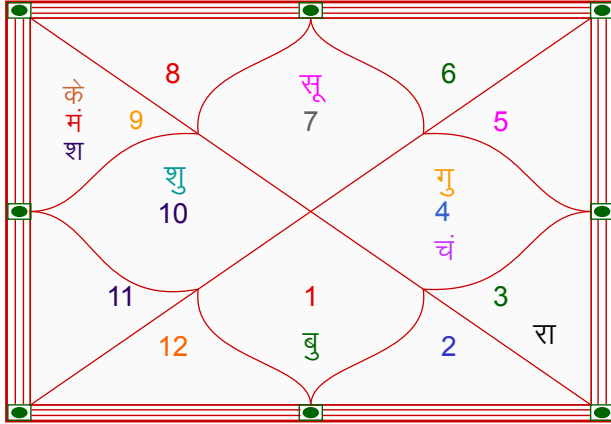
षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली



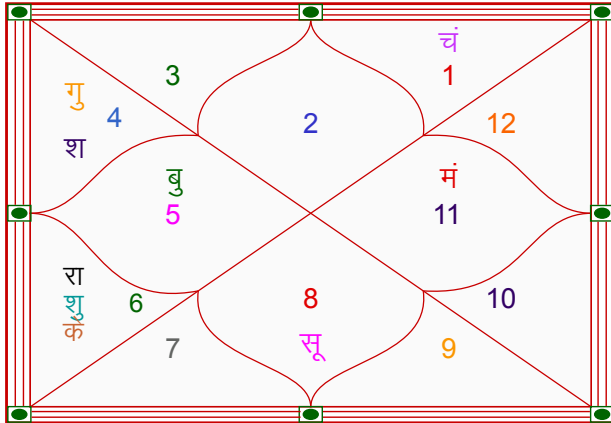
कलत्र सौख्यम्

एकादशांश कुंडली



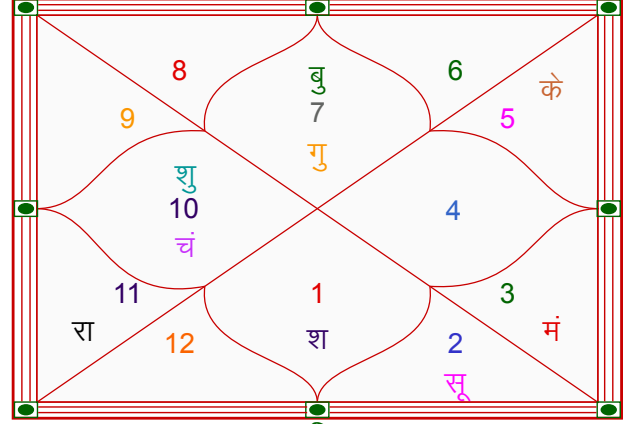
लाभविचारः

षोडशांश कुंडली



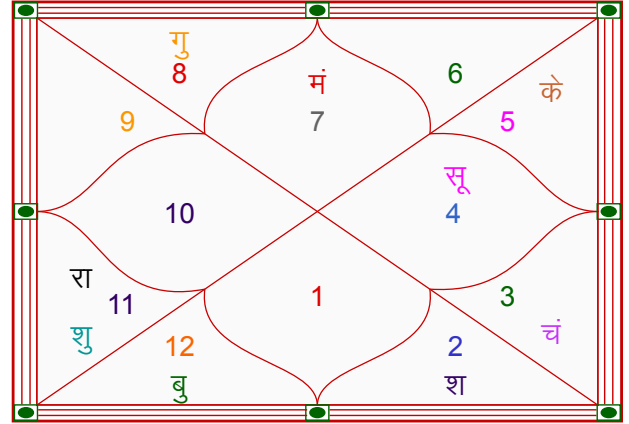
वाहनसुखविचारः

दशमांश कुंडली



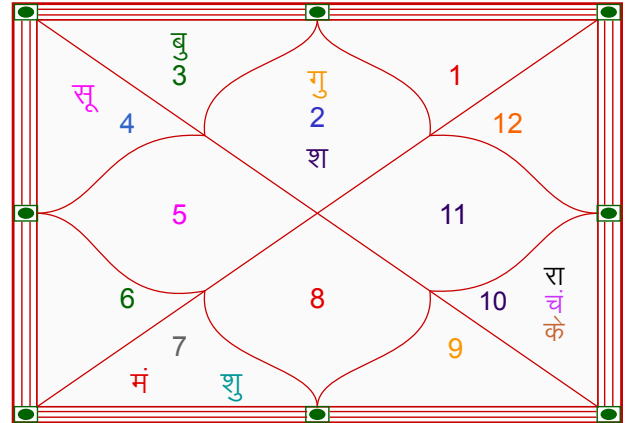
राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली



पितृसौख्यम्

विंशांश कुंडली



उपासनाज्ञानम्

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

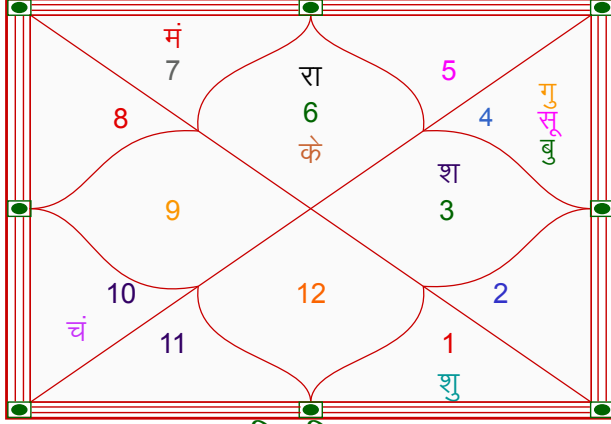
3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

15

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

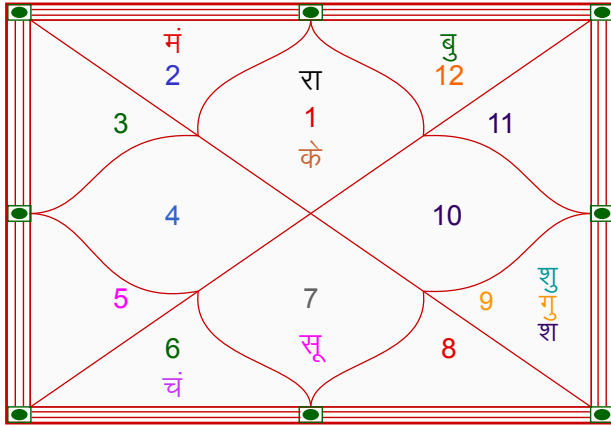
षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशश कुंडली



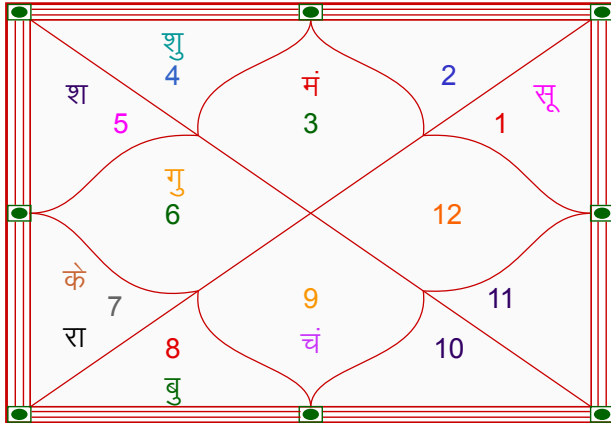
विद्याविचारः

त्रिंशश कुंडली



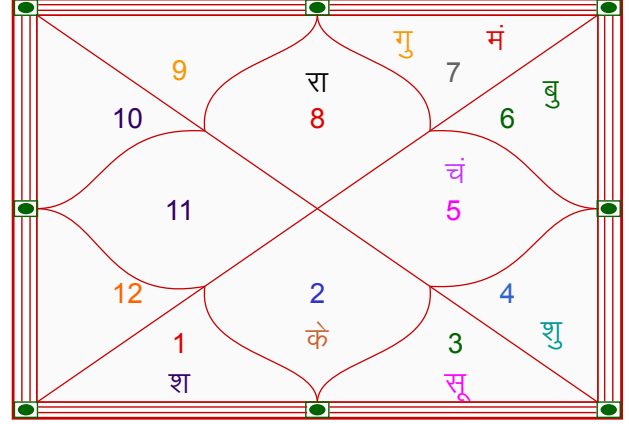
अरिष्टज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली



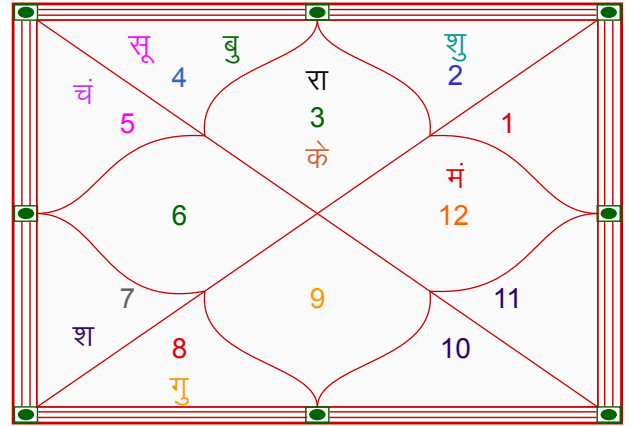
सर्वास्थितिविचारः

सप्तविंशश कुंडली



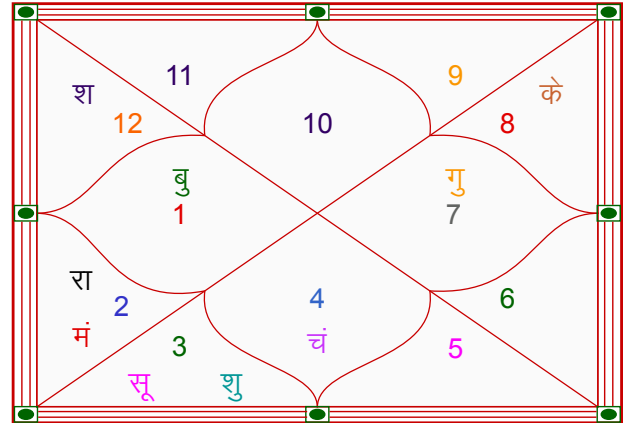
बलाबलज्ञानम्

खवेदांश कुंडली



शुभाशुभज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली



सर्वास्थितिविचारः

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	तुला	सिंह	मीन	कन्या	कन्या	मिथु	तुला	धनु	कुंभ	सिंह
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	तुला	मेष	मीन	कन्या	मक	तुला	कुंभ	मेष	कुंभ	सिंह
चतुर्थांश	तुला	वृष	मिथु	कन्या	मीन	कन्या	मक	मीन	कुंभ	सिंह
सप्तमांश	तुला	कुंभ	तुला	मीन	मिथु	कन्या	धनु	मीन	कुंभ	सिंह
नवमांश	तुला	धनु	कन्या	कुंभ	वृष	कुंभ	मक	सिंह	तुला	मेष
दशमांश	तुला	वृष	मक	मिथु	तुला	तुला	मक	मेष	कुंभ	सिंह
द्वादशांश	तुला	कर्क	मिथु	तुला	मीन	वृश्चि	कुंभ	वृष	कुंभ	सिंह
षोडशांश	वृष	वृश्चि	मेष	कुंभ	सिंह	कर्क	कन्या	कर्क	कन्या	कन्या
विंशांश	वृष	कर्क	मक	तुला	मिथु	वृष	तुला	वृष	मक	मक
चतुर्विंशांश	कन्या	कर्क	मक	तुला	कर्क	कर्क	मेष	मिथु	कन्या	कन्या
सप्तविंशांश	वृश्चि	मिथु	सिंह	तुला	कन्या	तुला	कर्क	मेष	वृश्चि	वृष
त्रिंशांश	मेष	तुला	कन्या	वृष	मीन	धनु	धनु	धनु	मेष	मेष
खवेदांश	मिथु	कर्क	सिंह	मीन	कर्क	वृश्चि	वृष	तुला	मिथु	मिथु
अक्षवेदांश	मिथु	मेष	धनु	मिथु	वृश्चि	कन्या	कर्क	सिंह	तुला	तुला
षष्ट्यंश	मक	मिथु	कर्क	वृष	मेष	तुला	मिथु	मीन	वृष	वृश्चि

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	2 किंसुक	2 किंसुक	2 पारिजात	3 कुसुम
चन्द्र	1 ----	1 ----	2 पारिजात	2 भेदक
मंगल	0 ----	0 ----	0 ----	0 ----
बुध	1 ----	2 किंसुक	2 पारिजात	4 नागपुष्प
गुरु	1 ----	1 ----	2 पारिजात	3 कुसुम
शुक्र	1 ----	1 ----	1 ----	3 कुसुम
शनि	0 ----	0 ----	0 ----	1 ----
राहु	0 ----	0 ----	1 ----	3 कुसुम
केतु	0 ----	0 ----	0 ----	0 ----

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	16.60	13.50	9.50	17.55	10.35	17.25	8.00	14.05	8.90
सप्तवर्ग	14.88	12.63	10.88	17.85	10.68	15.78	7.90	14.25	8.58
दशवर्ग	14.18	14.30	11.85	15.03	10.33	16.05	8.20	12.63	10.95
षोडशवर्ग	15.35	13.75	11.90	14.93	10.23	16.50	8.25	11.73	12.35

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

17

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
चंद्र	सम	---	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	अतिमित्र
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	शत्रु	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	अधिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	---	अतिमित्र	सम	अतिमित्र
शनि	अधिशत्रु	सम	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	---	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	मित्र	अतिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

18

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	13.5	41.7	12.0	59.7	53.1	4.5	42.1
सप्तवर्गज बल	114.4	86.3	78.8	165.0	95.6	127.5	45.0
ओजयुग्मक बल	30.0	30.0	15.0	0.0	30.0	15.0	30.0
केन्द्र बल	30.0	15.0	15.0	15.0	15.0	60.0	15.0
द्रेष्काण बल	0.0	0.0	15.0	15.0	0.0	0.0	15.0
कुल स्थान बल	187.9	173.0	135.8	254.7	193.7	207.0	147.1
कुल दिग्बल	41.1	38.2	39.6	54.7	24.1	32.6	23.9
नतोन्नत बल	41.6	18.4	18.4	60.0	41.6	41.6	18.4
पक्ष बल	2.9	114.3	2.9	2.9	57.1	57.1	2.9
त्रिभाग बल	0.0	0.0	0.0	60.0	60.0	0.0	0.0
अब्द बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	15.0	0.0
मास बल	30.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
वार बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	45.0
होरा बल	0.0	0.0	60.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अयन बल	67.1	29.0	31.2	35.0	59.7	13.1	59.8
युद्ध बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
कुल कालबल	141.5	161.7	112.5	157.9	218.4	126.8	126.1
कुल चेष्टाबल	0.0	0.0	1.8	59.8	28.2	28.9	34.7
कुल नैसर्गिक बल	60.0	51.4	17.1	25.7	34.3	42.9	8.6
कुल दृग्बल	12.7	-48.0	16.7	10.4	-5.7	5.1	-11.7
कुल षट्बल	443.2	376.3	323.4	563.1	493.0	443.2	328.6
रूप षट्बल	7.4	6.3	5.4	9.4	8.2	7.4	5.5
न्यूनतम आवश्यकता	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.5	1.0	1.1	1.3	1.3	1.3	1.1
संबंधित पद	1	7	6	3	4	2	5

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	20.87	48.81	4.59	59.76	38.72	11.38	38.22
कष्ट फल	35.91	7.25	52.87	0.23	14.80	41.58	21.27

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	443.2	323.4	493.0	328.6	328.6	493.0	323.4	443.2	563.1	376.3	443.2	563.1
भावदिग्बल	60.0	10.0	40.0	0.0	20.0	40.0	30.0	40.0	20.0	0.0	50.0	50.0
भावदृष्टि बल	35.2	50.6	53.3	79.3	53.6	37.4	37.5	30.6	23.3	6.7	2.6	39.7
कुल भाव बल	538.4	384.0	586.4	407.9	402.3	570.4	390.9	513.9	606.4	383.0	495.8	652.8
रूप भाव बल	9.0	6.4	9.8	6.8	6.7	9.5	6.5	8.6	10.1	6.4	8.3	10.9
संबंधित पद	5.0	11.0	3.0	8.0	9.0	4.0	10.0	6.0	2.0	12.0	7.0	1.0

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

19

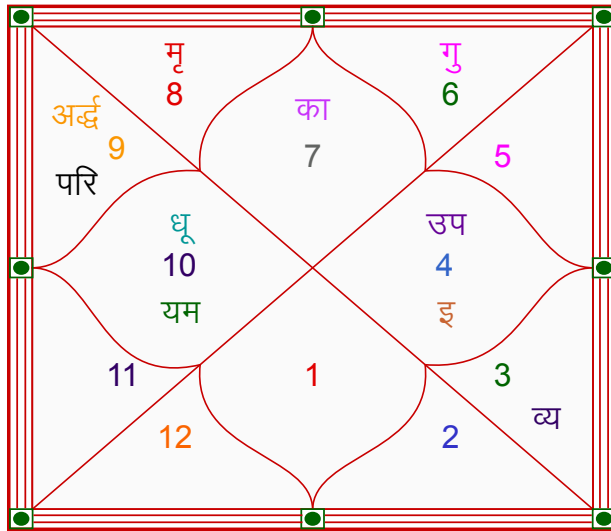
Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

उपग्रह एवं आरुढ़

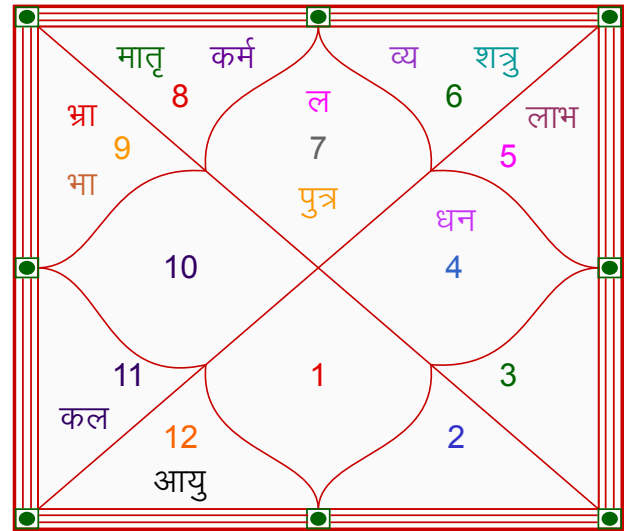
उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	तुला	01:54:11	---	---	चित्रा	3	14
गुलिक	गु	कन्या	19:42:27	---	---	हस्त	3	13
काल	का	तुला	10:18:55	---	---	स्वाति	2	15
मृत्यु	मृ	वृश्चि	20:18:08	---	मूल	ज्येष्ठा	2	18
यमघंटक	यम	मक	04:04:16	---	---	उत्तराषाढा	3	21
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	धनु	11:06:34	---	---	मूल	4	19
धूम	धू	मक	12:49:46	---	मूल	श्रवण	1	22
व्यतिपात	व्य	मिथु	17:10:14	---	मूल	आर्द्रा	4	6
परिवेश	परि	धनु	17:10:14	नीच	मूल	पूर्वाषाढा	2	20
इन्द्रचाप	इ	कर्क	12:49:46	---	मूल	पुष्य	3	8
उपकेतु	उप	कर्क	29:29:46	---	मूल	आश्लेषा	4	9
मांदी	मांदी	तुला	01:54:11	---	---	चित्रा	3	14

प्राणपद	:	वृष	16:11:52	कारकांश लग्न	:	धनु	25:27:55
भाव लग्न	:	तुला	06:19:52	होरा लग्न	:	वृश्चि	13:09:59
घटी लग्न	:	मीन	03:40:18	वर्णद लग्न	:	कुंभ	14:55:50

उपग्रह कुंडली



आरुढ़ कुंडली



Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

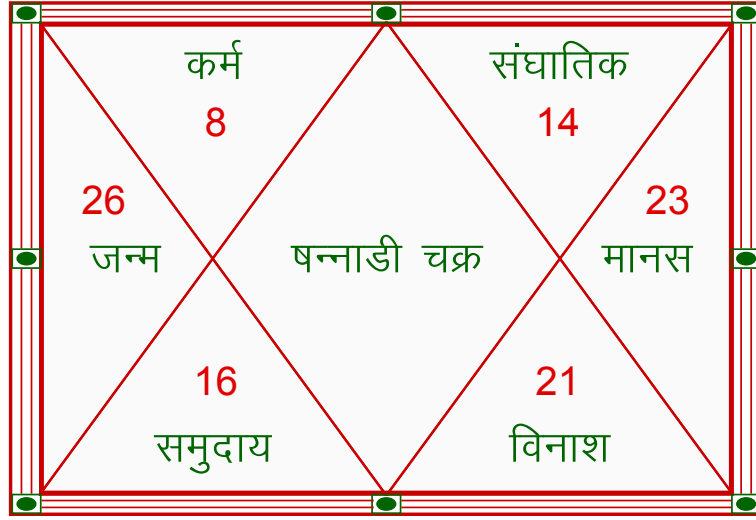
3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

20

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

षन्नाडी चक्र



त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु
केतु कुंडली	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि
गुरु कुंडली	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु
प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
केतु कुंडली	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि
गुरु कुंडली	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु
प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि
केतु कुंडली	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि
गुरु कुंडली	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

21

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग													चंद्र का अष्टकवर्ग														
	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	कुल		मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	कुल
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8	शनि	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	4	गुरु	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8	मंगल	0	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	1	6
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8	सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	6
शुक्र	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3	शुक्र	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7	बुध	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	8
चंद्र	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4	चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6	लग्न	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
कुल	5	5	3	3	4	4	3	5	4	4	4	4	48	कुल	5	4	3	5	5	3	3	3	3	5	6	4	49

मंगल का अष्टकवर्ग													बुध का अष्टकवर्ग														
	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कुल		कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कुल
शनि	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	7	शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
गुरु	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	4	गुरु	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7	मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूर्य	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	5	सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4	शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4	बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3	चंद्र	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5	लग्न	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
कुल	3	4	2	4	3	1	5	2	4	3	4	4	39	कुल	3	5	4	5	7	2	3	4	5	6	5	5	54

गुरु का अष्टकवर्ग													शुक्र का अष्टकवर्ग														
	मि	कं	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल		तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	कुल
शनि	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	4	शनि	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	7
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8	गुरु	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	5
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7	मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	9	सूर्य	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	3
शुक्र	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	6	शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	8	बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	5
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5	चंद्र	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	9
लग्न	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	9	लग्न	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
कुल	6	6	4	5	4	5	3	4	5	5	6	3	56	कुल	5	5	3	5	7	4	3	5	4	6	4	1	52

शनि का अष्टकवर्ग													लग्न का अष्टकवर्ग														
	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृ	कुल		तु	वृ	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4	शनि	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4	गुरु	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	9
मंगल	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6	मंगल	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
सूर्य	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7	सूर्य	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
शुक्र	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	3	शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	7
बुध	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	6	बुध	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
चंद्र	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	3	चंद्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	6	लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	1	3	4	3	3	5	3	3	6	2	3	3	39	कुल	5	4	6	3	6	3	2	4	5	5	2	4	49

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

22

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	3	5	3	3	6	2	3	3	1	3	4	3	39
गुरु	6	3	6	6	4	5	4	5	3	4	5	5	56
मंगल	2	4	3	4	4	3	4	2	4	3	1	5	39
सूर्य	4	4	4	4	5	5	3	3	4	4	3	5	48
शुक्र	3	5	4	6	4	1	5	5	3	5	7	4	52
बुध	4	5	6	5	5	3	5	4	5	7	2	3	54
चंद्र	4	3	5	5	3	3	3	3	5	6	4	5	49
बिन्दु	26	29	31	33	31	22	27	25	25	32	26	30	337
रेखा	30	27	25	23	25	34	29	31	31	24	30	26	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	3	0	0	5	0	0	0	0	1	1	0	12
गुरु	3	0	2	1	1	2	0	0	0	1	1	0	11
मंगल	0	1	2	2	2	0	3	0	2	0	0	3	15
सूर्य	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	2	6
शुक्र	0	4	0	2	1	0	1	1	0	4	3	0	16
बुध	0	2	4	2	1	0	3	1	1	4	0	0	18
चंद्र	1	0	2	2	0	0	0	0	2	3	1	2	13
रेखा	6	10	11	10	11	3	7	2	5	13	6	7	91

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	3	0	0	5	0	0	0	0	0	0	0	10
गुरु	3	0	2	1	1	2	0	0	0	0	0	0	9
मंगल	0	0	2	2	2	0	3	0	2	0	0	3	14
सूर्य	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	2	6
शुक्र	0	3	0	2	1	0	1	1	0	1	3	0	12
बुध	0	0	4	2	1	0	3	1	1	4	0	0	16
चंद्र	1	0	2	2	0	0	0	0	2	2	1	2	12
रेखा	6	6	11	10	11	3	7	2	5	7	4	7	79

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	51	94	119	108	61	101	94
ग्रह पिंड	38	40	76	71	51	12	25
शोध्य पिंड	89	134	195	179	112	113	119

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

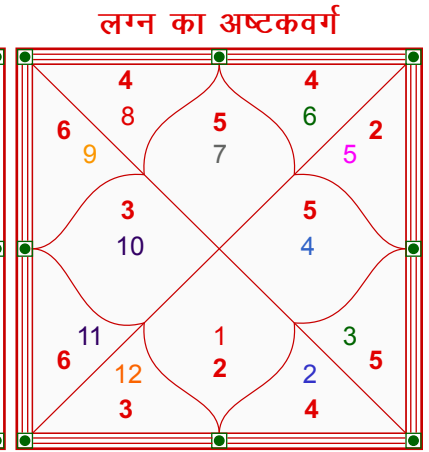
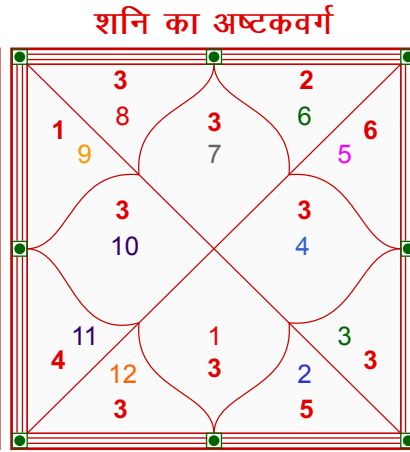
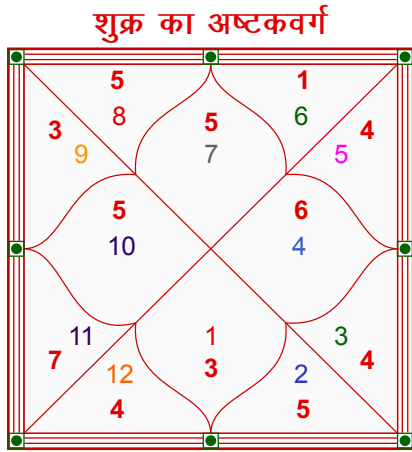
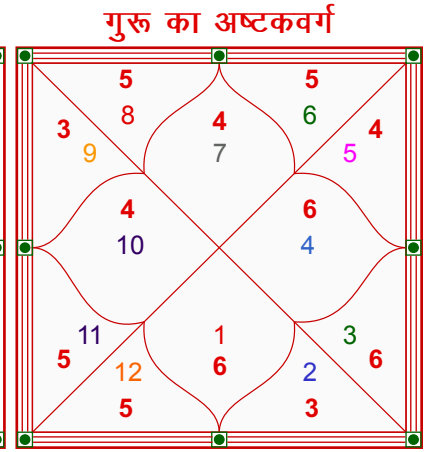
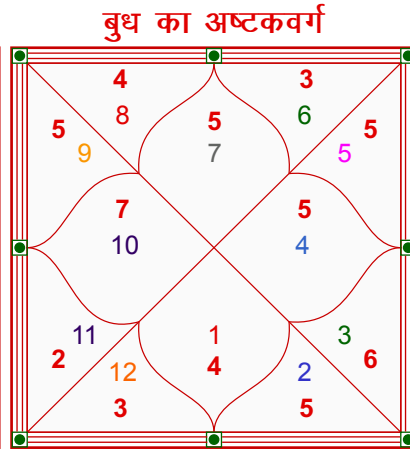
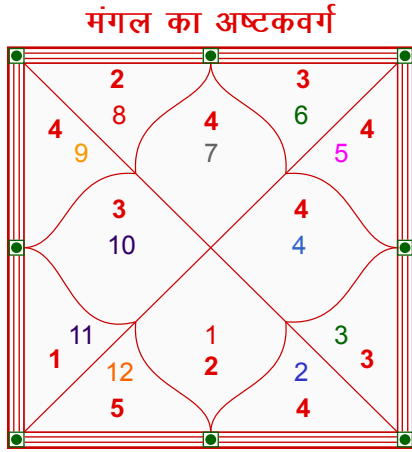
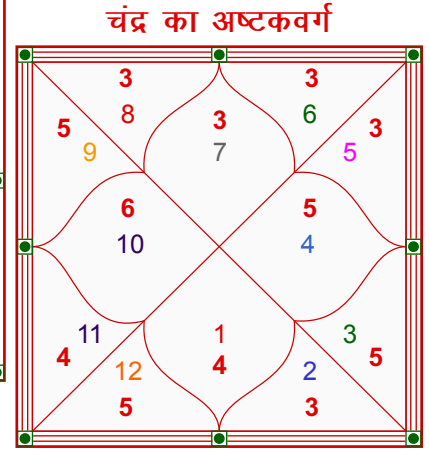
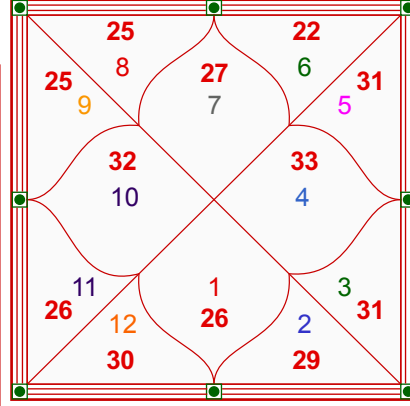
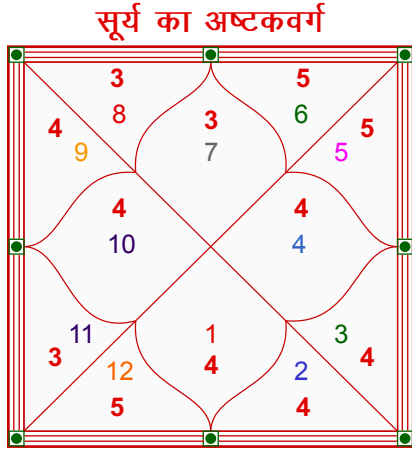
3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

23

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग



Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

24

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 2 मास 12 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
16/09/1989	29/11/2001	29/11/2018	29/11/2025	29/11/2045
29/11/2001	29/11/2018	29/11/2025	29/11/2045	29/11/2051
00/00/0000	बुध 26/04/2004	केतु 27/04/2019	शुक्र 30/03/2029	सूर्य 18/03/2046
16/09/1989	केतु 23/04/2005	शुक्र 26/06/2020	सूर्य 30/03/2030	चंद्र 17/09/2046
केतु 20/09/1989	शुक्र 22/02/2008	सूर्य 01/11/2020	चंद्र 29/11/2031	मंगल 23/01/2047
शुक्र 19/11/1992	सूर्य 29/12/2008	चंद्र 02/06/2021	मंगल 28/01/2033	राहु 17/12/2047
सूर्य 01/11/1993	चंद्र 30/05/2010	मंगल 29/10/2021	राहु 29/01/2036	गुरु 05/10/2048
चंद्र 02/06/1995	मंगल 27/05/2011	राहु 17/11/2022	गुरु 29/09/2038	शनि 17/09/2049
मंगल 11/07/1996	राहु 14/12/2013	गुरु 24/10/2023	शनि 29/11/2041	बुध 24/07/2050
राहु 18/05/1999	गुरु 21/03/2016	शनि 01/12/2024	बुध 28/09/2044	केतु 29/11/2050
गुरु 29/11/2001	शनि 29/11/2018	बुध 29/11/2025	केतु 29/11/2045	शुक्र 29/11/2051

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
29/11/2051	29/11/2061	28/11/2068	29/11/2086	30/11/2102
29/11/2061	28/11/2068	29/11/2086	30/11/2102	00/00/0000
चंद्र 28/09/2052	मंगल 27/04/2062	राहु 11/08/2071	गुरु 16/01/2089	शनि 03/12/2105
मंगल 30/04/2053	राहु 15/05/2063	गुरु 04/01/2074	शनि 30/07/2091	बुध 12/08/2108
राहु 29/10/2054	गुरु 20/04/2064	शनि 10/11/2076	बुध 04/11/2093	केतु 17/09/2109
गुरु 28/02/2056	शनि 30/05/2065	बुध 30/05/2079	केतु 11/10/2094	00/00/0000
शनि 29/09/2057	बुध 27/05/2066	केतु 17/06/2080	शुक्र 11/06/2097	00/00/0000
बुध 28/02/2059	केतु 23/10/2066	शुक्र 18/06/2083	सूर्य 30/03/2098	00/00/0000
केतु 29/09/2059	शुक्र 23/12/2067	सूर्य 11/05/2084	चंद्र 30/07/2099	00/00/0000
शुक्र 30/05/2061	सूर्य 29/04/2068	चंद्र 10/11/2085	मंगल 06/07/2100	00/00/0000
सूर्य 29/11/2061	चंद्र 28/11/2068	मंगल 29/11/2086	राहु 30/11/2102	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 2 मा 8 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

25

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - केतु	शनि - शुक्र	शनि - सूर्य	शनि - चंद्र	शनि - मंगल
16/09/1989	20/09/1989	19/11/1992	01/11/1993	02/06/1995
20/09/1989	19/11/1992	01/11/1993	02/06/1995	11/07/1996
00/00/0000	शुक्र 31/03/1990	सूर्य 07/12/1992	चंद्र 19/12/1993	मंगल 26/06/1995
00/00/0000	सूर्य 28/05/1990	चंद्र 04/01/1993	मंगल 22/01/1994	राहु 26/08/1995
00/00/0000	चंद्र 02/09/1990	मंगल 25/01/1993	राहु 19/04/1994	गुरु 19/10/1995
00/00/0000	मंगल 08/11/1990	राहु 18/03/1993	गुरु 05/07/1994	शनि 22/12/1995
00/00/0000	राहु 01/05/1991	गुरु 03/05/1993	शनि 05/10/1994	बुध 17/02/1996
00/00/0000	गुरु 02/10/1991	शनि 27/06/1993	बुध 25/12/1994	केतु 12/03/1996
00/00/0000	शनि 02/04/1992	बुध 15/08/1993	केतु 28/01/1995	शुक्र 18/05/1996
16/09/1989	बुध 13/09/1992	केतु 04/09/1993	शुक्र 05/05/1995	सूर्य 08/06/1996
बुध 20/09/1989	केतु 19/11/1992	शुक्र 01/11/1993	सूर्य 02/06/1995	चंद्र 11/07/1996
शनि - राहु	शनि - गुरु	बुध - बुध	बुध - केतु	बुध - शुक्र
11/07/1996	18/05/1999	29/11/2001	26/04/2004	23/04/2005
18/05/1999	29/11/2001	26/04/2004	23/04/2005	22/02/2008
राहु 14/12/1996	गुरु 19/09/1999	बुध 02/04/2002	केतु 17/05/2004	शुक्र 13/10/2005
गुरु 02/05/1997	शनि 12/02/2000	केतु 23/05/2002	शुक्र 17/07/2004	सूर्य 04/12/2005
शनि 14/10/1997	बुध 22/06/2000	शुक्र 17/10/2002	सूर्य 04/08/2004	चंद्र 28/02/2006
बुध 11/03/1998	केतु 15/08/2000	सूर्य 30/11/2002	चंद्र 03/09/2004	मंगल 29/04/2006
केतु 10/05/1998	शुक्र 16/01/2001	चंद्र 11/02/2003	मंगल 24/09/2004	राहु 01/10/2006
शुक्र 31/10/1998	सूर्य 04/03/2001	मंगल 04/04/2003	राहु 17/11/2004	गुरु 16/02/2007
सूर्य 22/12/1998	चंद्र 20/05/2001	राहु 14/08/2003	गुरु 05/01/2005	शनि 30/07/2007
चंद्र 19/03/1999	मंगल 13/07/2001	गुरु 09/12/2003	शनि 03/03/2005	बुध 24/12/2007
मंगल 18/05/1999	राहु 29/11/2001	शनि 26/04/2004	बुध 23/04/2005	केतु 22/02/2008
बुध - सूर्य	बुध - चंद्र	बुध - मंगल	बुध - राहु	बुध - गुरु
22/02/2008	29/12/2008	30/05/2010	27/05/2011	14/12/2013
29/12/2008	30/05/2010	27/05/2011	14/12/2013	21/03/2016
सूर्य 09/03/2008	चंद्र 10/02/2009	मंगल 20/06/2010	राहु 14/10/2011	गुरु 03/04/2014
चंद्र 04/04/2008	मंगल 12/03/2009	राहु 14/08/2010	गुरु 15/02/2012	शनि 12/08/2014
मंगल 22/04/2008	राहु 29/05/2009	गुरु 01/10/2010	शनि 12/07/2012	बुध 08/12/2014
राहु 07/06/2008	गुरु 06/08/2009	शनि 27/11/2010	बुध 21/11/2012	केतु 25/01/2015
गुरु 19/07/2008	शनि 27/10/2009	बुध 18/01/2011	केतु 14/01/2013	शुक्र 12/06/2015
शनि 06/09/2008	बुध 08/01/2010	केतु 08/02/2011	शुक्र 18/06/2013	सूर्य 23/07/2015
बुध 20/10/2008	केतु 07/02/2010	शुक्र 09/04/2011	सूर्य 04/08/2013	चंद्र 30/09/2015
केतु 07/11/2008	शुक्र 04/05/2010	सूर्य 27/04/2011	चंद्र 20/10/2013	मंगल 18/11/2015
शुक्र 29/12/2008	सूर्य 30/05/2010	चंद्र 27/05/2011	मंगल 14/12/2013	राहु 21/03/2016

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

26

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
21/03/2016		29/11/2018		27/04/2019		26/06/2020		01/11/2020	
29/11/2018		27/04/2019		26/06/2020		01/11/2020		02/06/2021	
शनि	23/08/2016	केतु	08/12/2018	शुक्र	07/07/2019	सूर्य	02/07/2020	चंद्र	19/11/2020
बुध	10/01/2017	शुक्र	01/01/2019	सूर्य	28/07/2019	चंद्र	13/07/2020	मंगल	01/12/2020
केतु	08/03/2017	सूर्य	09/01/2019	चंद्र	02/09/2019	मंगल	21/07/2020	राहु	02/01/2021
शुक्र	19/08/2017	चंद्र	21/01/2019	मंगल	27/09/2019	राहु	09/08/2020	गुरु	30/01/2021
सूर्य	07/10/2017	मंगल	30/01/2019	राहु	30/11/2019	गुरु	26/08/2020	शनि	05/03/2021
चंद्र	28/12/2017	राहु	21/02/2019	गुरु	25/01/2020	शनि	15/09/2020	बुध	04/04/2021
मंगल	23/02/2018	गुरु	13/03/2019	शनि	02/04/2020	बुध	03/10/2020	केतु	17/04/2021
राहु	21/07/2018	शनि	06/04/2019	बुध	01/06/2020	केतु	11/10/2020	शुक्र	22/05/2021
गुरु	29/11/2018	बुध	27/04/2019	केतु	26/06/2020	शुक्र	01/11/2020	सूर्य	02/06/2021
केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
02/06/2021		29/10/2021		17/11/2022		24/10/2023		01/12/2024	
29/10/2021		17/11/2022		24/10/2023		01/12/2024		29/11/2025	
मंगल	11/06/2021	राहु	26/12/2021	गुरु	01/01/2023	शनि	27/12/2023	बुध	22/01/2025
राहु	03/07/2021	गुरु	15/02/2022	शनि	24/02/2023	बुध	22/02/2024	केतु	12/02/2025
गुरु	23/07/2021	शनि	17/04/2022	बुध	13/04/2023	केतु	17/03/2024	शुक्र	13/04/2025
शनि	16/08/2021	बुध	10/06/2022	केतु	03/05/2023	शुक्र	23/05/2024	सूर्य	01/05/2025
बुध	06/09/2021	केतु	02/07/2022	शुक्र	29/06/2023	सूर्य	12/06/2024	चंद्र	31/05/2025
केतु	14/09/2021	शुक्र	04/09/2022	सूर्य	16/07/2023	चंद्र	16/07/2024	मंगल	22/06/2025
शुक्र	09/10/2021	सूर्य	23/09/2022	चंद्र	14/08/2023	मंगल	09/08/2024	राहु	15/08/2025
सूर्य	17/10/2021	चंद्र	25/10/2022	मंगल	02/09/2023	राहु	08/10/2024	गुरु	02/10/2025
चंद्र	29/10/2021	मंगल	17/11/2022	राहु	24/10/2023	गुरु	01/12/2024	शनि	29/11/2025
शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
29/11/2025		30/03/2029		30/03/2030		29/11/2031		28/01/2033	
30/03/2029		30/03/2030		29/11/2031		28/01/2033		29/01/2036	
शुक्र	19/06/2026	सूर्य	17/04/2029	चंद्र	20/05/2030	मंगल	24/12/2031	राहु	12/07/2033
सूर्य	19/08/2026	चंद्र	18/05/2029	मंगल	25/06/2030	राहु	26/02/2032	गुरु	05/12/2033
चंद्र	29/11/2026	मंगल	08/06/2029	राहु	24/09/2030	गुरु	23/04/2032	शनि	27/05/2034
मंगल	08/02/2027	राहु	02/08/2029	गुरु	14/12/2030	शनि	29/06/2032	बुध	29/10/2034
राहु	09/08/2027	गुरु	20/09/2029	शनि	20/03/2031	बुध	28/08/2032	केतु	01/01/2035
गुरु	19/01/2028	शनि	16/11/2029	बुध	15/06/2031	केतु	22/09/2032	शुक्र	03/07/2035
शनि	30/07/2028	बुध	07/01/2030	केतु	20/07/2031	शुक्र	02/12/2032	सूर्य	27/08/2035
बुध	18/01/2029	केतु	28/01/2030	शुक्र	30/10/2031	सूर्य	24/12/2032	चंद्र	26/11/2035
केतु	30/03/2029	शुक्र	30/03/2030	सूर्य	29/11/2031	चंद्र	28/01/2033	मंगल	29/01/2036

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

27

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य	
29/01/2036		29/09/2038		29/11/2041		28/09/2044		29/11/2045	
29/09/2038		29/11/2041		28/09/2044		29/11/2045		18/03/2046	
गुरु	07/06/2036	शनि	31/03/2039	बुध	24/04/2042	केतु	23/10/2044	सूर्य	04/12/2045
शनि	08/11/2036	बुध	11/09/2039	केतु	24/06/2042	शुक्र	02/01/2045	चंद्र	13/12/2045
बुध	26/03/2037	केतु	17/11/2039	शुक्र	13/12/2042	सूर्य	24/01/2045	मंगल	20/12/2045
केतु	22/05/2037	शुक्र	28/05/2040	सूर्य	03/02/2043	चंद्र	28/02/2045	राहु	05/01/2046
शुक्र	31/10/2037	सूर्य	25/07/2040	चंद्र	30/04/2043	मंगल	25/03/2045	गुरु	20/01/2046
सूर्य	19/12/2037	चंद्र	29/10/2040	मंगल	29/06/2043	राहु	28/05/2045	शनि	06/02/2046
चंद्र	10/03/2038	मंगल	05/01/2041	राहु	02/12/2043	गुरु	24/07/2045	बुध	21/02/2046
मंगल	06/05/2038	राहु	27/06/2041	गुरु	18/04/2044	शनि	29/09/2045	केतु	28/02/2046
राहु	29/09/2038	गुरु	29/11/2041	शनि	28/09/2044	बुध	29/11/2045	शुक्र	18/03/2046
सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
18/03/2046		17/09/2046		23/01/2047		17/12/2047		05/10/2048	
17/09/2046		23/01/2047		17/12/2047		05/10/2048		17/09/2049	
चंद्र	02/04/2046	मंगल	24/09/2046	राहु	13/03/2047	गुरु	25/01/2048	शनि	28/11/2048
मंगल	13/04/2046	राहु	13/10/2046	गुरु	26/04/2047	शनि	12/03/2048	बुध	17/01/2049
राहु	10/05/2046	गुरु	30/10/2046	शनि	17/06/2047	बुध	22/04/2048	केतु	06/02/2049
गुरु	04/06/2046	शनि	20/11/2046	बुध	02/08/2047	केतु	09/05/2048	शुक्र	05/04/2049
शनि	03/07/2046	बुध	08/12/2046	केतु	22/08/2047	शुक्र	27/06/2048	सूर्य	22/04/2049
बुध	29/07/2046	केतु	15/12/2046	शुक्र	15/10/2047	सूर्य	11/07/2048	चंद्र	21/05/2049
केतु	08/08/2046	शुक्र	06/01/2047	सूर्य	01/11/2047	चंद्र	05/08/2048	मंगल	10/06/2049
शुक्र	08/09/2046	सूर्य	12/01/2047	चंद्र	28/11/2047	मंगल	22/08/2048	राहु	01/08/2049
सूर्य	17/09/2046	चंद्र	23/01/2047	मंगल	17/12/2047	राहु	05/10/2048	गुरु	17/09/2049
सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
17/09/2049		24/07/2050		29/11/2050		29/11/2051		28/09/2052	
24/07/2050		29/11/2050		29/11/2051		28/09/2052		30/04/2053	
बुध	31/10/2049	केतु	31/07/2050	शुक्र	29/01/2051	चंद्र	24/12/2051	मंगल	11/10/2052
केतु	18/11/2049	शुक्र	22/08/2050	सूर्य	16/02/2051	मंगल	11/01/2052	राहु	12/11/2052
शुक्र	08/01/2050	सूर्य	28/08/2050	चंद्र	18/03/2051	राहु	26/02/2052	गुरु	10/12/2052
सूर्य	24/01/2050	चंद्र	08/09/2050	मंगल	09/04/2051	गुरु	06/04/2052	शनि	13/01/2053
चंद्र	19/02/2050	मंगल	15/09/2050	राहु	02/06/2051	शनि	25/05/2052	बुध	12/02/2053
मंगल	09/03/2050	राहु	04/10/2050	गुरु	21/07/2051	बुध	07/07/2052	केतु	25/02/2053
राहु	24/04/2050	गुरु	21/10/2050	शनि	17/09/2051	केतु	24/07/2052	शुक्र	01/04/2053
गुरु	05/06/2050	शनि	11/11/2050	बुध	08/11/2051	शुक्र	13/09/2052	सूर्य	12/04/2053
शनि	24/07/2050	बुध	29/11/2050	केतु	29/11/2051	सूर्य	28/09/2052	चंद्र	30/04/2053

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

28

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु	
30/04/2053		29/10/2054		28/02/2056		29/09/2057		28/02/2059	
29/10/2054		28/02/2056		29/09/2057		28/02/2059		29/09/2059	
राहु	21/07/2053	गुरु	02/01/2055	शनि	30/05/2056	बुध	11/12/2057	केतु	13/03/2059
गुरु	02/10/2053	शनि	20/03/2055	बुध	20/08/2056	केतु	10/01/2058	शुक्र	17/04/2059
शनि	27/12/2053	बुध	28/05/2055	केतु	23/09/2056	शुक्र	06/04/2058	सूर्य	28/04/2059
बुध	15/03/2054	केतु	26/06/2055	शुक्र	28/12/2056	सूर्य	02/05/2058	चंद्र	15/05/2059
केतु	16/04/2054	शुक्र	15/09/2055	सूर्य	26/01/2057	चंद्र	14/06/2058	मंगल	28/05/2059
शुक्र	16/07/2054	सूर्य	09/10/2055	चंद्र	15/03/2057	मंगल	15/07/2058	राहु	29/06/2059
सूर्य	13/08/2054	चंद्र	19/11/2055	मंगल	18/04/2057	राहु	30/09/2058	गुरु	27/07/2059
चंद्र	27/09/2054	मंगल	17/12/2055	राहु	14/07/2057	गुरु	08/12/2058	शनि	30/08/2059
मंगल	29/10/2054	राहु	28/02/2056	गुरु	29/09/2057	शनि	28/02/2059	बुध	29/09/2059
चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु	
29/09/2059		30/05/2061		29/11/2061		27/04/2062		15/05/2063	
30/05/2061		29/11/2061		27/04/2062		15/05/2063		20/04/2064	
शुक्र	09/01/2060	सूर्य	08/06/2061	मंगल	07/12/2061	राहु	23/06/2062	गुरु	30/06/2063
सूर्य	08/02/2060	चंद्र	23/06/2061	राहु	30/12/2061	गुरु	13/08/2062	शनि	23/08/2063
चंद्र	30/03/2060	मंगल	04/07/2061	गुरु	19/01/2062	शनि	13/10/2062	बुध	10/10/2063
मंगल	04/05/2060	राहु	31/07/2061	शनि	11/02/2062	बुध	06/12/2062	केतु	30/10/2063
राहु	04/08/2060	गुरु	25/08/2061	बुध	04/03/2062	केतु	29/12/2062	शुक्र	26/12/2063
गुरु	24/10/2060	शनि	23/09/2061	केतु	13/03/2062	शुक्र	03/03/2063	सूर्य	12/01/2064
शनि	28/01/2061	बुध	18/10/2061	शुक्र	07/04/2062	सूर्य	22/03/2063	चंद्र	09/02/2064
बुध	24/04/2061	केतु	29/10/2061	सूर्य	14/04/2062	चंद्र	23/04/2063	मंगल	29/02/2064
केतु	30/05/2061	शुक्र	29/11/2061	चंद्र	27/04/2062	मंगल	15/05/2063	राहु	20/04/2064
मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
20/04/2064		30/05/2065		27/05/2066		23/10/2066		23/12/2067	
30/05/2065		27/05/2066		23/10/2066		23/12/2067		29/04/2068	
शनि	23/06/2064	बुध	20/07/2065	केतु	05/06/2066	शुक्र	02/01/2067	सूर्य	30/12/2067
बुध	20/08/2064	केतु	10/08/2065	शुक्र	30/06/2066	सूर्य	24/01/2067	चंद्र	09/01/2068
केतु	12/09/2064	शुक्र	10/10/2065	सूर्य	07/07/2066	चंद्र	28/02/2067	मंगल	17/01/2068
शुक्र	19/11/2064	सूर्य	28/10/2065	चंद्र	20/07/2066	मंगल	25/03/2067	राहु	05/02/2068
सूर्य	09/12/2064	चंद्र	27/11/2065	मंगल	28/07/2066	राहु	28/05/2067	गुरु	22/02/2068
चंद्र	12/01/2065	मंगल	18/12/2065	राहु	20/08/2066	गुरु	24/07/2067	शनि	13/03/2068
मंगल	04/02/2065	राहु	11/02/2066	गुरु	09/09/2066	शनि	29/09/2067	बुध	31/03/2068
राहु	06/04/2065	गुरु	31/03/2066	शनि	02/10/2066	बुध	29/11/2067	केतु	08/04/2068
गुरु	30/05/2065	शनि	27/05/2066	बुध	23/10/2066	केतु	23/12/2067	शुक्र	29/04/2068

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

29

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध	
29/04/2068		28/11/2068		11/08/2071		04/01/2074		10/11/2076	
28/11/2068		11/08/2071		04/01/2074		10/11/2076		30/05/2079	
चंद्र	17/05/2068	राहु	25/04/2069	गुरु	06/12/2071	शनि	18/06/2074	बुध	22/03/2077
मंगल	29/05/2068	गुरु	04/09/2069	शनि	23/04/2072	बुध	12/11/2074	केतु	15/05/2077
राहु	30/06/2068	शनि	07/02/2070	बुध	25/08/2072	केतु	12/01/2075	शुक्र	18/10/2077
गुरु	29/07/2068	बुध	27/06/2070	केतु	15/10/2072	शुक्र	05/07/2075	सूर्य	03/12/2077
शनि	01/09/2068	केतु	23/08/2070	शुक्र	11/03/2073	सूर्य	26/08/2075	चंद्र	19/02/2078
बुध	01/10/2068	शुक्र	03/02/2071	सूर्य	23/04/2073	चंद्र	20/11/2075	मंगल	14/04/2078
केतु	13/10/2068	सूर्य	25/03/2071	चंद्र	05/07/2073	मंगल	20/01/2076	राहु	01/09/2078
शुक्र	18/11/2068	चंद्र	15/06/2071	मंगल	26/08/2073	राहु	24/06/2076	गुरु	03/01/2079
सूर्य	28/11/2068	मंगल	11/08/2071	राहु	04/01/2074	गुरु	10/11/2076	शनि	30/05/2079
राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
30/05/2079		17/06/2080		18/06/2083		11/05/2084		10/11/2085	
17/06/2080		18/06/2083		11/05/2084		10/11/2085		29/11/2086	
केतु	22/06/2079	शुक्र	17/12/2080	सूर्य	04/07/2083	चंद्र	26/06/2084	मंगल	03/12/2085
शुक्र	25/08/2079	सूर्य	09/02/2081	चंद्र	01/08/2083	मंगल	28/07/2084	राहु	29/01/2086
सूर्य	13/09/2079	चंद्र	12/05/2081	मंगल	20/08/2083	राहु	18/10/2084	गुरु	21/03/2086
चंद्र	15/10/2079	मंगल	15/07/2081	राहु	08/10/2083	गुरु	30/12/2084	शनि	21/05/2086
मंगल	06/11/2079	राहु	26/12/2081	गुरु	21/11/2083	शनि	27/03/2085	बुध	14/07/2086
राहु	03/01/2080	गुरु	21/05/2082	शनि	12/01/2084	बुध	13/06/2085	केतु	06/08/2086
गुरु	23/02/2080	शनि	11/11/2082	बुध	27/02/2084	केतु	15/07/2085	शुक्र	09/10/2086
शनि	24/04/2080	बुध	15/04/2083	केतु	18/03/2084	शुक्र	14/10/2085	सूर्य	28/10/2086
बुध	17/06/2080	केतु	18/06/2083	शुक्र	11/05/2084	सूर्य	10/11/2085	चंद्र	29/11/2086
गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
29/11/2086		16/01/2089		30/07/2091		04/11/2093		11/10/2094	
16/01/2089		30/07/2091		04/11/2093		11/10/2094		11/06/2097	
गुरु	13/03/2087	शनि	12/06/2089	बुध	25/11/2091	केतु	24/11/2093	शुक्र	22/03/2095
शनि	14/07/2087	बुध	21/10/2089	केतु	12/01/2092	शुक्र	20/01/2094	सूर्य	10/05/2095
बुध	01/11/2087	केतु	14/12/2089	शुक्र	29/05/2092	सूर्य	06/02/2094	चंद्र	30/07/2095
केतु	17/12/2087	शुक्र	17/05/2090	सूर्य	09/07/2092	चंद्र	06/03/2094	मंगल	25/09/2095
शुक्र	25/04/2088	सूर्य	02/07/2090	चंद्र	16/09/2092	मंगल	26/03/2094	राहु	18/02/2096
सूर्य	03/06/2088	चंद्र	17/09/2090	मंगल	04/11/2092	राहु	16/05/2094	गुरु	27/06/2096
चंद्र	07/08/2088	मंगल	10/11/2090	राहु	08/03/2093	गुरु	01/07/2094	शनि	28/11/2096
मंगल	21/09/2088	राहु	29/03/2091	गुरु	26/06/2093	शनि	24/08/2094	बुध	15/04/2097
राहु	16/01/2089	गुरु	30/07/2091	शनि	04/11/2093	बुध	11/10/2094	केतु	11/06/2097

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

30

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शुक्र - सूर्य 19/06/2026 23:39 19/08/2026 20:39	शुक्र - शुक्र - चंद्र 19/08/2026 20:39 29/11/2026 07:39	शुक्र - शुक्र - मंगल 29/11/2026 07:39 08/02/2027 08:09	शुक्र - शुक्र - राहु 08/02/2027 08:09 09/08/2027 23:09
सूर्य 23/06/2026 00:42 चंद्र 28/06/2026 02:27 मंगल 01/07/2026 15:40 राहु 10/07/2026 18:49 गुरु 18/07/2026 21:37 शनि 28/07/2026 12:57 बुध 06/08/2026 03:55 केतु 09/08/2026 17:09 शुक्र 19/08/2026 20:39	चंद्र 28/08/2026 07:34 मंगल 03/09/2026 05:36 राहु 18/09/2026 10:51 गुरु 01/10/2026 23:31 शनि 18/10/2026 01:04 बुध 01/11/2026 10:01 केतु 07/11/2026 08:04 शुक्र 24/11/2026 05:54 सूर्य 29/11/2026 07:39	मंगल 03/12/2026 11:04 राहु 14/12/2026 02:45 गुरु 23/12/2026 14:01 शनि 03/01/2027 19:54 बुध 13/01/2027 21:22 केतु 18/01/2027 00:48 शुक्र 29/01/2027 20:53 सूर्य 02/02/2027 10:06 चंद्र 08/02/2027 08:09	राहु 07/03/2027 17:36 गुरु 01/04/2027 02:00 शनि 29/04/2027 23:58 बुध 25/05/2027 20:54 केतु 05/06/2027 12:34 शुक्र 05/07/2027 23:04 सूर्य 15/07/2027 02:13 चंद्र 30/07/2027 07:28 मंगल 09/08/2027 23:09
शुक्र - शुक्र - गुरु 09/08/2027 23:09 19/01/2028 07:09	शुक्र - शुक्र - शनि 19/01/2028 07:09 30/07/2028 01:39	शुक्र - शुक्र - बुध 30/07/2028 01:39 18/01/2029 13:09	शुक्र - शुक्र - केतु 18/01/2029 13:09 30/03/2029 13:39
गुरु 31/08/2027 14:37 शनि 26/09/2027 07:29 बुध 19/10/2027 07:25 केतु 28/10/2027 18:41 शुक्र 24/11/2027 20:01 सूर्य 02/12/2027 22:49 चंद्र 16/12/2027 11:29 मंगल 25/12/2027 22:45 राहु 19/01/2028 07:09	शनि 18/02/2028 19:40 बुध 17/03/2028 03:06 केतु 28/03/2028 08:58 शुक्र 29/04/2028 12:03 सूर्य 09/05/2028 03:23 चंद्र 25/05/2028 04:55 मंगल 05/06/2028 10:48 राहु 04/07/2028 08:47 गुरु 30/07/2028 01:39	बुध 23/08/2028 12:04 केतु 02/09/2028 13:33 शुक्र 01/10/2028 07:28 सूर्य 09/10/2028 22:26 चंद्र 24/10/2028 07:24 मंगल 03/11/2028 08:52 राहु 29/11/2028 05:47 गुरु 22/12/2028 05:43 शनि 18/01/2029 13:09	केतु 22/01/2029 16:34 शुक्र 03/02/2029 12:39 सूर्य 07/02/2029 01:53 चंद्र 12/02/2029 23:55 मंगल 17/02/2029 03:21 राहु 27/02/2029 19:02 गुरु 09/03/2029 06:18 शनि 20/03/2029 12:10 बुध 30/03/2029 13:39
शुक्र - सूर्य - सूर्य 30/03/2029 13:39 17/04/2029 19:57	शुक्र - सूर्य - चंद्र 17/04/2029 19:57 18/05/2029 06:27	शुक्र - सूर्य - मंगल 18/05/2029 06:27 08/06/2029 13:48	शुक्र - सूर्य - राहु 08/06/2029 13:48 02/08/2029 08:42
सूर्य 31/03/2029 11:34 चंद्र 02/04/2029 00:05 मंगल 03/04/2029 01:39 राहु 05/04/2029 19:24 गुरु 08/04/2029 05:50 शनि 11/04/2029 03:14 बुध 13/04/2029 17:20 केतु 14/04/2029 18:54 शुक्र 17/04/2029 19:57	चंद्र 20/04/2029 08:49 मंगल 22/04/2029 03:26 राहु 26/04/2029 17:00 गुरु 30/04/2029 18:24 शनि 05/05/2029 14:04 बुध 09/05/2029 21:33 केतु 11/05/2029 16:10 शुक्र 16/05/2029 17:55 सूर्य 18/05/2029 06:27	मंगल 19/05/2029 12:16 राहु 22/05/2029 16:59 गुरु 25/05/2029 13:09 शनि 28/05/2029 22:07 बुध 31/05/2029 22:34 केतु 02/06/2029 04:23 शुक्र 05/06/2029 17:37 सूर्य 06/06/2029 19:11 चंद्र 08/06/2029 13:48	राहु 16/06/2029 19:02 गुरु 24/06/2029 02:21 शनि 02/07/2029 18:33 बुध 10/07/2029 12:49 केतु 13/07/2029 17:31 शुक्र 22/07/2029 20:40 सूर्य 25/07/2029 14:25 चंद्र 30/07/2029 04:00 मंगल 02/08/2029 08:42

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

31

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - सूर्य - गुरु		शुक्र - सूर्य - शनि		शुक्र - सूर्य - बुध		शुक्र - सूर्य - केतु	
02/08/2029 08:42		20/09/2029 01:30		16/11/2029 21:27		07/01/2030 15:18	
20/09/2029 01:30		16/11/2029 21:27		07/01/2030 15:18		28/01/2030 22:39	
गुरु	08/08/2029 20:32	शनि	29/09/2029 05:15	बुध	24/11/2029 05:22	केतु	08/01/2030 21:07
शनि	16/08/2029 13:36	बुध	07/10/2029 09:53	केतु	27/11/2029 05:49	शुक्र	12/01/2030 10:21
बुध	23/08/2029 11:11	केतु	10/10/2029 18:51	शुक्र	05/12/2029 20:47	सूर्य	13/01/2030 11:55
केतु	26/08/2029 07:21	शुक्र	20/10/2029 10:10	सूर्य	08/12/2029 10:53	चंद्र	15/01/2030 06:32
शुक्र	03/09/2029 10:09	सूर्य	23/10/2029 07:34	चंद्र	12/12/2029 18:22	मंगल	16/01/2030 12:21
सूर्य	05/09/2029 20:36	चंद्र	28/10/2029 03:14	मंगल	15/12/2029 18:49	राहु	19/01/2030 17:04
चंद्र	09/09/2029 22:00	मंगल	31/10/2029 12:12	राहु	23/12/2029 13:05	गुरु	22/01/2030 13:14
मंगल	12/09/2029 18:11	राहु	09/11/2029 04:23	गुरु	30/12/2029 10:40	शनि	25/01/2030 22:12
राहु	20/09/2029 01:30	गुरु	16/11/2029 21:27	शनि	07/01/2030 15:18	बुध	28/01/2030 22:39
शुक्र - सूर्य - शुक्र		शुक्र - चंद्र - चंद्र		शुक्र - चंद्र - मंगल		शुक्र - चंद्र - राहु	
28/01/2030 22:39		30/03/2030 19:39		20/05/2030 13:09		25/06/2030 01:24	
30/03/2030 19:39		20/05/2030 13:09		25/06/2030 01:24		24/09/2030 08:54	
शुक्र	08/02/2030 02:09	चंद्र	04/04/2030 01:06	मंगल	22/05/2030 14:52	राहु	08/07/2030 18:07
सूर्य	11/02/2030 03:12	मंगल	07/04/2030 00:07	राहु	27/05/2030 22:42	गुरु	20/07/2030 22:19
चंद्र	16/02/2030 04:57	राहु	14/04/2030 14:45	गुरु	01/06/2030 16:20	शनि	04/08/2030 09:18
मंगल	19/02/2030 18:10	गुरु	21/04/2030 09:05	शनि	07/06/2030 07:16	बुध	17/08/2030 07:46
राहु	28/02/2030 21:19	शनि	29/04/2030 09:51	बुध	12/06/2030 08:00	केतु	22/08/2030 15:36
गुरु	09/03/2030 00:07	बुध	06/05/2030 14:20	केतु	14/06/2030 09:43	शुक्र	06/09/2030 20:51
शनि	18/03/2030 15:27	केतु	09/05/2030 13:21	शुक्र	20/06/2030 07:46	सूर्य	11/09/2030 10:26
बुध	27/03/2030 06:25	शुक्र	18/05/2030 00:16	सूर्य	22/06/2030 02:22	चंद्र	19/09/2030 01:03
केतु	30/03/2030 19:39	सूर्य	20/05/2030 13:09	चंद्र	25/06/2030 01:24	मंगल	24/09/2030 08:54
शुक्र - चंद्र - गुरु		शुक्र - चंद्र - शनि		शुक्र - चंद्र - बुध		शुक्र - चंद्र - केतु	
24/09/2030 08:54		14/12/2030 12:54		20/03/2031 22:09		15/06/2031 03:54	
14/12/2030 12:54		20/03/2031 22:09		15/06/2031 03:54		20/07/2031 16:09	
गुरु	05/10/2030 04:38	शनि	29/12/2030 19:10	बुध	02/04/2031 03:22	केतु	17/06/2031 05:37
शनि	18/10/2030 01:04	बुध	12/01/2031 10:52	केतु	07/04/2031 04:06	शुक्र	23/06/2031 03:39
बुध	29/10/2030 13:02	केतु	18/01/2031 01:49	शुक्र	21/04/2031 13:03	सूर्य	24/06/2031 22:16
केतु	03/11/2030 06:40	शुक्र	03/02/2031 03:21	सूर्य	25/04/2031 20:32	चंद्र	27/06/2031 21:17
शुक्र	16/11/2030 19:20	सूर्य	07/02/2031 23:01	चंद्र	03/05/2031 01:01	मंगल	29/06/2031 23:00
सूर्य	20/11/2030 20:44	चंद्र	15/02/2031 23:47	मंगल	08/05/2031 01:45	राहु	05/07/2031 06:50
चंद्र	27/11/2030 15:04	मंगल	21/02/2031 14:43	राहु	21/05/2031 00:13	गुरु	10/07/2031 00:28
मंगल	02/12/2030 08:42	राहु	08/03/2031 01:43	गुरु	01/06/2031 12:11	शनि	15/07/2031 15:25
राहु	14/12/2030 12:54	गुरु	20/03/2031 22:09	शनि	15/06/2031 03:54	बुध	20/07/2031 16:09

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

32

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - चंद्र - शुक्र		शुक्र - चंद्र - सूर्य		शुक्र - मंगल - मंगल		शुक्र - मंगल - राहु	
20/07/2031 16:09		30/10/2031 03:09		29/11/2031 13:39		24/12/2031 10:13	
30/10/2031 03:09		29/11/2031 13:39		24/12/2031 10:13		26/02/2032 08:16	
शुक्र	06/08/2031 13:59	सूर्य	31/10/2031 15:40	मंगल	01/12/2031 00:27	राहु	03/01/2032 00:20
सूर्य	11/08/2031 15:44	चंद्र	03/11/2031 04:33	राहु	04/12/2031 17:56	गुरु	11/01/2032 12:52
चंद्र	20/08/2031 02:39	मंगल	04/11/2031 23:09	गुरु	08/12/2031 01:29	शनि	21/01/2032 15:46
मंगल	26/08/2031 00:41	राहु	09/11/2031 12:44	शनि	11/12/2031 23:56	बुध	30/01/2032 17:05
राहु	10/09/2031 05:56	गुरु	13/11/2031 14:08	बुध	15/12/2031 12:27	केतु	03/02/2032 10:34
गुरु	23/09/2031 18:36	शनि	18/11/2031 09:48	केतु	16/12/2031 23:15	शुक्र	14/02/2032 02:15
शनि	09/10/2031 20:09	बुध	22/11/2031 17:17	शुक्र	21/12/2031 02:41	सूर्य	17/02/2032 06:57
बुध	24/10/2031 05:06	केतु	24/11/2031 11:54	सूर्य	22/12/2031 08:30	चंद्र	22/02/2032 14:47
केतु	30/10/2031 03:09	शुक्र	29/11/2031 13:39	चंद्र	24/12/2031 10:13	मंगल	26/02/2032 08:16
शुक्र - मंगल - गुरु		शुक्र - मंगल - शनि		शुक्र - मंगल - बुध		शुक्र - मंगल - केतु	
26/02/2032 08:16		23/04/2032 03:52		29/06/2032 15:09		28/08/2032 23:58	
23/04/2032 03:52		29/06/2032 15:09		28/08/2032 23:58		22/09/2032 20:33	
गुरु	04/03/2032 22:05	शनि	03/05/2032 20:15	बुध	08/07/2032 04:24	केतु	30/08/2032 10:46
शनि	13/03/2032 21:59	बुध	13/05/2032 09:39	केतु	11/07/2032 16:55	शुक्र	03/09/2032 14:12
बुध	21/03/2032 23:10	केतु	17/05/2032 08:07	शुक्र	21/07/2032 18:23	सूर्य	04/09/2032 20:02
केतु	25/03/2032 06:42	शुक्र	28/05/2032 13:59	सूर्य	24/07/2032 18:49	चंद्र	06/09/2032 21:45
शुक्र	03/04/2032 17:58	सूर्य	31/05/2032 22:57	चंद्र	29/07/2032 19:33	मंगल	08/09/2032 08:33
सूर्य	06/04/2032 14:09	चंद्र	06/06/2032 13:54	मंगल	02/08/2032 08:04	राहु	12/09/2032 02:02
चंद्र	11/04/2032 07:47	मंगल	10/06/2032 12:21	राहु	11/08/2032 09:24	गुरु	15/09/2032 09:34
मंगल	14/04/2032 15:20	राहु	20/06/2032 15:15	गुरु	19/08/2032 10:34	शनि	19/09/2032 08:02
राहु	23/04/2032 03:52	गुरु	29/06/2032 15:09	शनि	28/08/2032 23:58	बुध	22/09/2032 20:33
शुक्र - मंगल - शुक्र		शुक्र - मंगल - सूर्य		शुक्र - मंगल - चंद्र		शुक्र - राहु - राहु	
22/09/2032 20:33		02/12/2032 21:03		24/12/2032 04:24		28/01/2033 16:39	
02/12/2032 21:03		24/12/2032 04:24		28/01/2033 16:39		12/07/2033 01:21	
शुक्र	04/10/2032 16:38	सूर्य	03/12/2032 22:37	चंद्र	27/12/2032 03:25	राहु	22/02/2033 08:21
सूर्य	08/10/2032 05:51	चंद्र	05/12/2032 17:14	मंगल	29/12/2032 05:08	गुरु	16/03/2033 06:19
चंद्र	14/10/2032 03:54	मंगल	06/12/2032 23:03	राहु	03/01/2033 12:58	शनि	11/04/2033 06:53
मंगल	18/10/2032 07:19	राहु	10/12/2032 03:45	गुरु	08/01/2033 06:36	बुध	04/05/2033 13:43
राहु	28/10/2032 23:00	गुरु	12/12/2032 23:56	शनि	13/01/2033 21:32	केतु	14/05/2033 03:50
गुरु	07/11/2032 10:16	शनि	16/12/2032 08:54	बुध	18/01/2033 22:17	शुक्र	10/06/2033 13:17
शनि	18/11/2032 16:09	बुध	19/12/2032 09:21	केतु	20/01/2033 23:59	सूर्य	18/06/2033 18:31
बुध	28/11/2032 17:37	केतु	20/12/2032 15:10	शुक्र	26/01/2033 22:02	चंद्र	02/07/2033 11:14
केतु	02/12/2032 21:03	शुक्र	24/12/2032 04:24	सूर्य	28/01/2033 16:39	मंगल	12/07/2033 01:21

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

33

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - राहु - गुरु 12/07/2033 01:21 05/12/2033 03:45	शुक्र - राहु - शनि 05/12/2033 03:45 27/05/2034 15:36	शुक्र - राहु - बुध 27/05/2034 15:36 29/10/2034 21:09	शुक्र - राहु - केतु 29/10/2034 21:09 01/01/2035 19:12
गुरु 31/07/2033 12:52 शनि 23/08/2033 16:03 बुध 13/09/2033 08:47 केतु 21/09/2033 21:20 शुक्र 16/10/2033 05:44 सूर्य 23/10/2033 13:03 चंद्र 04/11/2033 17:15 मंगल 13/11/2033 05:47 राहु 05/12/2033 03:45	शनि 01/01/2034 15:01 बुध 26/01/2034 04:54 केतु 05/02/2034 07:48 शुक्र 06/03/2034 05:46 सूर्य 14/03/2034 21:58 चंद्र 29/03/2034 08:57 मंगल 08/04/2034 11:50 राहु 04/05/2034 12:25 गुरु 27/05/2034 15:36	बुध 18/06/2034 15:23 केतु 27/06/2034 16:42 शुक्र 23/07/2034 13:38 सूर्य 31/07/2034 07:54 चंद्र 13/08/2034 06:22 मंगल 22/08/2034 07:42 राहु 14/09/2034 14:32 गुरु 05/10/2034 07:16 शनि 29/10/2034 21:09	केतु 02/11/2034 14:38 शुक्र 13/11/2034 06:18 सूर्य 16/11/2034 11:01 चंद्र 21/11/2034 18:51 मंगल 25/11/2034 12:20 राहु 05/12/2034 02:26 गुरु 13/12/2034 14:59 शनि 23/12/2034 17:52 बुध 01/01/2035 19:12
शुक्र - राहु - शुक्र 01/01/2035 19:12 03/07/2035 10:12	शुक्र - राहु - सूर्य 03/07/2035 10:12 27/08/2035 05:06	शुक्र - राहु - चंद्र 27/08/2035 05:06 26/11/2035 12:36	शुक्र - राहु - मंगल 26/11/2035 12:36 29/01/2036 10:39
शुक्र 01/02/2035 05:42 सूर्य 10/02/2035 08:51 चंद्र 25/02/2035 14:06 मंगल 08/03/2035 05:46 राहु 04/04/2035 15:13 गुरु 28/04/2035 23:37 शनि 27/05/2035 21:36 बुध 22/06/2035 18:31 केतु 03/07/2035 10:12	सूर्य 06/07/2035 03:56 चंद्र 10/07/2035 17:31 मंगल 13/07/2035 22:13 राहु 22/07/2035 03:27 गुरु 29/07/2035 10:46 शनि 07/08/2035 02:58 बुध 14/08/2035 21:15 केतु 18/08/2035 01:57 शुक्र 27/08/2035 05:06	चंद्र 03/09/2035 19:43 मंगल 09/09/2035 03:33 राहु 22/09/2035 20:17 गुरु 05/10/2035 00:29 शनि 19/10/2035 11:28 बुध 01/11/2035 09:56 केतु 06/11/2035 17:46 शुक्र 21/11/2035 23:01 सूर्य 26/11/2035 12:36	मंगल 30/11/2035 06:05 राहु 09/12/2035 20:11 गुरु 18/12/2035 08:44 शनि 28/12/2035 11:37 बुध 06/01/2036 12:57 केतु 10/01/2036 06:26 शुक्र 20/01/2036 22:06 सूर्य 24/01/2036 02:48 चंद्र 29/01/2036 10:39
शुक्र - गुरु - गुरु 29/01/2036 10:39 07/06/2036 07:27	शुक्र - गुरु - शनि 07/06/2036 07:27 08/11/2036 12:39	शुक्र - गुरु - बुध 08/11/2036 12:39 26/03/2037 12:15	शुक्र - गुरु - केतु 26/03/2037 12:15 22/05/2037 07:51
गुरु 15/02/2036 18:13 शनि 07/03/2036 07:43 बुध 25/03/2036 17:16 केतु 02/04/2036 07:04 शुक्र 23/04/2036 22:32 सूर्य 30/04/2036 10:23 चंद्र 11/05/2036 06:07 मंगल 18/05/2036 19:56 राहु 07/06/2036 07:27	शनि 01/07/2036 17:28 बुध 23/07/2036 13:48 केतु 01/08/2036 13:43 शुक्र 27/08/2036 06:35 सूर्य 03/09/2036 23:38 चंद्र 16/09/2036 20:04 मंगल 25/09/2036 19:58 राहु 18/10/2036 23:09 गुरु 08/11/2036 12:39	बुध 28/11/2036 01:47 केतु 06/12/2036 02:58 शुक्र 29/12/2036 02:54 सूर्य 05/01/2037 00:29 चंद्र 16/01/2037 12:27 मंगल 24/01/2037 13:37 राहु 14/02/2037 06:22 गुरु 04/03/2037 15:55 शनि 26/03/2037 12:15	केतु 29/03/2037 19:47 शुक्र 08/04/2037 07:03 सूर्य 11/04/2037 03:14 चंद्र 15/04/2037 20:52 मंगल 19/04/2037 04:25 राहु 27/04/2037 16:57 गुरु 05/05/2037 06:46 शनि 14/05/2037 06:40 बुध 22/05/2037 07:51

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

34

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - प्राण

शुक्र - शुक्र - सूर्य - शुक्र		शुक्र - शुक्र - चंद्र - चंद्र		शुक्र - शुक्र - चंद्र - मंगल		शुक्र - शुक्र - चंद्र - राहु	
09/08/2026 17:09		19/08/2026 20:39		28/08/2026 07:34		03/09/2026 05:36	
19/08/2026 20:39		28/08/2026 07:34		03/09/2026 05:36		18/09/2026 10:51	
शुक्र	11/08/2026 09:44	चंद्र	20/08/2026 13:33	मंगल	28/08/2026 15:51	राहु	05/09/2026 12:23
सूर्य	11/08/2026 21:54	मंगल	21/08/2026 01:24	राहु	29/08/2026 13:09	गुरु	07/09/2026 13:05
चंद्र	12/08/2026 18:12	राहु	22/08/2026 07:50	गुरु	30/08/2026 08:06	शनि	09/09/2026 22:55
मंगल	13/08/2026 08:24	गुरु	23/08/2026 10:53	शनि	31/08/2026 06:35	बुध	12/09/2026 02:40
राहु	14/08/2026 20:55	शनि	24/08/2026 19:01	बुध	01/09/2026 02:42	केतु	12/09/2026 23:58
गुरु	16/08/2026 05:23	बुध	25/08/2026 23:46	केतु	01/09/2026 10:59	शुक्र	15/09/2026 12:51
शनि	17/08/2026 19:57	केतु	26/08/2026 11:36	शुक्र	02/09/2026 10:40	सूर्य	16/09/2026 07:07
बुध	19/08/2026 06:26	शुक्र	27/08/2026 21:25	सूर्य	02/09/2026 17:46	चंद्र	17/09/2026 13:33
केतु	19/08/2026 20:39	सूर्य	28/08/2026 07:34	चंद्र	03/09/2026 05:36	मंगल	18/09/2026 10:51
शुक्र - शुक्र - चंद्र - गुरु		शुक्र - शुक्र - चंद्र - शनि		शुक्र - शुक्र - चंद्र - बुध		शुक्र - शुक्र - चंद्र - केतु	
18/09/2026 10:51		01/10/2026 23:31		18/10/2026 01:04		01/11/2026 10:01	
01/10/2026 23:31		18/10/2026 01:04		01/11/2026 10:01		07/11/2026 08:04	
गुरु	20/09/2026 06:09	शनि	04/10/2026 12:34	बुध	20/10/2026 01:56	केतु	01/11/2026 18:18
शनि	22/09/2026 09:33	बुध	06/10/2026 19:11	केतु	20/10/2026 22:03	शुक्र	02/11/2026 17:59
बुध	24/09/2026 07:33	केतु	07/10/2026 17:40	शुक्र	23/10/2026 07:33	सूर्य	03/11/2026 01:05
केतु	25/09/2026 02:29	शुक्र	10/10/2026 09:56	सूर्य	24/10/2026 00:48	चंद्र	03/11/2026 12:55
शुक्र	27/09/2026 08:36	सूर्य	11/10/2026 05:12	चंद्र	25/10/2026 05:32	मंगल	03/11/2026 21:12
सूर्य	28/09/2026 00:50	चंद्र	12/10/2026 13:20	मंगल	26/10/2026 01:40	राहु	04/11/2026 18:31
चंद्र	29/09/2026 03:53	मंगल	13/10/2026 11:50	राहु	28/10/2026 05:24	गुरु	05/11/2026 13:27
मंगल	29/09/2026 22:49	राहु	15/10/2026 21:39	गुरु	30/10/2026 03:24	शनि	06/11/2026 11:56
राहु	01/10/2026 23:31	गुरु	18/10/2026 01:04	शनि	01/11/2026 10:01	बुध	07/11/2026 08:04
शुक्र - शुक्र - चंद्र - शुक्र		शुक्र - शुक्र - चंद्र - सूर्य		शुक्र - शुक्र - मंगल - मंगल		शुक्र - शुक्र - मंगल - राहु	
07/11/2026 08:04		24/11/2026 05:54		29/11/2026 07:39		03/12/2026 11:04	
24/11/2026 05:54		29/11/2026 07:39		03/12/2026 11:04		14/12/2026 02:45	
शुक्र	10/11/2026 03:42	सूर्य	24/11/2026 11:59	मंगल	29/11/2026 13:27	राहु	05/12/2026 01:26
सूर्य	10/11/2026 24:00	चंद्र	24/11/2026 22:08	राहु	30/11/2026 04:22	गुरु	06/12/2026 11:31
चंद्र	12/11/2026 09:49	मंगल	25/11/2026 05:14	गुरु	30/11/2026 17:37	शनि	08/12/2026 04:00
मंगल	13/11/2026 09:29	राहु	25/11/2026 23:30	शनि	01/12/2026 09:22	बुध	09/12/2026 16:13
राहु	15/11/2026 22:22	गुरु	26/11/2026 15:44	बुध	01/12/2026 23:27	केतु	10/12/2026 07:08
गुरु	18/11/2026 04:28	शनि	27/11/2026 11:00	केतु	02/12/2026 05:15	शुक्र	12/12/2026 01:45
शनि	20/11/2026 20:44	बुध	28/11/2026 04:15	शुक्र	02/12/2026 21:49	सूर्य	12/12/2026 14:32
बुध	23/11/2026 06:13	केतु	28/11/2026 11:21	सूर्य	03/12/2026 02:47	चंद्र	13/12/2026 11:50
केतु	24/11/2026 05:54	शुक्र	29/11/2026 07:39	चंद्र	03/12/2026 11:04	मंगल	14/12/2026 02:45

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

35

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विंशोत्तरी दशा - प्राण

शुक्र - शुक्र - मंगल - गुरु 14/12/2026 02:45 23/12/2026 14:01		शुक्र - शुक्र - मंगल - शनि 23/12/2026 14:01 03/01/2027 19:54		शुक्र - शुक्र - मंगल - बुध 03/01/2027 19:54 13/01/2027 21:22		शुक्र - शुक्र - मंगल - केतु 13/01/2027 21:22 18/01/2027 00:48	
गुरु	15/12/2026 09:03	शनि	25/12/2026 08:45	बुध	05/01/2027 06:06	केतु	14/01/2027 03:10
शनि	16/12/2026 21:02	बुध	26/12/2026 22:59	केतु	05/01/2027 20:11	शुक्र	14/01/2027 19:44
बुध	18/12/2026 05:14	केतु	27/12/2026 14:43	शुक्र	07/01/2027 12:26	सूर्य	15/01/2027 00:43
केतु	18/12/2026 18:29	शुक्र	29/12/2026 11:42	सूर्य	08/01/2027 00:31	चंद्र	15/01/2027 09:00
शुक्र	20/12/2026 08:22	सूर्य	30/12/2026 01:12	चंद्र	08/01/2027 20:38	मंगल	15/01/2027 14:48
सूर्य	20/12/2026 19:44	चंद्र	30/12/2026 23:41	मंगल	09/01/2027 10:43	राहु	16/01/2027 05:43
चंद्र	21/12/2026 14:40	मंगल	31/12/2026 15:26	राहु	10/01/2027 22:56	गुरु	16/01/2027 18:58
मंगल	22/12/2026 03:56	राहु	02/01/2027 07:55	गुरु	12/01/2027 07:08	शनि	17/01/2027 10:43
राहु	23/12/2026 14:01	गुरु	03/01/2027 19:54	शनि	13/01/2027 21:22	बुध	18/01/2027 00:48
शुक्र - शुक्र - मंगल - शुक्र 18/01/2027 00:48 29/01/2027 20:53		शुक्र - शुक्र - मंगल - सूर्य 29/01/2027 20:53 02/02/2027 10:06		शुक्र - शुक्र - मंगल - चंद्र 02/02/2027 10:06 08/02/2027 08:09		शुक्र - शुक्र - राहु - राहु 08/02/2027 08:09 07/03/2027 17:36	
शुक्र	20/01/2027 00:09	सूर्य	30/01/2027 01:08	चंद्र	02/02/2027 21:56	राहु	12/02/2027 10:46
सूर्य	20/01/2027 14:21	चंद्र	30/01/2027 08:15	मंगल	03/02/2027 06:14	गुरु	16/02/2027 02:25
चंद्र	21/01/2027 14:01	मंगल	30/01/2027 13:13	राहु	04/02/2027 03:32	शनि	20/02/2027 10:31
मंगल	22/01/2027 06:36	राहु	31/01/2027 02:00	गुरु	04/02/2027 22:28	बुध	24/02/2027 07:39
राहु	24/01/2027 01:12	गुरु	31/01/2027 13:22	शनि	05/02/2027 20:58	केतु	25/02/2027 22:01
गुरु	25/01/2027 15:05	शनि	01/02/2027 02:51	बुध	06/02/2027 17:05	शुक्र	02/03/2027 11:35
शनि	27/01/2027 12:04	बुध	01/02/2027 14:56	केतु	07/02/2027 01:22	सूर्य	03/03/2027 20:27
बुध	29/01/2027 04:18	केतु	01/02/2027 19:54	शुक्र	08/02/2027 01:03	चंद्र	06/03/2027 03:15
केतु	29/01/2027 20:53	शुक्र	02/02/2027 10:06	सूर्य	08/02/2027 08:09	मंगल	07/03/2027 17:36
शुक्र - शुक्र - राहु - गुरु 07/03/2027 17:36 01/04/2027 02:00		शुक्र - शुक्र - राहु - शनि 01/04/2027 02:00 29/04/2027 23:58		शुक्र - शुक्र - राहु - बुध 29/04/2027 23:58 25/05/2027 20:54		शुक्र - शुक्र - राहु - केतु 25/05/2027 20:54 05/06/2027 12:34	
गुरु	10/03/2027 23:31	शनि	05/04/2027 15:52	बुध	03/05/2027 15:56	केतु	26/05/2027 11:49
शनि	14/03/2027 20:03	बुध	09/04/2027 18:11	केतु	05/05/2027 04:09	शुक्र	28/05/2027 06:25
बुध	18/03/2027 06:50	केतु	11/04/2027 10:40	शुक्र	09/05/2027 11:39	सूर्य	28/05/2027 19:12
केतु	19/03/2027 16:56	शुक्र	16/04/2027 06:20	सूर्य	10/05/2027 18:41	चंद्र	29/05/2027 16:31
शुक्र	23/03/2027 18:20	सूर्य	17/04/2027 17:02	चंद्र	12/05/2027 22:26	मंगल	30/05/2027 07:26
सूर्य	24/03/2027 23:33	चंद्र	20/04/2027 02:52	मंगल	14/05/2027 10:39	राहु	31/05/2027 21:47
चंद्र	27/03/2027 00:15	मंगल	21/04/2027 19:21	राहु	18/05/2027 07:48	गुरु	02/06/2027 07:52
मंगल	28/03/2027 10:20	राहु	26/04/2027 03:26	गुरु	21/05/2027 18:35	शनि	04/06/2027 00:21
राहु	01/04/2027 02:00	गुरु	29/04/2027 23:58	शनि	25/05/2027 20:54	बुध	05/06/2027 12:34

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

36

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 4 मास 5 दिन

गुरु 13 वर्ष	शनि 14 वर्ष	केतु 15 वर्ष	चंद्र 16 वर्ष	बुध 17 वर्ष
16/09/1989	21/01/1998	22/01/2012	21/01/2027	21/01/2043
21/01/1998	22/01/2012	21/01/2027	21/01/2043	22/01/2060
00/00/0000	शनि 30/09/1999	केतु 30/12/2013	चंद्र 06/04/2029	बुध 19/07/2045
16/09/1989	केतु 23/07/2001	चंद्र 25/01/2016	बुध 11/08/2031	शुक्र 09/03/2048
केतु 06/10/1989	चंद्र 28/06/2003	बुध 07/04/2018	शुक्र 03/02/2034	सूर्य 19/10/2049
चंद्र 23/07/1991	बुध 16/07/2005	शुक्र 04/08/2020	सूर्य 11/08/2035	मंगल 23/07/2051
बुध 18/06/1993	शुक्र 18/09/2007	सूर्य 05/01/2022	मंगल 06/04/2037	गुरु 18/06/2053
शुक्र 25/06/1995	सूर्य 15/01/2009	मंगल 26/07/2023	गुरु 21/01/2039	शनि 07/07/2055
सूर्य 17/09/1996	मंगल 28/06/2010	गुरु 31/03/2025	शनि 27/12/2040	केतु 17/09/2057
मंगल 21/01/1998	गुरु 22/01/2012	शनि 21/01/2027	केतु 21/01/2043	चंद्र 22/01/2060

शुक्र 18 वर्ष	सूर्य 11 वर्ष	मंगल 12 वर्ष	गुरु 13 वर्ष
22/01/2060	21/01/2078	21/01/2089	22/01/2101
21/01/2078	21/01/2089	22/01/2101	00/00/0000
शुक्र 07/11/2062	सूर्य 06/02/2079	मंगल 19/04/2090	गुरु 08/07/2102
सूर्य 22/07/2064	मंगल 28/03/2080	गुरु 24/08/2091	शनि 01/02/2104
मंगल 02/06/2066	गुरु 21/06/2081	शनि 03/02/2093	केतु 17/09/2105
गुरु 08/06/2068	शनि 19/10/2082	केतु 23/08/2094	00/00/0000
शनि 11/08/2070	केतु 22/03/2084	चंद्र 19/04/2096	00/00/0000
केतु 08/12/2072	चंद्र 27/09/2085	बुध 21/01/2098	00/00/0000
चंद्र 03/06/2075	बुध 08/05/2087	शुक्र 02/12/2099	00/00/0000
बुध 21/01/2078	शुक्र 21/01/2089	सूर्य 22/01/2101	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

37

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - केतु	गुरु - चंद्र	गुरु - बुध	गुरु - शुक्र	गुरु - सूर्य
16/09/1989	06/10/1989	23/07/1991	18/06/1993	25/06/1995
06/10/1989	23/07/1991	18/06/1993	25/06/1995	17/09/1996
00/00/0000	चंद्र 04/01/1990	बुध 02/11/1991	शुक्र 10/10/1993	सूर्य 06/08/1995
00/00/0000	बुध 10/04/1990	शुक्र 18/02/1992	सूर्य 19/12/1993	मंगल 22/09/1995
00/00/0000	शुक्र 21/07/1990	सूर्य 24/04/1992	मंगल 05/03/1994	गुरु 11/11/1995
00/00/0000	सूर्य 21/09/1990	मंगल 05/07/1992	गुरु 27/05/1994	शनि 05/01/1996
00/00/0000	मंगल 28/11/1990	गुरु 21/09/1992	शनि 24/08/1994	केतु 03/03/1996
00/00/0000	गुरु 09/02/1991	शनि 14/12/1992	केतु 27/11/1994	चंद्र 04/05/1996
16/09/1989	शनि 29/04/1991	केतु 14/03/1993	चंद्र 09/03/1995	बुध 09/07/1996
शनि 06/10/1989	केतु 23/07/1991	चंद्र 18/06/1993	बुध 25/06/1995	शुक्र 17/09/1996
गुरु - मंगल	शनि - शनि	शनि - केतु	शनि - चंद्र	शनि - बुध
17/09/1996	21/01/1998	30/09/1999	23/07/2001	28/06/2003
21/01/1998	30/09/1999	23/07/2001	28/06/2003	16/07/2005
मंगल 07/11/1996	शनि 06/04/1998	केतु 25/12/1999	चंद्र 28/10/2001	बुध 16/10/2003
गुरु 01/01/1997	केतु 24/06/1998	चंद्र 25/03/2000	बुध 08/02/2002	शुक्र 09/02/2004
शनि 01/03/1997	चंद्र 18/09/1998	बुध 30/06/2000	शुक्र 29/05/2002	सूर्य 20/04/2004
केतु 04/05/1997	बुध 17/12/1998	शुक्र 11/10/2000	सूर्य 04/08/2002	मंगल 07/07/2004
चंद्र 10/07/1997	शुक्र 23/03/1999	सूर्य 12/12/2000	मंगल 15/10/2002	गुरु 29/09/2004
बुध 20/09/1997	सूर्य 20/05/1999	मंगल 19/02/2001	गुरु 03/01/2003	शनि 28/12/2004
शुक्र 06/12/1997	मंगल 23/07/1999	गुरु 04/05/2001	शनि 29/03/2003	केतु 04/04/2005
सूर्य 21/01/1998	गुरु 30/09/1999	शनि 23/07/2001	केतु 28/06/2003	चंद्र 16/07/2005
शनि - शुक्र	शनि - सूर्य	शनि - मंगल	शनि - गुरु	केतु - केतु
16/07/2005	18/09/2007	15/01/2009	28/06/2010	22/01/2012
18/09/2007	15/01/2009	28/06/2010	22/01/2012	30/12/2013
शुक्र 16/11/2005	सूर्य 03/11/2007	मंगल 10/03/2009	गुरु 31/08/2010	केतु 22/04/2012
सूर्य 31/01/2006	मंगल 23/12/2007	गुरु 09/05/2009	शनि 08/11/2010	चंद्र 29/07/2012
मंगल 23/04/2006	गुरु 15/02/2008	शनि 11/07/2009	केतु 21/01/2011	बुध 10/11/2012
गुरु 21/07/2006	शनि 14/04/2008	केतु 18/09/2009	चंद्र 10/04/2011	शुक्र 28/02/2013
शनि 24/10/2006	केतु 15/06/2008	चंद्र 30/11/2009	बुध 03/07/2011	सूर्य 06/05/2013
केतु 04/02/2007	चंद्र 21/08/2008	बुध 15/02/2010	शुक्र 30/09/2011	मंगल 18/07/2013
चंद्र 24/05/2007	बुध 31/10/2008	शुक्र 08/05/2010	सूर्य 23/11/2011	गुरु 06/10/2013
बुध 18/09/2007	शुक्र 15/01/2009	सूर्य 28/06/2010	मंगल 22/01/2012	शनि 30/12/2013

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

38

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - चंद्र		केतु - बुध		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - मंगल	
30/12/2013		25/01/2016		07/04/2018		04/08/2020		05/01/2022	
25/01/2016		07/04/2018		04/08/2020		05/01/2022		26/07/2023	
चंद्र	13/04/2014	बुध	21/05/2016	शुक्र	17/08/2018	सूर्य	22/09/2020	मंगल	05/03/2022
बुध	02/08/2014	शुक्र	23/09/2016	सूर्य	05/11/2018	मंगल	15/11/2020	गुरु	08/05/2022
शुक्र	27/11/2014	सूर्य	08/12/2016	मंगल	01/02/2019	गुरु	12/01/2021	शनि	15/07/2022
सूर्य	07/02/2015	मंगल	01/03/2017	गुरु	08/05/2019	शनि	16/03/2021	केतु	26/09/2022
मंगल	26/04/2015	गुरु	30/05/2017	शनि	18/08/2019	केतु	22/05/2021	चंद्र	13/12/2022
गुरु	20/07/2015	शनि	04/09/2017	केतु	06/12/2019	चंद्र	02/08/2021	बुध	07/03/2023
शनि	19/10/2015	केतु	17/12/2017	चंद्र	01/04/2020	बुध	17/10/2021	शुक्र	02/06/2023
केतु	25/01/2016	चंद्र	07/04/2018	बुध	04/08/2020	शुक्र	05/01/2022	सूर्य	26/07/2023
केतु - गुरु		केतु - शनि		चंद्र - चंद्र		चंद्र - बुध		चंद्र - शुक्र	
26/07/2023		31/03/2025		21/01/2027		06/04/2029		11/08/2031	
31/03/2025		21/01/2027		06/04/2029		11/08/2031		03/02/2034	
गुरु	03/10/2023	शनि	19/06/2025	चंद्र	13/05/2027	बुध	10/08/2029	शुक्र	30/12/2031
शनि	16/12/2023	केतु	13/09/2025	बुध	08/09/2027	शुक्र	21/12/2029	सूर्य	25/03/2032
केतु	05/03/2024	चंद्र	13/12/2025	शुक्र	11/01/2028	सूर्य	12/03/2030	मंगल	26/06/2032
चंद्र	28/05/2024	बुध	20/03/2026	सूर्य	27/03/2028	मंगल	09/06/2030	गुरु	06/10/2032
बुध	26/08/2024	शुक्र	30/06/2026	मंगल	19/06/2028	गुरु	13/09/2030	शनि	24/01/2033
शुक्र	29/11/2024	सूर्य	01/09/2026	गुरु	17/09/2028	शनि	25/12/2030	केतु	21/05/2033
सूर्य	27/01/2025	मंगल	08/11/2026	शनि	23/12/2028	केतु	15/04/2031	चंद्र	23/09/2033
मंगल	31/03/2025	गुरु	21/01/2027	केतु	06/04/2029	चंद्र	11/08/2031	बुध	03/02/2034
चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - केतु	
03/02/2034		11/08/2035		06/04/2037		21/01/2039		27/12/2040	
11/08/2035		06/04/2037		21/01/2039		27/12/2040		21/01/2043	
सूर्य	27/03/2034	मंगल	12/10/2035	गुरु	19/06/2037	शनि	17/04/2039	केतु	03/04/2041
मंगल	24/05/2034	गुरु	19/12/2035	शनि	06/09/2037	केतु	17/07/2039	चंद्र	17/07/2041
गुरु	25/07/2034	शनि	01/03/2036	केतु	30/11/2037	चंद्र	22/10/2039	बुध	04/11/2041
शनि	30/09/2034	केतु	18/05/2036	चंद्र	28/02/2038	बुध	02/02/2040	शुक्र	02/03/2042
केतु	10/12/2034	चंद्र	10/08/2036	बुध	04/06/2038	शुक्र	22/05/2040	सूर्य	12/05/2042
चंद्र	25/02/2035	बुध	06/11/2036	शुक्र	14/09/2038	सूर्य	28/07/2040	मंगल	30/07/2042
बुध	17/05/2035	शुक्र	08/02/2037	सूर्य	15/11/2038	मंगल	09/10/2040	गुरु	22/10/2042
शुक्र	11/08/2035	सूर्य	06/04/2037	मंगल	21/01/2039	गुरु	27/12/2040	शनि	21/01/2043

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

39

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - बुध	बुध - शुक	बुध - सूर्य	बुध - मंगल	बुध - गुरु
21/01/2043	19/07/2045	09/03/2048	19/10/2049	23/07/2051
19/07/2045	09/03/2048	19/10/2049	23/07/2051	18/06/2053
बुध 04/06/2043	शुक 16/12/2045	सूर्य 04/05/2048	मंगल 24/12/2049	गुरु 09/10/2051
शुक 23/10/2043	सूर्य 17/03/2046	मंगल 04/07/2048	गुरु 06/03/2050	शनि 01/01/2052
सूर्य 17/01/2044	मंगल 25/06/2046	गुरु 08/09/2048	शनि 23/05/2050	केतु 31/03/2052
मंगल 20/04/2044	गुरु 11/10/2046	शनि 18/11/2048	केतु 14/08/2050	चंद्र 05/07/2052
गुरु 31/07/2044	शनि 04/02/2047	केतु 02/02/2049	चंद्र 10/11/2050	बुध 15/10/2052
शनि 18/11/2044	केतु 09/06/2047	चंद्र 24/04/2049	बुध 12/02/2051	शुक 31/01/2053
केतु 16/03/2045	चंद्र 20/10/2047	बुध 19/07/2049	शुक 23/05/2051	सूर्य 07/04/2053
चंद्र 19/07/2045	बुध 09/03/2048	शुक 19/10/2049	सूर्य 23/07/2051	मंगल 18/06/2053
बुध - शनि	बुध - केतु	बुध - चंद्र	शुक - शुक	शुक - सूर्य
18/06/2053	07/07/2055	17/09/2057	22/01/2060	07/11/2062
07/07/2055	17/09/2057	22/01/2060	07/11/2062	22/07/2064
शनि 16/09/2053	केतु 19/10/2055	चंद्र 13/01/2058	शुक 28/06/2060	सूर्य 05/01/2063
केतु 22/12/2053	चंद्र 07/02/2056	बुध 19/05/2058	सूर्य 03/10/2060	मंगल 10/03/2063
चंद्र 05/04/2054	बुध 04/06/2056	शुक 29/09/2058	मंगल 16/01/2061	गुरु 19/05/2063
बुध 23/07/2054	शुक 06/10/2056	सूर्य 19/12/2058	गुरु 11/05/2061	शनि 03/08/2063
शुक 17/11/2054	सूर्य 21/12/2056	मंगल 18/03/2059	शनि 11/09/2061	केतु 22/10/2063
सूर्य 27/01/2055	मंगल 14/03/2057	गुरु 22/06/2059	केतु 21/01/2062	चंद्र 16/01/2064
मंगल 14/04/2055	गुरु 12/06/2057	शनि 03/10/2059	चंद्र 10/06/2062	बुध 17/04/2064
गुरु 07/07/2055	शनि 17/09/2057	केतु 22/01/2060	बुध 07/11/2062	शुक 22/07/2064
शुक - मंगल	शुक - गुरु	शुक - शनि	शुक - केतु	शुक - चंद्र
22/07/2064	02/06/2066	08/06/2068	11/08/2070	08/12/2072
02/06/2066	08/06/2068	11/08/2070	08/12/2072	03/06/2075
मंगल 01/10/2064	गुरु 24/08/2066	शनि 12/09/2068	केतु 29/11/2070	चंद्र 12/04/2073
गुरु 16/12/2064	शनि 21/11/2066	केतु 24/12/2068	चंद्र 26/03/2071	बुध 23/08/2073
शनि 08/03/2065	केतु 24/02/2067	चंद्र 12/04/2069	बुध 28/07/2071	शुक 11/01/2074
केतु 04/06/2065	चंद्र 06/06/2067	बुध 06/08/2069	शुक 07/12/2071	सूर्य 07/04/2074
चंद्र 06/09/2065	बुध 22/09/2067	शुक 07/12/2069	सूर्य 26/02/2072	मंगल 09/07/2074
बुध 14/12/2065	शुक 14/01/2068	सूर्य 21/02/2070	मंगल 24/05/2072	गुरु 19/10/2074
शुक 30/03/2066	सूर्य 24/03/2068	मंगल 14/05/2070	गुरु 27/08/2072	शनि 05/02/2075
सूर्य 02/06/2066	मंगल 08/06/2068	गुरु 11/08/2070	शनि 08/12/2072	केतु 03/06/2075

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

40

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - बुध		सूर्य - सूर्य		सूर्य - मंगल		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
03/06/2075		21/01/2078		06/02/2079		28/03/2080		21/06/2081	
21/01/2078		06/02/2079		28/03/2080		21/06/2081		19/10/2082	
बुध	22/10/2075	सूर्य	26/02/2078	मंगल	21/03/2079	गुरु	17/05/2080	शनि	19/08/2081
शुक्र	19/03/2076	मंगल	07/04/2078	गुरु	07/05/2079	शनि	11/07/2080	केतु	20/10/2081
सूर्य	19/06/2076	गुरु	19/05/2078	शनि	26/06/2079	केतु	07/09/2080	चंद्र	26/12/2081
मंगल	26/09/2076	शनि	04/07/2078	केतु	19/08/2079	चंद्र	08/11/2080	बुध	07/03/2082
गुरु	12/01/2077	केतु	23/08/2078	चंद्र	15/10/2079	बुध	13/01/2081	शुक्र	21/05/2082
शनि	09/05/2077	चंद्र	14/10/2078	बुध	15/12/2079	शुक्र	24/03/2081	सूर्य	06/07/2082
केतु	10/09/2077	बुध	09/12/2078	शुक्र	17/02/2080	सूर्य	05/05/2081	मंगल	26/08/2082
चंद्र	21/01/2078	शुक्र	06/02/2079	सूर्य	28/03/2080	मंगल	21/06/2081	गुरु	19/10/2082
सूर्य - केतु		सूर्य - चंद्र		सूर्य - बुध		सूर्य - शुक्र		मंगल - मंगल	
19/10/2082		22/03/2084		27/09/2085		08/05/2087		21/01/2089	
22/03/2084		27/09/2085		08/05/2087		21/01/2089		19/04/2090	
केतु	25/12/2082	चंद्र	06/06/2084	बुध	22/12/2085	शुक्र	13/08/2087	मंगल	09/03/2089
चंद्र	07/03/2083	बुध	26/08/2084	शुक्र	23/03/2086	सूर्य	11/10/2087	गुरु	29/04/2089
बुध	22/05/2083	शुक्र	20/11/2084	सूर्य	18/05/2086	मंगल	15/12/2087	शनि	22/06/2089
शुक्र	11/08/2083	सूर्य	12/01/2085	मंगल	18/07/2086	गुरु	23/02/2088	केतु	20/08/2089
सूर्य	29/09/2083	मंगल	10/03/2085	गुरु	22/09/2086	शनि	08/05/2088	चंद्र	22/10/2089
मंगल	22/11/2083	गुरु	11/05/2085	शनि	02/12/2086	केतु	28/07/2088	बुध	27/12/2089
गुरु	19/01/2084	शनि	17/07/2085	केतु	16/02/2087	चंद्र	22/10/2088	शुक्र	07/03/2090
शनि	22/03/2084	केतु	27/09/2085	चंद्र	08/05/2087	बुध	21/01/2089	सूर्य	19/04/2090
मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - केतु		मंगल - चंद्र		मंगल - बुध	
19/04/2090		24/08/2091		03/02/2093		23/08/2094		19/04/2096	
24/08/2091		03/02/2093		23/08/2094		19/04/2096		21/01/2098	
गुरु	13/06/2090	शनि	26/10/2091	केतु	17/04/2093	चंद्र	15/11/2094	बुध	22/07/2096
शनि	12/08/2090	केतु	03/01/2092	चंद्र	04/07/2093	बुध	11/02/2095	शुक्र	30/10/2096
केतु	14/10/2090	चंद्र	16/03/2092	बुध	25/09/2093	शुक्र	16/05/2095	सूर्य	30/12/2096
चंद्र	21/12/2090	बुध	01/06/2092	शुक्र	22/12/2093	सूर्य	12/07/2095	मंगल	06/03/2097
बुध	03/03/2091	शुक्र	22/08/2092	सूर्य	14/02/2094	मंगल	13/09/2095	गुरु	17/05/2097
शुक्र	18/05/2091	सूर्य	12/10/2092	मंगल	13/04/2094	गुरु	20/11/2095	शनि	03/08/2097
सूर्य	04/07/2091	मंगल	05/12/2092	गुरु	16/06/2094	शनि	01/02/2096	केतु	25/10/2097
मंगल	24/08/2091	गुरु	03/02/2093	शनि	23/08/2094	केतु	19/04/2096	चंद्र	21/01/2098

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

41

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 1 मास 18 दिन

शनि 13 वर्ष	बुध 11 वर्ष	केतु 5 वर्ष	शुक्र 13 वर्ष	सूर्य 4 वर्ष
16/09/1989	04/11/1997	05/03/2009	04/11/2013	06/03/2027
04/11/1997	05/03/2009	04/11/2013	06/03/2027	06/03/2031
00/00/0000	बुध 13/06/1999	केतु 13/06/2009	शुक्र 25/01/2016	सूर्य 18/05/2027
16/09/1989	केतु 10/02/2000	शुक्र 24/03/2010	सूर्य 24/09/2016	चंद्र 17/09/2027
केतु 18/09/1989	शुक्र 31/12/2001	सूर्य 17/06/2010	चंद्र 04/11/2017	मंगल 11/12/2027
शुक्र 29/10/1991	सूर्य 26/07/2002	चंद्र 06/11/2010	मंगल 15/08/2018	राहु 17/07/2028
सूर्य 17/06/1992	चंद्र 06/07/2003	मंगल 14/02/2011	राहु 15/08/2020	गुरु 28/01/2029
चंद्र 07/07/1993	मंगल 03/03/2004	राहु 27/10/2011	गुरु 26/05/2022	शनि 16/09/2029
मंगल 03/04/1994	राहु 14/11/2005	गुरु 11/06/2012	शनि 05/07/2024	बुध 11/04/2030
राहु 26/02/1996	गुरु 20/05/2007	शनि 08/03/2013	बुध 26/05/2026	केतु 05/07/2030
गुरु 04/11/1997	शनि 05/03/2009	बुध 04/11/2013	केतु 06/03/2027	शुक्र 06/03/2031

चंद्र 7 वर्ष	मंगल 5 वर्ष	राहु 12 वर्ष	गुरु 11 वर्ष	शनि 13 वर्ष
06/03/2031	04/11/2037	05/07/2042	05/07/2054	05/03/2065
04/11/2037	05/07/2042	05/07/2054	05/03/2065	00/00/0000
चंद्र 25/09/2031	मंगल 11/02/2038	राहु 23/04/2044	गुरु 07/12/2055	शनि 08/03/2067
मंगल 14/02/2032	राहु 25/10/2038	गुरु 28/11/2045	शनि 15/08/2057	बुध 22/12/2068
राहु 13/02/2033	गुरु 09/06/2039	शनि 23/10/2047	बुध 18/02/2059	केतु 16/09/2069
गुरु 04/01/2034	शनि 05/03/2040	बुध 05/07/2049	केतु 03/10/2059	00/00/0000
शनि 24/01/2035	बुध 02/11/2040	केतु 18/03/2050	शुक्र 13/07/2061	00/00/0000
बुध 04/01/2036	केतु 09/02/2041	शुक्र 17/03/2052	सूर्य 24/01/2062	00/00/0000
केतु 25/05/2036	शुक्र 20/11/2041	सूर्य 23/10/2052	चंद्र 15/12/2062	00/00/0000
शुक्र 05/07/2037	सूर्य 13/02/2042	चंद्र 23/10/2053	मंगल 30/07/2063	00/00/0000
सूर्य 04/11/2037	चंद्र 05/07/2042	मंगल 05/07/2054	राहु 05/03/2065	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

42

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - केतु	शनि - शुक्र	शनि - सूर्य	शनि - चंद्र	शनि - मंगल
16/09/1989	18/09/1989	29/10/1991	17/06/1992	07/07/1993
18/09/1989	29/10/1991	17/06/1992	07/07/1993	03/04/1994
00/00/0000	शुक्र 25/01/1990	सूर्य 10/11/1991	चंद्र 19/07/1992	मंगल 23/07/1993
00/00/0000	सूर्य 04/03/1990	चंद्र 29/11/1991	मंगल 10/08/1992	राहु 01/09/1993
00/00/0000	चंद्र 08/05/1990	मंगल 13/12/1991	राहु 07/10/1992	गुरु 07/10/1993
00/00/0000	मंगल 22/06/1990	राहु 16/01/1992	गुरु 28/11/1992	शनि 19/11/1993
00/00/0000	राहु 15/10/1990	गुरु 16/02/1992	शनि 28/01/1993	बुध 27/12/1993
00/00/0000	गुरु 26/01/1991	शनि 24/03/1992	बुध 23/03/1993	केतु 12/01/1994
00/00/0000	शनि 28/05/1991	बुध 26/04/1992	केतु 15/04/1993	शुक्र 26/02/1994
16/09/1989	बुध 14/09/1991	केतु 09/05/1992	शुक्र 18/06/1993	सूर्य 12/03/1994
बुध 18/09/1989	केतु 29/10/1991	शुक्र 17/06/1992	सूर्य 07/07/1993	चंद्र 03/04/1994
शनि - राहु	शनि - गुरु	बुध - बुध	बुध - केतु	बुध - शुक्र
03/04/1994	26/02/1996	04/11/1997	13/06/1999	10/02/2000
26/02/1996	04/11/1997	13/06/1999	10/02/2000	31/12/2001
राहु 16/07/1994	गुरु 18/05/1996	बुध 26/01/1998	केतु 28/06/1999	शुक्र 04/06/2000
गुरु 17/10/1994	शनि 24/08/1996	केतु 01/03/1998	शुक्र 07/08/1999	सूर्य 08/07/2000
शनि 04/02/1995	बुध 19/11/1996	शुक्र 07/06/1998	सूर्य 19/08/1999	चंद्र 04/09/2000
बुध 13/05/1995	केतु 25/12/1996	सूर्य 06/07/1998	चंद्र 08/09/1999	मंगल 14/10/2000
केतु 22/06/1995	शुक्र 07/04/1997	चंद्र 24/08/1998	मंगल 22/09/1999	राहु 26/01/2001
शुक्र 16/10/1995	सूर्य 08/05/1997	मंगल 27/09/1998	राहु 28/10/1999	गुरु 28/04/2001
सूर्य 20/11/1995	चंद्र 28/06/1997	राहु 24/12/1998	गुरु 29/11/1999	शनि 15/08/2001
चंद्र 17/01/1996	मंगल 03/08/1997	गुरु 13/03/1999	शनि 07/01/2000	बुध 21/11/2001
मंगल 26/02/1996	राहु 04/11/1997	शनि 13/06/1999	बुध 10/02/2000	केतु 31/12/2001
बुध - सूर्य	बुध - चंद्र	बुध - मंगल	बुध - राहु	बुध - गुरु
31/12/2001	26/07/2002	06/07/2003	03/03/2004	14/11/2005
26/07/2002	06/07/2003	03/03/2004	14/11/2005	20/05/2007
सूर्य 10/01/2002	चंद्र 24/08/2002	मंगल 20/07/2003	राहु 04/06/2004	गुरु 27/01/2006
चंद्र 27/01/2002	मंगल 13/09/2002	राहु 25/08/2003	गुरु 26/08/2004	शनि 24/04/2006
मंगल 08/02/2002	राहु 03/11/2002	गुरु 26/09/2003	शनि 02/12/2004	बुध 11/07/2006
राहु 12/03/2002	गुरु 19/12/2002	शनि 03/11/2003	बुध 28/02/2005	केतु 13/08/2006
गुरु 08/04/2002	शनि 12/02/2003	बुध 08/12/2003	केतु 06/04/2005	शुक्र 12/11/2006
शनि 11/05/2002	बुध 02/04/2003	केतु 22/12/2003	शुक्र 18/07/2005	सूर्य 10/12/2006
बुध 09/06/2002	केतु 22/04/2003	शुक्र 31/01/2004	सूर्य 18/08/2005	चंद्र 25/01/2007
केतु 21/06/2002	शुक्र 18/06/2003	सूर्य 12/02/2004	चंद्र 09/10/2005	मंगल 26/02/2007
शुक्र 26/07/2002	सूर्य 06/07/2003	चंद्र 03/03/2004	मंगल 14/11/2005	राहु 20/05/2007

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

43

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
20/05/2007		05/03/2009		13/06/2009		24/03/2010		17/06/2010	
05/03/2009		13/06/2009		24/03/2010		17/06/2010		06/11/2010	
शनि	01/09/2007	केतु	11/03/2009	शुक्र	30/07/2009	सूर्य	28/03/2010	चंद्र	29/06/2010
बुध	03/12/2007	शुक्र	28/03/2009	सूर्य	13/08/2009	चंद्र	04/04/2010	मंगल	07/07/2010
केतु	10/01/2008	सूर्य	02/04/2009	चंद्र	06/09/2009	मंगल	09/04/2010	राहु	29/07/2010
शुक्र	28/04/2008	चंद्र	10/04/2009	मंगल	23/09/2009	राहु	22/04/2010	गुरु	17/08/2010
सूर्य	31/05/2008	मंगल	16/04/2009	राहु	04/11/2009	गुरु	03/05/2010	शनि	08/09/2010
चंद्र	25/07/2008	राहु	01/05/2009	गुरु	12/12/2009	शनि	17/05/2010	बुध	28/09/2010
मंगल	01/09/2008	गुरु	14/05/2009	शनि	26/01/2010	बुध	29/05/2010	केतु	06/10/2010
राहु	08/12/2008	शनि	30/05/2009	बुध	07/03/2010	केतु	03/06/2010	शुक्र	30/10/2010
गुरु	05/03/2009	बुध	13/06/2009	केतु	24/03/2010	शुक्र	17/06/2010	सूर्य	06/11/2010
केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
06/11/2010		14/02/2011		27/10/2011		11/06/2012		08/03/2013	
14/02/2011		27/10/2011		11/06/2012		08/03/2013		04/11/2013	
मंगल	12/11/2010	राहु	24/03/2011	गुरु	27/11/2011	शनि	23/07/2012	बुध	11/04/2013
राहु	27/11/2010	गुरु	27/04/2011	शनि	02/01/2012	बुध	31/08/2012	केतु	25/04/2013
गुरु	10/12/2010	शनि	07/06/2011	बुध	03/02/2012	केतु	15/09/2012	शुक्र	04/06/2013
शनि	26/12/2010	बुध	13/07/2011	केतु	16/02/2012	शुक्र	30/10/2012	सूर्य	16/06/2013
बुध	09/01/2011	केतु	28/07/2011	शुक्र	25/03/2012	सूर्य	13/11/2012	चंद्र	06/07/2013
केतु	15/01/2011	शुक्र	08/09/2011	सूर्य	05/04/2012	चंद्र	05/12/2012	मंगल	20/07/2013
शुक्र	31/01/2011	सूर्य	21/09/2011	चंद्र	24/04/2012	मंगल	21/12/2012	राहु	26/08/2013
सूर्य	05/02/2011	चंद्र	12/10/2011	मंगल	08/05/2012	राहु	31/01/2013	गुरु	27/09/2013
चंद्र	14/02/2011	मंगल	27/10/2011	राहु	11/06/2012	गुरु	08/03/2013	शनि	04/11/2013
शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
04/11/2013		25/01/2016		24/09/2016		04/11/2017		15/08/2018	
25/01/2016		24/09/2016		04/11/2017		15/08/2018		15/08/2020	
शुक्र	19/03/2014	सूर्य	06/02/2016	चंद्र	28/10/2016	मंगल	21/11/2017	राहु	03/12/2018
सूर्य	29/04/2014	चंद्र	26/02/2016	मंगल	21/11/2016	राहु	02/01/2018	गुरु	10/03/2019
चंद्र	05/07/2014	मंगल	11/03/2016	राहु	21/01/2017	गुरु	09/02/2018	शनि	04/07/2019
मंगल	22/08/2014	राहु	17/04/2016	गुरु	16/03/2017	शनि	26/03/2018	बुध	15/10/2019
राहु	22/12/2014	गुरु	19/05/2016	शनि	19/05/2017	बुध	05/05/2018	केतु	27/11/2019
गुरु	09/04/2015	शनि	27/06/2016	बुध	15/07/2017	केतु	22/05/2018	शुक्र	28/03/2020
शनि	15/08/2015	बुध	31/07/2016	केतु	08/08/2017	शुक्र	08/07/2018	सूर्य	03/05/2020
बुध	08/12/2015	केतु	15/08/2016	शुक्र	15/10/2017	सूर्य	22/07/2018	चंद्र	03/07/2020
केतु	25/01/2016	शुक्र	24/09/2016	सूर्य	04/11/2017	चंद्र	15/08/2018	मंगल	15/08/2020

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

44

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य	
15/08/2020		26/05/2022		05/07/2024		26/05/2026		06/03/2027	
26/05/2022		05/07/2024		26/05/2026		06/03/2027		18/05/2027	
गुरु	09/11/2020	शनि	25/09/2022	बुध	11/10/2024	केतु	11/06/2026	सूर्य	10/03/2027
शनि	20/02/2021	बुध	12/01/2023	केतु	20/11/2024	शुक्र	29/07/2026	चंद्र	16/03/2027
बुध	23/05/2021	केतु	26/02/2023	शुक्र	15/03/2025	सूर्य	12/08/2026	मंगल	20/03/2027
केतु	30/06/2021	शुक्र	05/07/2023	सूर्य	18/04/2025	चंद्र	05/09/2026	राहु	31/03/2027
शुक्र	16/10/2021	सूर्य	12/08/2023	चंद्र	15/06/2025	मंगल	21/09/2026	गुरु	10/04/2027
सूर्य	18/11/2021	चंद्र	16/10/2023	मंगल	25/07/2025	राहु	03/11/2026	शनि	21/04/2027
चंद्र	11/01/2022	मंगल	30/11/2023	राहु	06/11/2025	गुरु	11/12/2026	बुध	02/05/2027
मंगल	18/02/2022	राहु	24/03/2024	गुरु	06/02/2026	शनि	25/01/2027	केतु	06/05/2027
राहु	26/05/2022	गुरु	05/07/2024	शनि	26/05/2026	बुध	06/03/2027	शुक्र	18/05/2027
सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि	
18/05/2027		17/09/2027		11/12/2027		17/07/2028		28/01/2029	
17/09/2027		11/12/2027		17/07/2028		28/01/2029		16/09/2029	
चंद्र	28/05/2027	मंगल	22/09/2027	राहु	13/01/2028	गुरु	12/08/2028	शनि	06/03/2029
मंगल	04/06/2027	राहु	05/10/2027	गुरु	11/02/2028	शनि	12/09/2028	बुध	07/04/2029
राहु	23/06/2027	गुरु	16/10/2027	शनि	17/03/2028	बुध	10/10/2028	केतु	21/04/2029
गुरु	09/07/2027	शनि	29/10/2027	बुध	17/04/2028	केतु	21/10/2028	शुक्र	29/05/2029
शनि	28/07/2027	बुध	10/11/2027	केतु	30/04/2028	शुक्र	22/11/2028	सूर्य	10/06/2029
बुध	14/08/2027	केतु	15/11/2027	शुक्र	05/06/2028	सूर्य	02/12/2028	चंद्र	29/06/2029
केतु	21/08/2027	शुक्र	30/11/2027	सूर्य	16/06/2028	चंद्र	18/12/2028	मंगल	13/07/2029
शुक्र	11/09/2027	सूर्य	04/12/2027	चंद्र	04/07/2028	मंगल	30/12/2028	राहु	16/08/2029
सूर्य	17/09/2027	चंद्र	11/12/2027	मंगल	17/07/2028	राहु	28/01/2029	गुरु	16/09/2029
सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
16/09/2029		11/04/2030		05/07/2030		06/03/2031		25/09/2031	
11/04/2030		05/07/2030		06/03/2031		25/09/2031		14/02/2032	
बुध	16/10/2029	केतु	16/04/2030	शुक्र	15/08/2030	चंद्र	23/03/2031	मंगल	03/10/2031
केतु	28/10/2029	शुक्र	30/04/2030	सूर्य	27/08/2030	मंगल	04/04/2031	राहु	24/10/2031
शुक्र	01/12/2029	सूर्य	05/05/2030	चंद्र	17/09/2030	राहु	04/05/2031	गुरु	12/11/2031
सूर्य	12/12/2029	चंद्र	12/05/2030	मंगल	01/10/2030	गुरु	31/05/2031	शनि	05/12/2031
चंद्र	29/12/2029	मंगल	17/05/2030	राहु	06/11/2030	शनि	02/07/2031	बुध	25/12/2031
मंगल	10/01/2030	राहु	30/05/2030	गुरु	09/12/2030	बुध	31/07/2031	केतु	02/01/2032
राहु	10/02/2030	गुरु	10/06/2030	शनि	16/01/2031	केतु	12/08/2031	शुक्र	26/01/2032
गुरु	09/03/2030	शनि	23/06/2030	बुध	20/02/2031	शुक्र	15/09/2031	सूर्य	02/02/2032
शनि	11/04/2030	बुध	05/07/2030	केतु	06/03/2031	सूर्य	25/09/2031	चंद्र	14/02/2032

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

45

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु	
14/02/2032		13/02/2033		04/01/2034		24/01/2035		04/01/2036	
13/02/2033		04/01/2034		24/01/2035		04/01/2036		25/05/2036	
राहु	09/04/2032	गुरु	28/03/2033	शनि	06/03/2034	बुध	14/03/2035	केतु	13/01/2036
गुरु	27/05/2032	शनि	19/05/2033	बुध	30/04/2034	केतु	03/04/2035	शुक्र	05/02/2036
शनि	24/07/2032	बुध	04/07/2033	केतु	22/05/2034	शुक्र	31/05/2035	सूर्य	12/02/2036
बुध	14/09/2032	केतु	23/07/2033	शुक्र	25/07/2034	सूर्य	17/06/2035	चंद्र	24/02/2036
केतु	05/10/2032	शुक्र	15/09/2033	सूर्य	14/08/2034	चंद्र	16/07/2035	मंगल	04/03/2036
शुक्र	05/12/2032	सूर्य	01/10/2033	चंद्र	15/09/2034	मंगल	05/08/2035	राहु	25/03/2036
सूर्य	23/12/2032	चंद्र	28/10/2033	मंगल	07/10/2034	राहु	26/09/2035	गुरु	13/04/2036
चंद्र	23/01/2033	मंगल	16/11/2033	राहु	04/12/2034	गुरु	11/11/2035	शनि	05/05/2036
मंगल	13/02/2033	राहु	04/01/2034	गुरु	24/01/2035	शनि	04/01/2036	बुध	25/05/2036
चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु	
25/05/2036		05/07/2037		04/11/2037		11/02/2038		25/10/2038	
05/07/2037		04/11/2037		11/02/2038		25/10/2038		09/06/2039	
शुक्र	01/08/2036	सूर्य	11/07/2037	मंगल	10/11/2037	राहु	22/03/2038	गुरु	24/11/2038
सूर्य	21/08/2036	चंद्र	21/07/2037	राहु	25/11/2037	गुरु	25/04/2038	शनि	30/12/2038
चंद्र	24/09/2036	मंगल	29/07/2037	गुरु	08/12/2037	शनि	04/06/2038	बुध	01/02/2039
मंगल	18/10/2036	राहु	16/08/2037	शनि	24/12/2037	बुध	11/07/2038	केतु	14/02/2039
राहु	18/12/2036	गुरु	01/09/2037	बुध	07/01/2038	केतु	25/07/2038	शुक्र	24/03/2039
गुरु	10/02/2037	शनि	20/09/2037	केतु	13/01/2038	शुक्र	06/09/2038	सूर्य	04/04/2039
शनि	15/04/2037	बुध	08/10/2037	शुक्र	29/01/2038	सूर्य	19/09/2038	चंद्र	23/04/2039
बुध	12/06/2037	केतु	15/10/2037	सूर्य	03/02/2038	चंद्र	10/10/2038	मंगल	06/05/2039
केतु	05/07/2037	शुक्र	04/11/2037	चंद्र	11/02/2038	मंगल	25/10/2038	राहु	09/06/2039
मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
09/06/2039		05/03/2040		02/11/2040		09/02/2041		20/11/2041	
05/03/2040		02/11/2040		09/02/2041		20/11/2041		13/02/2042	
शनि	22/07/2039	बुध	08/04/2040	केतु	08/11/2040	शुक्र	28/03/2041	सूर्य	24/11/2041
बुध	29/08/2039	केतु	23/04/2040	शुक्र	24/11/2040	सूर्य	12/04/2041	चंद्र	02/12/2041
केतु	14/09/2039	शुक्र	02/06/2040	सूर्य	29/11/2040	चंद्र	05/05/2041	मंगल	07/12/2041
शुक्र	29/10/2039	सूर्य	14/06/2040	चंद्र	07/12/2040	मंगल	22/05/2041	राहु	19/12/2041
सूर्य	12/11/2039	चंद्र	04/07/2040	मंगल	13/12/2040	राहु	04/07/2041	गुरु	31/12/2041
चंद्र	04/12/2039	मंगल	18/07/2040	राहु	28/12/2040	गुरु	10/08/2041	शनि	13/01/2042
मंगल	20/12/2039	राहु	23/08/2040	गुरु	10/01/2041	शनि	24/09/2041	बुध	25/01/2042
राहु	29/01/2040	गुरु	24/09/2040	शनि	26/01/2041	बुध	04/11/2041	केतु	30/01/2042
गुरु	05/03/2040	शनि	02/11/2040	बुध	09/02/2041	केतु	20/11/2041	शुक्र	13/02/2042

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

46

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध	
13/02/2042		05/07/2042		23/04/2044		28/11/2045		23/10/2047	
05/07/2042		23/04/2044		28/11/2045		23/10/2047		05/07/2049	
चंद्र	25/02/2042	राहु	12/10/2042	गुरु	10/07/2044	शनि	18/03/2046	बुध	19/01/2048
मंगल	06/03/2042	गुरु	08/01/2043	शनि	10/10/2044	बुध	25/06/2046	केतु	25/02/2048
राहु	27/03/2042	शनि	22/04/2043	बुध	01/01/2045	केतु	04/08/2046	शुक्र	07/06/2048
गुरु	15/04/2042	बुध	24/07/2043	केतु	04/02/2045	शुक्र	28/11/2046	सूर्य	08/07/2048
शनि	07/05/2042	केतु	31/08/2043	शुक्र	13/05/2045	सूर्य	01/01/2047	चंद्र	29/08/2048
बुध	27/05/2042	शुक्र	19/12/2043	सूर्य	11/06/2045	चंद्र	28/02/2047	मंगल	04/10/2048
केतु	05/06/2042	सूर्य	21/01/2044	चंद्र	30/07/2045	मंगल	10/04/2047	राहु	05/01/2049
शुक्र	28/06/2042	चंद्र	16/03/2044	मंगल	02/09/2045	राहु	23/07/2047	गुरु	29/03/2049
सूर्य	05/07/2042	मंगल	23/04/2044	राहु	28/11/2045	गुरु	23/10/2047	शनि	05/07/2049
राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
05/07/2049		18/03/2050		17/03/2052		23/10/2052		23/10/2053	
18/03/2050		17/03/2052		23/10/2052		23/10/2053		05/07/2054	
केतु	20/07/2049	शुक्र	18/07/2050	सूर्य	28/03/2052	चंद्र	22/11/2052	मंगल	07/11/2053
शुक्र	01/09/2049	सूर्य	23/08/2050	चंद्र	16/04/2052	मंगल	13/12/2052	राहु	15/12/2053
सूर्य	14/09/2049	चंद्र	23/10/2050	मंगल	28/04/2052	राहु	06/02/2053	गुरु	18/01/2054
चंद्र	05/10/2049	मंगल	05/12/2050	राहु	31/05/2052	गुरु	27/03/2053	शनि	28/02/2054
मंगल	20/10/2049	राहु	24/03/2051	गुरु	30/06/2052	शनि	24/05/2053	बुध	05/04/2054
राहु	27/11/2049	गुरु	30/06/2051	शनि	03/08/2052	बुध	14/07/2053	केतु	20/04/2054
गुरु	31/12/2049	शनि	23/10/2051	बुध	03/09/2052	केतु	05/08/2053	शुक्र	01/06/2054
शनि	10/02/2050	बुध	04/02/2052	केतु	16/09/2052	शुक्र	05/10/2053	सूर्य	14/06/2054
बुध	18/03/2050	केतु	17/03/2052	शुक्र	23/10/2052	सूर्य	23/10/2053	चंद्र	05/07/2054
गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
05/07/2054		07/12/2055		15/08/2057		18/02/2059		03/10/2059	
07/12/2055		15/08/2057		18/02/2059		03/10/2059		13/07/2061	
गुरु	13/09/2054	शनि	14/03/2056	बुध	01/11/2057	केतु	03/03/2059	शुक्र	19/01/2060
शनि	04/12/2054	बुध	09/06/2056	केतु	03/12/2057	शुक्र	10/04/2059	सूर्य	21/02/2060
बुध	16/02/2055	केतु	15/07/2056	शुक्र	05/03/2058	सूर्य	21/04/2059	चंद्र	15/04/2060
केतु	18/03/2055	शुक्र	26/10/2056	सूर्य	02/04/2058	चंद्र	10/05/2059	मंगल	23/05/2060
शुक्र	12/06/2055	सूर्य	26/11/2056	चंद्र	18/05/2058	मंगल	23/05/2059	राहु	28/08/2060
सूर्य	08/07/2055	चंद्र	16/01/2057	मंगल	19/06/2058	राहु	27/06/2059	गुरु	23/11/2060
चंद्र	21/08/2055	मंगल	21/02/2057	राहु	10/09/2058	गुरु	27/07/2059	शनि	05/03/2061
मंगल	20/09/2055	राहु	25/05/2057	गुरु	22/11/2058	शनि	01/09/2059	बुध	05/06/2061
राहु	07/12/2055	गुरु	15/08/2057	शनि	18/02/2059	बुध	03/10/2059	केतु	13/07/2061

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

47

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 6 मास 25 दिन

राहु 12 वर्ष	शुक्र 21 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 15 वर्ष	मंगल 8 वर्ष
16/09/1989	11/04/2000	11/04/2021	12/04/2027	12/04/2042
11/04/2000	11/04/2021	12/04/2027	12/04/2042	12/04/2050
16/09/1989	शुक्र 12/05/2004	सूर्य 11/08/2021	चंद्र 12/05/2029	मंगल 14/11/2042
शुक्र 11/12/1991	सूर्य 12/07/2005	चंद्र 11/06/2022	मंगल 22/06/2030	बुध 17/02/2044
सूर्य 11/08/1992	चंद्र 11/06/2008	मंगल 21/11/2022	बुध 31/10/2032	शनि 14/11/2044
चंद्र 12/04/1994	मंगल 31/12/2009	बुध 01/11/2023	शनि 22/03/2034	गुरु 12/04/2046
मंगल 02/03/1995	बुध 21/04/2013	शनि 22/05/2024	गुरु 10/11/2036	राहु 02/03/2047
बुध 20/01/1997	शनि 02/04/2015	गुरु 11/06/2025	राहु 12/07/2038	शुक्र 20/09/2048
शनि 02/03/1998	गुरु 11/12/2018	राहु 10/02/2026	शुक्र 11/06/2041	सूर्य 02/03/2049
गुरु 11/04/2000	राहु 11/04/2021	शुक्र 12/04/2027	सूर्य 12/04/2042	चंद्र 12/04/2050

बुध 17 वर्ष	शनि 10 वर्ष	गुरु 19 वर्ष	राहु 12 वर्ष
12/04/2050	12/04/2067	11/04/2077	11/04/2096
12/04/2067	11/04/2077	11/04/2096	00/00/0000
बुध 14/12/2052	शनि 15/03/2068	गुरु 14/08/2080	राहु 11/08/2097
शनि 12/07/2054	गुरु 18/12/2069	राहु 24/09/2082	शुक्र 16/09/2097
गुरु 08/07/2057	राहु 27/01/2071	शुक्र 05/06/2086	00/00/0000
राहु 29/05/2059	शुक्र 07/01/2073	सूर्य 25/06/2087	00/00/0000
शुक्र 18/09/2062	सूर्य 29/07/2073	चंद्र 13/02/2090	00/00/0000
सूर्य 29/08/2063	चंद्र 18/12/2074	मंगल 12/07/2091	00/00/0000
चंद्र 07/01/2066	मंगल 14/09/2075	बुध 09/07/2094	00/00/0000
मंगल 12/04/2067	बुध 11/04/2077	शनि 11/04/2096	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

48

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - शुक्र	राहु - सूर्य	राहु - चंद्र	राहु - मंगल	राहु - बुध
16/09/1989	11/12/1991	11/08/1992	12/04/1994	02/03/1995
11/12/1991	11/08/1992	12/04/1994	02/03/1995	20/01/1997
शुक्र 24/01/1990	सूर्य 25/12/1991	चंद्र 03/11/1992	मंगल 06/05/1994	बुध 19/06/1995
सूर्य 12/03/1990	चंद्र 28/01/1992	मंगल 18/12/1992	बुध 26/06/1994	शनि 22/08/1995
चंद्र 09/07/1990	मंगल 15/02/1992	बुध 24/03/1993	शनि 26/07/1994	गुरु 21/12/1995
मंगल 10/09/1990	बुध 24/03/1992	शनि 20/05/1993	गुरु 21/09/1994	राहु 07/03/1996
बुध 22/01/1991	शनि 16/04/1992	गुरु 04/09/1993	राहु 27/10/1994	शुक्र 19/07/1996
शनि 11/04/1991	गुरु 28/05/1992	राहु 10/11/1993	शुक्र 29/12/1994	सूर्य 26/08/1996
गुरु 08/09/1991	राहु 24/06/1992	शुक्र 09/03/1994	सूर्य 16/01/1995	चंद्र 30/11/1996
राहु 11/12/1991	शुक्र 11/08/1992	सूर्य 12/04/1994	चंद्र 02/03/1995	मंगल 20/01/1997
राहु - शनि	राहु - गुरु	शुक्र - शुक्र	शुक्र - सूर्य	शुक्र - चंद्र
20/01/1997	02/03/1998	11/04/2000	12/05/2004	12/07/2005
02/03/1998	11/04/2000	12/05/2004	12/07/2005	11/06/2008
शनि 27/02/1997	गुरु 16/07/1998	शुक्र 26/01/2001	सूर्य 04/06/2004	चंद्र 07/12/2005
गुरु 09/05/1997	राहु 09/10/1998	सूर्य 19/04/2001	चंद्र 02/08/2004	मंगल 24/02/2006
राहु 23/06/1997	शुक्र 08/03/1999	चंद्र 12/11/2001	मंगल 03/09/2004	बुध 10/08/2006
शुक्र 10/09/1997	सूर्य 20/04/1999	मंगल 03/03/2002	बुध 09/11/2004	शनि 17/11/2006
सूर्य 03/10/1997	चंद्र 05/08/1999	बुध 23/10/2002	शनि 18/12/2004	गुरु 23/05/2007
चंद्र 28/11/1997	मंगल 01/10/1999	शनि 10/03/2003	गुरु 03/03/2005	राहु 19/09/2007
मंगल 28/12/1997	बुध 31/01/2000	गुरु 28/11/2003	राहु 20/04/2005	शुक्र 13/04/2008
बुध 02/03/1998	शनि 11/04/2000	राहु 12/05/2004	शुक्र 12/07/2005	सूर्य 11/06/2008
शुक्र - मंगल	शुक्र - बुध	शुक्र - शनि	शुक्र - गुरु	शुक्र - राहु
11/06/2008	31/12/2009	21/04/2013	02/04/2015	11/12/2018
31/12/2009	21/04/2013	02/04/2015	11/12/2018	11/04/2021
मंगल 23/07/2008	बुध 09/07/2010	शनि 26/06/2013	गुरु 25/11/2015	राहु 16/03/2019
बुध 20/10/2008	शनि 29/10/2010	गुरु 29/10/2013	राहु 23/04/2016	शुक्र 29/08/2019
शनि 12/12/2008	गुरु 29/05/2011	राहु 16/01/2014	शुक्र 10/01/2017	सूर्य 15/10/2019
गुरु 22/03/2009	राहु 11/10/2011	शुक्र 03/06/2014	सूर्य 26/03/2017	चंद्र 10/02/2020
राहु 24/05/2009	शुक्र 01/06/2012	सूर्य 13/07/2014	चंद्र 30/09/2017	मंगल 13/04/2020
शुक्र 12/09/2009	सूर्य 07/08/2012	चंद्र 19/10/2014	मंगल 08/01/2018	बुध 25/08/2020
सूर्य 13/10/2009	चंद्र 22/01/2013	मंगल 11/12/2014	बुध 08/08/2018	शनि 12/11/2020
चंद्र 31/12/2009	मंगल 21/04/2013	बुध 02/04/2015	शनि 11/12/2018	गुरु 11/04/2021

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

49

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - सूर्य	सूर्य - चंद्र	सूर्य - मंगल	सूर्य - बुध	सूर्य - शनि
11/04/2021	11/08/2021	11/06/2022	21/11/2022	01/11/2023
11/08/2021	11/06/2022	21/11/2022	01/11/2023	22/05/2024
सूर्य 18/04/2021	चंद्र 22/09/2021	मंगल 23/06/2022	बुध 14/01/2023	शनि 20/11/2023
चंद्र 05/05/2021	मंगल 15/10/2021	बुध 19/07/2022	शनि 15/02/2023	गुरु 25/12/2023
मंगल 14/05/2021	बुध 02/12/2021	शनि 03/08/2022	गुरु 17/04/2023	राहु 17/01/2024
बुध 02/06/2021	शनि 30/12/2021	गुरु 01/09/2022	राहु 25/05/2023	शुक्र 25/02/2024
शनि 13/06/2021	गुरु 22/02/2022	राहु 19/09/2022	शुक्र 31/07/2023	सूर्य 08/03/2024
गुरु 05/07/2021	राहु 27/03/2022	शुक्र 20/10/2022	सूर्य 19/08/2023	चंद्र 05/04/2024
राहु 18/07/2021	शुक्र 26/05/2022	सूर्य 29/10/2022	चंद्र 06/10/2023	मंगल 20/04/2024
शुक्र 11/08/2021	सूर्य 11/06/2022	चंद्र 21/11/2022	मंगल 01/11/2023	बुध 22/05/2024
सूर्य - गुरु	सूर्य - राहु	सूर्य - शुक्र	चंद्र - चंद्र	चंद्र - मंगल
22/05/2024	11/06/2025	10/02/2026	12/04/2027	12/05/2029
11/06/2025	10/02/2026	12/04/2027	12/05/2029	22/06/2030
गुरु 29/07/2024	राहु 08/07/2025	शुक्र 04/05/2026	चंद्र 27/07/2027	मंगल 11/06/2029
राहु 09/09/2024	शुक्र 25/08/2025	सूर्य 27/05/2026	मंगल 21/09/2027	बुध 14/08/2029
शुक्र 23/11/2024	सूर्य 07/09/2025	चंद्र 25/07/2026	बुध 19/01/2028	शनि 20/09/2029
सूर्य 15/12/2024	चंद्र 11/10/2025	मंगल 26/08/2026	शनि 29/03/2028	गुरु 01/12/2029
चंद्र 06/02/2025	मंगल 29/10/2025	बुध 01/11/2026	गुरु 10/08/2028	राहु 15/01/2030
मंगल 07/03/2025	बुध 06/12/2025	शनि 11/12/2026	राहु 03/11/2028	शुक्र 04/04/2030
बुध 07/05/2025	शनि 29/12/2025	गुरु 23/02/2027	शुक्र 31/03/2029	सूर्य 26/04/2030
शनि 11/06/2025	गुरु 10/02/2026	राहु 12/04/2027	सूर्य 12/05/2029	चंद्र 22/06/2030
चंद्र - बुध	चंद्र - शनि	चंद्र - गुरु	चंद्र - राहु	चंद्र - शुक्र
22/06/2030	31/10/2032	22/03/2034	10/11/2036	12/07/2038
31/10/2032	22/03/2034	10/11/2036	12/07/2038	11/06/2041
बुध 04/11/2030	शनि 17/12/2032	गुरु 08/09/2034	राहु 17/01/2037	शुक्र 04/02/2039
शनि 23/01/2031	गुरु 16/03/2033	राहु 24/12/2034	शुक्र 15/05/2037	सूर्य 04/04/2039
गुरु 24/06/2031	राहु 12/05/2033	शुक्र 29/06/2035	सूर्य 18/06/2037	चंद्र 30/08/2039
राहु 28/09/2031	शुक्र 18/08/2033	सूर्य 22/08/2035	चंद्र 11/09/2037	मंगल 17/11/2039
शुक्र 13/03/2032	सूर्य 15/09/2033	चंद्र 03/01/2036	मंगल 26/10/2037	बुध 03/05/2040
सूर्य 30/04/2032	चंद्र 25/11/2033	मंगल 14/03/2036	बुध 29/01/2038	शनि 09/08/2040
चंद्र 28/08/2032	मंगल 01/01/2034	बुध 13/08/2036	शनि 27/03/2038	गुरु 13/02/2041
मंगल 31/10/2032	बुध 22/03/2034	शनि 10/11/2036	गुरु 12/07/2038	राहु 11/06/2041

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

50

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - सूर्य	मंगल - मंगल	मंगल - बुध	मंगल - शनि	मंगल - गुरु
11/06/2041	12/04/2042	14/11/2042	17/02/2044	14/11/2044
12/04/2042	14/11/2042	17/02/2044	14/11/2044	12/04/2046
सूर्य 28/06/2041	मंगल 28/04/2042	बुध 25/01/2043	शनि 13/03/2044	गुरु 12/02/2045
चंद्र 09/08/2041	बुध 01/06/2042	शनि 09/03/2043	गुरु 30/04/2044	राहु 10/04/2045
मंगल 01/09/2041	शनि 21/06/2042	गुरु 29/05/2043	राहु 30/05/2044	शुक्र 19/07/2045
बुध 19/10/2041	गुरु 29/07/2042	राहु 19/07/2043	शुक्र 21/07/2044	सूर्य 17/08/2045
शनि 16/11/2041	राहु 22/08/2042	शुक्र 16/10/2043	सूर्य 05/08/2044	चंद्र 27/10/2045
गुरु 09/01/2042	शुक्र 03/10/2042	सूर्य 11/11/2043	चंद्र 12/09/2044	मंगल 04/12/2045
राहु 11/02/2042	सूर्य 15/10/2042	चंद्र 14/01/2044	मंगल 02/10/2044	बुध 23/02/2046
शुक्र 12/04/2042	चंद्र 14/11/2042	मंगल 17/02/2044	बुध 14/11/2044	शनि 12/04/2046
मंगल - राहु	मंगल - शुक्र	मंगल - सूर्य	मंगल - चंद्र	बुध - बुध
12/04/2046	02/03/2047	20/09/2048	02/03/2049	12/04/2050
02/03/2047	20/09/2048	02/03/2049	12/04/2050	14/12/2052
राहु 18/05/2046	शुक्र 21/06/2047	सूर्य 29/09/2048	चंद्र 27/04/2049	बुध 12/09/2050
शुक्र 20/07/2046	सूर्य 22/07/2047	चंद्र 22/10/2048	मंगल 27/05/2049	शनि 12/12/2050
सूर्य 07/08/2046	चंद्र 09/10/2047	मंगल 03/11/2048	बुध 30/07/2049	गुरु 02/06/2051
चंद्र 21/09/2046	मंगल 20/11/2047	बुध 29/11/2048	शनि 06/09/2049	राहु 18/09/2051
मंगल 15/10/2046	बुध 18/02/2048	शनि 14/12/2048	गुरु 16/11/2049	शुक्र 27/03/2052
बुध 05/12/2046	शनि 10/04/2048	गुरु 11/01/2049	राहु 31/12/2049	सूर्य 20/05/2052
शनि 04/01/2047	गुरु 19/07/2048	राहु 29/01/2049	शुक्र 20/03/2050	चंद्र 03/10/2052
गुरु 02/03/2047	राहु 20/09/2048	शुक्र 02/03/2049	सूर्य 12/04/2050	मंगल 14/12/2052
बुध - शनि	बुध - गुरु	बुध - राहु	बुध - शुक्र	बुध - सूर्य
14/12/2052	12/07/2054	08/07/2057	29/05/2059	18/09/2062
12/07/2054	08/07/2057	29/05/2059	18/09/2062	29/08/2063
शनि 05/02/2053	गुरु 20/01/2055	राहु 23/09/2057	शुक्र 19/01/2060	सूर्य 07/10/2062
गुरु 17/05/2053	राहु 21/05/2055	शुक्र 04/02/2058	सूर्य 26/03/2060	चंद्र 24/11/2062
राहु 20/07/2053	शुक्र 20/12/2055	सूर्य 14/03/2058	चंद्र 10/09/2060	मंगल 19/12/2062
शुक्र 09/11/2053	सूर्य 19/02/2056	चंद्र 18/06/2058	मंगल 08/12/2060	बुध 11/02/2063
सूर्य 11/12/2053	चंद्र 19/07/2056	मंगल 08/08/2058	बुध 16/06/2061	शनि 15/03/2063
चंद्र 01/03/2054	मंगल 08/10/2056	बुध 25/11/2058	शनि 06/10/2061	गुरु 15/05/2063
मंगल 12/04/2054	बुध 29/03/2057	शनि 28/01/2059	गुरु 06/05/2062	राहु 22/06/2063
बुध 12/07/2054	शनि 08/07/2057	गुरु 29/05/2059	राहु 18/09/2062	शुक्र 29/08/2063

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

51

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - चंद्र		बुध - मंगल		शनि - शनि		शनि - गुरु		शनि - राहु	
29/08/2063		07/01/2066		12/04/2067		15/03/2068		18/12/2069	
07/01/2066		12/04/2067		15/03/2068		18/12/2069		27/01/2071	
चंद्र	26/12/2063	मंगल	10/02/2066	शनि	13/05/2067	गुरु	06/07/2068	राहु	01/02/2070
मंगल	28/02/2064	बुध	23/04/2066	गुरु	12/07/2067	राहु	15/09/2068	शुक्र	21/04/2070
बुध	13/07/2064	शनि	05/06/2066	राहु	18/08/2067	शुक्र	18/01/2069	सूर्य	13/05/2070
शनि	01/10/2064	गुरु	25/08/2066	शुक्र	23/10/2067	सूर्य	23/02/2069	चंद्र	09/07/2070
गुरु	01/03/2065	राहु	15/10/2066	सूर्य	11/11/2067	चंद्र	23/05/2069	मंगल	08/08/2070
राहु	05/06/2065	शुक्र	12/01/2067	चंद्र	28/12/2067	मंगल	10/07/2069	बुध	10/10/2070
शुक्र	20/11/2065	सूर्य	07/02/2067	मंगल	22/01/2068	बुध	19/10/2069	शनि	17/11/2070
सूर्य	07/01/2066	चंद्र	12/04/2067	बुध	15/03/2068	शनि	18/12/2069	गुरु	27/01/2071
शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - बुध	
27/01/2071		07/01/2073		29/07/2073		18/12/2074		14/09/2075	
07/01/2073		29/07/2073		18/12/2074		14/09/2075		11/04/2077	
शुक्र	15/06/2071	सूर्य	18/01/2073	चंद्र	07/10/2073	मंगल	07/01/2075	बुध	14/12/2075
सूर्य	24/07/2071	चंद्र	15/02/2073	मंगल	14/11/2073	बुध	18/02/2075	शनि	05/02/2076
चंद्र	31/10/2071	मंगल	02/03/2073	बुध	01/02/2074	शनि	16/03/2075	गुरु	16/05/2076
मंगल	22/12/2071	बुध	03/04/2073	शनि	20/03/2074	गुरु	02/05/2075	राहु	19/07/2076
बुध	12/04/2072	शनि	22/04/2073	गुरु	18/06/2074	राहु	01/06/2075	शुक्र	08/11/2076
शनि	17/06/2072	गुरु	28/05/2073	राहु	13/08/2074	शुक्र	24/07/2075	सूर्य	10/12/2076
गुरु	20/10/2072	राहु	19/06/2073	शुक्र	20/11/2074	सूर्य	08/08/2075	चंद्र	28/02/2077
राहु	07/01/2073	शुक्र	29/07/2073	सूर्य	18/12/2074	चंद्र	14/09/2075	मंगल	11/04/2077
गुरु - गुरु		गुरु - राहु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र	
11/04/2077		14/08/2080		24/09/2082		05/06/2086		25/06/2087	
14/08/2080		24/09/2082		05/06/2086		25/06/2087		13/02/2090	
गुरु	12/11/2077	राहु	08/11/2080	शुक्र	14/06/2083	सूर्य	26/06/2086	चंद्र	06/11/2087
राहु	28/03/2078	शुक्र	07/04/2081	सूर्य	28/08/2083	चंद्र	19/08/2086	मंगल	17/01/2088
शुक्र	20/11/2078	सूर्य	20/05/2081	चंद्र	02/03/2084	मंगल	16/09/2086	बुध	16/06/2088
सूर्य	27/01/2079	चंद्र	04/09/2081	मंगल	10/06/2084	बुध	16/11/2086	शनि	13/09/2088
चंद्र	16/07/2079	मंगल	31/10/2081	बुध	08/01/2085	शनि	22/12/2086	गुरु	02/03/2089
मंगल	14/10/2079	बुध	01/03/2082	शनि	13/05/2085	गुरु	27/02/2087	राहु	17/06/2089
बुध	23/04/2080	शनि	12/05/2082	गुरु	06/01/2086	राहु	11/04/2087	शुक्र	22/12/2089
शनि	14/08/2080	गुरु	24/09/2082	राहु	05/06/2086	शुक्र	25/06/2087	सूर्य	13/02/2090

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

52

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : भद्रिका 3 वर्ष 2 मास 16 दिन

भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष
16/09/1989	02/12/1992	02/12/1998	02/12/2005	02/12/2013
02/12/1992	02/12/1998	02/12/2005	02/12/2013	02/12/2014
00/00/0000	उल्क 02/12/1993	सिद्ध 12/04/2000	संक 12/09/2007	मंग 12/12/2013
16/09/1989	सिद्ध 01/02/1995	संक 01/11/2001	मंग 02/12/2007	पिंग 01/01/2014
सिद्ध 03/06/1990	संक 02/06/1996	मंग 11/01/2002	पिंग 13/05/2008	धांय 01/02/2014
संक 13/07/1991	मंग 02/08/1996	पिंग 03/06/2002	धांय 11/01/2009	भ्राम 13/03/2014
मंग 02/09/1991	पिंग 02/12/1996	धांय 02/01/2003	भ्राम 02/12/2009	भद्रि 03/05/2014
पिंग 13/12/1991	धांय 02/06/1997	भ्राम 13/10/2003	भद्रि 12/01/2011	उल्क 03/07/2014
धांय 13/05/1992	भ्राम 01/02/1998	भद्रि 02/10/2004	उल्क 13/05/2012	सिद्ध 12/09/2014
भ्राम 02/12/1992	भद्रि 02/12/1998	उल्क 02/12/2005	सिद्ध 02/12/2013	संक 02/12/2014

पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष	भ्रामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष
02/12/2014	02/12/2016	02/12/2019	02/12/2023	02/12/2028
02/12/2016	02/12/2019	02/12/2023	02/12/2028	02/12/2034
पिंग 12/01/2015	धांय 03/03/2017	भ्राम 13/05/2020	भद्रि 12/08/2024	उल्क 02/12/2029
धांय 14/03/2015	भ्राम 03/07/2017	भद्रि 02/12/2020	उल्क 12/06/2025	सिद्ध 01/02/2031
भ्राम 03/06/2015	भद्रि 02/12/2017	उल्क 02/08/2021	सिद्ध 03/06/2026	संक 02/06/2032
भद्रि 12/09/2015	उल्क 03/06/2018	सिद्ध 13/05/2022	संक 13/07/2027	मंग 02/08/2032
उल्क 12/01/2016	सिद्ध 02/01/2019	संक 03/04/2023	मंग 02/09/2027	पिंग 02/12/2032
सिद्ध 02/06/2016	संक 02/09/2019	मंग 13/05/2023	पिंग 13/12/2027	धांय 02/06/2033
संक 11/11/2016	मंग 03/10/2019	पिंग 03/08/2023	धांय 13/05/2028	भ्राम 01/02/2034
मंग 02/12/2016	पिंग 02/12/2019	धांय 02/12/2023	भ्राम 02/12/2028	भद्रि 02/12/2034

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला : चन्द्र पिंगला : सूर्य धान्या : गुरु भ्रामरी : मंगल
भद्रिका : बुध उल्का : शनि सिद्धा : शुक्र संकटा : राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

53

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

योगिनी दशा

सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष
02/12/2034	02/12/2041	02/12/2049	02/12/2050	02/12/2052
02/12/2041	02/12/2049	02/12/2050	02/12/2052	02/12/2055
सिद्ध 12/04/2036	संक 12/09/2043	मंग 12/12/2049	पिंग 12/01/2051	धांय 03/03/2053
संक 01/11/2037	मंग 02/12/2043	पिंग 01/01/2050	धांय 14/03/2051	भ्राम 03/07/2053
मंग 11/01/2038	पिंग 13/05/2044	धांय 01/02/2050	भ्राम 03/06/2051	भद्रि 02/12/2053
पिंग 03/06/2038	धांय 11/01/2045	भ्राम 13/03/2050	भद्रि 12/09/2051	उल्क 03/06/2054
धांय 02/01/2039	भ्राम 02/12/2045	भद्रि 03/05/2050	उल्क 12/01/2052	सिद्ध 02/01/2055
भ्राम 13/10/2039	भद्रि 12/01/2047	उल्क 03/07/2050	सिद्ध 02/06/2052	संक 02/09/2055
भद्रि 02/10/2040	उल्क 13/05/2048	सिद्ध 12/09/2050	संक 11/11/2052	मंग 03/10/2055
उल्क 02/12/2041	सिद्ध 02/12/2049	संक 02/12/2050	मंग 02/12/2052	पिंग 02/12/2055
भ्रामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष
02/12/2055	02/12/2059	02/12/2064	02/12/2070	02/12/2077
02/12/2059	02/12/2064	02/12/2070	02/12/2077	02/12/2085
भ्राम 13/05/2056	भद्रि 12/08/2060	उल्क 02/12/2065	सिद्ध 12/04/2072	संक 12/09/2079
भद्रि 02/12/2056	उल्क 12/06/2061	सिद्ध 01/02/2067	संक 01/11/2073	मंग 02/12/2079
उल्क 02/08/2057	सिद्ध 03/06/2062	संक 02/06/2068	मंग 11/01/2074	पिंग 13/05/2080
सिद्ध 13/05/2058	संक 13/07/2063	मंग 02/08/2068	पिंग 03/06/2074	धांय 11/01/2081
संक 03/04/2059	मंग 02/09/2063	पिंग 02/12/2068	धांय 02/01/2075	भ्राम 02/12/2081
मंग 13/05/2059	पिंग 13/12/2063	धांय 02/06/2069	भ्राम 13/10/2075	भद्रि 12/01/2083
पिंग 03/08/2059	धांय 13/05/2064	भ्राम 01/02/2070	भद्रि 02/10/2076	उल्क 13/05/2084
धांय 02/12/2059	भ्राम 02/12/2064	भद्रि 02/12/2070	उल्क 02/12/2077	सिद्ध 02/12/2085
मंगला 1 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष	भ्रामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष
02/12/2085	02/12/2086	02/12/2088	02/12/2091	02/12/2095
02/12/2086	02/12/2088	02/12/2091	02/12/2095	00/00/0000
मंग 12/12/2085	पिंग 12/01/2087	धांय 03/03/2089	भ्राम 13/05/2092	भद्रि 12/08/2096
पिंग 01/01/2086	धांय 14/03/2087	भ्राम 03/07/2089	भद्रि 02/12/2092	उल्क 12/06/2097
धांय 01/02/2086	भ्राम 03/06/2087	भद्रि 02/12/2089	उल्क 02/08/2093	सिद्ध 16/09/2097
भ्राम 13/03/2086	भद्रि 12/09/2087	उल्क 03/06/2090	सिद्ध 13/05/2094	00/00/0000
भद्रि 03/05/2086	उल्क 12/01/2088	सिद्ध 02/01/2091	संक 03/04/2095	00/00/0000
उल्क 03/07/2086	सिद्ध 02/06/2088	संक 02/09/2091	मंग 13/05/2095	00/00/0000
सिद्ध 12/09/2086	संक 11/11/2088	मंग 03/10/2091	पिंग 03/08/2095	00/00/0000
संक 02/12/2086	मंग 02/12/2088	पिंग 02/12/2091	धांय 02/12/2095	00/00/0000

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

54

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : वृष 4 वर्ष 4 मास 5 दिन

कुल दशाकाल : 85 वर्ष

तिथि : उ०भाद्रपद - 2 सव्य

देह : मकर जीव : मिथुन

वृष 16 वर्ष	मिथुन 9 वर्ष	कर्क 21 वर्ष	सिंह 5 वर्ष	कन्या 9 वर्ष
16/09/1989	21/01/1994	22/01/2003	22/01/2024	21/01/2029
21/01/1994	22/01/2003	22/01/2024	21/01/2029	21/01/2038
00/00/0000	मिथु 04/01/1995	कर्क 31/03/2008	सिंह 08/05/2024	कन्या 04/01/2030
00/00/0000	कर्क 27/03/1997	सिंह 25/06/2009	कन्या 18/11/2024	कुंभ 08/06/2030
00/00/0000	सिंह 06/10/1997	कन्या 15/09/2011	कुंभ 12/02/2025	मक 10/11/2030
00/00/0000	कन्या 19/09/1998	कुंभ 10/09/2012	मक 09/05/2025	धनु 01/12/2031
16/09/1989	कुंभ 21/02/1999	मक 06/09/2013	धनु 09/12/2025	मेष 28/08/2032
कुंभ 08/02/1990	मक 25/07/1999	धनु 25/02/2016	मेष 09/05/2026	वृष 09/05/2034
मक 10/11/1990	धनु 15/08/2000	मेष 18/11/2017	वृष 18/04/2027	मिथु 22/04/2035
धनु 27/09/1992	मेष 13/05/2001	वृष 01/11/2021	मिथु 28/10/2027	कर्क 12/07/2037
मेष 21/01/1994	वृष 22/01/2003	मिथु 22/01/2024	कर्क 21/01/2029	सिंह 21/01/2038
कुम्भ 4 वर्ष	मकर 4 वर्ष	धनु 10 वर्ष	मेष 7 वर्ष	वृष 16 वर्ष
21/01/2038	21/01/2042	21/01/2046	22/01/2056	22/01/2063
21/01/2042	21/01/2046	22/01/2056	22/01/2063	00/00/0000
कुंभ 31/03/2038	मक 31/03/2042	धनु 27/03/2047	मेष 19/08/2056	वृष 26/01/2066
मक 08/06/2038	धनु 19/09/2042	मेष 22/01/2048	वृष 14/12/2057	मिथु 06/10/2067
धनु 27/11/2038	मेष 17/01/2043	वृष 09/12/2049	मिथु 10/09/2058	कर्क 19/09/2071
मेष 27/03/2039	वृष 19/10/2043	मिथु 31/12/2050	कर्क 03/06/2060	सिंह 28/08/2072
वृष 27/12/2039	मिथु 22/03/2044	कर्क 21/06/2053	सिंह 01/11/2060	कन्या 09/05/2074
मिथु 30/05/2040	कर्क 18/03/2045	सिंह 21/01/2054	कन्या 29/07/2061	कुंभ 16/09/2074
कर्क 26/05/2041	सिंह 12/06/2045	कन्या 12/02/2055	कुंभ 27/11/2061	00/00/0000
सिंह 20/08/2041	कन्या 14/11/2045	कुंभ 03/08/2055	मक 27/03/2062	00/00/0000
कन्या 21/01/2042	कुंभ 21/01/2046	मक 22/01/2056	धनु 22/01/2063	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

55

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

सिंह - वृष	सिंह - मिथु	सिंह - कर्क	कन्या - कन्या	कन्या - कुंभ
09/05/2026	18/04/2027	28/10/2027	21/01/2029	04/01/2030
18/04/2027	28/10/2027	21/01/2029	04/01/2030	08/06/2030
वृष 13/07/2026	मिथु 08/05/2027	कर्क 16/02/2028	कन्या 27/02/2029	कुंभ 12/01/2030
मिथु 18/08/2026	कर्क 25/06/2027	सिंह 14/03/2028	कुंभ 15/03/2029	मक 19/01/2030
कर्क 11/11/2026	सिंह 06/07/2027	कन्या 01/05/2028	मक 01/04/2029	धनु 06/02/2030
सिंह 01/12/2026	कन्या 27/07/2027	कुंभ 22/05/2028	धनु 12/05/2029	मेष 19/02/2030
कन्या 06/01/2027	कुंभ 05/08/2027	मक 12/06/2028	मेष 09/06/2029	वृष 20/03/2030
कुंभ 23/01/2027	मक 14/08/2027	धनु 04/08/2028	वृष 14/08/2029	मिथु 05/04/2030
मक 08/02/2027	धनु 06/09/2027	मेष 10/09/2028	मिथु 20/09/2029	कर्क 13/05/2030
धनु 20/03/2027	मेष 22/09/2027	वृष 04/12/2028	कर्क 15/12/2029	सिंह 23/05/2030
मेष 18/04/2027	वृष 28/10/2027	मिथु 21/01/2029	सिंह 04/01/2030	कन्या 08/06/2030
कन्या - मक	कन्या - धनु	कन्या - मेष	कन्या - वृष	कन्या - मिथु
08/06/2030	10/11/2030	01/12/2031	28/08/2032	09/05/2034
10/11/2030	01/12/2031	28/08/2032	09/05/2034	22/04/2035
मक 15/06/2030	धनु 25/12/2030	मेष 24/12/2031	वृष 23/12/2032	मिथु 15/06/2034
धनु 03/07/2030	मेष 26/01/2031	वृष 13/02/2032	मिथु 26/02/2033	कर्क 09/09/2034
मेष 16/07/2030	वृष 09/04/2031	मिथु 12/03/2032	कर्क 29/07/2033	सिंह 29/09/2034
वृष 14/08/2030	मिथु 20/05/2031	कर्क 18/05/2032	सिंह 03/09/2033	कन्या 05/11/2034
मिथु 31/08/2030	कर्क 23/08/2031	सिंह 03/06/2032	कन्या 08/11/2033	कुंभ 21/11/2034
कर्क 08/10/2030	सिंह 15/09/2031	कन्या 02/07/2032	कुंभ 07/12/2033	मक 08/12/2034
सिंह 17/10/2030	कन्या 26/10/2031	कुंभ 14/07/2032	मक 05/01/2034	धनु 18/01/2035
कन्या 02/11/2030	कुंभ 13/11/2031	मक 27/07/2032	धनु 19/03/2034	मेष 15/02/2035
कुंभ 10/11/2030	मक 01/12/2031	धनु 28/08/2032	मेष 09/05/2034	वृष 22/04/2035
कन्या - कर्क	कन्या - सिंह	कुंभ - कुंभ	कुंभ - मक	कुंभ - धनु
22/04/2035	12/07/2037	21/01/2038	31/03/2038	08/06/2038
12/07/2037	21/01/2038	31/03/2038	08/06/2038	27/11/2038
कर्क 09/11/2035	सिंह 23/07/2037	कुंभ 25/01/2038	मक 03/04/2038	धनु 28/06/2038
सिंह 26/12/2035	कन्या 13/08/2037	मक 28/01/2038	धनु 11/04/2038	मेष 12/07/2038
कन्या 21/03/2036	कुंभ 22/08/2037	धनु 05/02/2038	मेष 17/04/2038	वृष 14/08/2038
कुंभ 29/04/2036	मक 31/08/2037	मेष 11/02/2038	वृष 30/04/2038	मिथु 01/09/2038
मक 06/06/2036	धनु 23/09/2037	वृष 24/02/2038	मिथु 07/05/2038	कर्क 13/10/2038
धनु 09/09/2036	मेष 09/10/2037	मिथु 03/03/2038	कर्क 24/05/2038	सिंह 23/10/2038
मेष 15/11/2036	वृष 14/11/2037	कर्क 20/03/2038	सिंह 28/05/2038	कन्या 11/11/2038
वृष 17/04/2037	मिथु 05/12/2037	सिंह 24/03/2038	कन्या 05/06/2038	कुंभ 19/11/2038
मिथु 12/07/2037	कर्क 21/01/2038	कन्या 31/03/2038	कुंभ 08/06/2038	मक 27/11/2038

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

56

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

कुंभ - मेष		कुंभ - वृष		कुंभ - मिथु		कुंभ - कर्क		कुंभ - सिंह	
27/11/2038		27/03/2039		27/12/2039		30/05/2040		26/05/2041	
27/03/2039		27/12/2039		30/05/2040		26/05/2041		20/08/2041	
मेष	07/12/2038	वृष	18/05/2039	मिथु	13/01/2040	कर्क	27/08/2040	सिंह	31/05/2041
वृष	29/12/2038	मिथु	16/06/2039	कर्क	20/02/2040	सिंह	17/09/2040	कन्या	09/06/2041
मिथु	11/01/2039	कर्क	23/08/2039	सिंह	29/02/2040	कन्या	25/10/2040	कुंभ	13/06/2041
कर्क	10/02/2039	सिंह	08/09/2039	कन्या	16/03/2040	कुंभ	11/11/2040	मक	17/06/2041
सिंह	17/02/2039	कन्या	07/10/2039	कुंभ	23/03/2040	मक	28/11/2040	धनु	27/06/2041
कन्या	02/03/2039	कुंभ	20/10/2039	मक	31/03/2040	धनु	10/01/2041	मेष	04/07/2041
कुंभ	07/03/2039	मक	02/11/2039	धनु	18/04/2040	मेष	09/02/2041	वृष	20/07/2041
मक	13/03/2039	धनु	04/12/2039	मेष	01/05/2040	वृष	18/04/2041	मिथु	29/07/2041
धनु	27/03/2039	मेष	27/12/2039	वृष	30/05/2040	मिथु	26/05/2041	कर्क	20/08/2041
कुंभ - कन्या		मक - मक		मक - धनु		मक - मेष		मक - वृष	
20/08/2041		21/01/2042		31/03/2042		19/09/2042		17/01/2043	
21/01/2042		31/03/2042		19/09/2042		17/01/2043		19/10/2043	
कन्या	05/09/2041	मक	25/01/2042	धनु	20/04/2042	मेष	29/09/2042	वृष	10/03/2043
कुंभ	12/09/2041	धनु	02/02/2042	मेष	05/05/2042	वृष	22/10/2042	मिथु	08/04/2043
मक	20/09/2041	मेष	07/02/2042	वृष	06/06/2042	मिथु	03/11/2042	कर्क	15/06/2043
धनु	08/10/2041	वृष	20/02/2042	मिथु	24/06/2042	कर्क	03/12/2042	सिंह	01/07/2043
मेष	21/10/2041	मिथु	28/02/2042	कर्क	06/08/2042	सिंह	10/12/2042	कन्या	30/07/2043
वृष	19/11/2041	कर्क	17/03/2042	सिंह	16/08/2042	कन्या	23/12/2042	कुंभ	12/08/2043
मिथु	05/12/2041	सिंह	21/03/2042	कन्या	03/09/2042	कुंभ	29/12/2042	मक	25/08/2043
कर्क	12/01/2042	कन्या	28/03/2042	कुंभ	11/09/2042	मक	03/01/2043	धनु	27/09/2043
सिंह	21/01/2042	कुंभ	31/03/2042	मक	19/09/2042	धनु	17/01/2043	मेष	19/10/2043
मक - मिथु		मक - कर्क		मक - सिंह		मक - कन्या		मक - कुंभ	
19/10/2043		22/03/2044		18/03/2045		12/06/2045		14/11/2045	
22/03/2044		18/03/2045		12/06/2045		14/11/2045		21/01/2046	
मिथु	05/11/2043	कर्क	19/06/2044	सिंह	23/03/2045	कन्या	28/06/2045	कुंभ	17/11/2045
कर्क	13/12/2043	सिंह	10/07/2044	कन्या	01/04/2045	कुंभ	06/07/2045	मक	20/11/2045
सिंह	22/12/2043	कन्या	18/08/2044	कुंभ	05/04/2045	मक	13/07/2045	धनु	28/11/2045
कन्या	07/01/2044	कुंभ	04/09/2044	मक	09/04/2045	धनु	31/07/2045	मेष	04/12/2045
कुंभ	15/01/2044	मक	21/09/2044	धनु	19/04/2045	मेष	13/08/2045	वृष	17/12/2045
मक	22/01/2044	धनु	02/11/2044	मेष	26/04/2045	वृष	11/09/2045	मिथु	24/12/2045
धनु	09/02/2044	मेष	02/12/2044	वृष	13/05/2045	मिथु	27/09/2045	कर्क	10/01/2046
मेष	22/02/2044	वृष	08/02/2045	मिथु	22/05/2045	कर्क	05/11/2045	सिंह	14/01/2046
वृष	22/03/2044	मिथु	18/03/2045	कर्क	12/06/2045	सिंह	14/11/2045	कन्या	21/01/2046

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

57

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

चर दशा

भोग्य दशा काल : तुला 12 वर्ष 0 मास 0 दिन

तुला 12 वर्ष 16/09/1989 16/09/2001	वृश्चिक 10 वर्ष 16/09/2001 16/09/2011	धनु 6 वर्ष 16/09/2011 16/09/2017	मकर 1 वर्ष 16/09/2017 16/09/2018
वृश्चिक 16/09/1990	तुला 17/07/2002	वृश्चिक 17/03/2012	धनु 16/10/2017
धनु 16/09/1991	कन्या 18/05/2003	तुला 16/09/2012	वृश्चिक 16/11/2017
मकर 16/09/1992	सिंह 17/03/2004	कन्या 17/03/2013	तुला 16/12/2017
कुंभ 16/09/1993	कर्क 15/01/2005	सिंह 16/09/2013	कन्या 16/01/2018
मीन 16/09/1994	मिथु 16/11/2005	कर्क 17/03/2014	सिंह 15/02/2018
मेष 16/09/1995	वृष 16/09/2006	मिथु 16/09/2014	कर्क 17/03/2018
वृष 16/09/1996	मेष 17/07/2007	वृष 18/03/2015	मिथु 17/04/2018
मिथु 16/09/1997	मीन 17/05/2008	मेष 16/09/2015	वृष 17/05/2018
कर्क 16/09/1998	कुंभ 17/03/2009	मीन 17/03/2016	मेष 17/06/2018
सिंह 16/09/1999	मकर 16/01/2010	कुंभ 16/09/2016	मीन 17/07/2018
कन्या 16/09/2000	धनु 16/11/2010	मकर 17/03/2017	कुंभ 17/08/2018
तुला 16/09/2001	वृश्चिक 16/09/2011	धनु 16/09/2017	मकर 16/09/2018
कुम्भ 2 वर्ष 16/09/2018 16/09/2020	मीन 9 वर्ष 16/09/2020 16/09/2029	मेष 5 वर्ष 16/09/2029 16/09/2034	वृष 5 वर्ष 16/09/2034 16/09/2039
मीन 16/11/2018	मेष 17/06/2021	वृष 15/02/2030	मेष 15/02/2035
मेष 16/01/2019	वृष 17/03/2022	मिथु 17/07/2030	मीन 17/07/2035
वृष 18/03/2019	मिथु 16/12/2022	कर्क 16/12/2030	कुंभ 17/12/2035
मिथु 18/05/2019	कर्क 16/09/2023	सिंह 18/05/2031	मकर 17/05/2036
कर्क 17/07/2019	सिंह 16/06/2024	कन्या 17/10/2031	धनु 16/10/2036
सिंह 16/09/2019	कन्या 17/03/2025	तुला 17/03/2032	वृश्चिक 17/03/2037
कन्या 16/11/2019	तुला 16/12/2025	वृश्चिक 16/08/2032	तुला 16/08/2037
तुला 16/01/2020	वृश्चिक 16/09/2026	धनु 15/01/2033	कन्या 16/01/2038
वृश्चिक 17/03/2020	धनु 17/06/2027	मकर 17/06/2033	सिंह 17/06/2038
धनु 17/05/2020	मकर 17/03/2028	कुंभ 16/11/2033	कर्क 16/11/2038
मकर 17/07/2020	कुंभ 16/12/2028	मीन 17/04/2034	मिथु 17/04/2039
कुंभ 16/09/2020	मीन 16/09/2029	मेष 16/09/2034	वृष 16/09/2039
मिथुन 3 वर्ष 16/09/2039 16/09/2042	कर्क 4 वर्ष 16/09/2042 16/09/2046	सिंह 12 वर्ष 16/09/2046 16/09/2058	कन्या 12 वर्ष 16/09/2058 16/09/2070
वृष 17/12/2039	मिथु 16/01/2043	कन्या 16/09/2047	तुला 16/09/2059
मेष 17/03/2040	वृष 18/05/2043	तुला 16/09/2048	वृश्चिक 16/09/2060
मीन 16/06/2040	मेष 16/09/2043	वृश्चिक 16/09/2049	धनु 16/09/2061
कुंभ 16/09/2040	मीन 16/01/2044	धनु 16/09/2050	मकर 16/09/2062
मकर 16/12/2040	कुंभ 17/05/2044	मकर 16/09/2051	कुंभ 16/09/2063
धनु 17/03/2041	मकर 16/09/2044	कुंभ 16/09/2052	मीन 16/09/2064
वृश्चिक 17/06/2041	धनु 15/01/2045	मीन 16/09/2053	मेष 16/09/2065
तुला 16/09/2041	वृश्चिक 17/05/2045	मेष 16/09/2054	वृष 16/09/2066
कन्या 16/12/2041	तुला 16/09/2045	वृष 16/09/2055	मिथु 16/09/2067
सिंह 17/03/2042	कन्या 16/01/2046	मिथु 16/09/2056	कर्क 16/09/2068
कर्क 17/06/2042	सिंह 17/05/2046	कर्क 16/09/2057	सिंह 16/09/2069
मिथु 16/09/2042	कर्क 16/09/2046	सिंह 16/09/2058	कन्या 16/09/2070

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

58

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

चर दशा - प्रत्यन्तर

मीन - वृश्चि 16/12/2025 16/09/2026	मीन - धनु 16/09/2026 17/06/2027	मीन - मक 17/06/2027 17/03/2028	मीन - कुंभ 17/03/2028 16/12/2028	मीन - मीन 16/12/2028 16/09/2029
तुला 08/01/2026 कन्या 31/01/2026 सिंह 23/02/2026 कर्क 17/03/2026 मिथु 09/04/2026 वृष 02/05/2026 मेष 25/05/2026 मीन 17/06/2026 कुंभ 10/07/2026 मक 01/08/2026 धनु 24/08/2026 वृश्चि 16/09/2026	वृश्चि 09/10/2026 तुला 01/11/2026 कन्या 24/11/2026 सिंह 16/12/2026 कर्क 08/01/2027 मिथु 31/01/2027 वृष 23/02/2027 मेष 18/03/2027 मीन 10/04/2027 कुंभ 02/05/2027 मक 25/05/2027 धनु 17/06/2027	धनु 10/07/2027 वृश्चि 02/08/2027 तुला 25/08/2027 कन्या 16/09/2027 सिंह 09/10/2027 कर्क 01/11/2027 मिथु 24/11/2027 वृष 17/12/2027 मेष 08/01/2028 मीन 31/01/2028 कुंभ 23/02/2028 मक 17/03/2028	मीन 09/04/2028 मेष 02/05/2028 वृष 24/05/2028 मिथु 16/06/2028 कर्क 09/07/2028 सिंह 01/08/2028 कन्या 24/08/2028 तुला 16/09/2028 वृश्चि 08/10/2028 धनु 31/10/2028 मक 23/11/2028 कुंभ 16/12/2028	मेष 08/01/2029 वृष 31/01/2029 मिथु 22/02/2029 कर्क 17/03/2029 सिंह 09/04/2029 कन्या 02/05/2029 तुला 25/05/2029 वृश्चि 17/06/2029 धनु 09/07/2029 मक 01/08/2029 कुंभ 24/08/2029 मीन 16/09/2029
मेष - वृष 16/09/2029 15/02/2030	मेष - मिथु 15/02/2030 17/07/2030	मेष - कर्क 17/07/2030 16/12/2030	मेष - सिंह 16/12/2030 18/05/2031	मेष - कन्या 18/05/2031 17/10/2031
मेष 29/09/2029 मीन 11/10/2029 कुंभ 24/10/2029 मक 06/11/2029 धनु 18/11/2029 वृश्चि 01/12/2029 तुला 14/12/2029 कन्या 26/12/2029 सिंह 08/01/2030 कर्क 21/01/2030 मिथु 02/02/2030 वृष 15/02/2030	वृष 28/02/2030 मेष 12/03/2030 मीन 25/03/2030 कुंभ 07/04/2030 मक 19/04/2030 धनु 02/05/2030 वृश्चि 15/05/2030 तुला 27/05/2030 कन्या 09/06/2030 सिंह 22/06/2030 कर्क 05/07/2030 मिथु 17/07/2030	मिथु 30/07/2030 वृष 12/08/2030 मेष 24/08/2030 मीन 06/09/2030 कुंभ 19/09/2030 मक 01/10/2030 धनु 14/10/2030 वृश्चि 27/10/2030 तुला 08/11/2030 कन्या 21/11/2030 सिंह 04/12/2030 कर्क 16/12/2030	कन्या 29/12/2030 तुला 11/01/2031 वृश्चि 23/01/2031 धनु 05/02/2031 मक 18/02/2031 कुंभ 02/03/2031 मीन 15/03/2031 मेष 28/03/2031 वृष 10/04/2031 मिथु 22/04/2031 कर्क 05/05/2031 सिंह 18/05/2031	तुला 30/05/2031 वृश्चि 12/06/2031 धनु 25/06/2031 मक 07/07/2031 कुंभ 20/07/2031 मीन 02/08/2031 मेष 14/08/2031 वृष 27/08/2031 मिथु 09/09/2031 कर्क 21/09/2031 सिंह 04/10/2031 कन्या 17/10/2031
मेष - तुला 17/10/2031 17/03/2032	मेष - वृश्चि 17/03/2032 16/08/2032	मेष - धनु 16/08/2032 15/01/2033	मेष - मक 15/01/2033 17/06/2033	मेष - कुंभ 17/06/2033 16/11/2033
वृश्चि 29/10/2031 धनु 11/11/2031 मक 24/11/2031 कुंभ 07/12/2031 मीन 19/12/2031 मेष 01/01/2032 वृष 14/01/2032 मिथु 26/01/2032 कर्क 08/02/2032 सिंह 21/02/2032 कन्या 04/03/2032 तुला 17/03/2032	तुला 30/03/2032 कन्या 11/04/2032 सिंह 24/04/2032 कर्क 07/05/2032 मिथु 19/05/2032 वृष 01/06/2032 मेष 14/06/2032 मीन 26/06/2032 कुंभ 09/07/2032 मक 22/07/2032 धनु 03/08/2032 वृश्चि 16/08/2032	वृश्चि 29/08/2032 तुला 11/09/2032 कन्या 23/09/2032 सिंह 06/10/2032 कर्क 19/10/2032 मिथु 31/10/2032 वृष 13/11/2032 मेष 26/11/2032 मीन 08/12/2032 कुंभ 21/12/2032 मक 03/01/2033 धनु 15/01/2033	धनु 28/01/2033 वृश्चि 10/02/2033 तुला 22/02/2033 कन्या 07/03/2033 सिंह 20/03/2033 कर्क 01/04/2033 मिथु 14/04/2033 वृष 27/04/2033 मेष 09/05/2033 मीन 22/05/2033 कुंभ 04/06/2033 मक 17/06/2033	मीन 29/06/2033 मेष 12/07/2033 वृष 25/07/2033 मिथु 06/08/2033 कर्क 19/08/2033 सिंह 01/09/2033 कन्या 13/09/2033 तुला 26/09/2033 वृश्चि 09/10/2033 धनु 21/10/2033 मक 03/11/2033 कुंभ 16/11/2033

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

59

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

चर दशा - प्रत्यन्तर

मेष - मीन	मेष - मेष	वृष - मेष	वृष - मीन	वृष - कुंभ
16/11/2033	17/04/2034	16/09/2034	15/02/2035	17/07/2035
17/04/2034	16/09/2034	15/02/2035	17/07/2035	17/12/2035
मेष 28/11/2033	वृष 30/04/2034	वृष 29/09/2034	मेष 28/02/2035	मीन 30/07/2035
वृष 11/12/2033	मिथु 12/05/2034	मिथु 11/10/2034	वृष 13/03/2035	मेष 12/08/2035
मिथु 24/12/2033	कर्क 25/05/2034	कर्क 24/10/2034	मिथु 25/03/2035	वृष 25/08/2035
कर्क 05/01/2034	सिंह 07/06/2034	सिंह 06/11/2034	कर्क 07/04/2035	मिथु 06/09/2035
सिंह 18/01/2034	कन्या 19/06/2034	कन्या 18/11/2034	सिंह 20/04/2035	कर्क 19/09/2035
कन्या 31/01/2034	तुला 02/07/2034	तुला 01/12/2034	कन्या 02/05/2035	सिंह 02/10/2035
तुला 12/02/2034	वृश्चि 15/07/2034	वृश्चि 14/12/2034	तुला 15/05/2035	कन्या 14/10/2035
वृश्चि 25/02/2034	धनु 27/07/2034	धनु 27/12/2034	वृश्चि 28/05/2035	तुला 27/10/2035
धनु 10/03/2034	मक 09/08/2034	मक 08/01/2035	धनु 09/06/2035	वृश्चि 09/11/2035
मक 23/03/2034	कुंभ 22/08/2034	कुंभ 21/01/2035	मक 22/06/2035	धनु 21/11/2035
कुंभ 04/04/2034	मीन 03/09/2034	मीन 03/02/2035	कुंभ 05/07/2035	मक 04/12/2035
मीन 17/04/2034	मेष 16/09/2034	मेष 15/02/2035	मीन 17/07/2035	कुंभ 17/12/2035
वृष - मक	वृष - धनु	वृष - वृश्चि	वृष - तुला	वृष - कन्या
17/12/2035	17/05/2036	16/10/2036	17/03/2037	16/08/2037
17/05/2036	16/10/2036	17/03/2037	16/08/2037	16/01/2038
धनु 29/12/2035	वृश्चि 30/05/2036	तुला 29/10/2036	वृश्चि 30/03/2037	तुला 29/08/2037
वृश्चि 11/01/2036	तुला 11/06/2036	कन्या 10/11/2036	धनु 12/04/2037	वृश्चि 11/09/2037
तुला 24/01/2036	कन्या 24/06/2036	सिंह 23/11/2036	मक 24/04/2037	धनु 23/09/2037
कन्या 05/02/2036	सिंह 07/07/2036	कर्क 06/12/2036	कुंभ 07/05/2037	मक 06/10/2037
सिंह 18/02/2036	कर्क 19/07/2036	मिथु 18/12/2036	मीन 20/05/2037	कुंभ 19/10/2037
कर्क 02/03/2036	मिथु 01/08/2036	वृष 31/12/2036	मेष 01/06/2037	मीन 31/10/2037
मिथु 14/03/2036	वृष 14/08/2036	मेष 13/01/2037	वृष 14/06/2037	मेष 13/11/2037
वृष 27/03/2036	मेष 26/08/2036	मीन 25/01/2037	मिथु 27/06/2037	वृष 26/11/2037
मेष 09/04/2036	मीन 08/09/2036	कुंभ 07/02/2037	कर्क 09/07/2037	मिथु 09/12/2037
मीन 21/04/2036	कुंभ 21/09/2036	मक 20/02/2037	सिंह 22/07/2037	कर्क 21/12/2037
कुंभ 04/05/2036	मक 03/10/2036	धनु 05/03/2037	कन्या 04/08/2037	सिंह 03/01/2038
मक 17/05/2036	धनु 16/10/2036	वृश्चि 17/03/2037	तुला 16/08/2037	कन्या 16/01/2038
वृष - सिंह	वृष - कर्क	वृष - मिथु	वृष - वृष	मिथु - वृष
16/01/2038	17/06/2038	16/11/2038	17/04/2039	16/09/2039
17/06/2038	16/11/2038	17/04/2039	16/09/2039	17/12/2039
कन्या 28/01/2038	मिथु 29/06/2038	वृष 29/11/2038	मेष 30/04/2039	मेष 24/09/2039
तुला 10/02/2038	वृष 12/07/2038	मेष 11/12/2038	मीन 13/05/2039	मीन 02/10/2039
वृश्चि 23/02/2038	मेष 25/07/2038	मीन 24/12/2038	कुंभ 25/05/2039	कुंभ 09/10/2039
धनु 07/03/2038	मीन 07/08/2038	कुंभ 06/01/2039	मक 07/06/2039	मक 17/10/2039
मक 20/03/2038	कुंभ 19/08/2038	मक 18/01/2039	धनु 20/06/2039	धनु 24/10/2039
कुंभ 02/04/2038	मक 01/09/2038	धनु 31/01/2039	वृश्चि 02/07/2039	वृश्चि 01/11/2039
मीन 14/04/2038	धनु 14/09/2038	वृश्चि 13/02/2039	तुला 15/07/2039	तुला 09/11/2039
मेष 27/04/2038	वृश्चि 26/09/2038	तुला 25/02/2039	कन्या 28/07/2039	कन्या 16/11/2039
वृष 10/05/2038	तुला 09/10/2038	कन्या 10/03/2039	सिंह 09/08/2039	सिंह 24/11/2039
मिथु 22/05/2038	कन्या 22/10/2038	सिंह 23/03/2039	कर्क 22/08/2039	कर्क 01/12/2039
कर्क 04/06/2038	सिंह 03/11/2038	कर्क 04/04/2039	मिथु 04/09/2039	मिथु 09/12/2039
सिंह 17/06/2038	कर्क 16/11/2038	मिथु 17/04/2039	वृष 16/09/2039	वृष 17/12/2039

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

60

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांक से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	7
भाग्यांक	7
मित्र अंक	2, 3, 6, 7
शत्रु अंक	4, 5, 8
शुभ वर्ष	25,34,43,52,61
शुभ दिन	शनि, बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मित्र राशि	वृश्चिक, धनु
मित्र लग्न	मकर, मिथुन, सिंह
अनुकूल देवता	जगदम्बा
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन, ओपल
भाग्य रत्न	पन्ना
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	रजत
शुभ दिशा	दक्षिणपूर्व
शुभ समय	सूर्योदय
दान पदार्थ	मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दूध

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

61

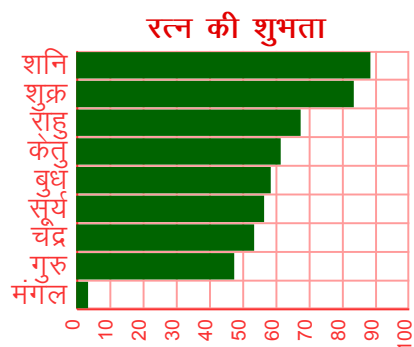
Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता क्षेत्र
नीलम	शनि	88% पराक्रम, सुख, सन्तति सुख
हीरा	शुक्र	83% स्वास्थ्य, दुर्घटना से बचाव
गोमेद	राहु	67% सन्तति सुख, पराक्रम
लहसुनिया	केतु	61% धनार्जन
पन्ना	बुध	58% कम खर्च, भाग्योदय
माणिक्य	सूर्य	56% धनार्जन
मोती	चंद्र	53% शत्रु व रोग मुक्ति, व्यावसायिक उन्नति
पुखराज	गुरु	47% नेष्ट भाग्य, पराक्रम हानि, शत्रु व रोग
मूंगा	मंगल	3% व्यय, दाम्पत्य कष्ट, धन हानि



दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
शनि	29/11/2001	37%	31%	0%	64%	47%	89%	100%	73%	47%
बुध	29/11/2018	62%	31%	3%	71%	47%	89%	88%	67%	61%
केतु	29/11/2025	37%	31%	16%	58%	47%	89%	75%	55%	73%
शुक्र	29/11/2045	37%	31%	3%	64%	47%	96%	94%	73%	67%
सूर्य	29/11/2051	68%	59%	16%	58%	55%	71%	75%	55%	47%
चंद्र	29/11/2061	62%	66%	3%	64%	47%	83%	88%	55%	47%
मंगल	28/11/2068	62%	59%	28%	41%	55%	83%	88%	55%	67%
राहु	29/11/2086	37%	31%	0%	58%	47%	89%	94%	80%	47%
गुरु	30/11/2102	62%	59%	16%	41%	61%	71%	88%	67%	61%

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

62

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत् ॥

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते हैं। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते हैं। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छूना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ हैं तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते हैं अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते हैं।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते हैं। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

63

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुंडली और रत्न

आपके लिए नीलम व हीरा रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

हीरा आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

नीलम आपका कारक रत्न है। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए गोमेद, लहसुनिया, पन्ना, माणिक्य एवं मोती रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

पुखराज रत्न आपके लिए नेष्ट है। अतः इसे न पहनना ही बेहतर है। इसे धारण करने से आपको मानसिक परेशानी एवं स्वास्थ्य हानि हो सकती है। अतः यदि इसे धारण करना हो तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें और विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता का परीक्षण करते रहें, क्योंकि यह रत्न आपके लिए किसी दशा या गोचर में विशेष कष्टकारी भी हो सकता है।

मूंगा पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। इस रत्न का आप सर्वदा त्याग ही करें, क्योंकि किसी भी दशा या गोचर में इससे शुभ फल प्राप्त होने की आशा कम ही है। इस रत्न को धारण करने से सामाजिक, आर्थिक व स्वास्थ्य पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण

निम्न प्रकार से है :-

नीलम

आपकी कुंडली में शनि तीसरे भाव में स्थित है। आपको शनि रत्न नीलम धारण करना चाहिए। नीलम रत्न आपके रोगों में कमी करेगा। आध्यात्म की ओर उन्मुख करेगा। यह रत्न आपको विद्वान, चतुर, विवेकी, शत्रुहंता बनायेगा। नीलम रत्न धारण करने से आप बुद्धिमान, दयालु और न्यायकर्ता बनेंगी। शनि रत्न नीलम आपके भाग्य को प्रबल करेगा। सफलता के संघर्ष और कठोर परिश्रम में करेगा। भाईयों से संबंध मधुर करेगा। संतान सुख के योग बनायेगा।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में शनि चतुर्थेश एवं पंचमेश है। शनि का रत्न नीलम आपके लिए विशेष रूप से शुभ रत्न है। आप इसे धारण कर शनि की शुभता प्राप्त कर सकती हैं। नीलम रत्न आपको पौराणिक विषयों से शिक्षा प्राप्ति के अवसर दे सकता है। यह रत्न आपके संतान स्वास्थ्य को प्रबल कर अनुकूल बनाए रखेगा। नीलम रत्न शुभता से आपके अपनी संतान से संबंध मजबूत हो सकते हैं। ज्ञान प्राप्ति के लिए यह रत्न आपको सर्वोत्तम फल प्रदान कर सकता है। रत्न प्रभाव से कुटुंब में वृद्धि, भूमि-भवन के मामलों में शुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

नीलम रत्न शनिवार के दिन पंचधातु से निर्मित अंगूठी में जड़वाकर, संध्या काल में स्नानादि कर शुद्ध होकर अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, धूप, दीप एवं फूल से पूजन करने के बाद इस अंगूठी को मध्यमा अंगूठी में धारण करें। तत्पश्चात् शनि मंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः का जाप एक माला करें। मंत्र जप के बाद इस ग्रह की वस्तुएं जैसे— उड़द, काले तिल, तेल, काले वस्त्र आदि का दान किसी योग्य व्यक्ति को करें। नीलम रत्न कम से कम 3 रत्ती, अन्यथा 5-6 रत्ती का होना चाहिए।

नीलम रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज धारण करने से बचना चाहिए। विशेष स्थितियों में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है। किसी कारणवश यदि इस रत्न को धारण न कर पाएं तो इसके उपरत्न फिरोजा, नीली, एमेथिस्ट एवं ७ मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते हैं।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र लग्न भाव में स्थित है। आपको शुक्र रत्न हीरा धारण करना चाहिए। यह रत्न प्रेम, आकर्षण एवं विपरीत लिंग विषयों में सफलता देगा। हीरा रत्न से धन संचय करना आपके लिए सहज होगा। शुक्र लग्न भाव से सप्तम भाव को प्रभावित कर रहे है। इसलिए शुक्र रत्न हीरा धारण कर आप वैवाहिक जीवन को अनुकूल बनाये रख सकते हैं। यह हीरा रत्न पारिवारिक सुख-समृद्धि, स्वतंत्र व्यापार में लाभदायक सिद्ध होगा। नियमानुसार धारण किया गया हीरा आपको सुख, ऐश्वर्य, सम्मान, वैभव, विलासिता आदि दे सकता है।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में शुक्र लग्नेश एवं अष्टमेश है। शुक्र रत्न हीरा धारण करना आपके लिए शुभ रहेगा। स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए भी आप हीरा रत्न धारण कर

सकती हैं। शुक्र रत्न हीरा आपके शरीर, आयु, मस्तिष्क, आपका स्वभाव और संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाये रखने में सहयोगी हो सकता है। हीरा अष्टमेश का भी रत्न होने के कारण आपको मानसिक चिंताओं से बचाएगा, दुर्भाग्य का नाश, ससुराल से मधुर संबंध, अस्पताल आदि विषयों में राहत दे सकता है। अपने स्वास्थ्य और आयुवृद्धि के लिए आप हीरा रत्न धारण कर सकती हैं।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ॐ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे— चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु पंचम भाव में स्थित है। आपको राहु रत्न गोमेद धारण करना चाहिए। राहु रत्न आपको तीक्ष्णबुद्धिवान, विभिन्न शास्त्रों का ज्ञाता, दयालु और कर्मठ बनायेगा। इसकी शुभता से आपके भाग्य में शुभता आयेगी। व्यवसायिक कार्यों में आपको रत्न शुभता प्रदान कर सफलता देगा। रत्न प्रभाव से आपकी लेखनकला में कुशलता आयेगी। आर्थिक स्थिति प्रबल होगी। गोमेद रत्न आपको सदमार्ग पर चलने में सहयोग करेगा। रत्न प्रभाव से धन संग्रह करना आपके लिए सहज होगा। गोमेद रत्न आपको चिकित्सा क्षेत्र में सफलता देगा।

राहु कुम्भ राशि में स्थित है व इसका स्वामी शनि तीसरे भाव में स्थित है। अतः गोमेद धारण करने से आप बुद्धि और पराक्रम दोनों का प्रयोग कर सफलता पाने का प्रयास करेंगी। यह रत्न आपको परम प्रतापी और अत्यन्त प्रभावशाली बनाएगा। आपको सब प्रकार के सुखों से युक्त करेगा। इस रत्न को धारण करने पर आपको भाई बहनों का सुख प्राप्त होगा। यह रत्न आपके भाग्योदय में सहायक बन आपको अत्यधिक धन प्राप्त करने के अवसर दे सकता है। रत्न शुभता आपके अरिष्टों का नाश करेगी एवं यह रत्न आपको दृढ़-विवेकी, योगाभ्यासी बनाएगा और आप विद्वान और तीव्र स्मरण शक्ति की स्वामी होंगी।

गोमेद रत्न अष्टधातु से निर्मित अंगूठी को शनिवार के दिन सूर्यास्त काल में सभी प्रकार से स्वयं शुद्ध होकर रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से स्नान कराये। इसके बाद रत्न का धूप, दीप और फूल से पूजन कर मध्यमा अंगूली में धारण करें। रत्न

धारण के पश्चात राहु मंत्र ॐ रां राहवे नमः का १०८ बार जाप करें और फिर इस ग्रह की वस्तुएं जैसे— तिल, तेल, कंबल, नीले वस्त्र आदि का दान करें। गोमेद रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8—10 रत्ती होना चाहिए।

गोमेद रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ माणिक्य, मोती एवं मूंगा रत्न धारण करने से बचना चाहिए। अंगूठी रूप में इस रत्न को धारण न कर पाने की स्थिति में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी पहना जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में रत्न के स्थान पर इसके उपरत्न गोमेद या ८ मुखी रुद्राक्ष को भी धारण करना श्रेष्ठकर रहता है।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु एकादश भाव में स्थित है। आपको केतु रत्न लहसुनिया धारण करना चाहिए। लहसुनिया रत्न धारण करने से आपके शत्रु आपसे भयभीत होंगे। आपकी चिंताओं का निवारण होगी। संतान संबंधी चिंताओं को शीघ्र दूर करने में सफल होंगी। आपका घर सुंदर सज्जायुक्त हो सकता है। पेट के रोगों से आपको राहत मिलेगी। आमदनी के साधनों में वृद्धि होगी। लहसुनिया रत्न आपको तेजस्वी, मनोहरी व्यक्तित्व और संतोषी जीवन देगा। आपको आय क्षेत्रों में प्रशंसा प्राप्त होगी।

केतु सिंह राशि में स्थित है व इसका स्वामी सूर्य एकादश भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न आपको अनेक क्षेत्रों से आय प्राप्ति के स्रोत देगा। यह रत्न आपको विवाद विजयी, विनोदी और स्वाभिमानी बनाएगा। इस रत्न को धारण करने पर आप वाहन आदि से सुखी होंगी। परदेश में यह आपका भाग्योदय करेगा। रत्न प्रभाव से आप अत्यधिक महत्वकांक्षी हो सकती हैं। यह रत्न आपको व्यवसायी, सरकार से प्रतिष्ठा एवं व्यावसायिक लाभ प्राप्त करेंगी। रत्न शुभता आपको अन्न, वस्त्र, अलंकार, धन, पशु, वाहन आदि से सुखी करेगी। इसके अतिरिक्त इस रत्न को धारण करने पर आप धन—धान्य से युक्त होंगी। यह रत्न आपके अहंकार भाव को भी नियंत्रित रखेगा।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ॐ के केतवे नमः का 9 माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार हैं— सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8—10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध द्वादश भाव में स्थित है। आप बुध ग्रह की शुभता पाने के लिए पन्ना रत्न धारण करें। पन्ना रत्न आपको बुद्धिमान, विचारशील और विवेकी व्यक्ति बनेंगी। आपको धर्म के प्रति आस्थावान बनाएगा। यह रत्न आपको एक स्पष्ट वक्ता बनाएगा। बुध रत्न पन्ना से आपको आलस्य से बचाएगा तथा रत्न शुभता से आप दूसरों के धन का लालच नहीं करेंगी। पन्ना रत्न शुभता आपको उच्च पद और प्रतिष्ठा देगा। बौद्धिक योग्यता से आप अपने शत्रुओं को परास्त करने में भी यह रत्न शुभ फल प्रदान करेगा।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में बुध नवमेश व द्वादशेश है। बुध ग्रह आपके लिए शुभ है। यहां बुध लग्नेश शुक्र का मित्र भी है इसलिए ओर अधिक शुभ हो गया है। इसकी शुभता प्राप्त करने के लिए आप बुध रत्न पन्ना धारण करें। पन्ना रत्न आपके लिए भाग्योदय रत्न सिद्ध हो सकता है। इस रत्न को धारण कर आप दांपत्य जीवन के सुखों में वृद्धि कर सकता है। बुध रत्न पन्ना आपको धर्म, पुण्य, भाग्य, गुरु, देवता, तीर्थ यात्रा, दान इत्यादि विषयों से संलग्न कर सकता है। यह रत्न आपको बौद्धिक कार्यों में भाग्य का सहयोग दे सकता है।

पन्ना रत्न कनिष्ठिका अंगूली में धारण करना चाहिए। इस रत्न को सोना धातु में जड़वाकर आप प्रातःकाल में स्नानादि नित्यक्रियाओं से निवृत्त होने के बाद रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर धूप, दीप और फूल दिखाकर धारण कर सकते हैं। पन्ना रत्न धारण करते समय बुध मंत्र ॐ बुं बुधाय नमः का १ माला या ५ माला जाप करना चाहिए। तदुपरांत बुध ग्रह की वस्तुएं जैसे – मूंग, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र आदि का यथाशक्ति दान करना चाहिए। रत्न इस प्रकार धारण करें कि वह शरीर को स्पर्श करें। पन्ना रत्न ३ रत्ती का कम से कम, अन्यथा ६ रत्ती का होना चाहिए।

इस रत्न को आप लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या विपरीत हाथ में भी धारण कर सकते हैं। पन्ना रत्न धारण करने में आप असमर्थ हो तो आप इसके स्थान पर मरगज, हरा हकीक, पेरिडोट एवं ४ मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य एकादश भाव में स्थित है। आपको सूर्य रत्न माणिक्य धारण करना चाहिए। सूर्य रत्न माणिक्य धारण करने से आप धनवान, बलवान और सुखी बनेंगे। यह रत्न धारण कर आप स्वाभिमानी बनेंगी। रत्न धारण से आप तपस्वी और योगी समान बनेंगे। आपका जीवन सदाचार युक्त होगा। माणिक्य रत्न धारण कर आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगी। माणिक्य रत्न आपको उच्च पद प्राप्ति में सहयोगी बनेगा। उच्च अधिकारियों से आपके संबंध मजबूत होंगे। माणिक्य रत्न आपको महत्वाकांक्षी बनाएगा।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में सूर्य एकादश भाव के स्वामी है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप सूर्य को बल प्रदान कर सकती हैं। माणिक्य रत्न धारण करने से आपके शारीरिक बल का विकास होगा। यह माणिक्य रत्न आय क्षेत्रों में आपको प्रभावशाली बना सकता है। रत्न

शुभता से आपका आत्मविश्वास उच्च रहेगा। इसके साथ ही यह रत्न आपकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में भी शुभ रत्न सिद्ध हो सकता है। सूर्य रत्न माणिक्य आपको उच्च पद और सरकारी क्षेत्रों से आय प्राप्ति के साधन उपलब्ध करा सकता है।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में स्नानादि से निवृत्त होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ॐ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम १ माला जाप करना चाहिए। तदपश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे— गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते हैं। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ हैं तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते हैं।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र षष्ठ भाव में स्थित है। आपको चंद्र रत्न मोती धारण करना चाहिए। चंद्र रत्न आपको नौकरी में स्थिरता प्रदान करेगा। मोती रत्न से आपके अपने मामा—मौसी से संबंध मधुर होंगे। आपको आंखों और पेट से संबंधित परेशानियों से राहत मिलेगी। आप अपने शत्रुओं की पहचान सरलता से कर पायेंगी। चंद्र रत्न मोती ऋण विषयों का समाधान करेगा। मोती रत्न शुभ होकर आपको उन्नति और सफलता देगा। आपको कोई बड़ा पद प्राप्त हो सकता है। मोती रत्न चंद्र ग्रह को शुभता प्रदान करेगा।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में चंद्र दशम भाव के स्वामी है। चंद्र आपके लिए शुभ ग्रह है। चंद्र का मोती रत्न धारण करने से आपको कर्म क्षेत्र में अपनी योग्यता दिखाने के अवसर देगा। रत्न शुभता से आपके स्वास्थ्य में अनुकूलता आ सकती है। आजीविका क्षेत्र से जुड़ी मानसिक चिंताओं का समाधान भी यह रत्न कर सकता है। मोती रत्न आपको राजनीति में अग्रणी रखेगा। मोती रत्न व्यवसायिक सफलता, सूझ-बूझ की योग्यता, मनोविश्लेषक, कलात्मक कार्यों से आय प्राप्ति के योग बना सकता है। रत्न शुभता से आपकी धार्मिक प्रवृत्ति का विकास होकर आपको समाजसेवी संगठन या न्यासों के संचालन कार्य से सम्मान दिला सकता है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूली में, सोमवार को प्रातःकाल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ॐ सौ सौमाय नमः का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे— चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र

आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते हैं। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे – सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते हैं।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु नवम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः गुरु रत्न पुखराज धारण करने पर आपके लिए कार्यो को अंजाम तक पहुंचाना कठिन हो सकता है। यह रत्न आपमें आलस्य भाव ला सकता है। पुखराज रत्न आपको मित्रो एवं सेवकों का सहयोग प्राप्त करने में बाधाएं दे सकता है। सरकारी कार्यो के लिए भी रत्न की प्रतिकूलता बनी हुई है। यह रत्न आपको अविवेकी कर आपके सदाचार भाव में कमी ला सकता है। इसके प्रभाव से आप अत्यधिक धार्मिक परायण हो सकते हैं। देवताओं, ब्राह्मणों और गुरुजनों को अधिक से अधिक समय दे सकती हैं। इस रत्न से आपका कानूनी क्षेत्र, कलर्क का काम और दूर प्रवास में आजीविका कार्य बाधित हो सकते हैं।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में गुरु तृतीयेश एवं षष्ठेश है। गुरु ग्रह की शुभता में कमी के कारण गुरु रत्न पुखराज की अनुकूलता आपके लिए नहीं बन रही है। अतः इस रत्न को धारण करने पर आपमें आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कार्यो को करने से पूर्व ही आपके मन में नकारात्मक भाव आ सकते हैं। तीसरे भाव के स्वामी का रत्न होने के कारण यह रत्न आपमें साहस और पुरुषार्थ की कमी कर सकता है। योग्यता और कुशलता से धन अर्जित करने में इस रत्न की प्रतिकूलता आपके लिए बनी हुई है। गुरु रत्न पुखराज धारण आपकी उच्च शिक्षा और नौकरी दोनों क्षेत्रों में बेहतर परिणाम प्राप्त करने में परेशानियां दे सकता है। बौद्धिक क्षमता का सहयोग आपको समय पर नहीं मिल पाएगा।

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल बारहवें भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर आपमें साहस एवं हिम्मत की कमी हो सकती है। इसके कारण जीवन में आने वाले विपरीत समय का आप साहस के साथ मुकाबला नहीं कर पाएंगे। मूंगा रत्न आपको झूठे दोषारोपण दे सकता है। इसके अलावा रत्न प्रभाव से आपको गुप्त चोटें भी लग सकती हैं। इस रत्न के प्रभाव से आपकी गुरु भक्ति भावना में कमी भी संभावित है। इस रत्न से आपका स्वयं पर विश्वास कुछ कम हो सकता है। आप स्वयं को असफल मान सकती हैं। वैवाहिक जीवन में सुख की कमी हो सकती है। मूंगा रत्न धारण पर आपके जीवन की उन्नति प्रतियोगियों के कारण प्रभावित हो सकती है। रत्न प्रभाव से आपके रोग, ऋण और विरोधी अधिक प्रभावी हो सकते हैं।

Kumari Vijeta

आपकी तुला लग्न की कुंडली में मंगल द्वितीय भाव एवं सप्तम भाव के स्वामी है। मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर आपको कुटुंब सुख और धन संचय में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। रत्न प्रभाव से आपको परिश्रम और बुद्धि का सहयोग पूर्ण रूप से नहीं मिल पाएगा। यह रत्न आपको सभा में भाषण देने में संकोच भाव दे सकता है। रत्न प्रभाव से आपका वैवाहिक जीवन कष्टमय हो सकता है। मूंगा रत्न धारण से आपका जीवन साथी अत्यधिक क्रोध करने वाला हो सकता है। रत्न प्रभाव आपके जीवन साथी में अत्यधिक जोश, ऊर्जा और उत्तेजना दे सकता है। इस रत्न को धारण करने के बाद व्यापारिक साझेदार से अनबन हो सकती है। ग्रहस्थ जीवन में तनाव, क्लेश और अंशान्ति की स्थिति बन सकती है।

दशानुसार रत्न विचार

शुक्र

(29/11/2025 - 29/11/2045)

शुक्र की दशा में आपका हीरा व नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद, लहसुनिया व पन्ना रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज, माणिक्य व मोती रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

सूर्य

(29/11/2045 - 29/11/2051)

सूर्य की दशा में आपका नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, माणिक्य, मोती, पन्ना, पुखराज व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

लहसुनिया रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

चन्द्र

(29/11/2051 - 29/11/2061)

चन्द्र की दशा में आपका नीलम व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

71

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

मोती, पन्ना, माणिक्य व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज व लहसुनिया रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

मंगल

(29/11/2061 - 28/11/2068)

मंगल की दशा में आपका नीलम व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, माणिक्य, मोती, पुखराज व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना व मूंगा रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

राहु

(28/11/2068 - 29/11/2086)

राहु की दशा में आपका नीलम, हीरा व गोमेद रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पन्ना रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज, लहसुनिया, माणिक्य व मोती रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

गुरु

(29/11/2086 - 30/11/2102)

गुरु की दशा में आपका नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, गोमेद, माणिक्य, पुखराज, लहसुनिया व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

72

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

73

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

नवग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिए इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करना चाहिए। निर्दिष्ट नक्षत्र में धारण करने से रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिये गये भार या उससे अधिक भार का लेकर जो किवाया हो एवं पौना न हो जैसे 4-1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएं कि रत्न नीचे से अंगुली को स्पर्श करे।

धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धापूर्वक ध्यान करना चाहिए। तत्पश्चात् अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए एवं धूप दीप जलाकर संबंधित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। स्त्रियों को बाएं एवं पुरुषों को दाएं हाथ में अंगुली धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात् यथाशक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए।

यदि आप अन्य कोई रत्न पहले से पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एकसाथ न पहनें। उपरोक्त विधि से रत्न को पहनने से रत्न के शुभ फल प्रचुर मात्रा में शीघ्र मिलते हैं।

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निषेध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ॐ घृणि सूर्याय नमः	हीरा, नीलम, गोमेद	गेहूँ, चंदन, घी, लाल वस्त्र
मोती	ॐ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल, चीनी, घी, श्वेत वस्त्र
मूंगा	ॐ अं अंगारकाय नमः	हीरा, गोमेद, नीलम	गेहूँ, ताम्र, गुड़, लाल वस्त्र
पन्ना	ॐ बुं बुधाय नमः	—	मूंग, कांसा, हरित वस्त्र
पुखराज	ॐ वृं वृहस्पतये नमः	हीरा, गोमेद	चने की दाल, गुड़, पीला वस्त्र
हीरा	ॐ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल, चांदी, श्वेत वस्त्र
नीलम	ॐ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	काला तिल, तेल, काला वस्त्र
गोमेद	ॐ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल, तेल, कंबल, नीला वस्त्र
लहसुनिया	ॐ कं केतवे नमः	—	सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

74

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologytrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के हृदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते हैं। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते हैं, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहाँ आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापों का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है –

एक मुखी – सूर्य ग्रह – स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म – विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी – चंद्र ग्रह– वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी – मंगल ग्रह– शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है।

चार मुखी – बुध ग्रह– शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि – विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी – गुरु ग्रह– शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी – शुक्र ग्रह – प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यों में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी – शनि ग्रह– शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी – राहु ग्रह– राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी – केतू ग्रह– केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी – भगवान महावीर– कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी – इंद्र ग्रह– आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी – भगवान विष्णु ग्रह– विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी – इंद्र ग्रह– सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी – शनि ग्रह– आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुंडली और रुद्राक्ष

आपकी कुंडली तुला लग्न की है। तुला लग्न का स्वामी शुक्र होने के कारण आपके व्यक्तित्व में शुक्र का प्रभाव दिखाई देता है। आपका स्वभाव सौम्यता लिये होता है। आप व्यवहार पसंद हैं। वायु तत्व होने के कारण आप अक्सर योजनाएं बनाते हुए मिल जाते हैं परन्तु उन पर क्रियान्वयन नहीं कर पाते। आपको भोग विलास की वस्तुओं का उपभोग करना और खरीदना ज्यादा पसंद हो सकता है। नई टेक्नोलॉजी का स्वागत करते हैं। नये चिन्तन व परीक्षण करने वाले (क्रियटिव) होते हैं और संगीत, गायन, नृत्य, एक्टिंग आदि चीजे पसंद करते हैं।

आप अपनी साज-सज्जा और कपड़ों पर विशेष रूप से ध्यान रखते हैं। आपको वात संबंधी पेशानी अधिक रहती है। आप बहुत जल्दी ही हर माहौल में समझौता कर लेते हैं। हमेशा

आपका अलग ही रूप देखने को मिलता है। आप मे हाजिर जवाब क्षमता अद्भूत है। आप एक जगह टिक कर नहीं बैठ सकते। आदर्शवादी और साहित्यप्रिय होने के कारण आपकी लेखन क्षमता भी अच्छी होती है।

कुंडली के 12 भावों में से 3 भाव विशेष रूप से अशुभ भाव होने के कारण अनिष्ट करने का सामर्थ्य रखते हैं। 6, 8 व 12 वें भाव को त्रिक भावों के नाम से जाना जाता है। तथा त्रिक भावों को शुभ भाव नहीं कहा जाता है। इन भावों का संबन्ध जिन भी ग्रहों व भावों से बनता है उनकी शुभता में कमी आती है। कुंडली के आठवें घर से मृत्यु, दुर्घटना, क्लेश, विघ्न, अकाल मृत्यु और परेशानियों का विचार किया जाता है। कुंडली का बारहवां भाव व्यय भाव, हानि भाव, मोक्ष भाव, बंधन भाव तथा शयन भाव के नाम से जाना जाता है। त्रिक भावों में यह सबसे अंतिम भाव है। उपरोक्त विषयों के अलावा इस भाव से कोर्ट कचहरी, अस्पताल, कारावास आदि का विश्लेषण भी किया जाता है। इस भाव में किसी भावेश का बैठना या इस भावेश का किसी ग्रह या भावेश से सम्बन्ध अशुभता समझा जाता है।

इन भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता है। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं।

आपके तुला लग्न के लिए गुरु षष्ठेश व तृतीयेश हैं। षष्ठेश व तृतीयेश गुरु आपके धन में अल्पता, ऋणग्रस्तता, संतानविरोधी, न्यायालयों में अधिक व्यय, जीवन साथी से अनबन तथा जीवन में समय समय पर धोखे की स्थिति उत्पन्न कर सकता है।

शुक्र अष्टमेश व लग्नेश है आप चतुराई से धन-संग्रह, कुटुम्बियों से परेशानियां, स्वास्थ्य में न्यूनता दे सकता है। शुक्र अष्टमेश है, इसलिए आपके वैवाहिक सुखों में कमी का कारण बन सकता है। जीवन साथी के प्रति निष्ठावान रहने से गृहस्थ जीवन के कष्टों में कमी कर सकते हैं।

बुध द्वादशेश और नवमेश हैं। नवमेश व द्वादशेश बुध आपके लिए व्यय, हानियों और दंड की स्थिति बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह आपके विवेक, वाक्शक्ति, भाग्य, धर्म, यश में कमी भी करेंगे। आपमें तुरन्त निर्णय की क्षमता, न्यायालयों पर व्यय, राज्य व भाग्य के क्षेत्र में हानि दे सकता है।

आपकी कुंडली में चन्द्र षष्ठ भाव में स्थित है। इसके परिणाम से शत्रुओं से कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। आप रोग पीड़ित, चिंताग्रस्त, व्याधिक्य करने की प्रवृत्ति से ग्रस्त हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त चन्द्र की अशुभता से आपके ऋण लेन-देन में बाधाएं आ सकती हैं।

मंगल द्वादश भाव में है। पुरुषार्थ से किये गए सभी कार्य आपके सफल हो सकते हैं। आपका स्वभाव कठोर, शंकालु, असत्यभाषी, अल्प धर्मपरायण, शत्रुहन्ता, मामा को कष्ट, बाहर के लोगों द्वारा धन-नाश, वात-पित्त रोगी, और संतान जन्य चिंता दे सकता है।

बुध द्वादश भाव में स्थित है, आप शत्रुओं पर बुद्धि-चतुरता से विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपको आलस्य भाव से बचना चाहिए, साथ ही कठोर वचन बोलना भी मित्र वर्ग में आपके संबंधों की मधुरता में कमी कर सकता है।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 2, 3, 4, 5, 6 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है। लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है। साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है। प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है। प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है। द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है।

प्रथम चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	05/03/1993-15/10/1993	10/11/1993-02/06/1995	10/08/1995-16/02/1996
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	02/06/1995-10/08/1995	16/02/1996-17/04/1998	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	17/04/1998-07/06/2000	-----	-----
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	23/07/2002-08/01/2003	07/04/2003-06/09/2004	13/01/2005-26/05/2005
अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	-----

द्वितीय चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	29/04/2022-12/07/2022	17/01/2023-29/03/2025	-----
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	29/03/2025-03/06/2027	20/10/2027-23/02/2028	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	03/06/2027-20/10/2027	23/02/2028-08/08/2029	05/10/2029-17/04/2030
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	31/05/2032-13/07/2034	-----	-----
अष्टम स्थानस्थ ढैया	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044

तृतीय चक्र:

साढ़ेसाती प्रथम ढैया	25/02/2052-14/05/2054	02/09/2054-05/02/2055	-----
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	-----
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	07/04/2057-27/05/2059	-----	-----
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	11/07/2061-13/02/2062	07/03/2062-24/08/2063	06/02/2064-09/05/2064
अष्टम स्थानस्थ ढैया	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	-----

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढ़ेसाती प्रथम ढैया	शुभ	सन्तति सुख
साढ़ेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	शत्रु व रोग
साढ़ेसाती तृतीय ढैया	सम	दाम्पत्य कलह
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	भाग्योदय
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	स्वास्थ्य

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

79

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म—पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः ।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

**ॐ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ।।**

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ॐ हौं जूं सः ॐ भूर्भुव स्वः ॐ ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें। लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें।

ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

80

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न-भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	शुक्र, शनि, चंद्र
		मारक	-	सूर्य, मंगल, गुरु
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	शुक्र, राहु, शनि
		मारक	-	केतु, मंगल, गुरु

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	46%	धनार्जन,
चन्द्र	46%	शत्रु व रोग मुक्ति, व्यावसायिक उन्नति
मंगल	43%	कम खर्च, दम्पति, धन
बुध	52%	कम खर्च, भाग्योदय
गुरु	44%	भाग्योदय, पराक्रम, शत्रु व रोग मुक्ति
शुक्र	72%	स्वास्थ्य, दुर्घटना से बचाव
शनि	54%	पराक्रम, सुख, सन्तति सुख
राहु	69%	सन्तति सुख, पराक्रम
केतु	35%	धनार्जन,

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
शनि	29/11/2001	45	41	41	71	40	67	89	65	40
बुध	29/11/2018	54	29	71	88	54	67	58	53	36
केतु	29/11/2025	60	29	52	44	40	67	49	40	80
शुक्र	29/11/2045	29	29	40	57	57	98	58	82	48
सूर्य	29/11/2051	85	54	52	44	53	42	49	40	55
चन्द्र	29/11/2061	54	85	40	57	53	54	59	40	23
मंगल	28/11/2068	54	54	84	63	67	54	58	40	48
राहु	29/11/2086	29	29	27	44	57	83	58	97	23
गुरु	30/11/2102	54	68	65	44	84	58	45	69	36

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

81

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

**लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशं च भर्ता च स्त्री विनाशनम्॥**

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए। जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

आपकी जन्म कुंडली में मंगल की स्थिति लग्न से द्वादश भाव में है। अतः आप एक मांगलिक कन्या हैं। क्योंकि आपकी कुंडली में यह दोष किसी भी प्रकार से भंग नहीं हो रहा है अतः इसके प्रभाव से आपकी प्रवृत्ति व्ययशील रहेगी तथा शुभाशुभ कार्यों पर आपका व्यय होता रहेगा जिससे यदा कदा अल्प मात्रा में आर्थिक परेशानी हो सकती है लेकिन यह स्थिति अल्पकालिक रहेगी तथा सामान्यतया आप आर्थिक रूप से सम्पन्न ही रहेंगी। शारीरिक स्वास्थ्य आपका अच्छा रहेगा। यदा कदा मानसिक परेशानी उत्पन्न हो सकती है साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान भी आएंगे परन्तु आप उनका सामना तथा समाधान करने में समर्थ रहेंगी। आपके पति का स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा तथा स्वभाव में उग्रता भी रहेगी जिससे परस्पर संबंधों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इसके अतिरिक्त सांसारिक सुखों का उपभोग करने में भी आपको किंचित व्यवधानों के साथ न्यूनाधिक सफलता प्राप्त होती रहेगी।

मंगल के इस प्रभाव से आपके विवाह में भी किंचित विलम्ब हो सकता है लेकिन इस कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। साथ ही विवाह पूर्व की किसी वार्ता में गतिरोध भी हो सकता है लेकिन विवाह के बाद आपके परस्पर संबंध समान रूप से अनुकूल रहेंगे तथा दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में आप समर्थ होंगी।

जन्म कुंडली में मंगल की द्वादश स्थिति के प्रभाव से आपकी प्रवृत्ति व्ययशील रहेगी। परन्तु धनार्जन भी आवश्यक मात्रा में होता रहेगा जिससे इसका दुष्प्रभाव नहीं होगा साथ ही सांसारिक कार्यों में उत्पन्न व्यवधानों का सामना तथा समाधान करने में भी आप समर्थ रहेंगी। तृतीय भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से भाई बहनों का सुख एवं सहयोग मध्यम रहेगा परन्तु

पराक्रम में वृद्धि होगी तथा आत्मबल से आप युक्त रहेंगी जिससे कार्य क्षेत्र में आप उन्नति प्राप्त करेंगी। षष्ठ भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगी। यदा कदा पित या गर्मी से आपको शारीरिक परेशानी की अल्प मात्रा में अनुभूति हो सकती है सप्तम भाव पर इसकी दृष्टि के प्रभाव से पति का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा साथ ही स्वभाव में उग्रता भी रहेगी। आपसी सामंजस्य के द्वारा दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनाए रखने में आप समर्थ रहेंगी।

इस प्रकार अपने दाम्पत्य जीवन को अधिक सुखी एवं आनन्दमय बनाने के लिए आपको किसी मांगलिक युवक से विवाह करना चाहिए जिससे आपका मांगलिक दोष खत्म हो जाए। इसके लिए पुरुष की कुंडली में मांगलिक स्थानों अर्थात् प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भाव में शनि या राहु जैसे पापग्रहों की स्थिति होनी चाहिए। ऐसा होने पर आपके सुख सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा धनऐश्वर्य से युक्त होकर आप प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगी तथा एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे ।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः ।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय ॥

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। द्वादश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं—

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4. शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग ।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलाद्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलाद्ध नामक योग बनता है।

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते हैं। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं। काल सर्प योग के उपाय इन कष्टों से राहत के लिये आवश्यक हो जाते हैं।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

नक्षत्रफल

आप उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न हुई हैं। अतः आपकी जन्म राशि मीन तथा राशि स्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपकी योनि गो, गण मनुष्य, वर्ण विप्र, वर्ग सर्प तथा नाड़ी मध्य होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "थ" या "था" अक्षर से होगा।

आप अपने परिवार में एक आदरणीय तथा सम्माननीय महिला होंगी एवं सभी आपको श्रेष्ठ तथा पूजनीय समझेंगे। आप मध्यम कद की सुन्दर एवं आकर्षक महिला होंगी आप हमेशा सत्कार्यों को करने के लिए रुचिशील रहेंगी तथा आजीवन इनको सम्पन्न करने में तत्पर भी रहेंगी। साथ ही आपके सत्कार्यों से अन्य लोगों को भी लाभ पहुँचेगा। अतः सभी लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं आपको यथोचित आदर सम्मान प्रदान करेंगे। धनैश्वर्य से सम्पन्न महिला के रूप में भी आप प्रसिद्ध रहेंगी। साथ ही यदा कदा आप अभिमानी प्रवृत्ति का भी प्रदर्शन करेंगी। लेकिन समाज में आप पूर्ण यशस्वी तथा कीर्तिशाली महिला के रूप में जानी जाएंगी।

**कुलस्य मध्येऽधिकभूषणं च नात्युच्चदेहः शुभकर्मकर्ता ।
यस्तोत्तराभाद्रपदा च जन्यां धन्यो भवेन्मानधनो वदान्यः ।।
जातकाभरणम्**

अर्थात् उत्तराभाद्रपद में उत्पन्न जातक कुल में श्रेष्ठ, मध्यम देह वाला, शुभकर्मों को करने वाला, धनाढ्य, अभिमानी और कीर्तिशाली होता है।

आप में सत्वगुणों की प्रधानता रहेगी तथा जीवन में आप हमेशा इसके अनुपालन में तत्पर रहेंगी। आपके अन्तर्मन में त्याग का भाव भी विद्यमान रहेगा एवं अवसरानुकूल आप अपनी इस प्रवृत्ति का परिवार तथा सामाजिक जनों के मध्य प्रदर्शन तथा पालन करती रहेंगी। आप एक धनाढ्य महिला होंगी तथा शास्त्रादि के ज्ञानार्जन में भी आप रुचिशील रहेंगी। साथ ही एक श्रेष्ठ विदुषी के रूप में भी आप की समाज में प्रतिष्ठा रहेगी।

**चाहिर्बुध्यजमानवो मृदुगुणस्त्यागी धनी पंडितः ।
जातक परिजातः**

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में उत्पन्न जातक मृदुगुणों से सम्पन्न अर्थात् सात्विक, धनी, त्यागी और पंडित होता है।

भाषण देने की कला में आप सर्वदा निपुण रहेंगी तथा अपने ओजस्वी भाषणों के द्वारा समाज के सभी वर्गों के लोगों में लोकप्रियता अर्जित करेंगी एवं वे सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। जीवन में भौतिक सुख संसाधनों से आप सुसम्पन्न रहेंगी एवं आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगी। आपका परिवार भी विशाल रहेगा एवं जीवन में पुत्र पौत्रादि से युक्त रहेंगी। आपके

शत्रु आपसे सर्वदा भयभीत एवं पराजित रहेंगे एवं इसके साथ ही धर्म में भी आप रुचिशील रहेंगी एवं जीवन में नियमित रूप से धार्मिक आचरण को सम्पन्न करेंगी।

**वक्ता सुखी प्रजावान जितशत्रुधार्मिको द्वितीयासु।
बृहज्जातकम्**

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र का जातक वक्ता, जीवन में सुखी, बहुत पुत्र एवं पौत्रों से युक्त, शत्रुओं को जीतने वाला तथा धार्मिक आचरण से सम्पन्न होता है।

आप समाज में गौरव अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपने सत्कार्यों एवं सद्गुणों के कारण सम्माननीया रहेंगी। धर्म के विषय में भी आपको अच्छा ज्ञान रहेगा। साथ ही आप एक साहसी महिला होंगी तथा साहसिक तथा शौर्योचित कार्यों को करने के लिए हमेशा उत्सुक तथा तत्पर रहेंगी। साथ ही अपने कई सांसारिक कार्यों को आप अपने साहस से ही सम्पन्न करने में सफलता प्राप्त करेंगी।

**गौरः ससत्त्वो धर्मज्ञः शत्रुघाती परामरः।
उत्तराभाद्रपदजो नरः साहसिको भवेत्।।
मानसागरी**

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में पैदा हुआ मनुष्य गौरवर्ण, धर्म का ज्ञाता, शत्रुओं का नाश करने वाला, देवताओं के तुल्य, सत्त्वगुण प्रधान एवं साहसी होता है।

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ है। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते हैं। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता है। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनों से भी हीन रहता है। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्यधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती है। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित है। अतः आपके लिए यह अशुभ नहीं रहेगा। अपितु अधिकांश शुभ ही रहेगा। आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शत्रु भी अल्प मात्रा में ही रहेंगे वे सभी आपसे पराजित तथा प्रभावित रहेंगे। कभी कभी आप स्वाभाविक रूप से क्रोध या उग्रता का भी प्रदर्शन करेंगी। आप सुन्दर एवं आकर्षक महिला होंगी तथा शरीर में लावण्यता पूर्ण रूपेण विद्यमान रहेगी। जीवन में विविध प्रकार के सुखसंसाधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी। इसके अतिरिक्त कभी कभी आप अल्प मात्रा में शारीरिक रूप से कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगी।

मीन राशि में उत्पन्न होने के कारण आप सौन्दर्य युक्त आकर्षक महिला होंगी। आपका ललाट विशाल तथा नाक ऊंची रहेगी। आपकी आंखें अत्यन्त ही सुन्दर एवं आकर्षक रहेंगी। साथ ही आपके शरीर के सभी अंग पुष्ट, सुडौल एवं देखने में सुन्दर तथा आकर्षक रहेंगे।
आपकी कमर

भी पतली होगी। शिल्प विद्या में आप निपुण रहेंगी एवं इससे आपको उचित मान सम्मान सफलता तथा ख्याति अर्जित हो सकेंगी। आपके दुश्मन हमेशा आपसे भयभीत एवं पराजित रहेंगे तथा आपका विरोध करने में प्रायः अक्षम ही रहेंगे। विविध प्रकार के शास्त्रों का ज्ञानार्जन करने में आप सफल रहेंगी तथा एक विदुषी के रूप में भी समाज में प्रसिद्ध रहेंगी। संगीत शास्त्र के प्रति भी आपका हार्दिक रुझान रहेगा एवं इसका अच्छा ज्ञान प्राप्त करने के लिए आप हमेशा उत्सुक तथा तत्पर रहेंगी। पुरुष वर्ग में भी आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा एवं उनसे आपके आपसी संबंध मित्रतापूर्ण तथा मधुर रहेंगे। आप अन्य लोगों से वार्तालाप के समय मधुर वाणी का उपयोग करेंगी। अतः सभी लोग आपसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे। जीवन में आवश्यक सुख संसाधनों का भी आपके पास अभाव नहीं रहेगा एवं इनसे आप सुसम्पन्न रहेंगे। आप में क्रोध का भाव अल्प मात्रा में रहेगा तथा राजकीय सेवा में भी आपकी नियुक्ति हो सकेंगी। जमीन के अन्दर या खानों से उत्पन्न पदार्थों से आपको विशेष लाभ होगा। आपके पति पूर्ण रूप से आपके वश में दौरान आपकी— कथनानुसार ही अधिकांश कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही आपका स्वभाव भी अच्छा रहेगा। आप समुद्री जहाज या नावादि में यात्रा या सैर करने के लिए उत्सुक रहेंगी एवं इससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। इसके साथ ही आप में दानशीलता का भाव भी रहेगा एवं समय समय पर दीन दुःखियों एवं जरूरत मन्द लोगों को आप दान देती रहेंगी।

**शिल्पोत्पन्नाधिकरोळहितजयनिपुणः शास्त्रविच्चारुदेहो ।
गेयज्ञो धर्मनिष्ठो बहुयुवतिरतः सौख्यभाक् भूपसेवी ।।
ईष्टत्कोपो महत्कः सुखनिधिधनभाक् स्त्रीजितः सत्स्वभावो ।
यानासक्तः समुद्रे तिमियुगलगते शीतगौ दानशीलः ।।
सारावली**

आप समुद्र या जल से उत्पन्न द्रव्यों तथा रत्नों से आजीविकार्जन करेंगी तथा इनसे पर्याप्त मात्रा में आपको लाभ भी होता रहेगा। साथ ही जीवन में आप किसी अन्य व्यक्ति, मित्र या संबंधी की धन सम्पत्ति को प्राप्त करेंगी तथा सुखपूर्वक उसका उपभोग भी करेंगी। आपकी नवीन तथा सुन्दर वस्त्रों के प्रति अत्यन्त ही आसक्ति रहेगी एवं यत्नपूर्वक इस शौक को पूर्ण करेंगी। इसके अतिरिक्त आपका शारीरिक कद मध्यम रहेगा।

**जलपरधनभोक्ता दारवासोळनुरक्तः ।
समरुचिरशरीरस्तुङ्गनासो बृहत्कः ।।
अभिभवति सपत्नान् स्त्रीजितश्चारुदृष्टिः ।
द्युतिनिधि धनभोगी पंडितश्चान्तराशौ ।।
बृहज्जातकम्**

आप जल पीने की दिन में कई बार इच्छा करेंगी। साथ ही आपका अपने पति पर पूर्ण विश्वास रहेगा एवं उनसे पूर्ण रूपेण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगी जिससे आपका गृहस्थ जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। आप एक महान विदुषी भी होंगी। अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर

उनका उपकार स्वीकार करेंगी तथा उनके प्रति कृतज्ञता का भाव भी प्रकट करेंगी। आपके इन सदगुणों से सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित सत्कार तथा सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आप एक भाग्यवान महिला होंगी तथा अपने अधिकांश महत्वपूर्ण कार्यों को भाग्यबल से ही सम्पन्न करेंगी।

**अत्यम्बुपानः समचारुदेहः स्वदारगस्तोयजवित्तभोक्ता ।
विद्वान्कृतज्ञो ळमिभवत्यळमित्रान् शुभेक्षणो भाग्ययुतोळन्त्यराशौ ।।
फलदीपिका**

आप इन्द्रियों पर नियंत्रण करने में सफलता प्राप्त करेंगी तथा हमेशा संयमशील जीवन व्यतीत करेंगी। साथ ही आप में सत्वगुणों की भी प्रधानता रहेगी एवं यत्नपूर्वक इन गुणों का आप अनुपालन करती रहेंगी। आप चतुर तथा बुद्धिमता से युक्त रहेंगी एवं अपने अधिकांश कार्यों को चतुराई से सम्पन्न करेंगी। जल क्रीड़ा करने में आप की तीव्र रुचि रहेगी एवं इसको सम्पन्न करते समय आप अत्यन्त ही आनन्दानुभूति की प्राप्त करेंगी। आप की बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा किसी भी प्रकार के छल अथवा कपट का इसमें अभाव रहेगा।

**शशिनि मीनगते विजितेन्द्रियो बहुगुणः कुशलो जललालसः ।
विमलधीः किल शस्त्रकलादरस्त्व बलताबलताकलितो नरः ।।
जातकाभरणम्**

आपका अधिकांश समय आजीविकार्जन में ही व्यतीत होगा। साथ ही यदा कदा आपके आय स्रोतों में भी व्यवधान आएगा फलतः आपको कभी कभी आर्थिक कष्ट की अनुभूति करनी पड़ेगी। शारीरिक कान्ति से आप सुशोभित रहेंगी तथा इससे आपके सौन्दर्य तथा व्यक्तित्व में नित्य निखार आता रहेगा। आपको पिता से भी धन सम्पत्ति की प्रप्ति होगी तथा जीवन में आप इसका उपभोग करने में सफल रहेंगी। साहस का आप में अभाव नहीं होगा एवं नित्य साहसिक कार्यों को करने के लिए उद्यत रहेंगी। इसके साथ ही आप सन्तोषी स्वभाव की भी होंगी एवं जो कुछ भी उपलब्ध हो उसी में सन्तोष तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगी।

**जलचरधनभोक्ता मोहयुक्तोळप्रशस्तः ।
उदरभरणदेहस्तुङ्गमांसो डध्यः ।।
अभिलषति सपत्नी स्त्रीजितश्च चारुकान्तिः ।
पितृधनजनभोगी पीडितो मीनराशिः ।
तुष्टः साहसी क्रोधयुक्तः मीनराशिर्मनुष्यः ।।
जातकदीपिका**

आप गम्भीर प्रवृत्ति की महिला होंगी तथा शौर्योदि गुणों से नित्य सुसम्पन्न रहेंगी। समाज के सभी वर्गों में आप पूर्ण सम्माननीया श्रद्धेया एवं प्रतिष्ठित समझी जाएंगी एवं सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आप में कृपणता का भाव भी विद्यमान रहेगा इससे अन्य लोगों

को कई बार आपसे असुविधा होगी। अपने कुल या परिवार में आप श्रेष्ठ रहेंगी तथा सभी परिवारिक जन आपको यथोचित स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आप शीघ्र गति से गमन करेंगी तथा आप का आचरण अत्यन्त ही श्रेष्ठ रहेगा जो अन्य लोगों के लिए अनुकरणनीय रहेगा। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग की आप हमेशा प्रिय रहेंगी एवं उनसे पूर्ण सहयोग तथा स्नेह प्राप्त करती रहेंगी। साथ ही सेवा कार्यों को करने में भी नित्य प्रवृत्त रहेंगी।

**गम्भीरचेष्टितः शूरः पटुवाक्यो नरोत्तमः।
कोपनः कृपणो ज्ञानी गुणश्रेष्ठः कुल प्रियः॥
नित्यसेवी शीघ्रगामी गाधर्वकुशलः शुभः॥
मीन राशौ समुत्पन्नौ जायते बन्धुवत्सलः॥
मानसागरी**

इस प्रकार आप अत्यन्त ही आकर्षक सौन्दर्य तथा व्यक्तित्व की महिला होंगी एवं विविध प्रकार के शास्त्रों का अच्छा ज्ञान होने के कारण विदुषी के रूप में भी ख्याति प्राप्त करेंगी। साथ ही समाज में अन्य लोगों से भी आपके मित्रतापूर्ण मधुर संबंध स्थापित रहेंगे।

**मीनस्थे मृगलाञ्छने वरतनुर्विद्वान बहुस्त्रीपतिः॥
जातक परिजातः**

मनुष्य गण में उत्पन्न होने के कारण आप की ब्राह्मण तथा देवताओं के प्रति अत्यन्त ही सेवा तथा श्रद्धा की भावना रहेगी तथा समय समय पर इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। आपके स्वभाव में यदा कदा अभिमानी प्रवृत्ति भी दृष्टिगोचर होगी इससे अन्य लोग आपसे कभी कभी असन्तुष्ट भी रहेंगे। आप दया एवं करुणा के भाव से भी युक्त रहेंगी एवं जीवन में इसका यथा समय अनुपालन भी करती रहेंगी। साथ ही विविध प्रकार के कार्यों तथा कलाओं को सम्पन्न करने में भी आप दक्ष रहेंगी तथा इसी कारण आप अन्य जनों से आदर प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आप की शारीरिक कान्ति दर्शनीय रहेगी एवं अपने परिवार के अतिरिक्त कई अन्य जनों को भी आपके द्वारा सुख की प्राप्ति होगी।

समाज में आप सर्वदा आदरणीय तथा सम्मानीया रहेंगी एवं धन सम्पत्ति से भी युक्त रह कर इसका जीवन में उपभोग करेंगी। आपकी आँखें बड़ी बड़ी होंगी एवं निशाने बाजी की कला में आप दक्ष रहेंगी तथा इसमें विशेष योग्यता तथा ख्याति अर्जित करने में भी सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त नगर के सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपकी आज्ञानुपालन के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। अतः आप नगर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिष्ठित महिला रहेंगी।

**देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः॥
जातकाभरणम्**

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

गो योनि में उत्पन्न होने के कारण आप पुरुषों के मध्य अत्यन्त ही प्रिय तथा आदरणीय रहेंगी एवं सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। आप उत्साह की भावना से हमेशा युक्त रहेंगी एवं अपने अधिकांश कार्यों को उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगी। इसके साथ ही वाद विवाद में आप अत्यन्त ही दक्ष होंगी जिससे अन्य लोग आपकी इस प्रवृत्ति से अत्यन्त ही प्रभावित रहेंगे। साथ ही आपकी आयु भी मध्यम ही रहेगी।

**स्त्रीणां प्रियः सदोत्साही बहुवाक्य विशारदः।
स्वल्पायुश्चनरो जातः गो योनौ न सशयः।।
मानसागरी**

अर्थात् गोयोनि में उत्पन्न जातक स्त्रियों का प्रिय, सदा उत्साह में रहनेवाला, वादविवाद में चतुर एवं अल्पायु होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठभाव में स्थित है। अतः आप माता की प्रिय रहेंगी उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से वे दुर्बलता की अनुभूति करेंगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगी तथा जीवन में आपको पूर्ण रूप से हर सम्भव सहयोग तथा सहायता प्रदान करती रहेंगी। इसके साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में यदि कोई व्यवधान आएंगे तो उन्हें दूर करने में सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगी तथा आपकी सफलता की सर्वदा इच्छुक होंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा तथा सम्मान की भावना रखेंगी तथा हमेशा उनकी सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगी परन्तु आपके मध्य कभी कभी मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे अप्रिय स्थितियां भी उत्पन्न होंगी लेकिन फिर भी सामान्य संबंध मधुर ही रहेंगे। साथ ही उनको जीवन में वांछित सहायता एवं सहयोग प्रदान करने की भी आप इच्छुक रहेंगी।

आपके जन्म काल में सूर्य एकादश भाव में स्थित है अतः पिता की आप हमेशा प्रिय रहेंगी। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन समय समय पर मध्यम रूप से वे शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा युक्त रहेंगे एवं इसका उनके पास अभाव नहीं रहेगा। साथ ही जीवन में आपको हर प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके आय स्रोतों की वृद्धि करने एवं उनमें उन्नति प्राप्त करने के लिए वे आपको पूर्ण आर्थिक सहयोग तथा निर्देश भी प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रखेंगी एवं उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध अच्छे होंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद

भी विद्यमान रहेंगे। जीवन में आप उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करती रहेगी एवं सुख दुःख में उनकी सेवा भी करती रहेंगी।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति द्वादश भाव में है अतः भाई बहिनों का स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा तथा आपके प्रति उनके मन में सम्मान तथा स्नेह का भाव रहेगा। जीवन में उनसे आप पूर्ण रूप से आर्थिक तथा अन्य क्षेत्र में वांछित सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगी। साथ ही सुख दुःख में भी आपको उनसे पूर्ण सहानुभूति तथा वांछित सहायता प्राप्त होगी।

आपके मन में भी उनके प्रति स्नेह एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा आपसी संबंध भी मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा आपसी मतभेदों के कारण संबंधों में कटुता या तनाव की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु यह कुछ समय तक रहेगी। इसके साथ ही आप सुख दुःख में उन्हें अपनी ओर से पूर्ण सहायता प्रदान करती रहेंगी।

आपके लिए फाल्गुन मास, पंचमी, दशमी, पूर्णमासी तिथियां, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग, विष्टिकरा, शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा सदैव अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 फरवरी से 14 मार्च के मध्य 5,10,15 तिथियों, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग तथा विष्टि करण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रयादि अन्य शुभ कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित ही रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सावधान रहना चाहिए।

यदि आपके लिए समय ठीक नहीं चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में असफलता तथा अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहे हो तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी जगदम्बा माता की श्रद्धापूर्वक पूजा करनी चाहिए तथा वृहस्पतिवार के नियमित रूप से उपवास रखने चाहिए। साथ ही सोना, पीत वस्त्र, पीत पुखराज पीत चन्दन, हल्दी, चने की दाल आदि द्रव्यों का श्रद्धापूर्वक किसी सुपात्र को दान देना चाहिए। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रिय मंत्र के कम से कम 16000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपकी चिन्ताएं तथा व्याकुलता दूर होगी तथा लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।

मंत्र— ॐ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। सामान्यतया तुला लग्न में उत्पन्न जातक सुन्दर स्वस्थ एवं दर्शनीय होते हैं तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होता है जिससे अन्य लोग उनसे प्रभावित रहते हैं। इनकी प्रवृत्ति हास्य प्रिय होती है तथा बच्चों के प्रति इनके मन में प्रबल स्नेह का भाव विद्यमान रहता है। सुन्दर दृश्यों एवं वस्तुओं के प्रति भी इनमें आकर्षण रहता है। स्वभाविक रूप से ये अन्य जनों को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं देते हैं तथा सबके साथ समानता का व्यवहार करते हैं जिससे समाज में ये सम्मानित प्रतिष्ठित तथा प्रसिद्ध रहते हैं। कला के प्रति इनका भावनात्मक लगाव रहता है तथा अच्छे कार्यों से ये अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। नीति ज्ञान में ये चतुर होते हैं अतः राजनीति के क्षेत्र में इनको नेतृत्व प्राप्त हो जाता है परन्तु इनका कोई निश्चित सिद्धांत नहीं होता तथा समयानुसार ये परिवर्तन करते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक सौन्दर्य एवं व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगी। आपके प्रवृत्ति हास्यप्रिय होगी तथा गम्भीरता आपको विशेष अच्छी नहीं लगेगी। बच्चों के प्रति आपके मन में स्नेह का भाव रहेगा तथा प्राकृतिक दृश्यों के प्रति आपके मन में आकर्षण रहेगा। साथ ही कला से आपका भावनात्मक सम्बन्ध रहेगा।

आप सभी लोगों से समानता का व्यवहार करेंगी तथा आपके मन में किसी भी प्रकार का भेद भाव नहीं रहेगा अपने कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव रहेगा तथा आपके अधिकारी एवं सहयोगी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आप किसी नवीन सिद्धांत या ग्रन्थ आदि की भी रचना कर सकते हैं जिससे आपको यश की प्राप्ति होगी।

लग्न में शुक्र की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक शांति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा बुद्धिमत्ता से अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। आपके प्रवृत्ति विलासी होगी तथा भौतिकता के प्रति अत्यधिक आकर्षण रहेगा जिससे आपकी प्रवृत्ति काफी व्ययशील होगी। आपके प्रवृत्ति भ्रमण प्रिय होगी तथा यात्रा आदि भी समय समय पर सम्पन्न करती रहेंगी। कला एवं संगीत में आप निपुण होंगी तथा कार्य करने में अत्यंत ही दक्ष होंगी।

आप में सहनशीलता का भाव विद्यमान होगा तथा धैर्यपूर्वक कार्यों को सम्पन्न करके उनमें सफलता की प्रतीक्षा करने में समर्थ होंगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको समय समय पर धनार्जन होता रहेगा। आप में शारीरिक बल की भी प्रचुरता रहेगी फलतः परिश्रम एवं पराक्रम का प्रदर्शन करके आप जीवन में मनोवांछित सफलताओं को अर्जित करेंगी जिससे समाज में आपका प्रभाव रहेगा तथा सभी लोग आपका आदर करेंगे। साथ ही यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कृत्यों को

Kumari Vijeta

नियमपूर्वक सम्पन्न करेंगी। जिससे आपको मानसिक शांति की अनुभूति होगी। मित्र वर्ग के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय रहेंगी तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

93

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में वृश्चिक राशि उदित हुई है जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में स्व प्रयत्न एवं परिश्रम से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही पैतृक सम्पत्ति भी आपको अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी परन्तु बहुमूल्य रत्न एवं धातुओं को अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। आप भूमि या जायदाद संबंधी क्रय विक्रय या संबंधित कार्यों से भी लाभ अर्जित कर सकती हैं। साथ ही कृषि या बागवानी संबंधी कार्यों में भी आपकी रुचि रहेगी। आप एक महत्वाकांक्षी महिला होंगी तथा जीवन में परिवार के सहयोग से इच्छित उन्नति एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी लेकिन विषम परिस्थितियों का सामना करने में आप स्वयं असमर्थ समझेंगी।

पारिवारिक जनों की प्रसन्नता तथा सुविधा के लिए सुख संसाधनों के लिए आप सतत प्रयत्नशील रहेंगी। साथ ही उनकी सन्तुष्टि के लिए अधिक मात्रा में व्यय भी करेंगी। आपकी वाणी प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी तर्क पूर्ण बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी तथा अधिकांश लोग आपसे सहमत भी रहेंगे। मिष्टान की आप प्रिय रहेंगी तथा रुचि पूर्वक इसका भक्षण करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी परन्तु प्रौढ़ावस्था में आप नेत्र संबंधी कष्ट प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक परंपराओं का आप पूर्ण पालन करेंगी तथा शुभ एवं मंगल कार्यों को समय समय पर सम्पन्न करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त सज्जन लोगों के प्रति आपके मन में हमेशा आदर का भाव बना रहेगा।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति उत्तम रहेगी तथा दीर्घ काल तक स्मृति बनी रहेगी जिससे सामाजिक तथा अन्य क्षेत्र में आपको शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी। भाई बहिनों से भी आप युक्त रहेंगी तथा जीवन में आपको उनका पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी सुख सुविधाओं के प्रति चिंतित रहेंगी तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगी। वे सभी आज्ञाकारी कर्तव्य परायण तथा विश्वास पात्र रहेंगे अतः उनकी गलतियों की भी आप उपेक्षा करेंगी। सत्य के प्रति आपकी पूर्ण आस्था रहेगी तथा अपने सिद्धांतों पर दृढ़ रहेंगी चाहे इससे कोई परेशानी या समस्याएं क्यों न उत्पन्न हो। साथ ही स्पष्टवादिता का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा।

आप एक साहसी तथा पराक्रमी महिला होंगी तथा नेतृत्व के गुण भी आप में विद्यमान रहेंगे। आप किसी भी मनुष्य या वस्तु के गुणावगुणों को परखकर उसके बारे में अपनी राय प्रदान करेंगी। आप सद् विचारों की महिला होंगी तथा धर्म के प्रति आपके मन में आस्था रहेगी। आधुनिक संचार साधनों से भी आप युक्त रहेंगी तथा सुख पूर्वक इसका उपभोग करेंगी। इसमें टेलीफोन टेलीविजन या वाहन आदि की प्रमुखता रहेगी। संगीत एवं हस्त कला के प्रति भी आपकी रुचि रहेगी तथा यदा कदा इससे भी अपना मनोरंजन करेंगी। आपके लिए समीपस्थ स्थानों की यात्राएं लाभदायक एवं ख्याति प्रदान करने वाली होंगी। साथ ही आपकी अध्ययन में रुचि होगी तथा धार्मिक ग्रन्थ वैज्ञानिक या साहित्यिक पुस्तकों का आप अध्ययन करेंगी। इसके अतिरिक्त आप किसी संस्था की पदाधिकारी या उच्चाधिकारी होंगी तथा दीन दुःखियों के प्रति दयालु रहेंगी जिससे समाज में आदरणीया समझी जाएंगी।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्मसमय में चतुर्थ भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आप समस्त सांसारिक एवं भौतिक सुखों को प्राप्त करने में समर्थ होंगी। आपको आधुनिक सुख-संसाधनों की भी प्राप्ति होगी जिसका सुखपूर्वक उपभोग करेंगी। आप एक समृद्ध एवं वैभवशाली महिला होंगी तथा समाज में आदरणीय महिला मानी जाएंगी।

आप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी तथा चल एवं अचल सम्पत्ति से युक्त होकर उसके स्वामित्व को प्राप्त करेंगी। विवाह के बाद पति के प्रभाव या सहयोग से भी आपको वांछित चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। इससे आपकी समृद्धि में वृद्धि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से आपको समय समय पर धन सम्पत्ति की प्राप्ति होती रहेगी। आप चल एवं अचल दोनों प्रकार की सम्पत्ति से युक्त होंगी। अतः इन पर आप इच्छित निवेश कर सकती है।

जीवन में आपको उत्तम घर की प्राप्ति होगी तथा यह विस्तृत क्षेत्र में होगा तथा आधुनिक सुख-सुविधाओं एवं उपकरणों से सुसज्जित रहेगा। आप भी व्यक्तिगत रूप से इसके आकर्षण एवं सुन्दरता बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील होंगी। आपका घर किसी समृद्ध कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे एवं आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। इसके अतिरिक्त उत्तम वाहन से भी आप युक्त होंगी तथा इनकी संख्या एक से अधिक भी हो सकती है।

आपकी माताजी सुन्दर, शिक्षित, बुद्धिमान एवं आधुनिक विचारों की महिला होंगी तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वह एक व्यवहार कुशल महिला होंगी तथा पारिवारिक सदस्यों का ध्यान से लालन पालन करेंगी जिससे सभी लोग उनको वांछित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगी। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव होगा तथा समय समय पर उनसे आपको वांछित आर्थिक एवं नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आपकी उन्नति में भी उनका मुख्य योगदान होगा। आप भी उनके प्रति श्रद्धा एवं आज्ञाकारिता का भाव रखेंगी तथा सुख-दुःख में उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी इससे आपसी संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

विद्याध्ययन में आपकी प्रारंभ से ही रुचि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से आप छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंक लेकर परीक्षाएं उत्तीर्ण करेंगी। स्नातक परीक्षा भी आप संतोष जनक रूप से उत्तीर्ण करेंगी। इससे आपके मन में उत्साह के भाव में वृद्धि होगी तथा भविष्य में भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए स्वयं को तैयार करेंगी। स्वजनों एवं संबंधियों से भी आप वांछित आदर, स्नेह एवं प्रोत्साहन प्राप्त करेंगी।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्म समय में पंचमभाव में कुंभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है तथा राहु भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी बुद्धिमत्ता से समस्त सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी तथा उनमें आपको वांछित सफलता की प्राप्ति होगी। लेकिन राहु के प्रभाव से आप में अवसरानुकूल शीघ्र सटीक निर्णय लेने की क्षमता अल्प होगी जिससे यदा-कदा अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वैदिक साहित्य धर्म एवं दर्शन में आपकी रुचि अल्प मात्रा में ही होगी परन्तु आधुनिक विषयों, विज्ञान एवं पाश्चात्य भाषा में आपकी पूर्ण रुचि होगी तथा यत्नपूर्वक उनके ज्ञानार्जन में रुचिशील होंगी तथा एक विदुषी के रूप में अपनी स्थिति स्थापित करने में समर्थ होंगी।

राहु की पंचम भावास्थ स्थिति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंगों में आपकी रुचि होगी तथा मनोरंजन एवं दिल बहलाव के लिए आप ऐसे सम्बन्धों को स्थापित करेंगी। लेकिन आपको इन प्रेम-प्रसंगों में मर्यादा एवं नैतिकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा इससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वैसे आप प्रेम सम्बन्धों में आदर्शवादिता का भी प्रदर्शन कर सकती हैं।

संतति भाव में राहु के प्रभाव से आपको पुत्र संतति की प्राप्ति अवश्य होगी। आपकी संतति तेजस्वी, पराक्रमी एवं बुद्धिमान होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेगी। माता-पिता के प्रति उनके मन में सामान्य आदर का भाव होगा परन्तु वे अपने ही मन की करने वाले होंगे। अतः यदा-कदा माता-पिता की आज्ञा की अवहेलना भी कर सकते हैं। वे अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को भी स्वेच्छा से ही करेंगे तथा इसमें माता-पिता की सलाह कम ही लेंगे। लेकिन आपको इसकी चिन्ता कम ही करनी चाहिए तथा उन्हें स्वतन्त्र रूप से कार्य करने देना चाहिए इससे परस्पर सदभाव एवं विश्वास बना रहेगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में बच्चे आपकी उपेक्षा कर सकते हैं ऐसी स्थिति में अपने लिए वांछित धन अर्जित करके रखना चाहिए जिससे अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

अध्ययन के क्षेत्र में आपकी सन्तति सामान्य रूप से उन्नति शील होगी तथा परिश्रम पूर्वक वे सफलताएं अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप भी उनकी शिक्षा का उत्तम प्रबन्ध करेंगी तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देंगी। आपके बच्चे तेजस्वी एवं पराक्रमी होंगे तथा यदा-कदा अन्य जनों से वे वाद-विवाद भी कर सकते हैं। इससे आपके लिए यद्यपि अनावश्यक परेशानी होगी परन्तु अपने सद्व्यवहार से आप स्थिति संभालने में समर्थ होंगे। इस प्रकार संतति से सुख आपके लिए सामान्य ही होगा।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है अतः इसके प्रभाव से आपको जीवन में किसी उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति से विरोध का सामना करना पड़ेगा साथ ही अन्य शत्रु भी मान सम्मान में न्यूनता करने के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे जिससे सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव में न्यूनता आएगी। आपके सेवक भी आपके लिए आज्ञाकारी तथा विश्वास पात्र रहेंगे तथा ईमानदारी से आपकी सेवा में तत्पर रहेंगे। यदि आप उनको उचित पारिश्रमिक प्रदान नहीं करेंगी तो वे घर में किसी प्रकार की चोरी आदि भी कर सकते हैं अतः ऐसी समस्याओं का निराकरण पहले से ही कर लेना चाहिए।

आपकी प्रवृत्ति अधिक से अधिक धन संग्रह करने की रहेगी। साथ ही कई प्रकार से पूंजीनिवेश भी करेंगी परन्तु इसमें हानि की अवस्था में ऋण आदि भी ले सकती है लेकिन कर्जदाता आपसे विशेष सहयोग नहीं करेंगे तथा विलम्ब की अवस्था में आपके मान सम्मान में न्यूनता कर सकते हैं। अतः धन व्यय या पूंजीनिवेश अच्छे कार्यों में करके आपको बुद्धिमता एवं सतर्कता का परिचय देना चाहिए। इसके साथ ही अवसरानुकूल बन्धुवर्ग या अन्य संबन्धी भी आर्थिक मामलों में आपको हानि प्रदान कर सकते हैं। अतः सोच समझकर किसी भी कार्य को प्रारंभ करना चाहिए।

जीवन में सम्बन्धियों या अन्य जनों से मुकद्दमे बाजी का भी संकेत मिलता है। इसका संबंध आर्थिक जमीन जायदाद या फौजदारी मामलों से हो सकता है। साथ ही यदा कदा जीवन में दाम्पत्य जीवन की मधुरता में न्यूनता आ सकती है। मामा मामी से आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे तथा परस्पर सहयोग के भाव में न्यूनता ही रहेगी। शारीरिक स्वस्थता बनाए रखने के लिए उचित खान पान का प्रयोग करें। जब भी आपको अत्यधिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा तब आप गुप्त कार्यों, तंत्र मंत्र या अन्य कार्यों से शान्ति एवं सफलता अर्जित करेंगी।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है सामान्यतया मेष राशि की सप्तम स्थिति से जातक का सहयोगी तेजस्वी उत्साही पराक्रमी एवं धनाढ्य होता है। वृश्चिक राशि के प्रभाव से वह आधुनिक विचार धाराओं से युक्त, सुन्दर एवं कला प्रेमी होता है एवं स्वभाव में भी विनम्रता एवं सुशीलता रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति विनम्र स्वभाव के व्यक्ति होंगे। आधुनिकता के भावों की उनमें प्रबलता होगी तथा भौतिक सुख संसाधनों एवं उपकरणों की प्रति विशेष रुचि होगी। अपने संभाषण में वह मधुर शब्दों का उपयोग करेंगे। शुक्र के प्रभाव से उनमें कर्तव्य परायणता भी होगी एवं परिवार तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे।

आपके पति सुंदर एवं आकर्षक वर्ण की दर्शनीय व्यक्ति होंगे तथा उनका कद भी मध्यम रहेगा उनका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा तथा शरीर में पुष्टता रहेगी जिससे उनके व्यक्तित्व में निखार आएगा। वह सुंदर तथा आकर्षक परिधानों से सुसज्जित रहेंगे तथा संगीत एवं कला के प्रति उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा।

आपका विवाह बंधु वर्ग या संबंधी के सहयोग से सम्पन्न होगा तथा सप्तम भाव में मेष राशि की स्थिति के प्रभाव से आप प्रेम विवाह भी कर सकती हैं। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में प्रबल आकर्षण तथा प्रेम की भावना रहेगी। सांसारिक महत्व के कार्यों को परस्पर सहयोग एवं सहमति से सम्पन्न करेंगी। इससे समानता तथा विश्वसनीयता के भाव में वृद्धि होगी। आप दोनों शिक्षित व्यक्ति होंगे तथा जीवन में सिद्धांतों में भी समानता रहेगी फलतः आपसी संबंधों में मधुरता के कारण जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका ससुराल किसी समृद्ध परिवार में होगा तथा सामाजिक रूप से भी उनकी प्रतिष्ठा बनी रहेगी। सास ससुर से आपके अच्छे संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण स्नेह की प्राप्ति होगी। आप भी उन्हें यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगी। इसके अतिरिक्त उनसे नैतिक सहयोग भी मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपके पति का पूर्ण श्रद्धा एवं सेवा का भाव रहेगा एवं सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे। साले एवं सालियों को भी अपने सद्व्यवहार एवं मधुर वाणी से प्रसन्न रखेंगे तथा उनसे वांछित सम्मान मिलेगा।

व्यापार या महत्वपूर्ण कार्य में साझेदारी के लिए स्थिति शुभ रहेगी। यदि मित्रवर्ग से साझेदारी की जाये तो आपको विशिष्ट उपलब्धियां मिलेंगी तथा आपस में विश्वसनीयता का भाव भी बना रहेगा।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है अतः इसके प्रभाव से आप में आध्यात्मिक शक्ति विद्यमान रहेगी। साथ ही ज्यौतिष एवं तंत्र मंत्र आदि पर भी आपका विश्वास रहेगा तथा न्यूनाधिक रूप से इसका ज्ञान भी प्राप्त कर सकती हैं। आपके अन्दर सक्रियता के भाव की हमेशा प्रबलता रहेगी तथा प्रतिभा से सुसम्पन्न रहेगी। अतः आप कोई भी सृजनात्मक कार्य दूसरों की अपेक्षा आसानी से कर लेंगी। आप मित्र या बन्धुवर्ग से जायदाद की भी प्राप्ति कर सकती हैं। साथ ही पैतृक सम्पत्ति भी आपको प्राप्त होगी। इस प्रकार चल अचल सम्पत्ति की स्वामिनी बनकर समाज में इच्छित मान सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखी रहेगा तथा ससुराल पक्ष के लोग धनवान एवं सर्वप्रकार के गुणों से परिपूर्ण रहेंगे जिससे आपको कोई भी परेशानी नहीं होगी। आपकी प्रवृत्ति पार्टियों को भी आयोजित करने की रहेगी जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता होगी। बीमा आदि करके भी आपको इच्छित लाभ हो सकता है अतः अवसरानुकूल आपको बीमा अवश्य करवाना चाहिए। साथ ही आपके घर में चोरी आदि की कोई बड़ी घटना नहीं होगी तथापि अपनी बहुमूल्य वस्तुओं को पहले से ही किसी सुरक्षित स्थान में रख लेना चाहिए। दुर्घटना आदि के योग भी सामान्यतया अल्प रहेंगे तथा अपनी सतर्कता से इन घटनाओं से सुरक्षित रहने में सफलता प्राप्त करेंगी तथापि आपको तीव्र गति से वाहन आदि नहीं चलाना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपकी आयु अच्छी रहेगी तथा जीवन में आनन्द एवं सुख का उपभोग करने में समर्थ रहेंगी।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृत्ति की महिला होंगी तथा पैतृक एवं पारिवारिक नियमों के अनुसार अपने धर्म के अनुपालन में तत्पर रहेंगी। ईश्वर की सत्ता में आपका पूर्ण विश्वास रहेगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति के लिए हमेशा यत्नशील रहेंगी। आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा भाग्यबल से इच्छित धनऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त अवसरानुकूल तीर्थ यात्रा करने की भी इच्छुक रहेंगी।

विभिन्न धार्मिक ग्रंथों का आप रुचि पूर्वक अध्ययन करेंगी तथा ध्यान योग, तंत्र मंत्र तथा ज्योतिष आदि में भी आपका विश्वास रहेगा एवं न्यूनाधिक रूप से इनका ज्ञान अर्जित करने में भी रुचिशील रहेंगी। यदि आप अपनी दृढ़ संकल्पता में वृद्धि कर सकें तो अपनी अन्तर्प्रज्ञा शक्ति के द्वारा आप पूर्वाभास तथा भविष्य वाणी करने में सफलता अर्जित कर सकती हैं।

आपकी दैनिक पूजा जीवन में आपको ऐश्वर्य प्रदान करने के लिए आत्मबल प्रदान करेंगी परन्तु यदा कदा मानसिक असन्तुलन के कारण आपको व्यवधानों का भी सामना करना पड़ेगा। साथ ही पूजा कार्य में भी समय समय पर व्यवधान उत्पन्न होंगे। व्यावसायिक रूप से की गई लम्बी यात्राओं से आपको लाभ यश तथा समाज में मान सम्मान में वृद्धि होगी। इससे जीवन में स्थायित्व आएगा तथा धनवैभव की भी वृद्धि होगी। आप एक प्रसिद्ध बुद्धिमान तथा विदुषी महिला होंगी तथा अपनी योजनाओं को बिना किसी रुकावट के सम्पन्न करेंगी। प्रथम पौत्र से आपको अत्यधिक सुख एवं प्रसन्नता प्राप्त होगी। साथ ही जीवन में अन्यत्र भी शुभ एवं पुण्य कार्य करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप धर्मात्मा, सौभाग्यशाली, अतिथि सत्कार करने वाली तथा दीन दुःखियों पर कृपा करने वाली होंगी। तथा परोपकार संबंधी कार्य करने में भी तत्पर रहेंगी।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्र है। कर्क राशि जलतत्व प्रधान है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा समय समय पर आप इसमें परिवर्तन करने के इच्छुक होंगी एवं ऐसे तात्कालिक परिवर्तनों से आप को लाभ एवं उन्नति की प्राप्ति होगी। साथ ही आप मानसिक रूप से भी सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी।

आजीविका की दृष्टि से आपके लिए जलविभाग, वस्त्र उत्पादन फैक्टरी, स्टेनोग्राफर, कैमिकल्स, कार्यालय सहायक, सचिव, जलसेना, जहाजरानी विभाग अनुकूल रहेंगे। इन विभागों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता मिलेगी तथा मानसिक रूप से भी आप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए जलोत्पन्न पदार्थों यथा शंख, मोती, प्रवाल, मछली का व्यापार, मिट्टी के खिलौने, ईट, वालू आदि के कार्य, वास्तुकला, आलंकारिक वस्तुओं का व्यापार, द्रव्य पदार्थों यथा दूध, दही, घी आदि के कार्य से लाभ होगा। साथ ही रेशमी एवं मूल्यवान वस्त्रों के व्यापार या आयात निर्यात से भी इच्छित उन्नति एवं लाभ की प्राप्ति होगी। अतः यदि आप व्यापार की इच्छुक हो तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार आरंभ करें। इससे आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा लाभ स्रोतों में भी वृद्धि होगी।

जीवन में आपको वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा किसी सम्मानित एवं उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में समर्थ होंगी। समाज में आप एक प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि भी व्याप्त होगी। इसके अतिरिक्त आप किसी सामाजिक धार्मिक सांस्कृतिक या शैक्षणिक संस्था के पदाधिकारी भी हो सकती हैं जिससे आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आपके पिता बुद्धिमान, शिक्षित तथा मृदुस्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा उनकी प्रवृत्ति भी शान्ति प्रिय होगी। साथ ही उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा एवं सभी लोग उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न होंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह तथा वात्सल्य का भाव होगा तथा आपकी उच्च शिक्षा का वे समुचित व्यवस्था करेंगे। आपकी कार्यक्षेत्र की उन्नति एवं सफलता में उनका विशेष योगदान होगा तथा उनके प्रभाव से आपको इसमें यथोचित सम्मान एवं आदर की प्राप्ति होगी। साथ ही आप भी अपने उत्तम कार्य कलापों से पिता के सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगी। इसके अतिरिक्त आपके आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं वैचारिक तथा सैद्धान्तिक रूप से समानता होगी। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यों को एक दूसरे की सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा आर्थिक रूप से धनार्जन उत्तम रहेगा। आप महत्वाकांक्षी होंगी तथा मन में कई उमंगें एवं इच्छाएं विद्यमान रहेंगी साथ ही सौभाग्य के बल पर अधिकांशतया इनकी पूर्ति में सफल भी रहेंगी। सरकार, औषधि विज्ञान तथा पिता के द्वारा जीवन में आप विशेष रूप से धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा इन्हीं के द्वारा आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी। यदि आप कार्यरत नहीं हैं तो उपरोक्त योग आपके पति की कुंडली में घटित होंगे। इस प्रकार धनार्जन की दृष्टि से हमेशा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी। साथ ही बड़े भाइयों से आपको जीवन में इच्छित सुख, सहयोग, लाभ एवं स्नेह प्राप्त होगा तथा आप भी पितृवत् उनको आदर प्रदान करेंगी।

मित्रों के प्रति आपके मन में पूर्ण विश्वास रहेगा तथा उनके मध्य आदरणीय रहेंगी। आपके सभी मित्र शिक्षित बुद्धिमान एवं चतुर होंगे। आप एक समाजिक प्राणी होंगी तथा अपने क्षेत्र या समाज में ख्याति प्राप्त करेंगी। साथ ही अन्य जनों की भलाई तथा सहयोग करने के लिए भी सर्वदा तत्पर रहेंगी। सामूहिक कार्य या मनोरंजन करना आपको रुचिकर लगेगा। जीवन में आप किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान को भी अर्जित करने में सफल हो सकती हैं। आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा परन्तु यदा कदा गर्मी आदि से आपको परेशानी हो सकती है एवं बाएं कान में भी किसी परेशानी से कष्ट होगा। परन्तु आपका सामान्य जीवन धनऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त होकर सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न एवं सुदृढ़ रहेंगी। जीवन में आपको एकानेक साधनों से धन की प्राप्ति होगी लेकिन आपका रहन सहन खान पान आदि उच्च स्तर का रहेगा अतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन के बाद भी उचित मात्रा में बचत कम ही होगी तथा व्यय ही अधिक रहेगा। आप भौतिक सुख संसाधनों तथा उपकरणों पर उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगी। साथ ही वस्त्र आदि भी सुंदर कीमती एवं आकर्षक रहेंगे। इस प्रकार आप अपनी धनाढ्यता का अन्य जनों के समक्ष प्रदर्शन करेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्तिमय रहेगा तथा आवास स्थल भी सुंदर एवं सुसज्जित रहेगा जिसकी सजावट में काफी व्यय होगा। वास्तव में आप कलात्मक रूप से जीवन व्यतीत करना पसन्द करेंगी तथा इसके लिए अधिकाधिक धन व्यय की आवश्यकता रहेगी। सुंदर एवं विलासमय वस्तुओं के प्रति आपके मन में तीव्र लालसा रहेगी तथा इनकी प्राप्ति में कितना भी व्यय क्यों न हो आप उसे अवश्य प्राप्त करेंगी। साथ ही परिवार एवं मित्रों के साथ मंहगे होटलों में भोजन या नाश्ता करना आपका शौक रहेगा। अतः आपकी वैभवशालीनता तथा सफलता को देखकर शत्रु आपके लिए रुकावटें उत्पन्न करेंगे जिससे कभी कभी मानसिक रूप से आप तनाव ग्रस्त भी रहेंगी

यात्रा करने में आप रुचिशील रहेंगी तथा देश के साथ साथ विदेश संबंधी यात्राएं भी सम्पन्न करेंगी। इनसे आपको उचित लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा। यद्यपि इनमें व्यय अधिक होगा परन्तु भविष्य में लाभ तथा प्रसिद्धि के योग बनेंगे। आप भ्रमण या कार्यवश दोनों प्रकार की यात्राएं सम्पन्न कर सकती हैं। इसके साथ ही विदेश में काफी समय तक प्रवास भी करेंगी।

वार्षिक फलादेश - 2026

इस वर्ष मीन राशि के शनि छटे भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु पंचम भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशिमेंचतुर्थ भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरुनवम भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशिमेंदशम भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशि एवं एकादशभाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष बहुत बढ़िया रहेगा। आप अपने भाग्य के द्वारा व्यवसाय में उन्नति करेंगी। गुरु एवं शनि ग्रह का अनुकूल स्थान में होने से आपका चौमुखी विकास होगा। आय के मार्ग प्रशस्त होंगे। उच्च अधिकारियों या वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे आपके कार्य क्षेत्र में सफलता का प्रतिशत और बढ़ सकता है।

02 मई के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं की पदोन्नति के साथ-साथ इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है। भूमि से सम्बन्धित कार्य करने वाली महिलाओं को अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष शुभ फलदायक रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता होने के कारण इच्छित बचत करने में सफल रहेंगी। वर्ष के पूर्वार्द्ध में आप भौतिक सुख सुविधा पर भी खर्च करेंगी। बच्चों की स्वास्थ्य संबंधित परेशानी पर भी आपका पैसा खर्च हो सकता है।

02 जून के बाद चतुर्थ स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन के साथ-साथ रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। अपने परिवार के सदस्यों तथा रिश्तेदारों के मांगलिक कार्यों में भी धन का व्यय होगा। 31 अक्टूबर के बाद धनागम में वृद्धि होगी। जिससे आप आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। व्यापारिक व्यस्तता के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगी परन्तु आपके परिवार में सुख

शान्ति का वातावरण बना रहेगा। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से सामाजिक उत्थान के लिए आपका पूर्ण प्रयास रहेगा।

02 जून के बाद पारिवारिक रूप से समय और भी अनुकूल हो रहा है। आपके परिवार में परस्पर सहयोग एवं भावनात्मक प्रेम में वृद्धि होगी। परिवार के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा और आपसी आकर्षण भी बढ़ेगा। पिताजी के लिए यह समय काफी अच्छा रहेगा। मालुत पक्ष के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से यह वर्ष बहुत अच्छा नहीं रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में आपके बच्चे को सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। दूसरी संतान के लिए समय अच्छा है। उसकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

02 जून के बाद समय अधिक प्रभावित हो रहा है। उस समय पंचमस्थ राहु संतान संबंधित परेशानी उत्पन्न कर सकता है। गर्भवती स्त्रियों का गर्भपात हो सकता है। इस समय के अंतराल में बच्चे के स्वास्थ्य से संबंधित कोई भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। 31 अक्टूबर के बाद आपके बच्चों का उन्नति होगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। नवमस्थ गुरु की पंचम दृष्टि लग्न पर होगी उसके प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देना आवश्यक होगा। खाने-पीने की वस्तुओं में परहेज रखें। कभी कभी स्वस्थ रहते हुए भी कमजोरी जैसा अनुभव होता रहेगा। रात को जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठकर घूमना आपके शरीर के लिए लाभदायक रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले जातिकाओं को सफलता प्राप्त होगी। जो महिला नौकरी की तलाश में हैं उनको नौकरी मिल सकती है। तकनीकी शिक्षा या व्यवसायिक शिक्षा के लिए भी यह समय श्रेष्ठतम रहेगा।

02 जून के बाद विद्यार्थियों के लिए समय बहुत अच्छा नहीं रहेगा। पंचम स्थान का राहु उनकी शिक्षा में अवरोध उत्पन्न कर सकता है।

यात्रा—तबादला

वर्ष के पूर्वार्द्ध में छोटी—मोटी यात्राओं के साथ—साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। ये यात्राएं आपके लिए अनुकूल या उन्नतिकारक भी सिद्ध हो सकती हैं। इन यात्राओं के दौरान आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। 02 जून के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं का मानोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

अपने घर से दूर रहने वाली महिलाओं की जन्म स्थल की यात्रा हो सकती है अथवा अपने पूरे परिवार सहित दर्शनीय स्थलों की यात्रा का आनन्द प्राप्त कर सकते हैं। द्वादश स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के पूर्वार्द्ध में नवमस्थ गुरु के प्रभाव से आप कोई विशेष अनुष्ठान संपन्न करेंगी। आप योग, ध्यान, एवं अपने गुरु के द्वारा दिये गये मन्त्रों का पाठ करेंगी। गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप दान पुण्य व गरीबों की सहायता अधिक करेंगी।

- प्रत्येक दिन सुबह स्नान के बाद सूर्य को जल दें।
- गणेशजी के मन्त्र का पाठ करें एवं नित्य प्राणायाम करें।
- एक नारियल अपने सिर से सात बार घुमाकर बहते हुए पानी में बहा दें।

वार्षिक फलादेश - 2027

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मीनस्थ शनि छठे भाव में रहेंगे और 3 जून को मेष राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 03 अक्टूबर को फिर से मीन राशि एवं छठे भाव में आजाएंगे। मकर राशि के राहु इस वर्ष चतुर्थ भाव में रहेंगे। वक्री गुरु 25 जनवरी को कर्क राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 26 जून को सिंह राशि एवं एकादश भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 26 नवम्बर को कन्या राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश कर जाएंगे। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक मंगल वक्री होकर सिंह राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे। 21 जुलाई से 7 सितम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। आप अपने कार्य व्यवसाय में सफलता प्राप्त करेंगी। वर्ष के पूर्वार्द्ध में आप कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकती हैं या किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर अपने व्यापार में उन्नति के लिए कोई नई योजना भी बना सकती हैं। चतुर्थस्थ राहु के प्रभाव से नौकरी करने वाली महिलाओं का अपने घर से दूर स्थानान्तरण हो सकता है। प्रोपर्टी से संबंधित काम करने वाली महिलाओं को अधिक लाभ प्राप्त नहीं होगा।

जून के बाद सप्तम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके कार्य व्यवसाय में उत्तम वृद्धि होगी। उच्च अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। सफलता के पीछे आपकी जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग होगा। यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रही हैं, तो उसमें इच्छित लाभ प्राप्त होगी और आप अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष उत्तम रहेगा। द्वितीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। षष्ठस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके शत्रु पक्ष से आपको धन लाभ होगा। धन निवेश के लिए भी अच्छा समय चल रहा है।

जून के बाद एकादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका रुका हुआ धन मिल सकता है व धनागम में वृद्धि होगी। इस समय कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। धन संचित करने में आपकी जीवनसाथी का अहम सहयोग होगा। भाई-बहन या पुत्र के विवाह के अवसर पर भी धन खर्च हो सकता

है।

घर—परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से यह वर्ष सामान्य रहेगा। चतुर्थस्थ राहु के प्रभाव से आपके परिवार में विषमता की स्थिति बनी रहेगी। परिवार में एक दूसरे के प्रति वैचारिक मतभेद हो सकता है। परन्तु आप अपनी बौद्धिक शक्ति के अनुसार पारिवारिक वातावरण अनुकूल करने की कोशिश करेंगी और आप सफल भी होंगी। आपकी माता का स्वास्थ्य प्रतिकूल हो सकती है। दशमस्थ गुरु के कारण आपको पिता का अच्छा सहयोग मिलेगा।

26 जून के बाद आपको प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी। यदि आप अविवाहित हैं तो आपका विवाह हो जाएगा। विवाहित महिलाओं का जीवनसाथी के साथ समन्वय मधुर होगा। तृतीय स्थान में गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप सामाजिक कल्याण के लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगी।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। वे अपनी बौद्धिक शक्ति एवं कर्म के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगी।

26 जून के बाद पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से नव विवाहित महिलाओं को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है। आपके बच्चों की उन्नति होगी। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रगति होने के शुभ योग बने हैं। यदि आपकी सन्तान विवाह योग्य हैं तो विवाह भी हो सकता है। यदि आप दूसरे बच्चे की इच्छा रखते हैं तो गर्भाधान के लिए उत्तम समय है। 26 नवम्बर के बाद समय कुछ प्रभावित हो सकता है। इस समयान्तराल में सन्तान पर अधिक ध्यान दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगी। शनि एवं गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगा। मौसम जनित बीमारियों से यदि आप परेशान होती हैं तो जल्दी ही अच्छी हो जाएंगी। आप अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शुद्ध एवं शाकाहारी भोजन ही करें।

जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर और भी शुभ हो रहा है, लेकिन साथ

ही लग्न स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से मानसिक परेशानी या शारीरिक आलस्यता बढ़ सकती है, जिसके फलस्वरूप आप बीमार हो सकती हैं। सुबह-सुबह व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। 26 नवम्बर के बाद आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षा के लिए छठे स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से आपको प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने के प्रबल योग बन रहे हैं। इस समय के अंतराल में नौकरी भी मिल सकती है।

26 जून के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी। व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है।

यात्रा-तबादला

चतुर्थस्थ राहु के प्रभाव से अपने जन्म स्थल से दूर की यात्रा हो सकती है। स्थान परिवर्तन के योग भी बन रहे हैं। द्वादश स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा भी हो सकती है।

जून के बाद छोटी यात्राओं के साथ-साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। वर्षान्त में जलीय स्थल या समुद्र के माध्यम से विदेश यात्रा भी हो सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में अधिक व्यस्तता के कारण आप पूजा पाठ के लिए अधिक समय नहीं निकाल पाएंगी। चतुर्थ राहु के प्रभाव से आपके नित्य नैमित्य पूजा प्रभावित हो सकती है। 26 जून के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर ईश्वर के प्रति श्रद्धा एवं विश्वास बढ़ेगा, जिसके फलस्वरूप आप निःस्वार्थ भाव से भगवान की पूजा व सत्कर्म करेंगी। 26 नवम्बर के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगी।

- घर में श्रीयन्त्र स्थापित करें और नित्य उसके सामने देशी घी का दीपक जलाएं।
- सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दें।
- प्रत्येक दिन प्राणायाम करें।

Kumari Vijeta

- अपने माता—पिता की सेवा करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

111

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2028

वर्षारम्भ में मीन राशि के शनि छटे भाव में रहेंगे और 23 फरवरी को मेष राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। राहु वर्ष के शुरु में मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे और 24 मई को धनु राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में कन्या राशि के गुरु द्वादश भाव में रहेंगे और वक्री होकर 28 फरवरी को सिंह राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 24 जुलाई को कन्या राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। पारिवारिक परेशानी के कारण आपका कार्य व्यवसाय प्रभावित हो सकता है। परन्तु छटे स्थान का शनि आपको सफलता के लक्ष्य तक अवश्य पहुंचाएगा। फरवरी के बाद बड़े अधिकारियों या अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा। जिसका उचित लाभ उठाकर आप अपने व्यापार में उन्नति करेंगी। यदि आप किसी के साथ मिलकर कार्य कर रही हैं तो सफलता मिलेगी। चतुर्थ स्थान का राहु नौकरी करने वाले जातिकाओं का स्थान परिवर्तन करा सकता है।

24 जुलाई से गुरु ग्रह का गोचर फिर से प्रतिकूल हो रहा है। आपको धोखा या व्यापार में हानि हो सकती है। गुप्त शत्रु व विरोधियों द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डालने की कोशिश की जा सकती है। अतः आपकी सकारात्मक सोच में वृद्धि कर अपना आत्मविश्वास बनाए रखना होगा। राहु एवं शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेंगी।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। कुछ अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं। पारिवारिक खर्च अधिक होने के कारण इच्छित बचत नहीं कर पाएंगी। 28 फरवरी से एकादश स्थान में गुरु के गोचरीय प्रभाव के चलते आपके आय के स्रोत बढ़ेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होना शुरु हो जाएगा। पुराने चले आ रहे ऋण इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। फंसा हुआ या रुका हुआ धन वापस मिल सकता है।

24 जुलाई के बाद गुरु ग्रह का गोचर फिर से प्रभावित हो रहा है। उस समय कुछ ऐसे खर्च आ जाएंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। अतः किसी प्रकार के जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। लेन-देन

के मामले में हमेशा सावधान रहें। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य पर भी आपका पैसा खर्च हो सकता है।

घर—परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ पारिवारिक वातावरण के लिए अनुकूल नहीं है। चतुर्थ स्थान के राहु आपके परिवार में विषम परिस्थिति उत्पन्न कर देंगे, जिससे पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती हैं। साथ ही परिवार में किसी बड़े व्यक्ति के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है। अतः अच्छा यही होगा कि आप अपनी सहनशक्ति को बढ़ाएं, नहीं तो उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकती हैं। मातुल पक्ष के लोगों के साथ आपका अच्छा संबंध बना रहेगा। फरवरी से आपको भाईयों का सहयोग मिलेगा।

24 मई से घरेलू वातावरण अच्छा होना शुरू हो जाएगा। आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। तृतीयस्थ राहु के प्रभाव से सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समाज में आपका मान—सम्मान बढ़ेगा। जनकल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य संपन्न करेंगी। सप्तमस्थ शनि आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकते हैं। अतः उनको स्वास्थ्य से संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

संतान

वर्ष के प्रारम्भ में संतान संबंधित चिन्ताएं बनी रहेंगी। द्वादश स्थान के गुरु बच्चे के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं जिससे उसकी शिक्षा—दीक्षा भी प्रभावित हो सकती है। 28 फरवरी से गुरु ग्रह का गोचर एकादश स्थान में हो रहा है जिसके बाद अचानक आपके बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार होना शुरू हो जाएगा।

आपके बच्चे अपने बौद्धिक बल से आगे बढ़ेंगे। परिश्रम के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगी। 24 जुलाई से समय फिर से प्रभावित हो रहा है जिसके फलस्वरूप आपके बच्चों की उन्नति रुक सकती है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। द्वादशस्थ गुरु के कारण स्वास्थ्य संबंधित चिन्ताएं बनी रहेंगी। मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान होती रहेंगी परन्तु 28 फरवरी के बाद एकादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आप जल्दी ही अच्छी हो जाएंगी।

24 जुलाई के बाद बीमारी, दुर्घटना या किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। द्वादशस्थ गुरु के प्रभाव से मोटापा एवं लीवर से

सम्बन्धित बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरूरी होगा। सुबह-सुबह व्यायाम या योगा करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा नहीं तो आपका स्वास्थ्य प्रतिकूल हो सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का पूर्वार्द्ध करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा के लिए श्रेष्ठतम रहेगा। षष्ठस्थ शनि के प्रभाव से आप सारे शत्रुओं को पछाड़कर अपने करियर में आगे बढ़ेंगी। फरवरी के बाद से विद्यार्थियों के लिए समय बहुत उत्तम है। तकनीकी शिक्षा अथवा व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राएं अपने लक्ष्य में सफल रहेंगी।

24 जुलाई के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। आपकी शिक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। आलस्य की भावना आपकी उच्च शिक्षा में व्यवधान डाल सकती है। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को उस समय सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता होगी।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में ही आपकी विदेश यात्रा होगी। छोटी-मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी परन्तु 23 फरवरी के बाद लम्बी यात्राएं भी खूब होंगी।

नौकरी करने वाली महिलाओं का अपने घर से दूर स्थानान्तरण हो सकता है। यह स्थानान्तरण आपके प्रतिकूल स्थान पर होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में आप दान पुण्य अधिक करेंगी। भण्डारा, गरीबों को दान और दूसरे की सहायता करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। फरवरी के बाद एकादशस्थ गुरु ग्रह के प्रभाव से आपका मन पूजा-पाठ के प्रति ज्यादा आकर्षित रहेगा। परमात्मा की भक्ति एवं मन्त्र पाठ में रुचि लेंगी। सप्तमस्थ शनि ग्रह के प्रभाव से आप अपनी जीवनसाथी के साथ कोई विशेष पूजा-पाठ करेंगी। जैसे- माता का जागरण, चौकी, अखण्ड रामायण पाठ इत्यादि।

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा, सुश्रूषा करें।
- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत करें।
- गणेशजी के मन्त्र का पाठ करें। बुधवार के दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाएं।

Kumari Vijeta

- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

115

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2029

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मेष राशि के शनि सप्तम भाव में रहेंगे और 08 अगस्त को वृष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर फिर से 05 अक्टूबर को मेष राशि एवं सप्तम भाव में आ जाएंगे। धनु राशि के राहु तृतीय भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में तुला राशि के गुरु लग्न स्थान में रहेंगे और वक्री होकर 29 मार्च को कन्या राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 25 अगस्त को तुला राशि एवं लग्न स्थान में आ जाएंगे। वक्री मंगल 27 जुलाई तक कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे। 15 फरवरी से 16 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का प्रारम्भ व्यावसायिक उन्नति के साथ होगा। सप्तम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से आपको व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होता रहेगा। 29 मार्च से कार्य व्यवसाय में कुछ व्यवधान आ सकता है। गुप्त शत्रुओं द्वारा कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। अतः इस समय के अंतराल में आपको कोई नया कार्य प्रारम्भ नहीं करना चाहिए। पहले से चले आ रहे व्यापार को और अच्छे ढंग से चलाना चाहिए।

05 अक्टूबर के बाद समय फिर से बहुत अच्छा हो रहा है। आपको व्यापार व कार्य क्षेत्र में सफलता मिलना शुरू हो जाएगा। भाग्य अनुकूल होने के कारण उन्नति के श्रेष्ठ योग बन रहे हैं। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रही हैं तो इच्छित लाभ की प्राप्ति होगी। आपके मित्र आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। सट्टा, शेयर बजार से जुड़े महिलाओं को लाभ प्राप्त होगा। नौकरी करने वाली महिलाओं को अपने कार्यस्थल पर ही मान-सम्मान मिलेगा।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक उन्नति के लिए अच्छा रहेगा। आय में अनुकूलता बनी रहेगी परन्तु 29 मार्च के आय के मार्ग प्रभावित होंगे जिससे आपके आर्थिक क्षेत्र में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन सकती है इसलिए आपको आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी से काम लेना चाहिए। कुछ खर्च अचानक आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। अतः अभी से अतिरिक्त धन का संचय कर सकती हैं।

05 अक्टूबर के बाद समय फिर से अच्छा हो रहा है। आपके रुके हुए पैसे मिल सकते हैं जिससे आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार होना शुरू हो जाएगा।

सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से जीवनसाथी या मित्रों से लाभ होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी धन व्यय करेंगी।

घर—परिवार, समाज

वर्षारम्भ में परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। छोटे भाइयों का अच्छा सहयोग मिलेगा परन्तु 29 मार्च के बाद गुरु का गोचर प्रतिकूल होने से पारिवारिक अनुकूलता भी भंग हो सकती है। परिवार में एक—दूसरे के प्रति वैमनस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है। परिवार में कुछ लोगों का वर्तव्य अच्छा नहीं रहेगा। ऐसे में आपको अपने विवेक से काम लेना होगा। 25 अगस्त के बाद ससुराल पक्ष के लोगों के साथ संबंध खराब हो सकती हैं।

05 अगस्त के बाद समय फिर से अच्छा हो रहा है। आपके परिवार में पुत्रादि का विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा। उसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से जीवनसाथी के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। तृतीयस्थ राहु के प्रभाव से सामाजिक पद—प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए अच्छा रहेगा। पंचम भाव पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति के अच्छे योग बन रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रुचि बढ़ेगी। यदि वे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो जाएगा।

आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय बहुत अच्छा है। उसका विवाह भी हो सकता है। 29 मार्च से 25 अगस्त तक का समय प्रभावित रहेगा। उसके बाद का समय अच्छा रहेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। लग्नस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि आपकी सेहत के लिए उत्तम है। यदि आप बीमार भी होती हैं तो आपकी सेहत शीघ्र ही अच्छी हो जाएगी। आपकी आरोग्यता व कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। 29 मार्च के बाद अचानक आपके स्वास्थ्य में उतार—चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। कफ, मधुमेह एवं पेट संबंधित बीमारियों के कारण आप परेशान हो सकती हैं। मौसमजनित बीमारियों से भी बचें।

25 अगस्त के बाद स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपका खान—पान एवं दिनचर्या भी सुधरेगी। सकारात्मक ऊर्जा

का संचार होगा जिससे रोगप्रतिरोधक शक्ति और अतिरिक्त मानसिक ऊर्जा प्राप्त होगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारम्भ विद्यार्थियों के लिए उत्तम रहेगा। व्यावसायिक महिलाओं को अच्छा लाभ मिलेगा। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। 29 मार्च के बाद समय कुछ प्रभावित हो रहा है। उस समय प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्ति के लिए अथक प्रयास करना पड़ेगा।

25 अगस्त के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है। आप पढ़ाई-लिखाई में आगे रहेंगी। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो जाएगा।

यात्रा-तबादला

तृतीयस्थ राहु के प्रभाव से वर्षारम्भ से ही छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। ज्यादातर यात्राएं अचानक होंगी। 29 मार्च के बाद द्वादशस्थ गुरु विदेश यात्रा के प्रबल योग बना रहे हैं।

25 अगस्त के बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी लम्बी यात्राएं होंगी। यात्रा के दौरान या वाहन चलाते समय सावधानी अवश्य बरतें, क्योंकि अष्टम स्थान का शनि यात्रा के लिए शुभ नहीं होता।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारंभ में लग्न, पंचम व नवम इन तीनों त्रिकोण भावों पर गुरु के गोचरीय प्रभाव के चलते आप ईश्वर भक्ति, योग, तीर्थाटन तथा गुरु भक्ति या गुरु दीक्षा लेने जैसी गतिविधियों में रुचि लेने के अतिरिक्त पूजा-पाठ, मंत्र जाप तथा यज्ञ आदि कर्म अधिक करेंगी।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनिवार के दिन लोहे का तवा गरीब व्यक्ति को दान करें।

वार्षिक फलादेश - 2030

वर्षारम्भ में मेष राशि के शनि सप्तम भाव में रहेंगे और 17 अप्रैल को वृष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे धनु राशि के राहु तृतीय भाव में रहेंगे और 04 फरवरी को वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। 25 जनवरी को गुरु वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 01 मई को तुला राशि एवं लग्न स्थान में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 23 सितम्बर को वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में आ जाएंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे 27 सितम्बर से 18 नवम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे

व्यवसाय

व्यावसाय से जोड़ कर देखा जाए तो वर्ष का प्रारम्भ बहुत ही हितकारी होगा। आपको प्रतीत होगा कि आपके कुछ सपने अभी भी अधूरे हैं और इसलिए इस साल आप उन सपनों को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करेंगी और अपने सपनों को साकार करेंगी। मुख्यतः ग्रहों के गोचर अनुकूल होने के कारण किसी भी समस्या का समाधान करना आपके लिए आसान होगा जिसके चलते आप अपने अधिकारियों की नजरों में आएंगी।

17 अप्रैल के बाद अष्टम स्थान के शनि व्यावसायिक जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति बना रहे हैं। इस अवधि में आपका अपने प्रति विश्वास ही आपको लगातार विजय दिलाएगा। आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचान में कुछ कठिनाईयों का अनुभव करेंगी। आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रूकावटें डाली जा सकती हैं। इसलिए बिना किसी पर विश्वास किये आप अपनी बौद्धिक क्षमता के अनुसार अपना कार्य करती रहें।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आपके लिए सिर्फ लाभ को दर्शाता है। अपने लक्ष्य के प्रति आपका उत्साह उजागर हो जाएगा। निवेश करने के लिए भी यह एकदम उपयुक्त समय होगा। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। संचित धन में भी वृद्धि होगी।

अप्रैल के बाद राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से आर्थिक समृद्धि में कमी आएगी। द्वितीय स्थान का राहु अचानक कुछ ऐसे खर्च ला देगा जिसके चलते आपको आर्थिक तंगी आ सकती है। अतः इस समय के अंतराल में कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की सलाह अवश्य लें, नहीं तो पैसा फंस सकता है।

घर—परिवार, समाज

वर्षारम्भ से ही आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। परिवार में एक—दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बढ़ेगा।

राहु ग्रह का गोचर पारिवारिक वातावरण के लिए शुभ नहीं है। परिवार के कुछ लोगों का बर्ताव अच्छा नहीं रहेगा। उस समय आपको अपनी वाणी पर नियन्त्रण रखना होगा। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप सामाजिक गतिविधियों में कम ही भाग लेंगी।

संतान

यह वर्ष संतान के लिए श्रेष्ठ रहेगा। वर्ष का प्रथम माह बच्चों के लिए अच्छा रहेगा। 04 फरवरी से राहु एवं गुरु की युति संतान के लिए अच्छा नहीं है। इस समय के अंतराल में संतान संबंधित चिंताएं बढ़ सकती हैं। अतः उनके स्वास्थ्य एवं पढ़ाई—लिखाई पर आपको विशेष ध्यान देना चाहिए।

1 मई से गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने से आपके बच्चों की उन्नति होगी। आप अपने बच्चों से जितनी अपेक्षा रखती हैं वे उससे भी अच्छा करेंगे। संतान इच्छित व्यक्तियों के लिए यह उत्तम समय चल रहा है। आपके बच्चों के साथ मधुर संबंधों में वृद्धि होगी जिससे आपके घरेलू वातावरण में भी सुधार होगा।

स्वास्थ्य

लग्न स्थान पर शनि की दृष्टि स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं होती अतः आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है ताकि आप अपने जीवन का भरपूर लाभ उठा सकें। फिर चाहे व्यावसायिक जीवन हो या व्यक्तिगत जीवन, यदि आप स्वस्थ नहीं होंगी तो इसका बुरा असर आपके जीवन पर पड़ेगा।

राहु ग्रह का गोचर आपके स्वास्थ्य के लिए और प्रतिकूल हो रहा है। अतः आप खुद को बीमार होने से बचाएं। इस दौरान आप तनाव से भी ग्रसित हो सकती हैं। स्वस्थ रहने के लिए आप योग, ध्यान या सुबह—सुबह व्यायाम नियमित रूप से करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रथम माह विद्यार्थियों के लिए उत्तम रहेगा। करियर में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार परिश्रम करने की आवश्यकता है। व्यावसायिक

शिक्षा व तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

17 अप्रैल के बाद समय कुछ प्रभावित हो रहा है। इस समय आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना होगा। अपने मन को लक्ष्य के प्रति केन्द्रित कर तैयारी करते रहना चाहिए क्योंकि आपकी मेहनत ही आपको लक्ष्य तक पहुंचाएगी।

यात्रा—तबादला

तृतीयस्थ राहु के प्रभाव से आपके छोटी—मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी परन्तु 01 मई से नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। इस समय आपकी व्यवसाय से संबंधित यात्रा हो सकती है।

यात्रा करते समय या वाहन चलाते समय सावधानी बहुत जरूरी है, क्योंकि शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से वाहन दुर्घटना या यात्रा के अंतराल चोरी होने के प्रबल संकेत हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा परन्तु 1 मई से नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें। शनि मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- दुर्गा जी की उपासना करें या दुर्गा बीसा कवच गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2031

इस वर्ष वृष राशि के शनि अष्टम भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में वृश्चिक राशि के राहु द्वितीय भाव में रहेंगे और 9 अगस्त को तुला राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में वृश्चिक राशि के गुरु द्वितीय भाव में रहेंगे और 17 फरवरी को धनु राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 जून को वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे और फिर मार्गी होकर 15 अक्टूबर को धनु राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे। 4 जनवरी से 15 अगस्त तक मंगल वक्री होकर तुला राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे। 2 अगस्त से 15 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा नहीं रहेगा। राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण व्यावसायिक जीवन में व्यवधान आएगा। इस समय के अंतराल में किसी पर विश्वास करना या कोई नया कार्य प्रारम्भ करना आपके हित में नहीं रहेगा। गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय कुछ अच्छा होगा। नए रोजगार, पदोन्नति या किसी व्यवसाय में साझेदार के साथ एक सफल योजना बना सकती हैं।

9 अगस्त के बाद कार्यस्थल पर वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकती हैं। यदि आप साझेदारी में काम कर रही हैं तो आप अपने साझेदार से असंतुष्ट रहेंगी। गुप्त या प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। ऐसे में आपको बिना किसी पर विश्वास किये अपने आत्मविश्वास के साथ काम करते रहना चाहिए।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बढ़िया नहीं रहेगा। द्वितीय स्थान में ग्रह गोचर धन संचय में कमी करेगा। अचानक कुछ ऐसे खर्चे आ जाएंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। इस समय आपको बड़े निवेश या खरीदारी से बचना होगा।

अगस्त के बाद आपको लाभ होगा। व्यावसायियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए लुभावने अवसर मिलेंगे। 15 अक्टूबर के बाद रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। पुराने चले आ रहे कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिल जाएगी। यदि आप धन निवेश करना चाह रही हैं तो यह समय आपके लिए अनुकूल है।

घर—परिवार, समाज

द्वितीय स्थान में गुरु एवं राहु की युति के प्रभाव से आपका पारिवारिक वातावरण अनुकूल रहेगा। गुरु ग्रह का गोचर आपके भाइयों के लिए बहुत शुभ रहेगा। सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ-चढ कर भाग लेंगी। समाज उत्थान या सामाजिक कल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य भी संपन्न करेंगी।

9 अगस्त के बाद आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी जिससे आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस वर्ष आपके परिवार में मांगलिक कार्य भी अधिक होंगे।

संतान

वर्षारम्भ से 18 फरवरी तक का समय संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा। 9 अगस्त से आपके बच्चों की उन्नति होगी और उनके साथ संबंधों में मधुरता आएगी। आपके घरेलू वातावरण में भी सुधार होगा।

आपकी दूसरे संतान के लिए यह समय श्रेष्ठतम है। यदि आपका दूसरा बच्चा विवाह के योग्य है। तो उसका विवाह हो सकता है।

स्वास्थ्य

वर्ष का पूर्वार्द्ध स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं रहेगा। लग्नस्थ मंगल के प्रभाव से कुछ न कुछ परेशानी बनी रहेगी। मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान होती रहेंगी। यदि पहले से किसी लम्बी बीमारी से परेशान हैं तो परहेज की ज्यादा आवश्यकता है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय कुछ अच्छा होगा। आप मानसिक रूप से संतुष्ट व शारीरिक रूप से रोग मुक्त रहेंगी।

9 अगस्त से राहु का गोचर लग्न स्थान में होने के कारण अचानक आप फिर से बीमार हो सकती हैं। ऐसे में अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए नियमित व्यायाम या योगा करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। कुछ समय ऐसा भी आएगा जब आप खुद को थका हुआ महसूस करेंगी किन्तु कोई बड़ी स्वास्थ्य संबंधित समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः आप तनाव व चिंतामुक्त रहें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्षारम्भ में आपको गुप्त शत्रुओं का सामना करना पड़ सकता है। 18 फरवरी के बाद भाग्य का सहयोग पूर्ण रूप से मिलने के फलस्वरूप प्रतियोगियों को परास्त कर आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगी। विद्यार्थियों को नये-नये

तकनीकी विषय की ओर रुझान होगा। मैनेजमेंट, प्रशासनिक सेवा, शिक्षण से जुड़े लोगों को रिसर्च व ट्रेनिंग के सिलसिले में विदेश जाने का मौका मिल सकता है।

9 अगस्त के बाद लग्नस्थ राहु के प्रभाव से आप अचानक आलसी हो जाएंगी और यही आलस्य आपकी सफलता में रुकावट उत्पन्न करेगा। यदि आप नौकरी की तलाश में हैं तो 15 अक्टूबर के बाद नौकरी मिलेगी।

यात्रा—तबादला

वर्ष का प्रारम्भ यात्रा की दृष्टि से अनुकूल है। 18 फरवरी के बाद गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से छोटी—मोटी यात्राओं के साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी।

नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप धार्मिक तीर्थ यात्रा भी करेंगी। 14 जून के बाद विदेश यात्रा भी हो सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में घरेलू परेशानी के कारण धार्मिक कार्य कम ही करेंगी। राहु एवं गुरु ग्रह की युति आपके दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित कर सकती है। अष्टमस्थ शनि के कारण तन्त्र, मन्त्र, यन्त्र इत्यादि के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। गुप्त विद्या या तान्त्रिक क्रियाओं की सिद्धि के लिए आप साधना भी कर सकती हैं।

- मंगलवार के दिन हनुमान जी को लड्डू का भोग लगाकर गरीब लोगों को बांट दें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- दुर्गा जी की उपासना करें या राहु मन्त्र का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2032

वर्षारम्भ में शनि वृष राशि एवं अष्टम भाव में होंगे और 31 मई को मिथुन राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। तुला राशि के राहु लग्न स्थान में रहेंगे। वर्षारम्भ में धनु राशि के गुरु तृतीय भाव में रहेंगे और 5 मार्च को मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे और वक्री होकर 12 अगस्त को धनु राशि एवं तृतीय भाव में आजाएंगे और पुनः मार्गशीर्ष होकर 23 अक्टूबर को मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा नहीं रहेगा। अष्टमस्थ शनि के कारण व्यावसायिक जीवन में थोड़े बहुत झटके आएंगे। आपके कार्यों में गुप्त शत्रु या विरोधियों द्वारा रूकावटें डाली जा सकती हैं। बिना किसी पर विश्वास किये आपको अपना कार्य करती रहना चाहिए और इस अंतराल में जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय नहीं लेना चाहिए नहीं तो उसका परिणाम प्रतिकूल होगा।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं का अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। जो व्यक्ति नए रोजगार की तलाश में है उन्हें शनि के गोचर के बाद सफलता अवश्य मिलेगी। उस समय आप अपने सपनों को साकार करने के लिए अपने लक्ष्यों की ओर बेझिझक, पूर्ण विश्वास के साथ बढ़ेंगी।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा। वर्ष से प्रारम्भ में ही कुछ ऐसे खर्च आ जाएंगे जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। अष्टमस्थ शनि के कारण धोखा या धन हानि का योग बना हुआ है। अतः शीघ्र पैसा कमाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाना होगा। जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है।

पारिवारिक सदस्य की बीमारी दूर करने में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। किसी को उधार पैसा न दें नहीं तो वापसी की उम्मीद कम है और अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं। शनि ग्रह के गोचर के बाद समय अच्छा हो रहा है। फिर भी आर्थिक निर्णय लेने से पहले उस विषय में सोच विचार करना बहुत जरूरी है।

घर—परिवार, समाज

वर्ष के प्रारम्भ में पारिवारिक वातावरण में उतार—चढ़ाव की स्थिति बनी

रहेगी जिससे परिजनों के बीच सामंजस्य बिठाने में कठिनाई पैदा होगी। परिवार के कुछ लोगों का बर्ताव ठीक नहीं रहेगा। ससुराल पक्ष के लोगों के लिए यह समय अनुकूल नहीं है।

गुरु ग्रह का गोचर पारिवारिक वातावरण के लिए बहुत अच्छा रहेगा। परिवार में एक दूसरे के साथ भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। माता के लिए समय काफी शुभ है। 23 अक्टूबर से आपका समाजिक स्तर बढ़ेगा।

संतान

पंचम स्थान पर राहु एवंशनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी होगी जिससे उनकी शिक्षा-दीक्षा भी प्रभावित होगी। मई के बाद समय अच्छा हो रहा है।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आपकी दूसरे संतान के लिए समय अच्छा हो रहा है। आपके दूसरे बच्चों के साथ प्रेम समन्वय में वृद्धि होगी। यदि आप दूसरी संतान की इच्छा रखती हैं तो यह समय श्रेष्ठ है। यदि आप अपने बच्चों के मनोबल को बढ़ाते रहें तो वे अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगी।

स्वास्थ्य

पूरे वर्ष लग्न स्थान के राहु आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेंगी। व्यापारिक व्यस्तता के कारण आप समय पर अपना खान-पान नहीं कर पाएंगी जिसके परिणामस्वरूप आपके स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है। बेहतर होगा कि आप अपने दैनिक जीवन में भोजन का अनुशासन बनाये रखें व लापरवाही ना करें। किसी भी मुद्दे को लेकर आवश्यकता से ज्यादा चिंता न करें।

सुबह जल्दी उठ कर व्यायाम करना लाभप्रद रहेगा। मई के बाद समय काफी अच्छा हो रहा है। उसके बाद आपकी स्वास्थ्य संबंधित परेशानी दूर होना शुरू हो जाएगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। 5 मई के बाद माध्यमिक शिक्षा ग्रहण कर रहे शिक्षार्थियों के लिये समय बहुत शुभ है।

विदेशी भाषा सीखने के लिए 12 अगस्त के बाद समय काफी शुभ है यदि आप अपने शत्रुओं को परास्त करना चाहती हैं, तो नीतियों में बदलाव करना पड़ेगा।

यात्रा—तबादला

नवमस्थ गुरु के प्रभाव से छोटी—मोटी यात्राओं के साथ आप लम्बी—लम्बी यात्राएं भी करेंगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा करने का अवसर प्राप्त होगा। 5 मार्च के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके अनुकूल स्थान पर भी हो सकती है।

अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्ति अपनी जन्मभूमि की यात्रा करेंगी या अपने परिवार के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा करेंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

इस वर्ष आप तीर्थयात्रा और धार्मिक कार्य अधिक करेंगी। कोई भी शुभ कार्य योजनाबद्ध तरीके से ही संपन्न करें अन्यथा पूजादि कार्यो में व्यवधान आने की आशा है। आप अपने कार्य व्यवसाय पर अधिक ध्यान देंगी और कर्म ही पूजा है इस वाक्य को फलीभूत करेंगी।

- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें एवं प्राणायाम करें।
- बुधवार के दिन चींटियों को दाना डालें एवं भूखे व्यक्तियों को खाना खिलाएं।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें एवं शनि ग्रह का दान करें।

वार्षिक फलादेश - 2033

इस वर्ष शनि मिथुन राशि एवं नवम भाव में रहेंगे। 30 जनवरी तक राहु तुला राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे उसके बाद कन्या राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। 18 मार्च तक गुरु मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे उसके बाद कुम्भ राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। 24 मार्च से 8 अक्टूबर तक मंगल वक्री होकर धनु राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य—व्यवसाय के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। व्यापार में बदलाव या फिर नौकरी में पदोन्नति की भी संभावना बन रही है। 18 मार्च से अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा जिससे आपके कार्यों में लाभ की मात्रा और बढ़ जाएगी। किसी बड़ी कंपनी के साथ मिलना या उसके साथ कार्य करने का अवसर भी प्राप्त होगा। कार्यस्थल में प्रशंसा और पहचान मिलेगी। यह आपकी आशावादी विचारधारा के कारण ही होगा। राहु ग्रह का गोचर अच्छा नहीं होने कारण अचानक आपके कार्यों में कुछ परेशानियां आ सकती हैं लेकिन आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा उसका भी निदान निकाल लेंगी।

नवमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप के अन्दर गजब का आत्मविश्वास उत्पन्न होगा जिससे आप अपने क्लाइंट्स को प्रभावित करने में सफल होंगी। यदि आप नौकरी में हैं तो बड़े अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपको पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्य स्थल पर आपका मान—संमान भी बढ़ेगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। द्वादश स्थान का राहु आर्थिक स्थिति में उतार—चढ़ाव करती रहेंगी। लगभग सभी वित्तीय मामलों में आपको निराशा ही हाथ लगेगी और हानि का सामना करना पड़ेगा। अतः जोखिम भरे कार्यों में निवेश न करें। शीघ्र पैसा बनाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाएं। 18 मार्च के बाद आय भाव पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। साथ ही फंसे हुए धन या रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्यों में धन व्यय होगा।

शिक्षा, शेयर व बैंक से संबंधित कार्य करने वाली महिलाओं को अच्छा लाभ प्राप्त होगा। आपके सामने कई लाभकारी सौदे आएंगे। इसका भरपूर लाभ उठाने के लिए आप सतर्क रहें।

घर—परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ पारिवारिक वातावरण के लिए उत्तम रहेगा। चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से परिवार में सुख, शान्ति का वातावरण बनेगा। इन सबके पीछे आपका ही महत्वपूर्ण योगदान होगा। क्योंकि आप भी बहुत से ऐसे कामों को अंजाम देने वाली हैं जो पारिवारिक जीवन के लिए हितकर होंगे। आपके माता—पिता के लिए समय काफी शुभ है।

मार्च के बाद चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में किंचित परेशानि आ सकती है। परन्तु आप नकारात्मक परिस्थितियों को भी सकारात्मक रूप में परिवर्तित कर देंगी। पंचमस्थ राहु के प्रभाव से आपके प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। बच्चों के साथ भवनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। अपने परिजनों के साथ आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करेंगी या घर परिवार में शुभ कृत्यों का आयोजन होगा।

संतान

यह वर्ष संतान के लिए उत्तम रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। 18 मार्च से पंचम स्थान में गुरु ग्रह का गोचर संतान के लिए श्रेष्ठ है। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रुचि बढ़ेगी। यदि वे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, तो सबसे अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो जाएगा। नवविवाहित महिलाओं को संतान रत्न की प्राप्ति होगी।

आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय अच्छा है। यदि वे किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो अपने लक्ष्य में अवश्य सफल रहेंगे। उनके सारे विरोधी शान्त होंगे। इस वर्ष वे अच्छा उन्नति करेंगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष मिला—जुला रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में व्यावसायिक व्यस्तता के कारण आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देंगे। मौसमजनित बीमारियों से परेशान हो सकती हैं। द्वादश स्थान का राहु अचानक आपको बीमार कर सकता है। परन्तु 18 मार्च से लग्न स्थान पर शुभ ग्रह की दृष्टि आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का विकास करेगी। आप अपने दैनिक कार्यों में स्फूर्तिवान बने रहेंगी।

आप अपने प्रियजनों और परिजनों के साथ अधिक से अधिक समय बिताएंगी। शारीरिक आरोग्यता प्राप्ति के लिए आप घर में कोई विशेष धार्मिक आयोजन करेंगी। जो आपकी मनोकामनाओं को पूरा करने में सहयोग करेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

इस वर्ष विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धी प्राप्त होगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए 18 मार्च के बाद का समय बहुत अच्छा है। प्रतियोगी परीक्षार्थी परीक्षा में सफल होंगी। जो व्यक्ति अपना व्यापार प्रारम्भ करना चाहते हैं। उनके लिए यह समय अनुकूल है।

आपके लिए रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे। जिससे आप व्यापार में सफलता और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी। नवमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपका भाग्य साथ देगा।

यात्रा—तबादला

द्वादश स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से वर्षारम्भ में आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। तृतीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि छोटी—मोटी यात्राएं कराती रहेगी। 18 मार्च के बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि आपकी लम्बी यात्राएं भी कराएगी।

आप अपने परिवार सहित किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा करेंगी। यह यात्रा अधिक सुखद व मनोरंजनात्मक होगी। इस यात्रा के अंतराल में आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

इस वर्ष आप धार्मिक कार्य अधिक करेंगी। चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से आपके घर में धार्मिक व मांगलिक कार्यक्रम अधिक होंगे। 18 मार्च से पूजा—पाठ, यज्ञ—अनुष्ठान व मन्त्र जाप के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

- आप गुरु मन्त्र लेकर उसकी साधना भी कर सकती हैं। ईश्वर के प्रति आपकी निष्ठा एवं विश्वास बढ़ेगा।
- प्रत्येक दिन सूर्य को (तांबे के लोटे में लाल अक्षत, लाल फूल एवं रोली डालकर) जल दें।
- प्रत्येक दिन दुर्गा कवच का पाठ करें।
- बुधवार के दिन गणेशजी को दुर्वा चढ़ाएं व गणेश अथर्वशीष का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2034

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि मिथुन राशि एवं नशम भाव में रहेंगे और 13 जुलाई को कर्क राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। 12 अगस्त से पहले राहु कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे और उसके बाद सिंह राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कुम्भ राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे और 28 मार्च को मीन राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

वर्ष के प्रारम्भ में आपको ज्यादा से ज्यादा मुनाफा होगा। यह समय आपकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला है। लॉटरी, सट्टा इत्यादि कार्यों में अपना भाग्य आजमा सकती हैं। आप को अच्छी सफलता मिल सकती है। नवम स्थान का शनि अपेक्षाकृत ज्यादा मुनाफा देने वाला है, लेकिन आपकी सभी मनोकामनाएं जुलाई के बाद ही पूरी होंगी। हालाँकि जो लोग कारोबार या रीयल एस्टेट से जुड़ी हैं, उनको थोड़ा मायूस होना पड़ सकता है। वैसे चिंता करने की बात नहीं है। क्योंकि 12 अगस्त के बाद राहु ग्रह का गोचर व्यावसायिक जीवन में अच्छी उन्नति ले कर आ रहा है।

बड़ी-बड़ी योजनाएं और अवसर आपके द्वार पर दस्तक देंगे। बस आपको पूर्ण विश्वास के साथ आगे की ओर कदम बढ़ाना है। नौकरी करने वाली महिलाओं का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण होगा। सवाल यह नहीं उठता है कि आप किस प्रकार की नौकरी कर रही हैं, हर हाल में आपको सराहना, सहयोग और ऐसी खुशी मिलेगी जिसकी तलाश आप एक लम्बे समय से कर रही थीं। वर्तमान नौकरी के अलावा अन्य स्रोतों से भी आपको लाभ मिलेगा।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ आपके लिए उत्तम रहेगा। संचित धन में वृद्धि होगी। धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। नवीन संपत्ति खरीदने की दिशा में प्रयासरत रहेंगी। इस संबंध में आपको सफलता भी मिलेगी। 28 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल में आपको क्रय विक्रय के मामले में सावधान रहना चाहिए। किसी को उधार पैसा न दें नहीं तो वापसी की उम्मीद कम है। अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं नहीं तो द्वादश स्थान के राहु आपका अनावश्यक खर्च बढ़ा सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आय के स्रोतों में बढ़ोत्तरी होगी। रुके हुए या फंसे

हुए पैसे मिलेंगे। कार्य व्यवसाय में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा, जिससे पुराने चले आ रहे कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। एकादशस्थ राहु के कारण अचानक धन लाभ होगा और आय के सारे बन्द मार्ग खुलेंगे।

घर—परिवार, समाज

इस वर्ष आपकी पारिवारिक स्थिति बेहतर रहने वाली है। सभी लोगों के साथ स्नेह और आपसी सौहार्द के साथ पेश आएंगे। परिवार के लोगों के सुझावों पर अमल करना आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है, लेकिन इसके विरुद्ध जाना घातक हो सकता है। जुलाई के बाद चतुर्थ स्थान पर शनि की दृष्टि परिवार में कुछ परेशानियों को जन्म दे सकती है, लेकिन कुछ ज्यादा हानि होने की संभावना नहीं है।

माँ के साथ कुछ नाराजगी हो सकती है तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी भी कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं, अतः उनका समुचित ख्याल रखें और व्यवहार में संयम बरतें। पिता के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे। साल का उत्तरार्द्ध आपके लिए बेहतर साबित होगा और कारोबार में मुनाफा होगा। अपने जीवनसाथी के साथ मां—बाप की सेवा कर पुण्यार्जन करेंगी।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ काफी शुभ रहेगा। यदि संतान की इच्छा रखती हैं तो गर्भाधान के लिए उत्तम समय चल रहा है। यदि आपके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो जाएगा।

जुलाई के बाद पंचम स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि आपके बच्चों का स्वास्थ्य प्रतिकूल कर सकती है जिसके कारण उनकी शिक्षा—दिक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। अतः उस समय अपने बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देंगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। शारीरिक अनुकूलता बनाये रखने के लिए आप संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम करती रहेंगी। लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगी। आपके अंदर अच्छे विचार आएंगे और आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगी। परन्तु 28 मार्च के बाद आप छोटी—मोटी बीमारियों के कारण परेशान हो सकती हैं। राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण मानसिक अशान्ति व आलस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है। खान पान एवं दिनचर्या की अनुशासित

बनायें।

वर्ष का उत्तरार्द्ध स्वास्थ्य के लिए अनुकूल रहेगा। खुद को मानसिक तौर पर खुश रखने की कोशिश करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और नियमित रूप से टहलना आपकी अच्छी सेहत का राज हो सकता है। हरी पत्तेदार सब्जियों को अपने आहार में शामिल करें। उपरोक्त सामान्य बातों का पालन कर आप निश्चित तौर पर स्वास्थ्य के धनी हो सकती हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत उत्तम रहेगा। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को अपने लक्ष्य में सफलता मिलने का योग बन रहा है। व्यवसायी इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगी तो अच्छा लाभ मिलेगा। आप विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं तो यह समय आपके लिए काफी शुभ है।

जो महिलाएं नौकरी की तलाश में हैं उनको वर्ष के उत्तरार्द्ध में नौकरी मिल जाएगी। आपके लिए यह बहुत ही अच्छा समय चल रहा है। आप जिस क्षेत्र में काम कर रही हैं उसमें आपको सम्मान मिलेगा।

यात्रा-तबादला

नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि आपकी लम्बी यात्रा के योग बन रही है। 28 मार्च के बाद आप विदेश यात्रा भी करेंगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। यात्रा के अंतराल में किसी से मित्रता भी हो सकती है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध सामान्य रहेगा। छोटी यात्रा तो होती रहेंगी। विशेष किसी प्रकार की यात्रा का योग नहीं बन रहा है। नौकरी करने वाली महिलाओं का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। आप अधिक से अधिक धार्मिक कार्य करेंगी। जैसे मन्दिर निर्माण, भण्डारा, गरीबों की सहायता इत्यादि। तीर्थ स्थलों की यात्रा कर खूब पुण्यार्जन करेंगी। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप दान पुण्य अधिक करेंगी।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त

करें।

- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें।
- दुर्गा कवच का पाठ करें या दुर्गा बीसा यन्त्र अपने घर में स्थापित कर उसका पूजन करें।

वार्षिक फलादेश - 2035

इस वर्ष कर्क राशि का शनि दशम भाव में और सिंह राशि का राहु एकादश भाव में रहेंगे। 5 अप्रैल तक गुरु मीन राशि एवं छठे भाव में रहेंगे और उसके बाद मेष राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। 21 जुलाई से 9 सितम्बर तक वक्री मंगल मीन राशि एवं छठे भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

प्रारम्भ के तीन माह छोड़ दिए जाएं तो यह साल आपके लिए श्रेष्ठ रहने वाला है। आप अपने परिश्रम की बदौलत व्यावसायिक जीवन में उन्नति करेंगी। दशमस्थ शनि आपके अंदर काम करने का जुनून उत्पन्न करेगा। यही आपके व्यावसायिक उन्नति का कारण बनेगा। नौकरी करने वाली महिलाओं का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी हो सकता है। आपको अधीनस्थ कर्मचारियों का अच्छा सहयोग मिलेगा और बड़े अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे।

व्यापारियों को उम्मीद से ज्यादा मुनाफा होने वाला है। विभिन्न स्रोतों से धन का आगमन होगा। लक्ष्मी आपके द्वार पर दस्तक देगी। यदि आप ब्याज पर भी पैसे देते हैं तो भी अच्छे लाभ होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त जो लोग शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हैं या इससे संबंधित क्षेत्र में उनका पैसा लगा है उनको भी बेहतर मुनाफा होगा। साझेदारी में कार्य करने वाली महिलाओं को अच्छा लाभ मिलेगा।

धन संपत्ति

वर्षारम्भ आर्थिक उन्नति के लिए सामान्य रहेगा। परन्तु 6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर बहुत ही शुभ हो रहा है। उसके बाद आपकी आर्थिक स्थिति बेहद ही शानदार रहने वाली है। इस सफर में आपको बहुत ही कम चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जिन्दगी के इस सुनहरे पल का भरपूर आनंद लें।

एकादश स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि धनागम में वृद्धि करगी। यह समय आपके लिए उपलब्धियों से भरा रहेगा। नई संपत्ति में निवेश करेंगी। पुराने कर्ज से मुक्त होंगे। तरक्की के द्वार खुलेंगे। व्यावसायिक उन्नति के लिए भी आप धन निवेश करेंगी। घरेलू सुख सुविधा पर भी आप अधिक खर्च करेंगी।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का पूवार्द्ध मिला-जुला रहेगा। चतुर्थ

स्थान पर शनि की दृष्टि पारिवारिक माहौल में विषमता की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। अतः आपको पारिवारिक मामलों में बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। हालांकि द्वितीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि को दर्शाता है। 6 अप्रैल के बाद मित्र व जीवनसाथी के साथ संबंध बहुत ही मधुर होंगे। पति जीवनसाथी के बीच भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी।

आपके भाई-बहनों के लिए यह समय बहुत ही शुभ है। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य होते रहेंगे, जिससे परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए उत्तम नहीं रहेगा। छठे स्थान का गुरु आपकी संतान के लिए अच्छा नहीं है। शारीरिक कष्ट एवं मानसिक परेशानी बनी रहेगी, जिससे उनकी शिक्षा-दीक्षा में भी रुकावटें आ सकती हैं।

6 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर अच्छा हो रहा है। उसके बाद आपके बच्चों की उन्नति होगी। बच्चों के स्वास्थ्य संबंधित किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें क्योंकि पूरे वर्ष पंचम स्थान पर राहु की दृष्टि बनी रहेगी। आपके दूसरे बच्चे के लिए समय काफी शुभ है। उसका चौमुखी विकास होगा।

स्वास्थ्य

साल का प्रारम्भ स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा नहीं रहेगा। वर्षारम्भ से ही कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी बनी रहेगी। यदि पहले से आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो यह समय ज्यादा प्रभावित रहने वाला है। शारीरिक कष्ट के साथ मानसिक चिंता भी बनी रहेगी।

6 अप्रैल से लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि शारीरिक व्याधियों को दूर कर आरोग्यता प्रदान करेगा। आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का विकास होगा जिससे आप अपने को पूर्ण रूप से स्वस्थ महसूस करेंगी। अपने खान-पान पर संयम रखें। सूर्योदय से पहले उठकर टहलना और व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारम्भ करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा के लिए सामान्य रहेगा। परन्तु 6 अप्रैल के बाद समय काफी अच्छा हो रहा है। उस समय प्रतियोगी परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफल रहेंगे। अप्रैल के बाद अध्ययन कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

Kumari Vijeta

जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको मनोनुकूल नौकरी मिल सकती है। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह समय श्रेष्ठ है। इस समय के अंतराल में आप किसी के साथ मित्रता में कार्य कर सकती हैं।

यात्रा—तबादला

द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। इस समय के अंतराल में आपकी छोटी मोटी यात्राएं होती रहेंगी।

6 अप्रैल के बाद जीवनसाथी के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा का आनन्द प्राप्त करेंगी। सप्तमस्थ गुरु पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी व्यवसायिक यात्राएं भी होती रहेंगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में पूजा पाठ में आपका मन कम ही लगेगा। अधिक आलस्यता के कारण आपका दैनिक पूजा—पाठ भी प्रभावित हो सकता है। 6 अप्रैल के बाद धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। ईश्वर भक्ति के कार्यों में आप अधिक समय देंगी। भगवान के प्रति आपका आकर्षण और बढ़ेगा। बेसन की लड्डू वीरवार के दिन विष्णुजी के मन्दिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मन्त्र का पाठ करें।

- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को जल देना आपके लिए अत्यधिक लाभप्रद रहेगा।
- गणेशजी के निम्न मन्त्र का पाठ करें—
ॐ गं गणपतये नमः

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

137

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2036

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि कर्क राशि एवं दशम भाव में रहेंगे और 27 अगस्त को सिंह राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। 13 अप्रैल तक राहु सिंह राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे और उसके बाद कर्क राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में मेषस्थ गुरु सप्तम भाव में रहेंगे और 15 अप्रैल को वृष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 9 सितम्बर को मिथुन राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 17 नवम्बर को वृष राशि एवं अष्टम भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। आमदनी के नये-नये स्रोत मिलने की उम्मीद है। इस अवधि में कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगी, तो उसमें सफलता मिलने की उम्मीद अधिक है। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा जिससे आपके कार्यों में लाभ की उम्मीद और बढ़ जाएगी। यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रही हैं तो आपको इच्छित लाभ प्राप्त होगा और आप अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगी। 15 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। अतः उस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें।

9 सितम्बर के बाद समय बहुत ही अनुकूल हो रहा है। अतः उस समय व्यवसाय से संबंधित यात्राएं भी होंगी, जो आपके लिए अनुकूल सिद्ध होंगी। किसी बड़ी कम्पनी के साथ भी कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा और उनके साथ कार्य कर आप अपने व्यवसाय में उन्नति करेंगी। पिता का सहयोग व भाग्य में रुकावटों का उन्मूलन होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। सप्तम स्थान के गुरु आपके धनागम में निरन्तरता बनाए रखेंगे, जिससे आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगी। आप निष्ठा के साथ धनार्जन में लगे रहेंगे। एकादशस्थ राहु के कारण विभिन्न स्रोतों से धन का आगमन होगा। पुराने चले आ रहे कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिलेगी। 15 अप्रैल के बाद चतुर्थ स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपको भूमि-भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त होगा।

अपने परिवार के सदस्यों तथा रिश्तेदारों के मांगलिक कार्यों में आपका धन खर्च होगा। यदि कोई बड़ा निवेश करना चाहती हैं, तो उसके लिए भी समय

अनुकूल है। अष्टमस्थ गुरु के कारण कुछ अनावश्यक खर्चे भी आ सकते हैं। परन्तु 9 सितम्बर के बाद समय फिर से अच्छा हो रहा है। उस समय आपकी आर्थिक उन्नति में वृद्धि होगी।

घर—परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ सामान्यतः अच्छा रहेगा। आपको भाईयों का सहयोग मिलेगा। सप्तमस्थ गुरु के प्रभाव से आपके जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। परन्तु माता—पिता के लिए यह समय अच्छा नहीं है। उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

गुरु ग्रह का गोचर आपके ससुराल वालों के साथ संबंध खराब कर सकता है, जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रह सकती हैं। छोटी—छोटी बातों पर झगड़ा या विवाद करना आपके लिए लाभप्रद नहीं रहेगा। अगस्त के बाद एकादशस्थ शनि के प्रभाव से सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़—चढ़ के भाग लेंगी।

संतान

वर्षारम्भ संतान के लिए उत्तम रहेगा। उनके विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बनेंगे। उनके पराक्रम में वृद्धि होगी परन्तु उसके बावजूद भी आपकी चिंताएं बनी रहेंगी। आपका दूसरा बच्चा विवाह के योग्य है तो उसका विवाह हो जाएगा। यदि दूसरी संतान की इच्छा रखते हैं तो यह समय बहुत ही शुभ है।

15 अप्रैल के बाद आपके बच्चों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अष्टम स्थान के गुरु आपकी संतान को मानसिक अशान्ति दे सकती हैं, जिससे उसकी पढ़ाई—लिखाई प्रभावित हो सकती है। अतः वर्ष के उत्तरार्द्ध में अपने बच्चों पर ज्यादा ध्यान दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अत्यधिक अनुकूल रहेगा। लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके मन में अच्छे विचार आएंगे, जिससे प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगी। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आप का खान—पान एवं दिनचर्या भी अच्छी रहेगी। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह का प्रभाव होने से आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगी, जिससे आप का स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। यदि मौसमजनित कोई बीमारी होती है तो आप शीघ्र ही अच्छे

हो जाएंगे।

अप्रैल के बाद अष्टमस्थ गुरु के कारण आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति कम होगी। जिससे आप अपने को कमजोर व बीमार महसूस कर सकते हैं। मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपका रुची बढ़ेगी, इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। नहीं तो पेट संबंधित तकलीफें बढ़ सकती हैं। आप अचानक बीमार हो सकती हैं। तुला दान व अन्न दान करना आपके स्वास्थ्य के लिए लाभदायक रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा के लिए यह वर्ष अत्यधिक अनुकूल रहेगा। एकादश स्थान में राहु के प्रभाव से आप प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगी। यदि आप विदेश जा कर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं तो उसके लिए समय बहुत अनुकूल है।

जो व्यक्ति इलेक्ट्रॉनिक या हार्डवेयर से संबंधित कार्य कर रही हैं। उनको अपने करियर में अच्छी सफलता मिलेगी। जो व्यक्ति नौकरी के तलाश में हैं उसको नौकरी मिल जाएगी। इस वर्ष आप अपने सारे शत्रुओं को पीछे छोड़ कर आगे निकलेंगी।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से छोटी मोटी यात्राएं होंगी। सप्तमस्थ गुरु के प्रभाव से व्यवसाय से सम्बन्धित यात्राएं भी होंगी। नौकरी करने वालों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

15 अप्रैल के बाद द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आप विदेश यात्रा करेंगी। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में पूजा पाठ के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर हवनादि कार्य संपन्न करेंगी। तीर्थ यात्रा कर पुण्यार्जन भी करेंगी। 15 अप्रैल के बाद द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आप दान पुण्य

Kumari Vijeta

भण्डारा इत्यादि अच्छे कर्मों पर अधिक पैसा खर्च करेंगी, जिससे आपको आत्मिक सुख का अनुभव होगा। अनाथालय या गरीब बच्चे की पढ़ाई—लिखाई पर भी आपका पैसा खर्च होगा।

- सूर्योदय से पहले उठकर सूर्य नमस्कार करें व सूर्य को जल चढ़ाएं।
- गुरुवार के दिन केला या बेसन के लड्डू गरीबों में बाटें और वीरवार का व्रत करें।
- अपने घर में पारद शिवलिंग स्थापित करें एवं उसका नित्य पूजन करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

141

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2037

इस वर्ष शनि सिंह राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे। 19 अक्टूबर तक राहु कर्क राशि एवं दशम भाव में रहेंगे और उसके बाद मिथुन राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु वृष राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे। 26 अप्रैल को मिथुन एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 16 सितम्बर को कर्क राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। 29 अगस्त से 28 नवम्बर तक वक्री मंगल वृष राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। एकादशस्थ शनि के कारण व्यापार में अच्छी सफलता मिलेगी। नौकरी करने वालों की अचानक पदोन्नति हो सकती है। 26 अप्रैल तक गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। गलत-सही का चुनाव करने के बाद ही निर्णय लें। अन्यथा आपको हानि हो सकती है।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय बहुत ही श्रेष्ठ रहेगा। आमदनी के नये-नये स्रोत मिलने की उम्मीद है। इस अवधि में कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगी, तो उसमें सफलता मिलने की उम्मीद ज्यादा है। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा जिससे आपके कार्यों में लाभ की उम्मीद और बढ़ जाएगी।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ जितना लाभकारी होगा उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होगा। साल की शुरुआत में निवेश से सम्बंधित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें नहीं तो आर्थिक हानि हो सकती है। निवेश व आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहें व जल्दबाजी न करें। जितना ज्यादा हो सके धन की बचत करने की कोशिश करें और फिजूल के खर्चों पर नियंत्रण रखें।

चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि के कारण कोई करीबी ही आपको दगा दे सकता है। ऐसे लोगों से बचने के लिए किसी भी प्रकार के वित्तीय लेनदेन में पूरी सावधानी बरतें। गुरु ग्रह का गोचर आपके लिए काफी शुभ है। फंसे हुए व रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। 16 सितम्बर से द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अचल संपत्ति के साथ साथ वाहन का भी सुख प्राप्त होगा। मांगलिक कार्य या सामाजिक कार्यों में आप का धन खर्च हो सकता है। आप अपने

बच्चे की उच्च शिक्षा पर भी धन व्यय करेंगी।

घर—परिवार, समाज

परिवार के सदस्यों के साथ बेहतर संबंध बनाकर चलना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। नहीं तो चतुर्थ स्थान पर राहु की दृष्टि विषमता की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। अतः आपको खुद पर नियंत्रण रखना होगा। माता के साथ आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे, उनके साथ झगड़ा होने की संभावना है। अतः थोड़ा सावधान रहें। पिता के साथ कुछ अनबन हो सकती है। परन्तु 26 अप्रैल को गुरु ग्रह का गोचर सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए बहुत ही शुभ है। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़ चढ़ के भाग लेंगी, जिससे समाज में मान—सम्मान के साथ साथ आपकी ख्याति भी बढ़ेगी। आपको भाई बहनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

सितम्बर के बाद पारिवारिक रूप से समय बहुत ही शुभ हो रहा है। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बनेगा। पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा और घरेलू वातावरण भी अच्छा रहेगा। माता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। परन्तु आपके बच्चों के स्वास्थ्य के लिए यह समय अच्छा नहीं है।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए अच्छा नहीं है। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। वे अपने बौद्धिक बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगी। अष्टमस्थ गुरु संतान को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी दे सकते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

अप्रैल के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। नवविवाहित महिलाओं को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उन्नति करेंगी। दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

इस वर्ष आपके स्वास्थ्य में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। अष्टमस्थ गुरु के कारण मौसमजनित बीमारियों से परेशान हो सकती हैं। यदि पहले से कोई लम्बी बीमारी है तो परहेज की ज्यादा आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में आपको खान पान के साथ अपनी दिनचर्या भी सुधारनी चाहिए। लग्न स्थान पर शनि की दृष्टि आपको आलसी बना सकती है। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर या किसी विरोधी के कारण दिमागी तनाव न पालें। चिड़—चिड़े न बनें अन्यथा इस सबका आपकी सेहत पर विशेष प्रभाव पड़ेगा।

26 अप्रैल के बाद स्वतः आपके स्वास्थ्य में सुधार होना शुरू हो जाएगा। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह के प्रभाव से मन में अच्छे विचार आएंगे। आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति का संचार होगा, जिससे आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। फिर भी सुबह सुबह व्यायाम करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष ठीक-ठाक रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में द्वादश स्थान पर गुरु की दृष्टि विदेश यात्रा का योग बना रही है। 26 अप्रैल के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। नवमस्थ गुरु के कारण लम्बी यात्राओं के साथ साथ धार्मिक यात्राएं भी हो सकती हैं।

यात्रा के अंतराल में किसी के साथ आपकी मित्रता हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए लाभप्रद रहेगी। सितम्बर के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानांतरण आपके मनोनुकूल स्थान पर भी हो सकता है। अपने घर से दूर रहने वाली महिलाओं की जन्म भूमि की यात्रा होगी।

यात्रा-तबादला

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल नहीं रहेगा। विद्यार्थियों के लिए बाधाएं आती रहेंगी। परन्तु अप्रैल माह के बाद शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति करेंगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल सकता है।

विद्याध्ययन में एकाग्रता बढ़ाने के लिए गुरुवार के दिन उपवास करें। व्यापार व नौकरी में अचानक उन्नति के योग बने हुए हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। अष्टम स्थान का गुरु धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। अतः पूजा, पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान में आपका मन कम ही लगेगा। लग्न स्थान पर शनि की दृष्टि के कारण मानसिक द्वन्द्वता बनी रहेगी, जिससे पूजा पाठ में मन एकाग्र नहीं हो पायेगा। गुरु ग्रह का गोचर धार्मिक कार्यों के लिए बहुत ही शुभ है। आपका मन धार्मिक कार्यों की ओर आकृष्ट होगा। अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगी। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगी और गरीबों की सहायता कर उनके दुःख दूर करेंगी। विशेष रूप से आप भगवान शिव जी की उपासना करेंगी।

Kumari Vijeta

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा सुश्रूषा करें।
- केला या पीली वस्तु का दान करें। वीरवार का व्रत करें एवं बेसन के लड्डू दान करें।
- तुला दान करें व महामृत्युंजय मन्त्र का नित्य पाठ करें।
- श्वेतार्क गणपति अपने पूजा घर में स्थापित करें और उसके सामने देशी घी का दीपक जलाएं।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

145

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2038

इस वर्ष राहु मिथुन राशि एवं नवम भाव में रहेंगे। 22 अक्टूबर तक शनि सिंह राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे और उसके बाद कन्या राशि एवं द्वादश भाव में गोचर करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कर्क राशि दशम भाव में रहेंगे और वक्री होकर 17 जनवरी को मिथुन राशि एवं नवम भाव में गोचर करेंगे और पुनः मार्गी होकर 11 मई को कर्क राशि एवं दशम भाव में आजाएंगे और अतिचारी होकर 7 अक्टूबर को सिंह राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

एकादश स्थान का शनि कार्य व्यवसाय के लिए श्रेष्ठ है। आपको व्यापार में लाभ एवं उन्नति प्राप्त होगी। मई के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके लिए लाभप्रद रहेगा। उन्नति के मार्ग इस वर्ष प्रशस्त रहेंगे तथा अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का आपको सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका चतुर्मुखी विकास होगा।

यदि आप भूमि से संबंधित कार्य कर रही हैं तो सफलता अवश्य मिलेगी। कुछ सम्मानित व बड़े लोगों का सहयोग मिलेगा। यदि कोई नया कार्य प्रारम्भ करना चाहती हैं तो यह समय बहुत ही शुभ है। परन्तु अक्टूबर के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है। राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कुछ प्रतिद्वंदी आपके कार्यों में रुकावट डाल सकते हैं, जिससे आप परेशान हो सकती हैं। अतः इस समय के अंतराल में आप बड़े विवेक से काम लें। व्यापार में किसी पर आंख बन्द कर विश्वास न करें नहीं तो हानि हो सकती है।

धन संपत्ति

एकादशस्थ शनि के प्रभाव से धनागम में वृद्धि होगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में वृद्धि होगी। मई के बाद द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन के साथ रत्न आभूषण इत्यादि की प्राप्ति होगी। अपने परिवार के सदस्यों तथा रिश्तेदारों के मांगलिक कार्यों में धन का व्यय करेंगी। यदि कोई बड़ा निवेश करना पड़े तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी महिलाओं की सलाह अवश्य लें।

अक्टूबर के बाद शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण बीमारी इत्यादि में धन व्यय होगा। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है। अतः अपने खर्चों पर अंकुश लगाएं तथा किसी को उधार न दें। यदि पैतृक संपत्ति पर कोई वाद-विवाद चल रहा हो तो फैसला आपके के हक में नहीं होगा।

घर—परिवार, समाज

इस साल पारिवारिक माहौल अनुकूल रहेगा। घर परिवार में सुख शान्ति का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक अनुकूलता का आप विशेष ध्यान रखेंगी तथा अन्य लोगों को भी इसमें सम्मिलित करेंगी। रिश्तेदारों के साथ भी आपके संबंध मधुर रहेंगे। मई के बाद आपके माता—पिता के लिए समय बहुत ही शुभ हो रहा है तथा उनका स्वभाव बहुत ही सरल होगा। कर्तव्यपरायणता का भाव भी उनमें विद्यमान होगा तथा अपनी व्यवहार कुशलता से वे परिवार की सुख शान्ति एवं समृद्धि में वृद्धि करेंगी। आपके प्रति उनके मन में विशेष स्नेह का भाव होगा।

एकादशस्थ शनि के प्रभाव से आपको मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा अपनी बुद्धिमत्ता एवं विद्वता से आप किसी सामाजिक पद को भी अर्जित करने में समर्थ होंगी। समाज में आप आदरणीय एवं प्रभावशाली महिला होंगी। सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगी। आप अपने जीवन में अर्जित उपलब्धियों से सन्तुष्ट रहेंगी।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्यतः अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि आपके बच्चों के लिए शुभ है। उन्नति के सारे मार्ग खुलेंगे और आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा। प्रथम संतान के बारे में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। परन्तु राहु की युति संतान संबंधित कुछ परेशानी भी उत्पन्न कर सकती है। लेकिन उसका हल आप निकाल लेंगी।

मई के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है। अतः आपके बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है, जिससे उनकी शिक्षा—दीक्षा व उन्नति में व्यवधान आने की संभावना बन रही है। लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। अक्टूबर के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है। यह समय संतान की भाग्योन्नति के लिए बहुत ही शुभ है।

स्वास्थ्य

यह साल स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा। लग्न स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपकी शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। आपकी सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। आपके अंदर नवीन विचारों का सृजन होगा। मई के बाद समय और भी उत्तम हो रहा है। उस समय अच्छे स्वास्थ्य के साथ आपका खान—पान एवं दिनचर्या भी सुधरेगी।

अक्टूबर के बाद शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण रक्तचाप, वायु विकार व पित्त विकार आदि रोगों की संभावना हो सकती है। अत्यधिक आलस्यता के कारण आप स्वस्थ रहते हुए भी बीमारी जैसा अनुभव करेंगी। यदि आपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो किसी बड़ी बीमारी के चपेट में आ सकती हैं। ऐसी स्थिति में आपको अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए अच्छी रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी उन्नति करेंगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपको प्रवेश मिल सकता है। एकादशस्थ शनि के प्रभाव से प्रतियोगी परीक्षा में भी सफलता मिलेगी तथा करियर में अच्छी उन्नति करेंगी।

मई के बाद अत्यधिक भोजन एवं आलस्य से बचें। विद्याध्ययन में एकाग्रता बढ़ाने के लिए गुरुवार के दिन उपवास करें। यदि आप व्यापारी हैं तो 22 अक्टूबर के बाद आपके व्यापार में व्यवधान आ सकता है। नौकरी करने वालों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

यात्रा-तबादला

छोटी मोटी यात्राओं के साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। इन यात्राओं से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। मई के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी हो सकता है।

22 अक्टूबर के बाद द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा होने के प्रबल योग बन रहे हैं। यात्रा करते समय या वाहन चलाते समय सावधानी अत्यधिक जरूरी है। क्योंकि द्वादश स्थान का शनि यात्रा के अंतराल में दुर्घटना का भी योग बना रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्षारम्भ श्रेष्ठ है। पूजा पाठ के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। दान पुण्य अधिक करेंगी। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से ध्यान व योग अधिक करेंगी।

आध्यात्मिक ज्ञान के कारण आपको अलौकिक आनन्द की अनुभूति होगी। सत्संग व सत्कर्म अधिक करेंगी। भागवत कथा सुनना व सत्संग में जाना

Kumari Vijeta

आपका नैसर्गिक गुण होगा। अक्टूबर के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगी।

- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें।
- शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष के नीचे जल चढ़ाएं एवं शाम के समय चौमुखी दीपक जलाएं।
- वीरवार के दिन पीली वस्तु का दान करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

149

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2039

वर्षारम्भ में शनि कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 5 अप्रैल को सिंह राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः मार्गी होकर 13 जुलाई को कन्या राशि एवं द्वादश भाव में आ जाएंगे। 7 अप्रैल को राहु वृष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु सिंह राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे तथा 3 मार्च को वक्री होकर कर्क राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 2 जून को सिंह राशि एवं एकादश भाव में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 4 नवम्बर को कन्या राशि एवं द्वादश भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

वर्ष के प्रारम्भ में शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कार्य व्यवसाय में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। गुप्त व प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। हार्डवेयर, ईंधन व कानून से जुड़े लोगों के लिए यह समय अच्छा नहीं है। हालांकि 5 अप्रैल से समय अच्छा हो रहा है। उस समय आपके व्यापार में सुधार होगा। नौकरी करने वाली महिलाओं की पदोन्नति हो सकती है। भूमि, वाहन व शिक्षा से जुड़ी महिलाओं का चौमुखी विकास होगा। दशमस्थ गुरु के प्रभाव से मान सम्मान व यश में वृद्धि होगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि शनि एवं राहु ग्रह का गोचर एक साथ प्रतिकूल होने से आपके सारे कार्य प्रभावित होंगे। आपके प्रतिद्वंदी आपको किसी कानूनी प्रक्रिया में फंसा सकते हैं। अतः जितना हो सके वाद-विवाद व कोर्ट कचहरी से दूर रहना ही आपके लिए लाभप्रद रहेगा। इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें तथा पुराने कार्यों को ही अच्छे ढंग से चलाएं। किसी पर भी ज्यादा विश्वास न करें तथा अपने मन की बात सब के साथ शेयर न करें। 4 नवम्बर के बाद व्यवसाय, नौकरी व निवेश संबंधी मामलों में जल्दबाजी में जोखिम भरा निर्णय लेना घातक होगा।

धन संपत्ति

द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से आर्थिक स्थिति में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। धनागम तो होगा परन्तु व्यय अधिक होने के कारण बचत नहीं कर पाएंगे। आप अपनी भौतिक सुख सुविधाओं पर अधिक खर्च करेंगी। परन्तु 5 अप्रैल के बाद अचल धन व रत्नादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। आय के स्रोत बढ़ेंगे तथा रुके हुए व फंसे हुए धन की प्राप्ति होगी। नौकरी करने वाली महिलाओं के वेतन में अचानक बढ़ोत्तरी होगी तथा आपको बड़े अधिकारियों से भी लाभ प्राप्त होगा।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

150

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वर्ष के उत्तरार्द्ध में राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आर्थिक हानि का योग बना रहा है। इस समय आपको खर्चों पर नियंत्रण और भावनाओं पर काबू रखने की जरूरत है। अचानक परिवार में कुछ ऐसे खर्चे आ सकते हैं जिससे आपको आर्थिक कमी का एहसास हो सकता है। अतः इस समय के अंतराल में आपको सावधान रहना चाहिए। 4 नवम्बर के बाद आर्थिक लेन देन व निवेश न करें नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है।

घर-परिवार, समाज

द्वादश स्थान का शनि पारिवारिक वातावरण के लिए अच्छा नहीं है। घरेलू माहौल को अनुकूल बनाये रखने के लिए छोटी मोटी बातों को अनदेखा न करें नहीं तो आपका पारिवारिक वातावरण ज्यादा प्रभावित हो सकता है। आपको अपनी वाणी पर भी नियंत्रण रखना होगा। परन्तु 5 अप्रैल से समय अनुकूल हो रहा है। आपके भाई बहनों की उन्नति होगी। माता-पिता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपके व्यक्तित्व में निखार व चमक पैदा होगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। मान सम्मान तथा पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, जिससे समाज में आपका यश सर्वत्र व्याप्त होगा। सभी लोग आपसे प्रभावित होंगे तथा आपको उचित सम्मान प्रदान करेंगी।

13 जुलाई के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से पारिवारिक चिंताएं बढ़ सकती हैं। ससुराल एवं मातुल पक्ष के लोगों के लिए यह समय शुभ नहीं है। इस समय के अंतराल में घरेलू जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकती है। ऐसे में आप अपनी धैर्य शक्ति बढ़ाएं तथा पारिवारिक स्थिति को अनुकूल बनाए रखने के लिए पूर्ण प्रयास करें क्योंकि 4 नवम्बर के बाद समय और ज्यादा प्रतिकूल हो रहा है।

संतान

पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि संतान के लिए श्रेष्ठ योग बना रही है। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति करेंगी। नवविवाहित महिलाओं को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। 3 मार्च के बाद आपके बच्चों को उन्नति करने के लिए अधिक प्रयास करना पड़ेगा। प्रथम संतान का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परन्तु 2 जून के बाद समय बहुत ही श्रेष्ठ हो रहा है।

आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा तथा वे आपकी उम्मीदों से बढ़कर कार्य करेंगे। यदि आपके बच्चे विवाह के योग्य हैं तो विवाह होने का

प्रबल योग बन रहा है। परन्तु 4 नवम्बर के बाद समय फिर से प्रतिकूल हो रहा है। अतः उस समय उनके रहन सहन पर विशेष ध्यान देना होगा।

स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारम्भ में आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिलेंगे। खासकर जोड़ों में दर्द, सिर में दर्द, मानसिक चिंता एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है। अतः स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है। व्यापारिक कारणों या अपने निजी कारणों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है। द्वादशस्थ शनि के कारण आपको ऐसा लगेगा कि आप धीरे धीरे कमजोर होती जा रहे हैं। परन्तु 5 अप्रैल से आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा। खान पान तथा दिनचर्या पर आप विशेष ध्यान देंगी। अपने दैनिक जीवन नवीन गतिविधियों को शामिल करेंगी। जैसे सुबह व्यायाम करना या खेल कूद व प्रतियोगी में शामिल होगा।

13 जुलाई से राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से आप अचानक बीमार हो सकती हैं। आपकी दैनिक दिनचर्या भी खराब हो सकती है। मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपकी रुची बढ़ेगी। इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें नहीं तो आपका मोटापा बढ़ सकता है। आलस्य का त्याग कर स्फूर्तिवान बनें। आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

द्वादश स्थान में शनि का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आलस्यता व दीर्घसूत्रता आपकी उन्नति में बाधक बन सकती है। अतः समय का सदुपयोग के साथ मन को एकाग्र कर अपने लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। 5 अप्रैल के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल हो रहा है। जो विद्यार्थी किसी नये कॉलेज के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे हों उन्हें मनोनुकूल अच्छे कॉलेज में दाखिला मिल जाएगा। यदि गूढ़ विज्ञान और मनोविज्ञान में आपकी रुचि है तो उनके लिए समय अनुकूल है।

13 जुलाई के बाद यदि शिक्षा के संदर्भ में कोई लुभावना प्रस्ताव मिल रहा है तो सावधान रहिए, यह प्रस्ताव आपके लिए अच्छा नहीं है। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं होने कारण आपको धोखा मिल सकता है। जो व्यक्ति विदेश में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए यह समय बहुत ही शुभ है।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में द्वादश स्थान के शनि विदेश यात्रा के प्रबल योग

बना रहे है। तृतीय स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से छोटी यात्राएं होती रहेंगी। इस वर्ष आपकी सारी यात्राएं अचानक होंगी क्योंकि नवमस्थ राहु के कारण पूर्व निर्धारित यात्राएं निरस्त होंगी।

5 अप्रैल के बाद उच्च शिक्षा हेतु आपकी विदेश यात्रा होगी। नौकरी करने वाली महिलाओं का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके अनुकूल स्थान पर भी हो सकता है। यात्रा करते समय व वाहन चलाते समय सावधानी बहुत ही जरूरी है क्योंकि 13 जुलाई के बाद राहु एवं शनि का गोचर दुर्घटना इत्यादि का प्रबल योग बना रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष मिला जुला रहेगा। वर्षारम्भ में आप एक कर्मनिष्ठ व्यक्ति होंगे अर्थात् कर्म को ही अपना धर्म मानेंगी और कर्म पर ज्यादा विश्वास करेंगी। गरीबों की सहायता करेंगी और उसके दुःखों को दूर करने का पूर्ण प्रयास करेंगी। 5 अप्रैल के बाद आपके अंदर ईश्वर के प्रति विश्वास बढ़ेगा। जिससे आप निःस्वार्थ भाव से भगवान की पूजा करेंगी। सुबह शाम मन्दिर जाना व पूजा पाठ करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। आपके दैनिक पूजा पाठ में भी सुधार होगा।

- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें व मंगलवार के दिन हनुमानजी को चोला चढ़ाएं।
- अपने घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करें और सुबह सुबह उसका दर्शन करें।
- दुर्गा कवच का पाठ करें तथा आठ मुखी रुद्राक्ष काले धागे में सोमवार के दिन धारण करें।
- तुला दान मतलब अपने वजन के बराबर अन्न का दान करें।

वार्षिक फलादेश - 2040

इस वर्ष शनि कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे। पूरे वर्ष राहु वृष राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे तथा 11 दिसम्बर को मेष राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 अप्रैल को सिंह राशि एवं एकादश भाव में गोचर करेंगे तथा मार्गी होकर पुनः 28 जून को कन्या राशि एवं द्वादश भाव में आ जाएंगे तथा अतिचारी होकर 3 दिसम्बर को तुला राशि एवं प्रथम भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ व्यवसायिक उन्नति के लिए अच्छा नहीं है। गुरु, राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके प्रतिद्वंदी आगे बढ़ेगी तथा आपको किसी षड्यन्त्र में फंसा सकती है। यदि आप नौकरी में हैं तो बड़े अधिकारियों से वैचारिक मतभेद होने के कारण आपकी उन्नति रुक सकती है या प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है ऐसी विषम परिस्थिति में आपको बड़े ही विवेक से काम लेना होगा। लोहा, तेल, कच्चे माल के कारखानों आदि से जुड़ी महिलाओं के लिए समय ज्यादा प्रभावित रहेगा। 6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने के कारण कुछ सफलता मिलेगी। अनुभवी व वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिसके प्रभाव से कार्यक्षेत्र में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में समय फिर से प्रभावित हो रहा है। मालिक या किसी सत्ताधारी से संबंध बिगड़ जाने के कारण व्यापार या कार्यक्षेत्र प्रभावित रह सकता है। काम धंधा अच्छा नहीं चलेगा। लेन देन के व्यापार में हानि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित कुछ न कुछ परेशानियां सदैव घेरे रहेंगी। इन तमाम कारणों के चलते इस अवधि में किसी नए काम के बारे में सोचना या नए काम की शुरुआत करना जोखिम भरा होगा। आप स्वयं में आत्मविश्वास की कमी का अनुभव करेंगी।

धन संपत्ति

मुख्यतः सभी ग्रहों का गोचर प्रतिकूल होने के कारण अनावश्यक खर्चें बढ़ेंगे, जिससे संचित धन में कमी आ सकती है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा कमाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाएं। धन के मामले में किसी पर बहुत जल्दी विश्वास न करें। घर में रोग की अधिकता होगी जिसके निवारण में धन का व्यय होगा। रिश्तेदारों व मित्रों के साथ पैसे का लेन देन न करें नहीं तो उनके साथ आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। 3 मार्च से 2 जून तक समय कुछ अच्छा हो रहा है। फिर भी निवेश के मामले में सावधान रहें क्योंकि द्वादश स्थान में शनि

ग्रह का गोचर शुभ नहीं है।

परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे उसमें भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। अपनी व्यापारिक उन्नति के लिए बैंक से लोन भी ले सकती हैं। नई संपत्ति क्रय करने के लिए यह समय शुभ नहीं है। धन संपत्ति से जुड़े मामलों को कोर्ट कचहरी में ले जाने से बचें। नहीं तो आपका ज्यादा नुकसान होगा। आप कुछ ऐसे कामों में उलझे रह सकती हैं जो कम फायदा देने वाले होंगे। कुछ बेकार के कामों में भी आप पैसे बर्बाद कर सकती हैं। कुछ ऐसे खर्च भी सामने आ सकते हैं जिनकी आपने उम्मीद नहीं की होगी। इस प्रकार की आर्थिक समस्याएं आपकी दिमागी शांति को भंग करने का काम करेंगी। 3 दिसम्बर के बाद समय कुछ अनुकूल होगा।

घर-परिवार, समाज

परिवार के कुछ लोगों के बर्ताव से आपकी भावनाएं आहत हो सकती हैं। कुछ विषम परिस्थितियां भी निर्मित होंगी अतः अच्छा यही रहेगा कि विपरीत परिस्थितियों को झेलते समय आप अपने अन्दर प्रतिरोधात्मक शक्ति विकसित करें। कुछ लोगों का व्यवहार वैमनस्य पूर्ण भी रह सकता है। आपके ईष्ट-मित्र अपने वादों से मुकर सकते हैं तथा उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं।

आपके बच्चों का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। द्वितीय स्थान में केतु की स्थिति इस बात के संकेत कर रही है कि यदि आपने निष्ठा के साथ संबंधों को सुधारने का प्रयास किया तो आपके सम्बंध संतोषप्रद रह सकती हैं। अपने दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाये रखने के लिए अपने जीवनसाथी के साथ विशेष स्नेह व सहनशीलता से काम लेना होगा। सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष समान्य रहेगा।

संतान

गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण बच्चों के लिए समय शुभ नहीं है। आपके बच्चे कुसंगति का शिकार हो सकते हैं। उनका रहन-सहन व दिनचर्या बिगड़ सकती है, जिससे उनकी उन्नति में व्यवधान आ सकता है। 6 अप्रैल को गुरु ग्रह का गोचर संतान के लिए शुभ है। आपके बच्चे अपनी योग्यता के बल पर उन्नति करेंगे तथा उनके बारे में शुभ सामाचार प्राप्त होंगे। नव विवाहित महिलाओं को संतान रत्न की प्राप्ति होगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके बच्चों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। आलस्यता एवं दीर्घ सूत्रता के कारण उनकी उन्नति में व्यवधान आ सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी बनी रहेगी। चोट चपेट व वाहनादि से दुर्घटना इत्यादि का योग बन रहा है तथा कोई बड़ी समस्या भी हो सकती है। पेट संबंधी समस्या जैसे अचानक पेट दर्द, गैस, अपच या बदहजमी आदि हो सकती है। सर्जरी आदि होने की भी संभावनाएं बनी हुई हैं। अतः स्वास्थ्य को लेकर सचेत रहना उचित होगा। खान-पान पर संयम रखना बहुत जरूरी होगा क्योंकि आपके स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा खतरा फूड पॉइजनिंग के कारण होगा। 6 अप्रैल से 28 जून तक समय कुछ अच्छा हो रहा है। इस समय के अंतराल में आप अपने को स्वस्थ महसूस करेंगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में समय फिर से प्रभावित हो रहा है। आर्थिक मुद्दे को लेकर या किसी विरोधी के कारण दिमागी तनाव भी रह सकता है। किसी यात्रा के दौरान भी आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अतः अनावश्यक यात्राएं करना भी ठीक नहीं होगा। गलत प्रवृत्तियों पर भी अंकुश लगाने की आवश्यकता है। किसी कानूनी मामले में पड़कर चिंता करना भी स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालेगा। खान-पान पर संयम रखें अन्यथा उदर विकार होने की सम्भावना है। आपको समय-समय पर डॉक्टर की सलाह लेते रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने खान पान का विशेष ध्यान रखना होगा। जहां तक हो सके शुद्ध शाकाहारी भोजन करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से यह साल श्रेष्ठ नहीं है, परन्तु 6 अप्रैल से 28 जून तक का समय विद्यार्थियों के लिए अच्छा है। यदि आप उच्च शिक्षा हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहती हैं तो यह समय उत्तम है।

यदि आप अपने करियर में सफलता पाना चाहती हैं तो अथक परिश्रम करना पड़ेगा। नौकरी इच्छित महिलाओं को कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। जो लोग विदेश में अपना करियर बनाना चाह रही हैं उनके लिए यह समय बहुत ही श्रेष्ठ है।

यात्रा-तबादला

इस वर्ष विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। 6 अप्रैल के बाद आपकी छोटी मोटी यात्राएं होंगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ मिलेगा।

यात्रा के अंतराल में आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती

है। यह मित्रता आपके लिए काफी लाभप्रद रहेगी। सामुद्रिक यात्रा या जलीय स्थान की यात्रा अधिक होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह साल अच्छा नहीं है। आपके सारे धार्मिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। आलस्यता के कारण आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा, परन्तु आप दान पुण्य अधिक करेंगी। गरीबों की सहायता करना, भूखे को खाना खिलाना आप अपना धर्म समझेंगी।

- वीरवार के दिन पीला वस्तु केला या बेसन के लड्डू दान करें।
- महामृत्युंजय यन्त्र अपने घर में स्थापित करें और नित्य उसका पूजन करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें तथा काले कुत्ते को रोटी खिलाएं।
- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें।

वार्षिक फलादेश - 2041

इस वर्ष राहु मेष राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु तुला राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 मई से 30 जुलाई तक कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे तथा उसके बाद पुनः मार्गी होकर तुला राशि एवं लग्न स्थान में आ जाएंगे। 25 सितम्बर तक शनि कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे तथा उसके बाद तुला राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध मिला-जुला रहेगा। राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण व्यवसाय में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। व्यापारिक उन्नति के लिए कोई बड़ा निवेश न करें नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है। लग्नस्थ गुरु के कारण आपको सरकारी अफसरों और अनुभवी लोगों का सहयोग भी पर्याप्त रूप से मिलता रहेगा।

6 मई से 30 जुलाई तक आपके कार्यों में व्यवधान आने की संभावना बन रही है। मित्र के साझेदारी में कड़वाहट आने की संभावना बन रही है। जुलाई के बाद आप अपने कार्यक्षेत्र को लेकर कुछ नई योजनाएं बनाएंगी तथा आपके कार्यों में सुधार होगा। वर्षान्त में आप व्यवसाय में अधिक व्यस्त रहेंगी। प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी व आय के साधनों में सुधार होने के प्रबल योग हैं।

धन संपत्ति

आर्थिक मामलों के लिए इस वर्ष आपको ज्यादा सतर्क रहना होगा क्योंकि द्वादश स्थान में शनि ग्रह का गोचर धन संपत्ति के लिए अच्छा नहीं है। कुछ अनावश्यक खर्च भी आ सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकते हैं। 6 मई के बाद आप कोई बड़ा निवेश न करें नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है। शेयर बाजार व सट्टे-लॉटरी में धन लगाने से बचें।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिए आप कठोर परिश्रम करेंगी। थोड़ी सूझ-बूझ और अवसर को पहचान कर आप धन कमाने में सफल रहेंगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि अवसर पड़ने पर पैसों की दिक्कत न हो। 25 सितम्बर के बाद धन संपत्ति के मामले में सुधार देखने को मिलेगा। जीवनसाथी को अपने कार्यक्षेत्र में कोई सफलता मिलने से आपको आर्थिक सहयोग मिलना संभव है।

घर—परिवार, समाज

पारिवारिक जीवन की बात करें तो यह वर्ष सामान्य रहेगा। संतान या पिता के लिए वर्ष का प्रारम्भ शुभ रहने वाला है। 6 मई के बाद अचानक जीवनसाथी के साथ संबंधों में खटास आने की संभावना बन रही है। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग नहीं मिलने के कारण आप कुछ परेशान रह सकती हैं, परन्तु 30 जुलाई के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में पारिवारिक अनुकूलता के साथ-साथ सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। वर्षान्त दाम्पत्य जीवन के लिए काफी शुभ है। पति-पत्नी के बीच भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा समय है।

संतान

वर्षारम्भ बच्चों के लिए शुभ है। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि बच्चों की उन्नति के लिए श्रेष्ठ योग बना रही है। संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बन रहे हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में संतान के पराक्रम में वृद्धि होगी तथा इनका सामाजिक स्तर भी बढ़ेगा। यह समय आपके दूसरी संतान के लिए ज्यादा शुभ है।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के लिए शुभ है। मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। लग्नस्थ गुरु के कारण आप प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगी। खाने-पीने पर आप विशेष ध्यान देंगी।

6 मई से 30 जुलाई के अंतराल आपके स्वास्थ्य में कुछ कमी आने की संभावना बन रही है। मौसमजनित बीमारियां परेशान कर सकती हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों को वर्ष के प्रारम्भ में पढ़ाई-लिखाई में रुचि बढ़ेगी। स्मरण शक्ति अच्छी होने से आप कठिन विषयों को बड़ी आसानी से समझने में सफल होंगी। उच्च शिक्षा तथा रिसर्च से जुड़े छात्रों को अपनी मेहनत के अनुपात में ज्यादा बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

जो छात्र विदेश में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं उनको 6

Kumari Vijeta

मई के बाद नये अवसर मिलने की उम्मीद है तथा 25 सितम्बर के बाद शिक्षा संबंधित सभी कार्यों में सफलता मिलने की प्रबल संभावना बन रहा है।

यात्रा—तबादला

वर्ष का प्रारम्भ व्यावसायिक लम्बी यात्राओं के लिए शुभ है। धार्मिक व पर्यटक स्थल की यात्रा होने की संभावना बन रहा है। 6 मई से 30 जुलाई के अंतराल आपके विदेश यात्रा का प्रबल योग बन रहा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके व्यावसायिक यात्राएं भी अधिक होंगी। मुख्यतः सभी यात्राएं मंगलमय व सौभाग्यवर्धक तथा आनंददायक होंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि धार्मिक कार्य के लिए शुभ है। पूजा पाठ के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। व्रत, यज्ञ, अनुष्ठान व भगवान की भक्ति में ज्यादा समय व्यतित होगा। गुरु भक्ति व मन्त्र सिद्धि के प्रति भी आपकी रुचि बढ़ेगी।

- एक मुखी रुद्राक्ष धारण करें।
- विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।
- नीलम रत्न धारण करें।
- अपने पूजा घर में स्फटिक श्रीयन्त्र की स्थापना करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

160

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2042

इस वर्ष शनि तुला राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे। 22 जून तक राहु मेष राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मीन राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 10 जून से 27 अगस्त तक तुला राशि एवं लग्न स्थान में गोचर करेंगे और पुनः मर्गी होकर फिर से वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। व्यवसाय में परिवर्तन की संभावना बन रही है। नौकरी करने वालों का स्थानान्तरण हो सकता है। जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा। व्यवसाय/नौकरी व निवेश संबंधी मामलों में जल्दबाजी में जोखिम भरा निर्णय लेना घातक होगा।

शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें। यदि करना बहुत जरूरी है तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह जरूर लें। यदि किसी के साथ मिलकर व्यापार कर रही हैं तो आप अपने भागीदार से असंतुष्ट रहेंगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष मिला जुला रहेगा। द्वितीयस्थ गुरु के कारण धनागम का स्रोत बना रहेगा। परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के हित में अधिक खर्च करेंगी।

निवेश के मामले में सावधानी रखना जरूरी होगा। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा बनाने के तरीकों पर अच्छी तरह सोच-विचार कर निर्णय लें। यह वर्ष जोखिम उठाने के लिए उपयुक्त नहीं है। संपत्ति के क्रय-विक्रय संबंधी कार्यों के लिए 22 जून को राहु ग्रह का गोचर सफलता लेकर आ रहा है। अंतिम निर्णय सोच समझ कर लें।

घर-परिवार, समाज

इस वर्ष आपके मान-सम्मान में लगातार वृद्धि होगी। आप सामाजिक गतिविधियों में और अधिक सक्रिय होंगी। सप्तमस्थ राहु पर शनि की दृष्टि जीवनसाथी की स्वास्थ्य संबंधी कठिनाईयों को बताता है। द्वितीय स्थान में गुरु की स्थिति परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि का योग बना रही है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध पारिवारिक मामलों के लिए अधिक अनुकूल नहीं है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

161

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

परिवार से जुड़े हर मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है। परिवार में कुछ लोगों के साथ वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। वर्षान्त में घर में मांगलिक कार्य भी संभव होंगे।

संतान

संतान के लिए यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगी। माता-पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर एवं सम्मान का भाव होगा। आपकी आज्ञा पालन में वे हमेशा तत्पर रहेंगे।

आप अपनी ओर से उनकी उन्नति का यथोचित प्रबन्ध करेंगी और वे आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करने में सफल भी होंगी। यदि आपकी संतान विवाह के योग्य है तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

स्वास्थ्य

लग्नस्थ शनि स्वास्थ्य में उतार चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेंगे। यदि पहले से किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। चिकित्सकीय परामर्श लेती रहें और अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान दें। नहीं तो स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है।

जून के बाद आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा क्योंकि लग्न स्थान में गुरु ग्रह का गोचर सकारात्मक ऊर्जाओं की वृद्धि कर रहा है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही शुभ है। वर्षान्त में आपका स्वास्थ्य फिर से बिगड़ सकता है। अतः खान-पान पर संयम रखना बहुत जरूरी होगा क्योंकि आपके स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा खतरा फूड पॉइजनिंग के कारण होगा। घुटनो में दर्द व पैर में चोट लगने की पूर्ण संभावना बन रही है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए यह समय उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु उत्तम है। जो विद्यार्थी वर्ग किसी नये कॉलेज में प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें मनोनुकूल अच्छे कॉलेज में दाखिला मिल जाएगा।

यदि गूढ़ विज्ञान और मनोविज्ञान में आपकी रुचि है तो उनके लिए समय अनुकूल है। यदि शिक्षा के संदर्भ में कोई लुभावना प्रस्ताव मिल रहा है तो आपको सावधान रहना चाहिए क्योंकि शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल चल रहा है जिसके कारण आपको धोखा मिल सकता है। यदि आप नौकरी की तलाश में हैं तो 22 जून के बाद वांछित नौकरी मिल सकती है।

यात्रा—तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में छोटी—मोटी यात्राएं होंगी परन्तु 10 जून के बाद आप बड़ी यात्राओं का भी आनन्द लेंगी। व्यवसाय से संबंधित अधिक यात्राएं होंगी। तीर्थ यात्राओं का भी योग बन रहा है।

नौकरी करने वाली महिलाओं का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके घर से दूर भी हो सकता है। विदेश यात्रा के लिए यह वर्ष अनुकूल नहीं है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

लग्न स्थान के शनि धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करेंगी जिससे आप चाह कर भी कोई शुभ कार्य नहीं कर पाएंगी। आलस्य के कारण दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। जून के बाद लग्न स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से समय अनुकूल हो रहा है। आपका मन धार्मिक कार्यों के प्रति विशेष आकर्षित होगा। घर में कोई मांगलिक या धार्मिक कार्य संपन्न होगा। किसी तीर्थ स्थान की यात्रा होगी। गुरु का आशीर्वाद व गुरु दीक्षा प्राप्त होगी।

वर्षान्त में आप दान पुण्य अधिक करेंगी। तन्त्र, मन्त्र व यन्त्र के प्रति भी आपकी रुचि बढ़ेगी। साधना व योग में आप अधिक से अधिक समय निकालेंगी। सत्संग में जाना व गुरु वाणी सुनना आपका नैसर्गिक गुण होगा।

- शिवजी की उपासना करें एवं महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें।
- मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- अपने बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करना एवं माता—पिता की सेवा करना लाभदायक रहेगा।
- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं एवं काली वस्तु का दान करें।

वार्षिक फलादेश - 2043

वर्ष के प्रारम्भ में गुरु वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा 27 जनवरी को धनु राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 30 जुलाई को वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे तथा अतिचारी होकर फिर से 11 सितम्बर को धनु राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे। पूरे साल शनि तुला राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे तथा 12 दिसम्बर को वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। 19 सितम्बर तक राहु मीन राशि एवं छठे भाव में रहेंगे तथा उसके बाद कुम्भ राशि एवं पंचम भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

इस वर्ष अच्छे परिणाम के लिए आपको कठिन परिश्रम करना होगा। संपर्कसूत्रों से निश्चित ही आपका भला होने वाला है। शब्दों में मिठास लाएं इससे आपको अधूरे कार्य पूरे करने में मदद मिलेगी। अपने अधिकारों में थोड़ी कटौती करें। यह आपके लिए अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोगों से किये गए समझौते में दरार आने की संभावना दिख रही है। इस दिशा पर तुरंत कार्यवाही करें। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रही हैं तो सभी कार्यों में पारदर्शिता रखें नहीं तो मित्रता में दरार आ सकती है। गैरकानूनी तरीकों से धन कमाने की कोशिश न करें नौकरी करने वाली महिलाओं के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा तथा आपसे बड़े अधिकारी आपकी सहायता करते रहेंगे।

11 सितम्बर के बाद आपको व्यापार में लाभ मिलेगा। बड़े अधिकारी, वरिष्ठ जन या अनुभवी लोगों का अच्छा सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आप अपने कार्य व्यवसाय में कुछ विशेष करेंगी। यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रही हैं तो उसमें इच्छित लाभ मिलेगा तथा आप अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगी।

धन संपत्ति

अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिए आप कठोर परिश्रम करने वाली हैं। अपने अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि अवसर पड़ने पर पैसों की दिक्कत न हो। लग्न स्थान का शनि आपके स्वास्थ्य पर पैसे खर्च करा सकता है। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है परन्तु वर्ष का उत्तरार्द्ध उत्तम रहेगा।

30 जुलाई के बाद आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार देखने को मिलेगा। साथ ही कोई पुराना फँसा हुआ पैसा वापिस मिलने की उम्मीद है, जिससे आप काफी राहत महसूस करेंगी। संचित धन में वृद्धि होगी तथा रत्न आभूषण इत्यादि

वस्तुओं की प्राप्ति होगी। फिर भी निवेश के मामले सावधान रहना बहुत जरूरी है।

घर—परिवार, समाज

इस वर्ष आपका पारिवारिक जीवन सामान्य रहने वाला है। मित्रों के साथ किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो सकती हैं। आपके भाईयो के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहने वाला है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है क्योंकि सप्तम स्थान पर शनि की दृष्टि जीवनसाथी की सेहत के लिए अच्छी नहीं होती।

तृतीयस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़ चढ़ के भाग लेंगी। सामाजिक कल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य संपन्न करेंगी, जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। 30 जुलाई को द्वितीय स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका घरेलू वातावरण अनुकूल रहेगा। माता—पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। ससुराल तथा मातुल पक्ष के लोगों के लिए यह समय बहुत ही शुभ है।

संतान

संतान के दृष्टिकोण से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। वे अपने बौद्धिक बल के द्वारा अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगी। आपके दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा है। यदि वे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश हो जाएगा। यदि वे विवाह के योग्य हैं तो विवाह होने का प्रबल योग बन रहा है।

19 सितम्बर के बाद सन्तान सम्बन्धी चिन्ताएं बढ़ेंगी। आपके बच्चों को स्वास्थ्य सम्बन्धी विकार उत्पन्न हो सकते हैं। शिक्षा—दीक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। गर्भवती स्त्रियों को सावधान रहना चाहिए नहीं तो पंचमस्थ राहु के कारण आपका गर्भपात भी हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। लग्न स्थान का शनि आपके स्वास्थ्य में उतार—चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेगा। सामाजिक गतिविधियों की व्यस्तताओं के चलते आपको अपने स्वास्थ्य की चिन्ता नहीं रहेगी तथा आप समय पर अपना खान—पान नहीं कर पाएंगी, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है। बेहतर होगा कि आप अपने दैनिक जीवन में भोजन पर संयम बनाए रखें व लापरवाही ना करें। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर

आवश्यकता से ज्यादा चिंता न करें नहीं तो इससे भी आपकी मानसिक शान्ति भंग होगी। सुबह जल्दी उठ कर पार्क में घूमना या व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

19 सितम्बर को राहु ग्रह का राशि परिवर्तन आपके स्वास्थ्य को और ज्यादा प्रभावित कर सकता है, जिससे रक्तचाप, वायु विकार व पित्त विकार आदि रोगों की संभावना दूर हो सकती है। शुद्ध शाकाहारी व सात्विक भोजन करें तथा मानसिक तनाव से स्वयं को दूर रखने के लिए योग, ध्यान, व्यायाम आदि नियमित रूप से करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। छात्र वर्ग के लिए समय अनुकूल रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को मनचाहे परिणाम मिलने की संभावना है। आपकी एकाग्रता में बढ़ोत्तरी होगी। आप सभी विषयों का अभ्यास बहुत ही अच्छे तरीके से करेंगी परिणामस्वरूप नतीजों में सकारात्मकता देखने को मिलेगी। जो छात्राएं विदेश में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं, उनको नए अवसर मिलने की उम्मीद है। प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वालों के लिए समय अनुकूल है।

19 सितम्बर के बाद प्रतियोगी परीक्षार्थियों को अधिक मेहनत करनी होगी। आपको धैर्य और बुद्धिमत्ता से अपना काम संभालना होगा। आप अपने परिश्रम के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगी। विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी। आलस्य की भावना सफलता में बाधक साबित हो सकती है।

यात्रा-तबादला

यात्रा के दृष्टिकोण यह वर्ष अच्छा रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से छोटी-मोटी यात्राओं के साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी।

व्यावसायिक यात्राओं के साथ आपकी मनोरंजनात्मक यात्राएं भी होती रहेंगी। इन यात्राओं से आपको काफी लाभ मिलेगा। लग्न स्थान का शनि यात्रा के अंतराल में आपका स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अनुकूल है। वर्षारम्भ में नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आप पूजा पाठ में विशेष रुचि लेंगी। नियमित रूप से आप दैनिक पूजा करती रहेंगी।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद यन्त्र, मन्त्र, तन्त्र के प्रति आपका विश्वास बढ़ सकता है तथा घरेलू सुख, शान्ति एवं समृद्धि प्राप्ति के लिए हवन, ग्रह शान्ति या अन्य कोई पूजा संपन्न करेंगी, जिसमें आपकी जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें तथा शनि मन्त्र का पाठ करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष सोमवार के दिन अभिमन्त्रित कर गले में धारण करें।
- नियमित रूप से श्रीसूक्तं और दुर्गा चालीसा का पाठ करें।
- प्रतिदिन सूर्य को जल दें।

वार्षिक फलादेश - 2044

इस वर्ष शनि वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा राहु कुम्भ राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे। 16 फरवरी तक गुरु धनु राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल वक्री होकर 4 मार्च से 13 जून तक सिंह राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि कोण से यह वर्ष सामान्य फलदायक रहेगा। आप अपने परिश्रम के बल पर कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। द्वितीयस्थ शनि के प्रभाव से आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाईयों का अनुभव करेंगी। आपके कार्य क्षेत्र में शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं अतः बिना किसी पर विश्वास किए आप अपने बौद्धिक शक्ति के अनुसार कार्य करती रहें। आपकी सफलता में आपके सहकर्मियों का विशेष सहयोग होगा। आप नई योजनाएं बनाकर भविष्य में लाभ प्राप्त करेंगी।

16 फरवरी के बाद नौकरी करने वालों के लिए समय बहुत ही शुभ हो रहा है। आपका मन उत्साह से पूर्ण रहेगा और कठिन से कठिन समस्या का सामना करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। किसी भी काम को आप मन लगाकर करेंगी जिससे आपके बड़े अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे तथा यही आपकी सफलता का कारण बनेगा।

धन संपत्ति

वर्ष के प्रारम्भ में आपकी आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है। आपकी जमापूंजी में कमी आ सकती है। इसलिए समझदारी के साथ पैसे खर्च करें तथा वित्तीय जोखिम उठाने से बचें। बिना लिखित प्रक्रिया के किसी को पैसे न दें और किसी पर भी आंख बन्द कर विश्वास न करें, अन्यथा बहुत सारी दिक्कतें आ सकती हैं।

16 फरवरी के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है। चतुर्थस्थ गुरु के कारण भूमि, भवन, वाहन इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि पैतृक संपत्ति प्राप्त करा सकती है। यदि कोर्ट कचहरी में कोई मुकद्दमा चल रहा हो उसमें भी अनुकूलता प्राप्त होगी। मांगलिक कार्यों में आपके पैसे अधिक खर्च होंगे।

घर—परिवार, समाज

16 फरवरी तक का समय पारिवारिक रूप से अच्छा नहीं है, परन्तु उसके बाद श्रेष्ठ हो रहा है। चतुर्थस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से आपका घरेलू वातावरण अनुकूल रहेगा। माता जी के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे तथा वे हर मोड़ पर आपकी मदद करेंगी। उनका प्यार आगे बढ़ने में आपकी मदद करेगा। भाई बहन सहित पूरे परिवार का सहयोग मिलेगा। आपके परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे जिसमें आपकी अहम भूमिका होगी। पंचम स्थान का राहु आपको संतान संबंधित परेशानी दे सकता है।

सामाजिक रूप से यह वर्ष उत्तम रहने वाला है। आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा, जिससे समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। सामाजिक उन्नति या समाज कल्याण के लिए आप कोई संस्था बना सकती हैं।

संतान

इस वर्ष आप संतान को लेकर अत्यधिक चिंतित रहेंगी। पंचम स्थान का राहु संतान की तरक्की के लिए बाधक है। आपकी प्रथम संतान को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। गर्भवती स्त्रियां सावधानी से रहें अन्यथा गर्भपात हो सकता है।

16 फरवरी के बाद आपकी दूसरी संतान के लिए समय अनुकूल रहेगा। उनके विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगी। शिक्षा के क्षेत्र में वे अच्छी प्रगति करेंगी तथा उनके पराक्रम में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। आप छोटी—मोटी बीमारियों के कारण परेशान हो सकती हैं। यदि पहले से कोई बीमारी है तो आपको परहेज की ज्यादा जरूरत है। आंख, पेट, पाचन और नसों से सम्बन्धित परेशानी हो सकती है। ईलाज के लिए आयुर्वेदिक दवा का सेवन करना फायदेमन्द हो सकता है। उचित आहार और नियमित व्यायाम करने से इन बीमारियों से बचा जा सकता है।

द्वितीय स्थान का शनि स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता। आर्थिक स्थिति को लेकर आवश्यकता से ज्यादा चिंता न करें। नहीं तो इसका नकारात्मक प्रभाव आपके शरीर पर पड़ेगा। मौसमजनित बीमारियों से आप ज्यादा परेशान हो सकती हैं। लग्न स्थान पर राहु की दृष्टि सरदर्द, मांसपेशियों, रक्त और लीवर से संबंधित दिक्कतें दे सकती है। आंखों का विशेष ध्यान रखें। यदि पहले से चश्मा

लगा हुआ है तो उसके नंबर की जांच करा लें। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि आप किसी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने जा रही हैं तो सफलता प्राप्ति के लिए आपको अधिक परिश्रम की आवश्यकता होगी। अंततः आपको सफलता मिलेगी। अध्ययन के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी परन्तु आलस्य की भावना सफलता में बाधक साबित हो सकती है।

बेरोजगार महिलाओं को नौकरी मिलने की संभावना है। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं है। पंचम स्थान का राहु आपकी शिक्षा-दीक्षा प्रभावित कर सकता है तथा करियर के प्रति एकाग्रता बनाए रखें क्योंकि आपका मन अशान्त रह सकता है।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में आप छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राओं का भी आनन्द लेंगी। धार्मिक यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं।

16 फरवरी के बाद द्वादश स्थान पर गुरु की दृष्टि विदेश यात्रा के योग बना रही है। सामुद्रिक यात्राएं अधिक होंगी। इन यात्राओं के दौरान आपको छोटी-मोटी परेशानियां भी होती रहेंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

पंचम स्थान का राहु धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं होता। इस वर्ष आप मानसिक द्वंद्वता के कारण पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान नहीं कर पाएंगी। आपके दैनिक पूजा पाठ में भी कमी आएगी तथा आपके श्रद्धा व विश्वास में कमी आएगी। 16 फरवरी के बाद आप पूरे परिवार सहित घरेलू सुख शान्ति के लिए कोई पूजा अर्चना करेंगी, जिसमें आप अपने सगे सम्बन्धियों को भी आमंत्रित करेंगी।

- शनिवार के दिन सुबह-सुबह पीपल के वृक्ष को जल दें तथा सन्ध्या के समय चौमुखी दीपक जलाएं।
- अपनी दिनचर्या सुधारें व तामसिक वस्तुओं का सेवन कम करें।
- प्रत्येक मंगलवार को हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- प्रतिदिन दुर्गा कवच का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2045

इस वर्ष शनि वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 15 जून तक राहु कुम्भ राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। 2 मार्च को गुरु कुम्भ राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का प्रारम्भ व्यावसायिक दृष्टि से उत्तम रहेगा। आप व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में कुछ अच्छा करेंगी। आमदनी के नये स्रोत मिलने की उम्मीद है। दशम भाव पर गुरु की दृष्टि पदोन्नति की प्रबल संभावना बना रही है। आपके आत्मविश्वास व कार्य क्षमता में अधिक पैनापन आएगा। समय-समय पर उच्चाधिकारियों से लाभ भी प्राप्त होता रहेगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप शेयर मार्केट व सट्टा आदि के कार्यों से लाभान्वित हो सकती हैं। अपनी कार्य कुशलता, दक्षता एवं बौद्धिक बल पर आप अपनी समस्याओं का समाधान भी निकाल लेंगी साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ मिलने या उसके साथ कार्य करने का शुभ अवसर प्राप्त होगा। नया काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें क्योंकि इस वर्ष शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल है अतः जल्दीबाजी में आप कोई गलत निर्णय ले सकती हैं।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य फलदायक रहेगा। आपके परिवार में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संबंधी परेशानियां आ सकती हैं जिससे आपका धन खर्च हो सकता है परंतु आपको पैतृक संपत्ति प्राप्ति के योग भी हैं। वर्ष के प्रारम्भ में वाहन व संपत्ति क्रय संबंधी योजनाएं बनेंगी।

15 जून के बाद अपने परिवार में किसी व्यक्ति को उधार पैसा न दें वरना वापसी की उम्मीद कम बन रही है। किसी मांगलिक कार्य या पुत्र के विवाह के अवसर पर धन खर्च हो सकता है। वर्ष का पूर्वार्द्ध आर्थिक दृष्टि से सामान्य होगा एवं वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके लिए अत्यधिक अनुकूल है। आपकी आय में वृद्धि के शुभ संकेत हैं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा परन्तु 2 मार्च के बाद समय किंचित प्रभावित रहने वाला है। परिवार में भावनात्मक लगाव की कमी होगी,

जिससे परिवार में वैमनस्य व वैचारिक मतभेद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ बेहतर संबंध बनाकर चलना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। नहीं तो द्वितीय स्थान का शनि एवं चतुर्थ स्थान का राहु परिवार में विषम परिस्थिति उत्पन्न कर सकता है जिसका नकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ेगा। आप मानसिक रूप से अशान्त भी रह सकती हैं।

आपकी माता के लिए भी यह समय अच्छा नहीं है, उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। वर्ष के उत्तरार्द्ध में गुरु ग्रह का गोचर अच्छा होने के कारण आप सभी परिस्थितियों का सामना धैर्यपूर्वक और सरलता के साथ करने में सक्षम रहेंगी। सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहने वाला है।

संतान

वर्ष के पूर्वार्द्ध में आप संतान के मामले में अधिक चिंतित रहेंगी। पंचम स्थान का राहु संतान की उन्नति में व्यवधान डाल सकता है। गर्भवती स्त्रियों को ज्यादा सावधान रहना होगा नहीं तो आपका गर्भपात हो सकता है।

पूर्वार्द्ध की अपेक्षा उत्तरार्द्ध अति श्रेष्ठ रहने वाला है। संतान की तरक्की के योग हैं जिससे आपको गर्भ की अनुभूति होगी। संतान के करियर, शिक्षा व विवाह के लिए शुभ योग बन रहे हैं। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगी।

स्वास्थ्य

वर्ष का पूर्वार्द्ध स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। इस वर्ष शनि के जलीय राशि में होने के कारण कफ, मोटापा तथा मधुमेह की समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के प्रति ध्यान देना परम आवश्यक है। खाने-पीने की वस्तुओं से परहेज रखें। स्वास्थ्य में छोटी मोटी समस्याएं रहेंगी परंतु कार्य क्षमता बनी रहेगी। मानसिक तनाव से बचें व व्यवहारिक होकर अपनी समस्याओं का निराकरण करें। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर आवश्यकता से ज्यादा चिंता न करें नहीं तो इसका भी आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में गुरु का गोचर आपके लिए अनुकूल सिद्ध होगा क्योंकि पंचम स्थान का गुरु स्वास्थ्य के लिए बहुत ही शुभ होता है। इसकी नवम दृष्टि लग्न पर होगी जिसके प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि होगी। मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। आप योग, ध्यान आदि क्रियाओं में रुचि लेंगी तथा आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर व प्रतियोगी परीक्षा के लिए यह वर्ष मिला-जुला रहने वाला है। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्ति के लिए पहले से अधिक लगन और मेहनत से काम करना होगा। पंचम स्थान का राहु अचानक आपकी शिक्षा-दीक्षा को भी प्रभावित कर सकता है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके लिए शुभ रहने वाला है। प्रतिद्वंद्वियों की नीतियां आपको परेशान नहीं कर पाएंगी। परीक्षाओं का परिणाम आपके पक्ष में आने के पूर्ण योग बन रहे हैं। यह अवधि आपके करियर के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

यात्रा-तबादला

गुरु के गोचरीय प्रभाव के कारण इस वर्ष पूर्वार्द्ध में आप अपनी मातृभूमि की यात्रा करेंगी तथा आपका मनोवांछित स्थान पर स्थानांतरण होने की प्रबल संभावनाएं भी स्पष्ट हो रही हैं। उत्तरार्द्ध में यात्रा के योग बन रहे हैं।

इस वर्ष आपकी विदेश यात्रा भी हो सकती है। यह यात्रा आपके अपने व्यावसायिक कार्य हेतु होगी एवं इससे आपको धन लाभ होगा। वर्षारम्भ में आपकी तीर्थ यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का प्रारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। मानसिक द्वंद्वता के कारण आप अधिक पूजा पाठ नहीं कर पाएंगी तथा आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। वर्ष का उत्तरार्द्ध श्रेष्ठ रहने वाला है।

- प्रतिदिन सूर्य को जल दें।
- गरीबों को लोहे का तवा दान करें।
- प्रतिदिन हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें।
- अपने पूजा घर में पारद शिवलिंग की स्थापना कर नित्य उनका पूजन करें।

वार्षिक फलादेश - 2046

इस वर्ष राहु मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे। साल के प्रारम्भ में गुरु कुम्भ राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा 13 मार्च को मीन राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। 8 दिसम्बर तक शनि वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा उसके बाद धनु राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल वक्री होकर 27 अप्रैल से 1 जुलाई तक कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

साल का दो माह छोड़ दिया जाए तो पूरा वर्ष प्रतिकूल रहने वाला है। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण व्यवसाय में परिवर्तन होने की संभावना बन रही है। नौकरी करने वाली महिलाओं का स्थान परिवर्तन होगा या जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। व्यवसाय, नौकरी व निवेश संबंधी मामलों में जल्दबाजी निर्णय लेना घातक होगा।

पूरे वर्ष आप शनि के प्रभाव में रहेंगे। कुछ नया करने जा रही हैं तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह जरूर लें। यदि किसी के साथ मिलकर व्यापार कर रही हैं तो आप अपने भागीदार से असंतुष्ट रहेंगी। आपकी साझेदारी किसी पुरुष से है तो उसमें भी दरार आ सकती है। इस वर्ष आपको व्यापार में पैसों के लेन-देन करते समय सतर्क रहना होगा क्योंकि द्वितीय स्थान का शनि नुकसान या हानि करा सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। निवेश आर्थिक नुकसान दे सकता है। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके संचित धन में भी कमी आएगी। यदि भूमि, भवन व वाहन लेना चाहती हैं तो कागजी कार्यवाही अवश्य पूरी करें तथा किसी की बातों पर विश्वास न करें नहीं तो आर्थिक हानि हो सकती है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में मुख्यतः ग्रहों का गोचर प्रतिकूल रहेगा। अतः इस समय के अंतराल में जोखिम भरे कामों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा बनाने के तरीकों पर अच्छी तरह सोच-विचार कर निर्णय लें। संपत्ति के क्रय विक्रय संबंधी कार्यों में ज्यादा सचेत रहें तथा अपनों पर भी आंख बंद कर विश्वास न करें।

घर-परिवार, समाज

चतुर्थ स्थान का राहु तथा द्वितीय स्थान का शनि आपके घरेलू

वातावरण के लिए अच्छा नहीं है इस वर्ष आपके परिवार में कुछ विषम परिस्थिति उत्पन्न होंगी। कुछ लोगों के साथ आपके वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। आपकी माता के लिए भी यह समय अच्छा नहीं है। अतः उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां हो सकती हैं, जिसका नकारात्मक प्रभाव आपके परिवार पर पड़ेगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में द्वितीयस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि को दर्शा रही है। इसके प्रभाव से पारिवारिक माहौल किंचित अनुकूल होगा। तृतीय स्थान पापकर्तरी योग में होने के कारण आपके सामाजिक मान सम्मान में कमी आएंगी तथा आप सामाजिक गतिविधियों में कम ही भाग लेंगी।

संतान

वर्ष के प्रारम्भ में पंचम स्थान का गुरु संतान के लिए शुभ है। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी उन्नति करेंगी। आपकी संतान की विशेष व्यावसायिक उन्नति भी होगी तथा वे अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर कर सकने में सफल होंगी। परन्तु 13 मार्च के बाद समय प्रभावित हो रहा है। उस समय बच्चों पर विशेष ध्यान देना होगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में संतान को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ सकती हैं तथा उनकी शिक्षा-दीक्षा में भी रुकावटें आ सकती हैं। इस समय के अंतराल में अपने बच्चों से तक वितर्क करने से बचें अन्यथा वैचारिक मतभेद व रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है।

स्वास्थ्य

13 मार्च के बाद आपके स्वास्थ्य में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगी। खासकर जोड़ों में दर्द, सिर में दर्द, मानसिक चिंता एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है। अतः स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में पारिवारिक कारणों या अपने निजी कारणों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है। अतः स्वयं को संतुलित एवं नियमित रखें। छठे स्थान का गुरु मधुमेह व थाईराइड वाले महिलाओं के लिए ज्यादा कष्ट कारक है। घी, तला हुआ व फैट वाली वस्तुओं का सेवन कम करें नहीं तो आपका वजन बढ़ सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहने वाला है। जो विद्यार्थी किसी नये कॉलेज में प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही हैं उन्हें मनोनुकूल अच्छे

कॉलेज में दाखिला मिल जाएगा। परन्तु 13 मार्च के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है उस समय आपको ज्यादा परिश्रम करना पड़ेगा।

गूढ़ विज्ञान और मनोविज्ञान में आपकी रुचि है तो उनके लिए समय अनुकूल है। यदि शिक्षा के संदर्भ में कोई लुभावना प्रस्ताव मिल रहा है तो सावधान रहिए क्योंकि गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं है इस अवधि में आपको धोखा मिल सकता है।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में लम्बी यात्रा हो सकती है। धार्मिक यात्रा होने के भी समान रूप से प्रबल योग बन रहे हैं, परन्तु 13 मार्च के बाद आपके सारी यात्राएं प्रभावित होंगी। यदि आप नौकरी में हैं तो चतुर्थ स्थान का राहु प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण करा सकता है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में द्वादश स्थान पर गुरु की दृष्टि विदेश यात्रा के प्रबल योग बना रही है। यात्रा करते समय या वाहन चलाते समय बहुत ही सावधान रहें क्योंकि दुर्घटना के भी योग हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का प्रारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए उत्तम रहने वाला है। लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि पूजा पाठ, यज्ञ एवं अनुष्ठान के लिए बहुत ही शुभ है, परन्तु 13 मार्च के बाद जैसे ही यह स्थिति समाप्त होगी। आपके सभी धार्मिक कार्यों में व्यवधान आने प्रारम्भ हो जाएंगी। वर्षान्त में आप दान पुण्य अधिक करेंगी।

- अपने पूजा घर में पारद शिवलिंग स्थापित करें तथा नित्य उनका दर्शन करें।
- प्रत्येक मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।
- बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं।

वार्षिक फलादेश - 2047

इस वर्ष शनि धनु राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे। 26 फरवरी तक राहु मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा उसके बाद धनु राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु मीन राशि एवं छठे भाव में रहेंगे और 21 मार्च को मेष राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे तथा अतिचारी होकर 18 अगस्त को वृष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 11 अक्टूबर को मेष राशि एवं सप्तम भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

21 मार्च तक का समय छोड़ दिया जा तो पूरा वर्ष व्यावसायिक दृष्टि से उत्तम रहने वाला है। आप व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में कुछ अच्छा करेंगी। आमदनी के नये स्रोत मिलेंगे। आपके आत्मविश्वास व कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। समय-समय पर उच्चाधिकारियों से लाभ भी प्राप्त होता रहेगा। आप अपनी कार्य कुशलता, दक्षता एवं बौद्धिक बल के द्वारा अपनी समस्याओं का समाधान भी निकाल लेंगी साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ मिलने या उसके साथ कार्य करने का शुभ अवसर प्राप्त होगा।

18 अगस्त से 11 अक्टूबर के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें यदि करना हो तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें क्योंकि उस समय गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल है। अक्टूबर के बाद व्यावसायिक रूप से समय और भी शुभ हो रहा है। साझेदारी में आपको ज्यादा लाभ मिलने वाला है तथा आपको मित्रों का भी पूर्ण सहयोग मिलेगा।

धन संपत्ति

वर्षारम्भ धन संपत्ति के लिए अच्छा नहीं है। आपके परिवार में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आ सकती हैं, जिसमें आपका धन व्यय हो सकता है। वर्षारम्भ में निवेश करने से बचें यदि निवेश करना ज्यादा जरूरी है तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। 21 मार्च के बाद समय कुछ शुभ हो रहा है। धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। धन संबंधी चिंताओं का सहज निवारण हो जाएगा।

सप्तमस्थ गुरु के कारण व्यापारी बंधुओं को किसी मित्र या पारिवारिक महिलाओं से आर्थिक मदद मिल सकती है। धन का आगमन तो निर्वाध रूप से होता रहेगा, जिससे आपके संचित धन में वृद्धि होगी। 18 अगस्त से 11 अक्टूबर तक का समय किंचित प्रभावित रहेगा। अतः इस समय के अंतराल में आर्थिक लेन देन करते समय सावधान रहें तथा अपने अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

घर—परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थस्थ राहु के कारण अचानक परिवार में विषम परिस्थितियां उत्पन्न होंगी। माता के लिए भी यह समय अच्छा नहीं है। अतः उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। इसका भी नकारात्मक प्रभाव आपके परिवार पर पड़ेगा। इस समय के अंतराल में पारिवारिक सदस्यों के साथ बेहतर संबंध बनाकर चलना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। हालांकि मार्च से समय कुछ अनुकूल हो रहा है।

आपके भाईयों के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध काफी शुभ है। आपकी पारिवारिक स्थिति बेहतर रहने वाली है। सभी लोगों से स्नेह और परस्पर सौहार्द की भावना रखें। तृतीयस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि सामाजिक उन्नति के लिए श्रेष्ठ है। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे। सामाजिक उन्नति व कल्याण के लिए आप कोई नयी संस्था भी बना सकती हैं। उस संस्था से बहुत लोगों का कल्याण होगा।

संतान

संतान के लिए यह साल सामान्य रहने वाला है। आपके बच्चे अपने बौद्धिक बल के द्वारा उन्नति करेंगे। 21 मार्च के बाद आपकी दूसरी संतान के लिए समय शुभ हो रहा है। उनके विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी प्रगति करेंगी तथा कार्य व्यवसाय में अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

18 अगस्त से 11 अक्टूबर तक का समय कुछ प्रभावित रहेगा परन्तु उसके बाद अच्छा हो जाएगा। यदि आप दूसरी संतान की इच्छा रखती हैं तो वर्षान्त श्रेष्ठ है।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं रहेगा। गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से स्वास्थ्य में छोटी मोटी समस्याएं रहेंगी परन्तु कार्य क्षमता बनी रहेगी। छठे स्थान का गुरु रक्तचाप व मधुमेह संबंधित रोगियों के लिए ज्यादा खराब है, परन्तु चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि 21 मार्च को गुरु ग्रह का गोचर आपके स्वास्थ्य के लिए शुभ हो रहा है। लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी।

प्रत्येक कार्य को आप अपनी बौद्धिक क्षमता के आधार पर पूर्ण करेंगी। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा आप खूब परिश्रम भी करेंगी। आपकी कार्य क्षमताएं निश्चित रूप से बढ़ेंगी। 18 अगस्त से 11 अक्टूबर तक का समय कुछ

प्रभावित रहेगा परन्तु उसके बाद का समय अच्छा है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्षारम्भ में प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्ति के लिए अधिक लगन और मेहनत से काम करना होगा। गुरु ग्रह का गोचर शुभ नहीं रहने के कारण शिक्षा दीक्षा में भी रुकावटें आ सकती हैं तथा उन्नति में भी व्यवधान आने की संभावना बन रही है। परन्तु 21 मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर शुभ हो रहा है। उस समय आपकी उन्नति के सभी मार्ग प्रशस्त होंगे।

18 अगस्त से 11 अक्टूबर तक का समय विदेशी भाषा सीखने के लिए व विदेश में सफलता प्राप्ति के लिए शुभ है। यदि आप विदेश में अपना करियर बनाना चाहती हैं तो सफलता के लिए यह समय बहुत ही शुभ है।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्राएं होंगी। यह यात्रा आपके अपने व्यावसायिक कार्य हेतु होगी एवं इससे आपको धन लाभ होगा। वर्षारम्भ में आपकी तीर्थ यात्रा व धार्मिक यात्राएं प्रभावित होंगी।

चतुर्थ स्थान का राहु अचानक प्रतिकूल स्थान पर तबदला करा सकता है। साल के उत्तरार्द्ध में छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी परन्तु 18 अगस्त के बाद आपकी सामुद्रिक व जलीय प्रदेशों की यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण पूजा पाठ में आपका मन नहीं लगेगा। पूर्व निर्धारित कोई धार्मिक कार्य करना चाहेंगे तो उसमें भी व्यवधान आने की संभावना बन रही है। 21 मार्च के बाद पूजा पाठ इत्यादि शुभ कर्मों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। आपकी जीवनसाथी की धार्मिक अभिरुचियों के चलते घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान का शुभ आयोजन होगा, जिसमें पूरे परिवार के लोग सम्मिलित होंगे। 18 अगस्त के बाद तन्त्र मन्त्र व यन्त्र के प्रति भी आप आकर्षित होंगी।

- अपनी दिनचर्या सही रखें तथा तामसिक वस्तुओं का सेवन न करें।
- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा सुश्रूषा करें।

Kumari Vijeta

- अपने पूजन घर में श्वेताक्र गणपति की स्थापना कर पूजन करें।
- प्रतिदिन विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

180

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2048

इस वर्ष शनि धनु राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे। 4 सितम्बर तक राहु धनु राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा उसके बाद वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु मेष राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे तथा 28 मार्च को वृष राशि एवं अष्टम भाव में गोचर करेंगे और अतिचारी होकर 13 अगस्त को मिथुन राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल वक्री होकर 10 फरवरी से 8 सितम्बर तक वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का प्रारम्भ व्यापारिक रूप से अच्छा रहने वाला है। सप्तमस्थ गुरु के कारण आपके व्यवसाय में अच्छा खासा लाभ मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। पराक्रम व कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा बड़े अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। दोस्तों और साझेदारों से व्यापार में आपको अच्छा सहयोग मिल सकता है। 28 मार्च से 13 अगस्त तक का समय कुछ प्रभावित रहने वाला है। अतः इस अवधि में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें और पुराने चले आ रहे कार्यों में और सुधार करने की कोशिश करें। यदि कोई कार्य करना बहुत जरूरी हो तो उसे क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। व्यवसाय, नौकरी व निवेश संबंधी मामलों में जल्दबाजी में जोखिम भरा निर्णय लेना घातक होगा।

13 अगस्त को नवम स्थान में गुरु ग्रह का गोचर आपको कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए चातुर्य व समझ-बूझ से काम निकालने का गुण देगा। आजीविका के क्षेत्र में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगी तथा अपने विरोधियों को मुंह तोड़ जबाब देंगे। इस अवधि में आपका भाग्य साथ देगा तथा कार्य व्यवसाय में आपके पिताजी का पूर्ण सहयोग होगा। यदि आप नौकरी में हैं तो यह साल आपके लिए सामान्य रहने वाला है।

धन संपत्ति

व्यावसायिक अनुकूलता के कारण धनागम के स्रोत बने रहेंगे। वर्षारम्भ में एकादश स्थान पर गुरु की दृष्टि आर्थिक समृद्धि के लिए शुभ है। किसी प्रभावशाली व उच्च पदस्थ व्यक्ति की मदद से आपको आर्थिक लाभ होने की संभावना है। धन संचय करने में आपकी जीवनसाथी का अहम सहयोग होगा। 28 मार्च से 13 अगस्त तक का समय अच्छा नहीं है। अतः इस समय के अंतराल में आपको आर्थिक मामलों में बहुत सावधान रहना होगा। निवेश करते समय व किसी को उधार पैसे देने समय कागजी कार्यवाही अवश्य करें तथा जोखिम भरे कार्यों में पैसा न लगाएं नहीं तो हानि की संभावना बन रही है।

13 अगस्त के बाद पुराना उधार पैसा वापिस मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, जिसके चलते आप अपने व्यवसाय का विस्तार करने के बारे में सोच सकती हैं।

घर-परिवार, समाज

वर्षारम्भ में सप्तमस्थ गुरु के प्रभाव से आपके दाम्पत्य जीवन में स्नेह और माधुर्य बना रहेगा तथा जीवन साथी के साथ रिश्ते में मजबूती आएगी। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह होने के योग बन रहे हैं। 28 मार्च के बाद समय कुछ प्रभावित हो रहा है उस समय परिवार में कुछ छोटे-मोटे विवाद हो सकते हैं। वाणी पर भी नियंत्रण रखें क्योंकि द्वितीय स्थान में वक्री मंगल ग्रह का गोचर वाणी दोष उत्पन्न कर रहे हैं

13 अगस्त के बाद आप मित्रों के साथ किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो सकती हैं। पिता के लिए यह समय बहुत ही शुभ है तथा उनके साथ आपके संबंध मधुर बने रहेंगे। तृतीयस्थ राहु एवं शनि के कारण आपके पराक्रम व कार्यक्षमताओं का विकास होगा। आपके मान सम्मान में और वृद्धि होगी और आप समाजिक गतिविधियों में पहले की अपेक्षा अधिक सक्रिय रहेंगी।

संतान

वर्ष का पूर्वार्द्ध आपके बच्चों के लिए सामान्य रहने वाला है। हालांकि आपके बच्चे काफी साहसी, पराक्रमी एवं तेज हैं फिर भी वर्षारम्भ में उनको सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। 28 मार्च से 13 अगस्त तक का समय ज्यादा प्रभावित रहने वाला है। गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण संतान की शिक्षा दीक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। इस अवधि में अपने बच्चों से तक वितर्क करने से बचें वरना वैचारिक मतभेद व रिश्तों में कड़वाहट आने की संभावना बन रही है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध संतान के लिए शुभ रहने वाला है। बच्चों के साथ भावनात्मक लगाव बढ़ेगा तथा उनके साथ संबंध मधुर रहेंगे। पंचम स्थान पर गुरु एवं शनि की दृष्टि संतान प्राप्ति के लिए शुभ है। नवविवाहित महिलाओं को संतान रत्न की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहने वाला है। लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि आपकी सेहत के लिए शुभ है। आपको अपने अंदर नई शक्ति का संचार महसूस होगा। इस अवधि में आप आध्यात्मिक कार्य अधिक करेंगी, जिससे

मानसिक शान्ति मिलेगी। 28 मार्च से 13 अगस्त तक का गोचर प्रतिकूल होने के कारण स्वास्थ्य में कमी आने की संभावना बन रही है। मौसमजनित बीमारियां भी तंग कर सकती हैं। अष्टम स्थान का गुरु मधुमेह व थाईराइड वाली महिलाओं को ज्यादा परेशान कर सकता है। परन्तु वर्ष का उत्तरार्द्ध श्रेष्ठ रहने वाला है।

13 अगस्त को नवम स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा तथा रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी। ऊर्जा, पराक्रम व आपकी कार्यक्षमताओं में बढ़ोत्तरी होगी। धार्मिक कार्य व तीर्थ यात्रा अधिक करेंगी। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह का प्रभाव होने के कारण आपका समय प्रसन्नता व आनन्द के साथ व्यतीत होगा तथा आप निरोगी काया की स्वामी होंगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षा के लिए साल का प्रारम्भ उत्तम रहने वाला है। इस समय के अंतराल में दिया गया परीक्षा का परिणाम उत्तम रहेगा तथा राहु एवं शनि ग्रह का गोचर शुभ होने से सभी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। 28 मार्च से 13 अगस्त तक का समय विद्यार्थियों के लिए हितकर नहीं रहेगा क्योंकि शिक्षा दीक्षा व उन्नति में व्यवधान आने की संभावना बन रही है परन्तु 13 अगस्त के बाद समय अच्छा हो जाएगा।

13 अगस्त को नवम स्थान में गुरु ग्रह का गोचर आपके लिए काफी प्रभावशाली साबित हो सकता है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थी को मनचाहे परिणाम मिलने की संभावना है। आपकी एकाग्रता में बढ़ोत्तरी होगी।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में छोटी-मोटी यात्राएं अधिक होंगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण आप ज्यादातर घर परिवार से दूर ही रहेंगी। 28 मार्च के बाद आपको आकस्मिक यात्राएं करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपके लिए सुखद नहीं रहेगी। सामुद्रिक यात्रा व विदेश यात्रा का भी प्रबल योग बन रहा है।

13 अगस्त के बाद आप किसी लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। धार्मिक यात्रा होने की प्रबल संभावना बन रही है। इस समय के अंतराल में पारिवारिक और व्यावसायिक सभी प्रकार की यात्राएं सफल रहेंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

लग्न स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप धार्मिक कार्यों में ज्यादा सक्रिय रहेंगी तथा अध्यात्मिक क्रिया-कलापों में अधिक सम्मिलित होंगे। आपके घर में धर्म-कर्म पूजा-पाठ होने के सुन्दर योग बन रहे हैं। 28 मार्च के बाद आप दान पुण्य भी अधिक करेंगी तथा गरीबों व दुखियों की खूब मदद करेंगी। भण्डारा व गरीबों की सेवा कर अत्यधिक पुण्यार्जन करेंगी।

- नीलम रत्न धारण करें।
- विष्णुसहस्र नाम का पाठ करें।
- वीरवार के दिन बेसन के लड्डू दान करें।
- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2049

इस वर्ष राहु वृश्चिक राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। वर्ष के प्रारम्भ में गुरु वृष राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे तथा 3 अप्रैल को मिथुन राशि एवं नवम भाव में गोचर करेंगे और अतिचारी होकर 27 अगस्त को कर्क राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। 6 मार्च को शनि मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे और वक्री होकर पुनः 10 जुलाई को धनु राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे और मार्गी होकर फिर 4 दिसम्बर को मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए यह साल सामान्य रहेगा। किसी भी कार्य में सोच समझकर कदम बढ़ाना उचित रहेगा। अपनी क्षमता से बढ़कर कोई भी बड़ा निर्णय न लें। वर्षारम्भ में गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके कार्यों में रुकावट आने की संभावना बन रही है। आपके विरोधी भी आप पर हावी हो सकते हैं। इस अवधि में आपको आत्मबल और धैर्य से काम लेना होगा। हालांकि 3 अप्रैल के बाद समय कुछ अच्छा हो रहा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके पुरुषार्थ और उत्साह में बढ़ोत्तरी होगी। कोई भी कार्य करेंगी तो उसमें आपका भाग्य साथ देगा। 10 जुलाई के बाद आप कोई नया कार्य प्रारम्भ कर सकती हैं। यदि आप नौकरी में हैं तो पदोन्नति के साथ अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है। दशमस्थ गुरु के कारण पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपके बिगड़े हुए कार्यों में सुधार होगा।

धन संपत्ति

इस वर्ष आपको आर्थिक समयस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए धन बचाकर रखें और फिजूल खर्चों से बचें। धन संबंधित लेन देन करते वक्त सावधानी बरतें क्योंकि द्वितीयस्थ राहु के कारण किसी नजदीकी व्यक्ति से धोखा मिलने की संभावना बन रही है। वर्षारम्भ में आप कोई बड़ा निवेश न करें तथा शेयर बाजार, सट्टा व अनैतिक कार्यों से दूर रहें। जोखिम भरे कार्यों में धन का निवेश न करें।

3 अप्रैल को गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने से आर्थिक तंगी दूर होगी तथा धन संचय करने की ओर आप अग्रसर होंगे। कुछ बड़े लोग व अनुभवी व्यक्तियों के सम्पर्क में आप आएं, जिनके माध्यम से धन कमाने का मौका मिलेगा। आर्थिक मामलों को लेकर की गई यात्राएं सफल होंगी। 27 अगस्त बाद आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा तथा आय के मार्ग में आने वाले व्यवधान

दूर

होंगे। आपका आत्मविश्वास धन कमाने में सहायक रहेगा। यदि पैसे को लेकर कोई विवाद चल रहा है तो वह दूर होगा।

घर—परिवार, समाज

द्वितीय स्थान में राहु ग्रह का गोचर पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा नहीं है। परिवार में किसी सदस्य का स्वास्थ्य अचानक खराब हो सकता है, जिसका नकारात्मक प्रभाव आपके घरेलू वातावरण पर भी पड़ेगा। 6 मार्च को चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह का गोचर आपकी माता के लिए अच्छा नहीं है। उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी होगी तथा उनके साथ आपका वैचारिक मतभेद होने की प्रबल संभावना है। यदि जीवनसाथी नौकरी या व्यवसाय में है तो उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान मिलेगा तथा प्रमोशन का भी सुन्दर योग बन रहा है।

10 जुलाई के बाद आपके भाई-बहनों के लिए समय शुभ हो रहा है। उनकी उन्नति होगी तथा उनके साथ आपके संबंध भी मधुर रहेंगे। तृतीय स्थान में शनि ग्रह का गोचर सामाजिक उन्नति के लिए श्रेष्ठ है। पहले की अपेक्षा इस वर्ष आप सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ के भाग लेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने के कारण घरेलू माहौल बढ़िया रहेगा। घर परिवार में मेहमानों का आना जाना लगा रहेगा। पूरे परिवार के साथ किसी दर्शनीय स्थल पर घूमने जा सकती हैं। खुशी के साथ आपका पारिवारिक जीवन व्यतीत होगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपकी संतान के लिए अच्छा नहीं है। उनकी शिक्षा-दीक्षा में रुकावट व उन्नति में व्यवधान आने की संभावना बन रही है। अष्टम स्थान में गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं भी हो सकती हैं। परन्तु 3 अप्रैल से समय शुभ हो रहा है। उस समय आपकी प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार मिलेंगे और उनकी उन्नति के मार्ग भी खुलेंगे।

नवमस्थ गुरु के कारण संतान के बौद्धिक शक्ति तेजी से बढ़ेगी तथा अपनी बुद्धिमत्ता से सभी लोगों को प्रभावित करने में समर्थ होंगी। साहित्य दर्शन एवं धार्मिक कार्यों में उनकी रुचि बढ़ेगी। वांछित प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की पूर्ण संभावना बन रही है। आपके प्रति उनके दिल में श्रद्धा व समर्पण की भावना बनी रहेगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं है अतः आपको स्वास्थ्य के

मामले में थोड़ी सतर्कता बरतनी जरूरी है। राहु एवं गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण शारीरिक व्याधि आपको प्रभावित कर सकती है। यदि आप मधुमेह, मोटापे व रक्तचाप की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना होगा। अपने आप पर आवश्यकता से अधिक बोझ न डालें और व्यर्थ की बातों से स्वयं को दूर रखें। हालांकि 3 अप्रैल के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है। उस समय आपको कुछ राहत मिलेगी क्योंकि लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि स्वास्थ्य के लिए शुभ है।

लग्न स्थान पर शुभ ग्रह के प्रभाव से आपके मन में अच्छे विचार आएंगे तथा आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगी। परन्तु राहु ग्रह का गोचर शुभ नहीं है। अतः खान पान का ध्यान रखने की जरूरत है। गरिष्ठ भोजन या अत्यधिक मसाले युक्त भोजन करने से पेट के रोग हो सकते हैं। सुबह टहलना आपके लिए फायदेमन्द रहेगा। मौसम जनित बीमारियों से सावधान रहें। स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से व्यायाम व योगा कर सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्षारम्भ में करियर व प्रतियोगी परीक्षा में रुकावटें आने की संभावना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्ति के लिए आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा परन्तु 3 अप्रैल के बाद विद्यार्थियों के लिए समय शुभ हो रहा है। इस समय दी गई परीक्षा के परिणाम आपके लिए सुखद हो सकते हैं।

उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध अनुकूल रहने वाला है। आपकी एकाग्रता में बढ़ोत्तरी होगी। आप विषयों को ज्यादा से ज्यादा पढ़ेंगी जिसके परिणामस्वरूप नतीजों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा।

यात्रा-तबादला

वर्ष के पूर्वार्द्ध में आप ज्यादातर घर से दूर ही रहेंगी। 6 मार्च को चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह का गोचर घर परिवर्तन या स्थान परिवर्तन का प्रबल योग बना रहा है। छोटी-मोटी यात्राओं से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। 3 अप्रैल के बाद लम्बी व दूर की यात्राएं होने की संभावना बन रही है। नवमस्थ गुरु के कारण धार्मिक यात्राएं भी अधिक होंगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में पारिवारिक और व्यावसायिक सभी प्रकार की यात्राएं सफल रहेंगी। आप अपने पूरे परिवार में साथ किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा करेंगी। अपने घर से दूर रहने वाली महिलाओं की जन्म भूमि की यात्रा होगी तथा इस यात्रा से आप अति प्रसन्न होंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में आपके सभी धार्मिक कार्य प्रभावित होंगे। दैनिक पूजा-पाठ में भी आपका मन नहीं लगेगा। यदि आप कोई शुभ कार्य करना चाहेंगी तो पारिवारिक सहयोग नहीं मिलने के कारण आप उसे पूर्ण नहीं कर पाएंगी। अष्टमस्थ गुरु पर राहु की दृष्टि के कारण तन्त्र साधना व काले जादू के प्रति आप का विश्वास बढ़ेगा। 3 मार्च के बाद आपका मन धार्मिक कार्यों के प्रति आकृष्ट होगा। आप अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगी। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगी और गरीबों की सहायता करेंगी। लक्ष्य प्राप्ति के लिए विशेष रूप से आप ईश्वर की उपासना करेंगी।

- प्रतिदिन दुर्गा चालीसा का पाठ करें।
- मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- पहली रोटी गाय को खिलाएं।
- तामसिक पदार्थों का सेवन न करें।

वार्षिक फलादेश - 2050

इस वर्ष शनि मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा राहु 22 फरवरी को तुला राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कर्क राशि एवं दशम भाव में रहेंगे और वक्री होकर एक माह के लिए मिथुन राशि एवं नवम भाव में गोचर करेंगे और मार्गी होकर 2 अप्रैल को पुनः कर्क राशि दशम भाव में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 19 सितम्बर को सिंह राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

नौकरी में पदोन्नति के लिए यह साल अति श्रेष्ठ रहने वाला है। अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगी तथा भरपूर सहयोग करेंगी। दशमस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि मान-सम्मान, सफलता व आर्थिक उन्नति के लिए शुभ है। यदि आप व्यवसाय करती हैं तो कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले उसके सकारात्मक एवं नकारात्मक परिणामों पर विशेष ध्यान दें क्योंकि 22 फरवरी को लग्न स्थान में राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। काम काज में अच्छा प्रदर्शन करेंगी तथा अपने पराक्रम की बदौलत सफलता के मार्ग पर अग्रसर बनी रहेंगी।

उत्तरार्द्ध में नौकरी के अलावा अन्य स्रोतों से भी उचित लाभ मिलेगा। बेहतर मार्केटिंग के बल पर अपने व्यापार से और अधिक मुनाफा कमाने में सक्षम होंगी। सभी कार्यों में भाईयों का अच्छा सहयोग मिलेगा परन्तु लग्नस्थ राहु के कारण मानसिक अशान्ति बनी रहेगी।

धन संपत्ति

वर्षारम्भ में कोई बड़ा आर्थिक निर्णय न लें नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है क्योंकि द्वितीय स्थान में राहु ग्रह का गोचर संचित धन के लिए अच्छा नहीं है। परन्तु 22 फरवरी के बाद समय कुछ अच्छा हो रहा है। तब धन संचय करने के लिए आप कठोर परिश्रम करेंगी तथा अपनी सूझ बूझ और अवसर को पहचान कर मनचाहा धन संचय करने की कोशिश करेंगी तथा यह प्रयास भी आपका सिद्ध होगा। चतुर्थस्थ शनि पर गुरु की दृष्टि भूमि व वाहन खरीदने का योग बन रही है।

19 सितम्बर को एकादश स्थान में गुरु ग्रह का गोचर धन प्राप्ति के लिए अनुकूल हो रहा है। धनागम में आने वाली समस्याओं का नाश होगा तथा आय के मार्ग प्रशस्त होंगे। रुके हुए व फंसे हुए धन की प्राप्ति होगी। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि शेयर बाजार व सट्टा इत्यादि के माध्यम से धन लाभ

करा सकती है। भाई पुत्र व जीवनसाथी का भी धनार्जन में पूर्ण सहयोग मिलेगा। घरेलू व मांगलिक कार्यों में आप अधिक खर्च करेंगी। माता के स्वास्थ्य अनुकूल करने में भी आपके पैसे व्यय होंगे।

घर—परिवार, समाज

द्वितीयस्थ राहु पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा नहीं है। अतः वर्षारम्भ में आपको पारिवारिक जीवन में सामंजस्यता बैठाने की आवश्यकता है। व्यर्थ की बहस से बचें व हर एक की भावनाओं का सम्मान करें। 22 फरवरी के बाद घर में कोई धार्मिक एवं मांगलिक कार्यक्रम होने से मन प्रसन्न रहेगा। चतुर्थस्थ शनि पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आप कोई नया वाहन या जमीन जायदाद खरीद सकती हैं। पारिवारिक सदस्यों के साथ आप कहीं बाहर घूमने जा सकती हैं जिससे परिवार में खुशी का वातावरण बनेगा।

19 सितम्बर से सामाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए समय काफी अच्छा हो रहा है। सामाजिक गतिविधियों में पहले से ज्यादा सक्रिय रहेंगी। दूसरों की सहायता करना या गरीबों की सेवा करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। वर्षान्त माता—पिता के लिए अच्छा नहीं है। अतः उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

संतान

22 फरवरी को राहु ग्रह का गोचर संतान के लिए अच्छा नहीं है। पंचम स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि अचानक बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है तथा उनके उन्नति में व्यवधान आने की संभावना बन रही है। यदि आपके बच्चे बड़े हैं तो उनकी संगति पर विशेष ध्यान दें तथा उनकी दिनचर्या का भी ध्यान रखें।

19 सितम्बर को गुरु ग्रह का गोचर बच्चों के लिए काफी शुभ है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, करियर व विवाह आदि के मामलों में शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

स्वास्थ्य

शारीरिक आरोग्यता के लिए वर्षारम्भ सामान्य रहेगा। परन्तु 22 फरवरी को लग्न स्थान में राहु ग्रह का गोचर अचानक आपको बीमार कर सकता है। खासकर जोड़ों में दर्द, सिर दर्द एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है। अतः स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही करना अच्छा नहीं रहेगा। लग्नस्थ राहु के कारण धीरे—धीरे शारीरिक ऊर्जा व कार्यक्षमता में कमी आएगी तथा

आप

अपने को कमजोर महसूस करेंगी। आयुर्वेद, जड़ी-बूटी और योगाभ्यास आदि का सहारा लें तो जल्दी लाभ मिलेगा।

पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा नहीं होने के कारण भी आप मानसिक परेशान रह सकती हैं। वर्षान्त में सीने में कोई पेशाबी हो सकती है। अतः किसी भी छोटी समस्या को छोटी ना समझते हुए तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें। हालांकि घबराने की कोई बात नहीं है क्योंकि गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण रोग प्रतिरोधक शक्ति में वृद्धि हो रही है फिर भी स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए तुला दान श्रेष्ठ रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर व प्रतियोगी परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए अथक प्रयास करना पड़ेगा। इंजीनीयर व राजनीति से जुड़ी महिलाओं को उम्मीद से अधिक लाभ मिलेगा।

19 सितम्बर के बाद नये-नये तकनीकी विषय की ओर रुझान होगा। मैनेजमेंट, प्रशासनिक शिक्षण से जुड़ी महिलाओं के लिए यह समय उत्तम रहेगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। नौकरी में स्थानान्तरण के प्रबल योग बन रहे हैं। यह तबादला घर के नजदीक होने से आप अत्यधिक प्रसन्न रहेंगी। तीर्थ यात्रा या पूर्व निर्धारित यात्राओं में व्यवधान आने की संभावना बन रही है। अपने घर से दूर रहने वाली महिलाओं की जन्मस्थल की यात्रा होगी।

उत्तरार्द्ध में कार्य व्यवसाय से संबंधित यात्राएं अधिक होंगी। इन सभी यात्राओं से आपको वांछित सफलता मिलेगी। लेकिन लग्न में राहु के कारण यात्रा के अंतराल में मानसिक अशान्ति बनी रहेगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा है। पूजा, पाठ यज्ञ, अनुष्ठान व मन्त्र पाठ के प्रति रुचि बढ़ेगी। दान-पुण्य, भण्डारा व गरीबों की सहायता अधिक करेंगी। दूसरों की सेवा-सुश्रुषा करने में आपको ज्यादा खुशी मिलेगी, मन भी शान्त रहेगा।

Kumari Vijeta

- नित्यप्रति गरीब लोगों की सहायता करें।
- अपने पूजन घर में स्फटिक श्रीयन्त्र की स्थापना करें।
- प्रतिदिन राहु मन्त्र का पाठ करें।
- सोमवार के दिन आठ मुखी रुद्राक्ष गले में धारण करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

192

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2051

इस वर्ष शनि मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे। गुरु सिंह राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे तथा 17 अक्टूबर को कन्या राशि एवं द्वादश भाव में गोचर करेंगे। राहु तुला राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे तथा 1 सितम्बर को कन्या राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक उन्नति के लिए यह साल अनुकूल बना रहेगा। एकादशस्थ गुरु के कारण सभी कार्यों में मनोवांछित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक जीवन में विशेष मान-सम्मान की प्राप्ति होगी तथा आय के साधन बढ़ेंगे। शेयर बाजार से जुड़े लोगों के लिए यह समय शुभ है। यदि आप प्रोपर्टी से संबंधित कार्य करती हैं तो सावधानी बरतें। क्योंकि चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह का गोचर शुभ नहीं है। प्रोपर्टी क्रय-विक्रय करते समय कागजी कार्यवाही पर विशेष ध्यान दें नहीं तो हानि होने की पूर्ण संभावना है।

17 अक्टूबर को द्वादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके कार्य व्यवसाय में कुछ व्यवधान आने की संभावना है। अतः उस समय बहुत ही सोच विचार कर कोई बड़ा निर्णय लें तथा किसी पर भी आंख बन्द कर विश्वास न करें क्योंकि जब समय अच्छा नहीं होता तो सही निर्णय भी गलत हो जाता है। परन्तु आप अपने कार्यक्षेत्र में जमकर मेहनत करेंगी तथा आपकी पराक्रम व आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और यही आपकी सफलता का कारण बनेगा।

धन संपत्ति

वर्षारम्भ आर्थिक स्थिति के लिए शुभ है। आय के मार्ग में आने वाले सभी व्यवधान दूर होंगे। धनागम में निरंतरता रहने के कारण पराक्रम व साहस का स्तर बढ़ेगा। आमदनी के नए स्रोत पैदा करने में सफल रहेंगे। एकादशस्थ गुरु के कारण आर्थिक मोर्चे पर अच्छे समाचार मिलेंगे। भूमि व वाहन खरीदते समय बहुत ही सावधान रहें और जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

17 अक्टूबर के बाद पैसे का लेन-देन करने से बचें तथा किसी को उधार पैसे न दें नहीं तो पैसा फंसने की पूर्ण संभावना बन रही है क्योंकि द्वादश स्थान में राहु एवं गुरु ग्रह का गोचर आर्थिक स्थिति के लिए अनुकूल नहीं हैं। वर्षान्त में अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति में कमी आ सकती है। अतः जहां बहुत जरूरत हो वहीं खर्च करें और यथासंभव बचत करने का प्रयास करें।

आर्थिक मामलों को लेकर की गई यात्रा सफल रहेगी।

घर—परिवार, समाज

पारिवारिक माहौल के लिए यह साल अच्छा नहीं है। माता जी को शारीरिक एवं मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, जिसका नकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ेगा। परिजनों में आपसी तालमेल की कमी देखने को मिल सकती है। क्रोध और उग्रता पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से भाई बहनों का अच्छा सहयोग मिलेगा। सामाजिक उन्नति के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहने वाला है तथा सामाजिक गतिविधियों में आप पहले से ज्यादा सक्रिय रहेंगे।

चतुर्थस्थ शनि पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बनेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। रिश्तेदारों व परिचितों के बारे में शुभ समाचार मिलेंगे। सपरिवार कहीं घूमने जा सकती हैं। धार्मिक कार्यक्रमों, पूजा-पाठ, समाज कल्याण के कार्यों में हिस्सा लेंगी जिसमें परिवार के सभी सदस्य शामिल होंगे।

संतान

पंचम स्थान गुरु की दृष्टि संतान के बौद्धिक विकास के लिए शुभ है। इस वर्ष बच्चों की उन्नति के सारे मार्ग प्रशस्त होंगे तथा उनके के साथ भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। साल का प्रारम्भ गर्भाधान के लिए श्रेष्ठ है। आपकी संतान किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा में सबसे आगे रहेगी तथा सफलता के मार्ग पर अग्रसर होगी।

17 अक्टूबर के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है। द्वादश स्थान में गुरु ग्रह का गोचर संतान के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। उस दौरान मानसिक व शारीरिक कष्ट होने की संभावना बन रही है। अतः उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें।

स्वास्थ्य

लग्नस्थ राहु के कारण आप अचानक बीमार हो सकती हैं। पेट या सिर से संबंधित तकलीफें हो सकती हैं। मौसम जनित बीमारियां आपको ज्यादा परेशान कर सकती हैं। यदि आप मधुमेह और मोटापे की समस्या से पीड़ित हैं तो अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखें। व्यापारिक, पारिवारिक या निजी कारणों की वजह से मानसिक तनाव बना रहेगा।

17 अक्टूबर के बाद समय ज्यादा प्रभावित हो रहा है। द्वादश स्थान में राहु एवं गुरु ग्रह का गोचर कोई लम्बा रोग दे सकता है। अतः इस दौरान समय समय पर डॉक्टर की सलाह लेना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर या किसी विरोधी के कारण दिमागी तनाव न पालें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए साल का प्रारम्भ उत्तम रहने वाला है। आपकी सृजनात्मक क्षमता बढ़ेगी। हार्डवेयर, लोहा व भवन निर्माण से संबंधित लोगों को अधिक सफलता मिलेगी। गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण कुछ अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में सुधार करेंगी। सरकारी अफसरों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

जो छात्राएं पढ़ाई हेतु विदेश जाना चाहती हैं उनके लिए 17 अक्टूबर के बाद से समय शुभ हो रहा है। तकनीकी शिक्षा, सरकारी विभागों व प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रा धीमी गति से आगे बढ़ेंगी।

यात्रा-तबादला

इस वर्ष आपकी व्यावसायिक यात्राएं अधिक होंगी। छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्रा होने के भी प्रबल योग बन रहे हैं। यात्रा के अंतराल में किसी के साथ मित्रता हो सकती है। यदि आप नौकरी में हैं तो स्थान परिवर्तन का प्रबल योग बन रहा है।

17 अक्टूबर को द्वादश स्थान में गुरु ग्रह का गोचर विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने, धार्मिक प्रचार-प्रसार या ऑफिस के कार्य से विदेश जा सकती हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में ही आपके अंदर ईश्वर के प्रति श्रद्धा एवं विश्वास बढ़ेगा, जिससे आप निःस्वार्थ भाव से भगवान की पूजा व सत्कर्म करेंगी। परमात्मा की भक्ति या मन्त्र पाठ में ज्यादा रुचि लेंगी। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि मन्त्र साधना या आध्यात्मिक सिद्धि का योग बना रही है।

Kumari Vijeta

17 अक्टूबर के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगी। गरीबों की सहायता करना व दुर्खियों की सेवा करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। मन्दिर निर्माण व धार्मिक संस्थानों में अधिक दान—पुण्य करेंगी।

- बुधवार के दिन गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं और गणेश जी के मन्त्र का पाठ करें।
- मंगलवार का व्रत करें तथा प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- सरसों के तेल में अपना प्रतिबिम्ब देखकर दान करें।
- शनिवार के दिन भैरव जी के दर्शन करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

196

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2052

इस वर्ष राहु और गुरु कन्या राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे तथा 16 नवंबर को गुरु तुला राशि एवं लग्न स्थान में गोचर करेंगे। साल के सुरु में शनि मकर राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे और 25 फरवरी को कुम्भ राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक कार्यों में बहुत समझबूझ कर कोई निर्णय लें क्योंकि इस वर्ष सभी ग्रहों का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कार्यक्षेत्र में सफलता नहीं मिलेगी। गुप्त शत्रु व विरोधी आपके कार्यों में रुकावटें डालने की कोशिश करेंगे। व्यापार को लेकर मानसिक परेशानी बनी रहेगी। इस समय के अंतराल में जल्द ही किसी पर विश्वास न करें और न ही जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय लें।

इस वर्ष परिश्रम के बल पर ही सफलता मिलेगी। इस अवधि में कुछ नया न करें यदि करना बहुत जरूरी हो तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। कार्य स्थल पर अपने परिवार के लोगों को सम्मिलित न करें। किसी के साथ मिल कर व्यापार करना अच्छा नहीं रहेगा। गैरकानूनी तरीकों से धन कमाने की कोशिश न करें, वरना सकारात्मक परिणामों की जगह नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष सामान्य रहेगा। धनागम तो होगा परन्तु परिवार में अधिक खर्च होने के कारण इच्छित बचत नहीं कर पाएंगी। अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं पर अधिक खर्च करेंगी। द्वादश स्थान में गुरु एवं राहु ग्रह की युति के कारण अनावश्यक खर्च अधिक होंगे जिससे आपके संचित धन में कमी आयेगी। इस दौरान खर्चों पर नियंत्रण और भावनाओं पर काबू रखने की जरूरत है। पारिवारिक रोग व बच्चे की सेहत पर व्यय अधिक होने के कारण आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। बहुत ही सोच विचार कर आर्थिक निर्णय लें नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है।

पंचम स्थान में शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से जुआ सट्टा इत्यादि अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर ही रहें साथ ही किसी प्रकार के आर्थिक जोखिम उठाने से परहेज करें। कठिन परिश्रम के माध्यम से धन संचय करने की कोशिश करेंगी। 16 नवम्बर से समय अनुकूल हो रहा है अतः उस समय यथोचित

सम्पत्ति अर्जित करने में सफल रहेंगी।

घर—परिवार, समाज

वर्षारम्भ में ही अचानक परिवार में विषम परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। परिवार में किसी बड़े व्यक्ति के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है। अतः अच्छा यही होगा की अपनी सहन शक्ति को बढ़ाएं और उचित निर्णय लें। चतुर्थस्थ शनि के कारण माता जी का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा।

25 फरवरी के बाद संतान संबंधित चिंताएं बढ़ सकती हैं। सप्तम स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि के कारण जीवनसाथी के रूखे व्यवहार का सामना करना पड़ सकता है। अपने दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाये रखने के लिए अपने जीवनसाथी के साथ विशेष स्नेह व सहनशीलता से काम लेना होगा। 16 नवम्बर को गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने से आपके घरेलू वातावरण में कुछ मधुरता आएगी। परिवार में सौहार्द बना रहेगा। किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के बड़े बजुर्गों की सलाह आपके लिए राम बाण का कार्य कर सकती है।

संतान

25 फरवरी के बाद संतान को शारीरिक एवं मानसिक परेशानी होगी। उनकी उन्नति में व्यवधान आने की संभावना है क्योंकि पंचम स्थान में शनि ग्रह का गोचर संतान के लिए शुभ नहीं है। आलस्यता, दीर्घ सूत्रता व काम चोरी के कारण सभी कार्यों में रुकावट उत्पन्न होंगी।

स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहने के कारण शिक्षा—दीक्षा में भी रुकावटें आ सकती हैं। आपके बच्चों को अपने कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

स्वास्थ्य

शारीरिक आरोग्यता प्राप्ति के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के कारण मानसिक परेशानी बनी रहेगी। घर में मेहमानों के आने—जाने से व्यस्त रहेंगे। स्फूर्ति और ऊर्जा का स्तर धीरे धीरे कम हो सकता है। तंदुरुस्ती और मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिक विषयों की ओर झुकाव बढ़ेगा। आलस्य से बचें।

शनि ग्रह के गोचर के बाद आप अपनी दिनचर्या में नयी गतिविधियों को शामिल करेंगे जैसे कि व्यायाम करना या सुबह—सुबह टहलने जाना। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली को उत्तम बनाने की कोशिश करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष मिला जुला रहेगा। पंचम स्थान का शनि विद्यार्थियों के लिए अच्छा नहीं है। उन्नति में रुकावट व उच्च शिक्षा में व्यवधान आ सकता है। अतः करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अथक परिश्रम करनी पड़ेगी। यदि आप विदेश में अपना करियर बनाना चाहती हैं तो यह समय बहुत ही शुभ है। विद्यावारीधि व रिसर्च से जुड़े विद्यार्थियों को मनोवांछित उन्नति मिलेगी।

25 फरवरी को छठे स्थान में शनि ग्रह का गोचर प्रतियोगिता परीक्षा के लिए श्रेष्ठतम रहने वाला है। समस्त प्रतियोगियों को परास्त कर आप अपने लक्ष्य में सबसे आगे रहेंगे। विद्यार्थियों का नये-नये तकनीकी विषयों की ओर रुझान होगा। रोजगार के नये नये अवसर भी मिलेंगे। जिसका उचित लाभ उठाकर आप अपने करियर में सफल होंगी।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी परन्तु 25 फरवरी के बाद विदेश यात्रा का प्रबल योग बन रहा है। इस अवधि में स्थान परिवर्तन व विभाग परिवर्तन होने की संभावना है। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए आप विदेश जा सकती हैं।

16 नवम्बर के बाद आपकी व्यावसायिक यात्राएं अधिक होंगी तथा पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि धार्मिक यात्रा के लिए शुभ है। आप अपने बच्चों के साथ किसी दार्शनिक स्थल पर घूमने-फिरने जा सकती हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

पूजा-पाठ, यज्ञ-अनुष्ठान व किसी प्रकार के धार्मिक कार्यों में आपका मन नहीं लगेगी। आलस्य के कारण आपकी दैनिक पूजा पाठ प्रभावित होगा, परन्तु 25 फरवरी के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगी।

16 नवम्बर को गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने से धार्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। पूजा पाठ यज्ञ अनुष्ठान अधिक करेंगी।

- दुर्गा बीसा यन्त्र अपने घर में स्थापित करें एवं उसके सामने प्रत्येक दिन घी का

Kumari Vijeta

दीपक जलाएं।

- तामसिक वस्तुओं का सेवन न करें तथा अनैतिक कार्यों से बच के रहें।
- वीरवार के दिन विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।
- आठमुखी रुद्राक्ष धारण करें। ॐ नमः शिवाय मन्त्र का प्रत्येक दिन पाठ करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

200

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2053

इस वर्ष शनि पंचम भाव में कुम्भ राशि में गोचर करेगा। पूरे वर्ष बृहस्पति प्रथम भाव में तुला राशि में रहेगा और 16 दिसंबर को वृश्चिक राशि में द्वितीय भाव में गोचर करेगा। साल के पूर्वार्द्ध भाग में राहु बारहवें भाव में कन्या राशि में रहेगा और 5 मई को ग्यारहवें भाव में सिंह राशि में प्रवेश करेगा। वहीं शुक्र 09 फरवरी से 09 अप्रैल तक अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

आजीविका की दृष्टि से यह साल अच्छा रहने वाला है। आप एक नया व्यवसाय शुरू करेंगी, जिसमें आपको मित्रों और जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। साझेदारी भी इस साल फायदेमंद साबित होगी। शेयर बाजार और सट्टा से आपको अच्छा लाभ मिलेगी। कानून के क्षेत्र में वकीलों और अन्य पेशेवरों को विशेष लाभ मिलेगा।

5 मई के बाद समय और अधिक अनुकूल हो रहा है। राहु के 11वें भाव में गोचर के कारण काम में अचानक प्रगति होगी। सभी विरोधियों की हार होगी और आपकी सर्वांगीण प्रगति का संकेत है। किसी बड़ी कंपनी के साथ काम करने के अवसर प्राप्त होंगे। यदि आप नौकरी में हैं तो वेतन में वृद्धि होगी और सभी सहकर्मियों के अच्छे सहयोग से आप काफी प्रसन्न रहेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक मोर्चे पर यह साल अच्छा रहेगा। आपको अच्छा धन लाभ होने की संभावना है। कुछ पुराने अवरुद्ध अधिकार/भुगतान की वसूली से धन की आमद में सुधार होगा। इसलिए आप अपने व्यापार के विस्तार या व्यापार में निवेश करने के बारे में सोच सकते हैं। धन की व्यवस्था और अन्य वित्तीय मामलों को सुलझाने के मामले में आपके प्रयास सफल होंगे। धन कमाने के लिए आपको बहुत संघर्ष करना पड़ेगा, लेकिन अपेक्षित परिणाम मिलने से आप संतुष्ट रहेंगी।

रियल एस्टेट कारोबार में सोच-समझकर निवेश करें। अनुबंधों या अन्य वित्तीय लेन-देन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते समय लापरवाही न करें। हालांकि 05 मई के बाद यह स्थिति अनुकूल रहेगी। संपत्ति से जुड़े मामलों में विकास करने में आप सफल होंगे, और अच्छा धन लाभ प्राप्त करेंगे।

घर—परिवार, समाज

पारिवारिक जीवन के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। घर की आवश्यकता के अनुसार आप खरीददारी करते दिखाई देंगे, जिससे घर वालों के बीच आपके मान—सम्मान में वृद्धि होगी। आपके घर बार—बार मेहमान आते रहेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और दोनों के बीच भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। संतान प्राप्ति के लिए यह समय शुभ है। परिवार के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं।

आपके भाई—बहनों के लिए 05 मई के बाद का समय शुभ रहेगा। उनके साथ आपके संबंधों में सुधार के साथ—साथ उन्हें सर्वांगीण प्रगति का आनंद लेने की उम्मीद है। साल के उत्तरार्ध में भी परिवार में सुख शांति का माहौल रहेगा। पारिवारिक सुख के लिए आप सदैव तत्पर रहेंगे और आपके परिवार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आएगी।

संतान

संतान के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। पढ़ाई के क्षेत्र में आपके बच्चे असाधारण उन्नति करेंगे और अपनी अच्छाई से दूसरों को प्रभावित करने में सफल होंगे। नवविवाहित जोड़े को इस वर्ष संतान की प्राप्ति हो सकती है।

इस साल आपके बच्चे कुछ खास करेंगे और उन पर आप प्रसन्न होओगी। उनकी सफलता से समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपको अन्य बच्चों के बारे में भी अच्छी खबर मिलेगी जिससे आपकी प्रभाव में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य

आपकी सेहत के लिए यह साल बेहतरीन रहने वाला है। पहले भाव में गुरु की कृपा से आप बहुत सक्रिय और ऊर्जावान रहेंगी। आपके भीतर पवित्रता में वृद्धि होगी। आप साहस और आत्मविश्वास से भरे रहेंगी। आप अपने नियमित कामों को करने में काफी सक्रिय रहेंगी। घर में कोई शुभ समारोह/कार्यक्रम मनाना या आपके बच्चे की कोई बड़ी उपलब्धि आपको मानसिक राहत देगी। फिटनेस प्राप्त करने के लिए आप योग, ध्यान, व्यायाम आदि पर ध्यान देंगे और शांति के लिए अध्यात्म की ओर रुख करेंगी।

आप अच्छे स्वास्थ्य, अच्छे भोजन और अपने दोस्तों के साथ यात्रा का आनंद लेंगी। आपके साहस में उल्लेखनीय वृद्धि आपको साहसिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी। जीवनसाथी के साथ छोटी यात्रा पर जाने की

संभावना है। अपनी क्षमता से अधिक काम न करें अन्यथा शारीरिक थकान आपको परेशान कर सकती है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए यह साल बहुत ही शुभ है। इस वर्ष आपको मनोवांछित परिणाम की प्राप्ति होगी और आपकी एकाग्रता का स्तर भी बढ़ेगा। आप रुचि के विषयों का बहुत ईमानदारी से अध्ययन करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप आपका अभ्यास बेहतर होगा और आपको निश्चित रूप से अधिक सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

आपकी अच्छी याददाश्त शक्ति आपको कठिन विषयों को बड़ी आसानी से समझने में मदद करेगी। मन लगाकर पढ़ने में आपकी रुचि रहेगी और आप पढ़ाई को अधिक समय दे पाएंगी। उच्च शिक्षा और शोध में लगे छात्राओं को उनकी मेहनत के अनुपात में बेहतर परिणाम मिलेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने में आप खुद को सक्षम महसूस करेंगी।

यात्रा-तबादला

इस वर्ष आप व्यवसाय से संबंधित कई छोटी और लंबी लाभकारी यात्राओं पर जाएंगी। वहीं सैर-सपाटे और मूड बदलने के लिए भी इस दौरान आप यात्रा पर जा सकती हैं। इस वर्ष विदेश यात्रा योग भी सक्रिय है।

यात्रा पर जाते समय आपकी किसी से दोस्ती होने की संभावना है और यह दोस्ती आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर सभी धार्मिक कार्यों को पूरा करेंगी। दैनिक प्रार्थना और परोपकारी कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप गूढ़ और रहस्यमय विषयों के अध्ययन के प्रति भी आकर्षित होंगी।

- आर्थिक समृद्धि के लिए अपने घर में श्रीयंत्र स्थापित करें और उसके सामने घी का दीपक जलाएं।
- प्रतिदिन सूर्य को अघ्न्य दें। इससे आपके आत्मबल में वृद्धि होगी।

Kumari Vijeta

- 8 मुखी रुद्राक्ष सोमवार के दिन धारण करें। इससे मिलेगी कार्यक्षेत्र में उन्नति।
- मानसिक शांति के लिए चींटियों, गौरैयाओं और मछलियों को अनाज अर्पित करें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

204

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

वार्षिक फलादेश - 2054

इस साल बृहस्पति वृश्चिक राशि में द्वितीय भाव में रहेंगे। लग-भग पूरे वर्ष राहु एकादश भाव में सिंह राशि में गोचर करेगा और 12 नवंबर को दशम भाव में कर्क राशि में प्रवेश करेगा। वर्ष के पूर्वार्ध भाग में शनि पंचम भाव में कुंभ राशि में रहेंगे और 14 मई को मीन राशि में षष्ठ भाव में प्रवेश करेंगे। इस काल अवधि में शनि मीन राशि में 08 जून को वक्री होंगे, और फिर 2 सितंबर को वक्री अवस्था में ही वापस कुम्भ राशि में आ जायेंगे, तथा इसी राशि में 23 नवंबर तक वक्री अवस्था में गोचर करेंगे। इस वर्ष शुक्र ग्रह 20 सितंबर से 11 नवंबर तक अस्त रहेंगे, और बुध ग्रह 28 मई से 13 अगस्त तक अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

व्यापार के लिए यह साल सामान्य रहेगा। व्यापार में उन्नति के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। यदि आप नौकरीपेशा में हैं तो आपको अपने कौशल के बल पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए ग्रह गोचर अधिक अनुकूल रहने वाला है। इस दौरान आपके सभी लंबित कार्य पूरे होंगे। कार्यों को पूरा करने में सफलता आपके आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी। व्यापार से जुड़े मामलों में आप अपनी विशेषज्ञता और अनुभव से काफी सुधार लाएंगे। नई कार्यशैली या तकनीक अपनाने से व्यापार और उत्पादकता में वृद्धि होगी।

14 मई को शनि का अनुकूल गोचर किसी वरिष्ठ अधिकारी का सहयोग लेकर आएगा। आप कुछ नया करने की योजना बनाएंगे जिसमें आपको अपने भाइयों का पूरा सहयोग मिलेगा। इस समय यदि आप नौकरी बदलना चाहे तो उसमें भी आपको सफलता मिलेगी और जो नई नौकरी आपको प्राप्त होगी उसमें शुरुआत में तो आपको कुछ परिश्रम अधिक करना होगा लेकिन उसके बाद वह टिकाऊ नौकरी में परिवर्तित हो जाएगी।

धन संपत्ति

आर्थिक मामलों के लिए यह साल बेहतरीन रहेगा। रियल एस्टेट के मामलों में सकारात्मक बदलाव आएगा। पैसे बचाने में आपको सभी का पूरा सहयोग मिलेगा। धार्मिक क्रियाकलापों में आप कुछ धन खर्च करेंगी लेकिन उससे जहां एक ओर आप के मान सम्मान में वृद्धि होगी वहीं आपको धन लाभ भी होगा। यदि आप नौकरी में हैं तो आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण वेतन में वृद्धि होने की संभावना है। आप धन संचय करने में सफल होंगे।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

205

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

आपका पैसा परिवार, शुभ समारोहों, घरेलू कार्यों में खर्च होगा। आपको बिजनेस पार्टनर और परिवार से अच्छी मदद मिलने की संभावना है। विदेश में काम करने वाले या विदेशी स्रोतों से संबंधित व्यवसाय करने वाले इस अवधि में काफी प्रगति करेंगे। वित्त, बैंकिंग, मीडिया, कला, रंगमंच, संगीत, पर्यटन, सौंदर्य प्रसाधन आदि क्षेत्रों में काम करने वाले लोग अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

घर-परिवार, समाज

इस साल परिवार में सौहार्दपूर्ण माहौल रहेगा। मातृ पक्ष के रिश्तेदारों से अच्छा सहयोग मिलने की संभावना रहेगी। ग्रहों का गोचर घर में नए फर्नीचर और वाहन की खरीद का संकेत देता है। चल-अचल संपत्ति से जुड़े विवादित मामलों के अनुकूल समाधान की उम्मीद की जा सकती है। घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होगा। माता-पिता के सहयोग से पूरे परिवार को भरपूर प्यार और सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रदर्शन की स्थिति के लिए भी यह वर्ष शुभ रहेगा।

उच्चाधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी। नौकरी में आपको पदोन्नति और उच्च पद प्राप्त होगा। संतान से सुख मिल सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि मिलने के संकेत हैं। किसी मित्र या सहकर्मी की मदद से आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। मेहमान घर में आ सकते हैं। मित्रों और परिवार के साथ लंबी धार्मिक यात्रा भी संभव है।

संतान

संतान की उन्नति के लिए यह साल अनुकूल रहेगा। आपके बच्चे सभी कार्यों को बुद्धि से पूरा करेंगे और किसी भी कठिन कार्य को आसानी से हल करने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे इस वर्ष प्रेम प्रसंग में रुचि ले सकते हैं और ऐसे संबंधों का परिणाम विवाह में परिवर्तित हो सकता है।

आपकी संतान को उच्च शिक्षा के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश मिल सकता है जिसके कारण आप संतुष्टि का अनुभव करेंगी। कुल मिलाकर आपकी संतान के लिए यह वर्ष ठीक-ठाक रहेगा, परंतु आपको उनके व्यवहार और उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा।

स्वास्थ्य

सेहत के लिए यह साल सामान्य रहेगा। बदलते मौसम के कारण कुछ परेशानी हो सकती है, लेकिन आप जल्द ही ठीक हो जाएंगी। वजन बढ़ने की

संभावना है, इसलिए मक्खन, घी और मिठाई से परहेज करें। 14 मई के बाद आप अपनी दिनचर्या में नई गतिविधियों को शामिल करेंगे, जैसे जिम जाना या मॉर्निंग वॉक पर जाना।

बृहस्पति के दूसरे भाव में गोचर से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि हो रही है। मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। इस दौरान आप प्रत्येक कार्य को पूरी शक्ति के साथ करने का प्रयास करेंगे और एक अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। यदि कोई बीमारी पहले से चली आ रही है, तो इस दौरान आपको उस से पूरी तरह से मुक्ति मिल सकती है। आपके मन में अच्छे विचार आएंगे और सकारात्मक सोच बढ़ेगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों को इस साल सफलता प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी। प्रेम प्रसंगों और मौज-मस्ती से दूर रहना अच्छा रहेगा। बीच में अनेकों अवसर ऐसे भी आएंगे जब उनका अपनी शिक्षा के प्रति मोह भंग होगा और एकाग्रता की कमी से जूझना भी पड़ सकता है। क्योंकि राहु व शनि का गोचर शिक्षा के लिए शुभ नहीं है।

14 मई के बाद प्रतियोगी परीक्षा के लिए समय शुभ है। यदि आप प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, तो आपको पूरे समय कड़ी मेहनत करनी होगी। यदि आप नई नौकरी की तलाश में हैं तो इस दौरान आपको अच्छी नौकरी मिलेगी और सफलता का मार्ग सुगम बना रहेगा।

यात्रा-तबादला

इस वर्ष पूर्व निर्धारित यात्राओं को बाधित किया जाएगा। कुछ अनावश्यक यात्रायें मानसिक तनाव का कारण बनेंगी। यात्रा के दौरान आपको परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य का ध्यान रखनी होगी। यदि आप अपनी वर्तमान नौकरी में बदलाव करने की योजना बना रहे हैं तो यह समय आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा, इसलिए प्रत्येक फैसला सोच-समझ कर लेना ही उचित रहेगा।

उत्तरार्द्ध में ग्रह गोचर किसी विशेष यात्रा का संकेत नहीं दे रहा है। छोटी यात्राएं होती रहेंगी, लेकिन लंबी यात्राओं की संभावना बहुत कम है। वर्ष के अंत में व्यावसायिक यात्राओं के संकेत हैं। इस अवधि में आपका स्थानांतरण या प्रोफाइल में उन्नति होने की भी संभावना है। जो जातक नौकरी के नए अवसर तलाश कर रहे हैं, उनके लिए भी यह समय अनुकूल सिद्ध हो सकता है। आपको नौकरी के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के पूर्वार्ध भाग में यदि आप कोई बड़ा धार्मिक कार्य करना चाहती हैं तो परिवार का सहयोग नहीं मिलेगा। 14 मई के बाद समय बेहतर हो रहा है। यह गोचर आपका आध्यात्मिक रुझान भी बढ़ाने वाला है, जिसके कारण आप अपने परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने की योजना बना सकती हैं। इस दौरान धार्मिक कार्यों, भजन, कीर्तन और पूजा पाठ आदि में आपकी रुचि बढ़ेगी।

- अरिष्ट ग्रहों की शांति के लिए ६ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे। मंत्र का जाप करें।
- शनिवार के दिन नीलम धारण करें। इससे आर्थिक स्थिति में होगा सुधार।
- मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी सिद्ध होगा।
- संपूर्ण वृद्धि मुक्ति यंत्र की प्रतिदिन पूजा करें।

वार्षिक फलादेश - 2055

इस वर्ष राहु कर्क राशि में दशम भाव में रहेंगे। 11 जनवरी को बृहस्पति धनु राशि में तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे, और वर्ष पर्यन्त इसी राशि में रहेंगे। वर्ष की शुरुआत में शनि पंचम भाव में कुम्भ राशि में रहेंगे और 5 फरवरी को षष्ठ भाव में मीन राशि में प्रवेश करेंगे, इस राशि में गोचर करते हुए शनि 21 जुलाई से 06 दिसंबर तक वक्री अवस्था में रहेंगे। इस वर्ष शुक्र ग्रह 13 जुलाई से 25 अगस्त तक वक्री स्थिति में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

आजीविका के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आप अपनी प्रतिभा के कारण व्यापार क्षेत्र में प्रगति करेंगे। सप्तम भाव में बृहस्पति की दृष्टि साझेदारी में बिजनेस के लिए शुभ है। व्यापार में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आप आयात निर्यात के माध्यम से अच्छा लाभ अर्जित करेंगे। अगर आप लेखक, संपादक और प्रकाशक हैं तो यह साल बेहतरीन रहने वाला है। 5 फरवरी के बाद कामगारों के लिए समय और भी ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

अपने सहकर्मियों के साथ बने रहें, क्योंकि कुछ करीबी दोस्त आपकी सफलता में मददगार हो सकते हैं। ऑफिस की समस्या के बारे में बात करते समय अपने किसी रहस्य को उजागर करने से बचें। आप अचानक काम से संबंधित यात्रा कर सकती हैं। शनि के गोचर के प्रभाव से आप अपने उत्पाद/संस्था की बेहतर ब्रांडिंग करने में सक्षम होंगे और प्रगति के रास्ते में आने वाली सभी रुकावटें दूर होंगी।

धन संपत्ति

आर्थिक उन्नति के लिए यह साल उत्तम रहेगा। 11वें भाव पर बृहस्पति की दृष्टि सर्वांगीण विकास का संकेत देती है। व्यापार में धन की आवक और बहिर्वाह संतुलित रहेगा। आप अपनी सुख-सुविधाओं पर अधिक खर्च करेंगी। दोस्त, भाई और परिचित आपके लिए मददगार साबित होंगे। आय के स्रोत के सुदृढ़ होने से आपकी बचत में वृद्धि होगी। लंबी अवधि के निवेश के लिए यह समय बहुत ही शुभ है।

खूब धन कमाने के अवसर प्राप्त होंगे। आप अपने प्रयासों से अधिक धन अर्जित करेंगे। आप किसी शुभ समारोह जैसे विवाह आदि पर पैसा खर्च कर सकती हैं। अनावश्यक खर्चों से बचें और पैसे बचायें क्योंकि परिवार में किसी की

स्वास्थ्य समस्या के इलाज के लिए आपको इसकी आवश्यकता हो सकती है।

घर—परिवार, समाज

घरेलू जीवन के लिए यह साल थोड़ा तनावपूर्ण रहेगा। चतुर्थ भाव में राहु के गोचर से पारिवारिक जीवन अस्त—व्यस्त रहने की संभावना है। इस दौरान आप अपने बिजी शेड्यूल के कारण परिवार के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाएंगे। आपको अपने परिवार के साथ संतुलन बनाये रखने की आवश्यकता है अन्यथा आपके रिश्तों में कुछ कड़वाहट आ सकती है।

माता की बीमारी या किसी अन्य घरेलू समस्या के कारण आप परेशान रह सकते हैं। लेकिन जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जो आपको शांत रखेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष शुभ है।

संतान

आपके बच्चे अतिरिक्त श्रम करके अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगी, जिससे दांपत्य जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। आपके दूसरे बच्चे के लिए समय अधिक अनुकूल है। उसका सर्वांगीण विकास होगा। यदि वे विवाह योग्य आयु के हैं तो वे विवाह कर सकते हैं।

अगर आप दूसरा बच्चा चाहती हैं तो गर्भधारण के लिए यह समय सबसे अच्छा है। दूसरी संतान की मनोवांछित प्रगति होगी और वह दौड़ में सबसे आगे रहेगा। बृहस्पति की शुभ दृष्टि आपकी संतान को उन्नति देने का कार्य करेगी।

स्वास्थ्य

शारीरिक स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिए यह साल अनुकूल रहेगा। आप हर कार्य को सकारात्मक रूप से करने में सफल रहेंगे। आपका संतुलित आहार और सुव्यवस्थित दिनचर्या भी आपकी फिटनेस में सुधार करेगी। अगर आप पूर्व में किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे हैं तो इस साल आपको इससे निजात मिल सकती है।

नवम भाव पर गुरु की दृष्टि धार्मिक मामलों में आपकी रुचि का संकेत देती है। आप मनोगत और अन्य गूढ़ विषयों के अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करेंगी। इस दौरान आप किसी आध्यात्मिक यात्रा पर जा सकती हैं। आपको किसी धार्मिक गुरु का आशीर्वाद भी मिल सकती है।

जीवन में आध्यात्मिक शांति और संतोष

रहेगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर बनाने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे और प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगी। जो लोग इलेक्ट्रॉनिक या हार्डवेयर आदि में काम कर रही हैं, उनके करियर में अच्छी सफलता मिलेगी। यदि आप नौकरी की तलाश में हैं तो वर्तमान समय का सदुपयोग करें। इस दौरान आप मन चाही नौकरी पा सकती हैं।

शनि का गोचर आपको शत्रुओं पर काबू पाने में अतिरिक्त सफलता देगा। कार्य-व्यवसाय में उन्नति के योग बनेंगे। छात्र अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट होंगे। वर्ष के उत्तरार्ध भाग में सरकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को घर या वाहन की प्राप्ति होगी, तो वहीं अन्य जातकों के खर्चों में अचानक से वृद्धि दर्ज की जाएगी।

यात्रा-तबादला

यात्राओं के लिए भी यह साल काफी अनुकूल रहेगा। ऑफिस और बिजनेस से जुड़े दूर ज्यादा होंगे। लंबी दूरी की यात्राएं आपको लाभ और विशेष उपलब्धियां दिलाएंगी। 5 फरवरी के बाद विदेश यात्रा की संभावना है। यदि आप विदेश में व्यापार करना चाहती हैं तो वर्तमान शुभ समय का सदुपयोग करें।

वर्ष का उत्तरार्ध भाग नौकरीपेशा लोगों को मनचाहा ट्रांसफर दिलाने में मदद करेगा, जिसके जरिए आपकी पदोन्नति संभव है। ऐसे में यदि आप अपनी नौकरी बदलने का विचार कर रही हैं तो, उसमें इस दौरान प्रयास तेज करें, तभी आपका करियर उछाल मारेगा और आपको किसी अच्छी नौकरी का ऑफर मिल सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

आप ध्यान, प्रार्थना और योग जैसे अपने आध्यात्मिक अभ्यासों में अधिक धार्मिक, अनुशासित और संगठित होने जा रहे हैं। इस साल धर्म के कारक बृहस्पति की दृष्टि धर्म भाव पर होगी, जिस कारण आपके स्वभाव में अधिक आध्यात्मिकता आने की संभावना है। इस दौरान आप परोपकारी गतिविधियों में संलग्न रहेंगे। आप किसी धार्मिक संस्था से जुड़ेंगी। मन में प्रसन्नता रहेगी और

Kumari Vijeta

पूजा-पाठ में आपकी रुचि बढ़ेगी। आध्यात्मिक उन्नति के लिए यह समय बहुत ही शुभ है। आप अपने जीवनसाथी के साथ सभी धार्मिक गतिविधियों में शामिल होंगी।

- जीवन में आ रही बाधाओं की मुक्ति के लिए प्रतिदिन गणेश मंत्र का जाप करें।
- शुक्रवार के दिन शुक्र की होरा में ओपल रत्न सोने की अंगूठी में मध्यमा उँगली में धारण करें। इससे मिलेगी कार्यक्षेत्र में उन्नति और समृद्धि।
- अपने पूजा स्थल पर पारद शिव लिंग की स्थापना करें। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी सिद्ध होगा।
- शुभ फलों की प्राप्ति के लिए शुक्रवार के दिन गाय को हरी घास खिलायें।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

212

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com